

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

२५षाम २२२૯- ५४७श व़२यपृश्र

' व़દિહ' २०२ મ ૠંક ૧૫ મई २०१६ (વ઼ૂ५ ૮ માસ ૧૦૧ ૠંક २०२)



ए ૠંकમे ૠછ઼િ:-

१

વ઼દિહ ભાષા સમ્માન २०१३-१४ (વૈકલ્પિક સાહિત્ય ૠકાદેમી પુરસ્કારક રૂપમે પ્રસાદ્ધિ) २०१४ ૠનુવાદ પુરસ્કાર સં સમ્માનિત- શ્રી વિનીત ઉત્પલ ["**મોહનદાસ**" (હિન્દી ઉપન્યાસ શ્રી ઉદય પ્રકાશ) ક મૈથિલી ૠનુવાદ લેલ] દ્વારા ૠનૂદિત: **સાહિત્ય ૠકાદેમી સં પુરસ્કૃત હિન્દી કહાની** નેહન પર નાગ્ઘૂ- **કાશીનાથ સહિ**

ૠ।

२

પલ્લવી મામ્ડલ- દ□ષ્ટકોિમ

१



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

साहित्य अकादेमी सँ पुरस्कृत हिन्दी कहानी

रेहन पर रग्घू

काशीनाथ सिंह

हिन्दी सँ मैथिली अनुवाद

विनीत उत्पल


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

𑒏𑒼𑒪𑒏𑒰𑒞𑒰𑒧𑒹

𑒞𑒹𑒖𑒮𑓂𑒫𑒲 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒏𑒰𑒩

𑒥𑒰𑓀𑒑𑓂𑒪𑒰-𑒯𑒱𑒢𑓂𑒠𑒲-𑒮𑒹𑒞𑒳

𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒕𑒼𑒙 𑒦𑒰𑒨 𑒏𑒵𑒣𑒰𑒬𑓀𑒏𑒩 𑒔𑒾𑒥𑒹𑒏 𑒪𑒹𑒪



𑒍

'𑒏𑒰𑒬𑒲 𑒏𑒰 𑒁𑒮𑓂𑒮𑒲'

𑒯𑒧𑒩 𑒢𑒑𑒩 𑒕𑒪

𑒂

'𑒩𑒹𑒯𑒢 𑒣𑒩 𑒩𑒑𑓂𑒒𑒴'

𑒯𑒧𑒩 𑒒𑒩 𑒁𑒕𑒱-𑒂𑒍𑒩 𑒬𑒰𑒨𑒠 𑒁𑒯𑒰𑓀 𑒏𑒹

𑒏𑒰𑒬𑒲𑒢𑒰𑒟


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

एक

१

तनवनीक ओ साँझ कहियो नै बिसरब।

साँझ तँ मौसम कऽ देने छल मुदा रहए दुपहरिया। कनी काल पहिने गेल छल। ओ खेलाइ खेले छल आ खा कऽ अपन अपन कोठलीमे पटायल छल आकि एकबैग बनिनो ऐल। घरक समटा खुजल खिड़की- दरवज्जा धाँइ- धाँइ करैत अपनेसँ बन्द हुअए लागल आ खुजए लागल। कतिली उड़ि कऽ कतौ खसल आ भट- भट कौ- कौ केना-केना खसऽ लागल, लागल जेना धरती थरथरा रहल अछि आ भीत हिल रहल अछि। अकास कारी खटखट भऽ गेल छल आ चारू दिस अन्हार गुज्ज छल।

ओ उठि कऽ बैसल रहल।

अंगना आ दरवज्जा बड़का- बड़का ओला आ बरखाक पाथरसँ भरा गेल, दलानक लेलिंग टूटि कऽ दू लाग्गा दूर जा कऽ धड़ामसँ खसल। एकर बाद जे नाियाउ बरखा बरखिव शुरू भेल तँ ओ पानिक बुन्नी नै छल, लागए जेना पानिक बड़हा छल, जकरा पकड़ि कऽ कियो चाहए तँ ओतऽ धरि चलि जाए जतऽ सँ ओ छोड़ल आकि खसाएल जा रहल छल। मेघ लगातार गरजि रहल छल, दूर नै, लगेमे माथक ऊपर जेना बजिलीका बीक रहल छल, दूर नै, खिड़कीसँ भीतर आँखिमिचौलिकहलती बरखक बूढ़ रघुनाथ अवाक! ई एकाएक की भऽ गेल? की भऽ रहल छै? ओ मुँहपरसँ बनरटोपी हटेलक, देहपर पड़ल सीरक हटेलक आ खिड़की लग ठाढ़ भऽ गेल।

खिड़कीक दुनू पल्ला अड़काक टेकसँ खुजल छल आ बाहर दिस देखि रहल छल। घरक आगुए कदम्बक बड़का गाछ छल मुदा ओकर पता नै चलि रहल छल, अन्हारक कारनामा, आ बरखाक कारनामा जे चऽ कऽ तोपने छल, पथियाक पथिया उझील रहल छल। छातक डाउन- पाइपसँ पानिक धार खसि रहल छल आ ओकर हहारो अलगेसँ सुना दऽ रहल छल। एहेन मौसम, एहेन पानि आ एहेन हवा ओ कहियो देखने छल? दिमागपर जोर देलापर मोन पड़ल- साठि- बासठि बरख पहिने! ओ स्कूल जाए लागल छल, गामसँ दू माइल दूर। मौसम खराप देखि कऽ मास्टर समयसँ पहिने छुट्टी दऽ देने छल। ओ सभ लेना- जुटकाक संगे गाछी पहुँचल छल आकि आन्ही- बनिनो-



પાર્ન આવિ ગેલ આ અન્હાર પસરિ ગેલ। સભ કિયો આમક ગાછક અઢ લેવऽ ચાહલક મુદા વિજુલી ઓકરા સભકેં જેના લऽ કऽ ઉડ઼િ ગેલૈ આ ગાછીસઁ વાહર ચાનક વાયમે લऽ જા કऽ પટકલકૈ। કકરો હોશાક આ કતેક- પતરાક કોનો પતા નૈ છલૈ। પાર્નક વુન્ની ઓકર દેહપર ગોલીક છર્રા સન લાગિ રહલ છલૈ આ ઓ માથે ચિચિયા રહલ છલ। વિજુલી થમ્હલાક વાદ જખન પાર્ન- વુન્ની કની કમ ભેલ તઁ ગામક લોક લાલટેન આ ટોર્ચ લऽ કऽ વહાર ભેલ છલ તાકૈ લેલ। ઈ એકટા અનહોની છલ આ અનહોની જઁ નૈ હુઅए તઁ જાનિગી કો?

આ ઈહો એકટા અનહોનીયે છલ જે વાહર એહેન મૌસમ છૈ આ ઓ કોઠલીમે અછિ।

કતેક દિન ભऽ ગેલ વરખામે ભીજના?

કતેક દિન ભऽ ગેલ ગામી માસક દુપહરિયાક વહેત લૂમે ઘુમના?

કતેક દિન ભऽ ગેલ જેઠક ગુમારમે હરકનાઈ?

કતેક દિન ભऽ ગેલ રજાઈયા તાનિ વૌઅનાઈ?

કતેક દિન ભऽ ગેલ ઠારમે ઠિઠુરિ દાઁત કટકટેનાઈ?

કો ઈ અહી લેલ હોઇત અછિ જે હમ એકરાસઁ કોના વર્ચ કિ રહી? વર્ચ- વર્ચ કિ ચલી? આ અહી લેલ કો એકરા ભોગી, એકરા જીવી, એકરાસઁ દોસ્તિયારી કરી, ગપ કરી, માથપર વૈસાવી?

હમ એકરાસઁ એના વ્યવહાર કऽ રહલ છી જેના ઈ હમર શત્રુ અછિ। કિએ કऽ રહલ છી એહેન?

એમ્હર કતેક દિનસઁ રઘુનાથકેં લાગૈત છલન્હિ જે ઓ દિન દૂર નૈ જખન ઓ નૈ રહત આ ઈ ધરતી રહિ જાએત। ઓ ચલિ જાએત આ એ ધરતીક વૈભવ, એકર ઐશ્વર્ય, એકર સૌન્દર્ય- ઈ મેઘ, ઈ રૌદ, ઈ ગાછ- વૃક્ષ, ઈ અકાસ, ઈ ધાર, કછાર, જંગલ, પહાડ઼ આ ઈ સભ કિછુ એતऽ ઘુરિ જાએત। ઓ ઈ સભ કિછુ અપપન આઁખિ વસા લેક ચાહૈત અછિ જેના ઓ જઁ ચલિયો જાએત તઁ ઓકર આઁખિ અછૈ રહિ જેતૈ। ચમડ઼ીપર સભ ચીજક થાપ સોખિ લે લऽ ચાહૈત અછિ જેના ચમડ઼ી કેંચુલ જકાઁ એતऽ ઘુરિ જાએત આ ઓકર સ્પર્શ હુનકા લગ પહુઁચૈત રહત। હુનકા લાગૈત છલ જે વેસી દિન આવ હુનકા નૈ અછિ જાઈમે। ભऽ સકૈए જે ઓ દિન કાલ્હિ હુઅए, જહિયા હુનકા લેલ સુરુજ નૈ ઉગૈ। ઉગત તઁ અવસ્સે મુદા સે દોસર લોક સભ દેખત, ઓ નૈ। કો ઈ સમ્ભવ નૈ અછિ જે ઓ સુરુજકેં વાન્હિ કऽ અપના સંગ લેને જાए, ને ઓ રહત, ને ઓ ઉગત આ નહિયે કિયો આર ઓકરા દેખત! મુદા એકટા સુરુજે સૌંસે ધરતી તઁ નૈ, ઓ કોન- કોનક વૌસ્તુકેં વાન્હત આ કકરા- કકરા દેખવાસઁ રોકત?

હુનકર હાથ એતેક નમ્હર કિએ નૈ ભऽ જાઈ છન્હિ જે ઓઈમે સમટા ધરતીકેં સમેટિ લિએ આ મરૈ વા જિઅએ તઁ સભક સંગ!

મુદા એકટા મોન આર છલ, રઘુનાથક જે હુનકા ચકિકારિ રહલ છલ, કાલ્હિ ચેતિ કિતऽ છલ ઈ પ્રેમ? ધરતીસઁ પ્રેમક ઈ આતુરતાઈ? ઈ અહલદિલી? કાલ્હિ સેહો ઈ ધરતી છલ। ચએહ મેઘ, અકાસ, તરેગણ, સુરુજ, ચન્દ્રમા છલ। ચાર, નદિહર, સાગર, જંગલ, પહાડ઼ છલ। ચએહ ગલી, મકાન, ચૌવટિયા છલ। કતऽ છલ ઈ અહલદિલી?

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

वहाँ धा कऽ बढ़ि गेल। आब ओकरा एना लगै छल जेना बसात ठामे-ठाम नोचि लेने होइक आ पाइन चीपल लोहसँ दागि लेने होइक। बेहोश भऽ कऽ खसबासँ पहिने ओकरा लग दिमागमे ज्ञानदत्त चौबे एलै। ओ दू बेर आत्महत्या करबाक प्रयास केने छल- पहिल बेर लोहना स्टेशनक रेलक पटरीपर गाम-घरसँ दूर निर्जनमे, जतऽ कियो आबै जाइ नै छल। तइ काल ओ सामान्य पैसेंजर वा मालगाड़ीकेँ नै, एक्सप्रेस वा मेलकेँ चुनने छल, कियैक तँ जे हुअए से हुअए झट दऽ, एक्के निशाँसमे, जइसँ तकलीफ नै होइ। ओ पटरीपर सुतल छल आकि मेल अबैत देखा पड़लै। पता नै किए ओकरामे जीवनसँ मोह उत्पन्न भऽ गेलै आ ओ उठि कऽ भागबापर छल आकि ठेहुन लगक एकटा पएर खचाक।

ई तँ मरैसँ बेसी खराप भेलै। बैशाखीक आस आ घरक लोकक गारि आ दुत्कारी। एक बेर फेर आत्महत्या करबाक धुनि सवार भेलै ओकरापर। एबेर ओ चुनलक सिमानपरबला इनार। ओ अपन बैशाखी फेकि कऽ ओइमे फानि गेल छपाकसँ आकि एकटा बरहा पकड़मे आबि गेलै। तीन दिन बिनु खेने पीने भूखल सोर पाड़ैत रहल ओ इनारमे आ निकलल तँ दोसर पएर तोड़बा कऽ।

आइ वएह ज्ञानदत्त - बनि पएरक ज्ञानदत्त- चौबटियापर भीख मंगैत अछि। मरबाक ओकर इच्छा ओकरा कतौ कऽ नै छोड़लकै। मुदा ई हरमजदा ज्ञानदत्त ओकरा मोनमे एलै किए नै? ओ मरबाक लेल तँ नै निकलल छल? निकलल तँ छल ओ पाइनक टीपक लेल, ओला सनक लेल, बसात लेल। ओ ए बातपर आबि गेल जे जीवनक अनुभवसँ पैघ अछि जीवन। जखन जीवने नै तँ अनुभव केकरा लेल।



२

पहाड़पुरमे रघुनाथ एक्केटा छल।

ओना कहैक लेल रामनाथ, शोभानाथ, छविनाथ, शामनाथ, प्रभुनाथ सेहो सभ छल मुदा ओ रघुनाथ तँ छल।

आ रघुनाथक ई भाग्य छल जे जतऽ कतौ ओ देखा पड़ै छल, गाम घरक लोक बखि- सबखि भऽ जाइ छल आ पैघ साँस लैत कहै छल- वाह! की भाग्य पेलक अछि ई बनिनल! रघुनाथ पहाड़पुर गाममे असगरे पढ़ल लिखल लोक छल। डिग्री कॉलेजक अध्यापक। दुब्बर- पातर नमगर- छरगर देहबल। शुरुहक दस बरख धरि साइकिलसँ अबैत जाइत छल, बादमे स्कूटरसँ। पछिला सीटपर पहिने बेटी बैसै छलै, बादमे बेटा बैसऽ लगलै। कहियो एकटा, कहियो दुनू। मोटा- मोटी पाँच- छह माइलक दूरी रहै।

सभ सुखी आ सस्तल लोक सन रघुनाथ सेहो अपना जीवा लेल, आगाँ बढ़बा लेल आ अकास छूबा लेल किछु ईलम ताकि लेने छल। सत्य पूछू तँ ओ तकने नै छल, ओकरा प्रकृति छलै। ओ खाली बढ़ि गेल छल आ ओकरा ओ नीतिए व्यवहारक संग बनौने छल। ओ पातर आ नमगर छल आ तरसँ कने लीब कऽ चलै छल। कतौ अबैत- जाइत काल, केकरोसँ भेँट- घाँट करैत काल, बजैत काल ओ कनी लीबल रहै छल। पहिल बेर ओ अप्पन बारेमे केकरो दोसरासँ गप्प करैत प्रिन्सिपल साहेबक मुँहसँ "विनम्रता" शब्द सुनलक। एहेन हुनकर प्रशंसामे कहल गेल छल। जइ लीबल रहैमे ओ लाजक अनुभव करै छल, ओकर बएह खूबी छल, ई नव बोध ओकरा भेलै। एमे ओ आगू जा कऽ दूटा खूबी आर जोड़ि देलक, मुस्कियेनाइ, आ सहमति देनाइ। कियो किछु कहितए ओ मुस्कियाइत रहितए आ समर्थनमे मूड़ी हिलबैत रहितए। ई तखने सम्भव छै जखन अहाँ अपना दिसिसँ कम बाजी।

ए तरहेँ रघुनाथ विनम्रता, कम बाजाबूकी आ मुस्की संगे जीवनक यात्राक प्रारम्भ केने छल।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

आ एकरा संयोगे कहियौ जे ओ कहियो असफल नै भेल। ई संयोगकेँ दोसर लोक सभ "भाग्य" कहैत छल। आ ऐपर रघुनाथ सेहो विश्वास कऽ लेने छल। भेल ई जे एक बेर ओ जखन कॉलेजसँ साइकिलसँ घर घुरि रहल छल तखन ओ देखलक जे ओकर साइकिल चेन टूटि गेल छै। ओ साइकिलकेँ कॉलेजमे छोड़ि देलक आ बुलि कऽ आबऽ लागल। गर्मी मास, रौद खूब, हवा कतौ नै, देह घामसँ भीजल। बाटमे कतौ गाछो- पात नै। अकासमे मेघ छलै मुदा दुरस्तमे। हुनकर मोन बाजल- "ओह! ई मेघ जँ रहितए माथक ऊपर छत्ता सन।" आ देखू, एक अर्लागा एबे कएल रहए आकि मेघ सगरे ओकर माथक ऊपर आबि गेलै। आ एतबेटा नै, ओ मेघ हुनका संगे छाह करैत गाम धरि आएल।

अगिला दिन ई सिद्ध भऽ गेल जे ई मात्र भ्रम नै छल। ओ वर्गमे पढ़बा लेल जहिना बिदा भेल, तहिना ध्यान गेलै जे कलम नै छै। चाहे तँ ओ घरेमे छूटि गेलै आकि बाटमे खसि पड़लै। ओ जखन कक्षामे पहुँचलो नै छल आकि आगू हॉलमे ओकरा एकटा कलम खसल लखा देलकै, रौदमे चमकैत।

एहेन गप आन लोकक संग सेहो होइत अछि मुदा नै जानि किए हुनका लगै छल जे दीनदयालु परमपिताक हुनकापर विशेष कृपा छन्हि। ओ हुनकर सभ सुविधा- असुविधाक ध्यान रखैत अछि। ऐसँ जे ओ चाहैत छथि ओ देर सबेर भऽ जाइत अछि। आ देखू जे ओ जखैन- जखैन चाहलक, जे जे चाहलक से भेल गेल। हुनका किछु करऽ नै पड़ल, अपने मोने भऽ गेल।

पढ़ाइ खतम केलाक बाद ओ शोध कऽ रहल रहथि आ हुनकर मोन नै लागि रहल छलन्हि। आब कहिया धरि ओ करैत रहितथि शोध? कतौ नोकरी भेटि जेतए तँ जान बचितए।

आ बेसी दिन नै बितलै आ हुनका नोकरी भेटि गेलन्हि।

एकर श्रेय ओ हालेमे जन्मल अपन बेटीकेँ देलक। बेटी लक्ष्मी होइत अछि। वएह अप्पन संगे आ अपना लेल हुनकर नोकरी लऽ कऽ आएल छल। मुदा आब एकर बाद एकटा बेटा चाही। ई ओ नै, हुनकर हृदय बाजल।

आ देखू, चारि बर्खक बाद बेटा सेहो आबि गेल। एकर बाद एकटा आर बेटा- बस!

ई तरहेँ एकटा बेटी, दूटा बेटा, शीला आ रघुनाथ, सभ कहियो मिलि कऽ पाँच लोकक परिवार। छोट परिवार, सुखी परिवार। परिवार सुखी रहल हुअए वा नै, रघुनाथ सुखी नै छल। जिनिगी हुनका लेल पहाड़पुरक धूल- चक्कर आ हँसी खेल नै छल। जन्मल छल तँ स्वयं कीड़ा- मकोड़ाक योनिमे किए नै जन्म लेलक? ओ ओतऽ जनमि सकै छल मुदा नै, भगवान जँ हुनका ऋषि- मुनिक लेल दुर्लभ योनिमे जनम देने अछि तँ एकर पाछाँ हुनकर कोनो उद्देश्य रहल हेतन्हि। जे जाउ, साठि- सत्तरि बरखक मौका दैत छी अहाँकेँ, जाउ धरतीकेँ सुन्नर आ सुखी बनाउ। धरती सुन्नर आ सुखी तखैन हएत जखैन अहाँक बाल- बच्चा सुखी, सुन्नर आ सम्पन्न हएत। अहाँकेँ जे बनबाक अछि ओ तँ अहाँ बनि गेलौं, आब बच्चा अछि जिनकर आगू पूरा जिनिगी आ दुनियाँ राखल छै। वएह अहाँक भविष्य अछि। जीबू तँ हुनकर जिनिगी, मरू तँ हुनके जिनिगी।

आ रघुनाथ से केलक। हुनकर सभटा शक्ति आ सभटा बुद्धि आ सभटा पूँजी हुनका सभकेँ बनबैमे लागल रहल।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

શ્રો યાહ૭ક- સ૧૭ા પઢ઼િ ૭િખ્યિ કિऽ નોકની કનાતિ૯િ।

સ૧૭ા પઢ઼િ ૭િખ્યિ કિऽ નોકની કનાऽ ૭ાગા૭।

શ્રો યાહ૭ક- સંળય઼ સૉશ્કટવે઼શ્ર૧ ૨ન્ળીનયિ઼૧ વનાતિ૯િ।

સંળય઼ સૉશ્કટવે઼શ્ર૧ ૨ન્ળીનયિ઼નટા નૈ વન૭, શ્રમેનકિા ૧ક પહુઁચિ ગે૭।

શ્રો યાહ૭ક- મૈનેળન સમયી હુશ્રણ।

સંળય઼ ૬ નૈ યાહ૭ક। શ્રો સે કે૭ક ળે શ્રો યાહ૭ક।

૧ઘુનાથક શ્રાસ ૧હિ ગે૭। દયા઼નિધાન કછિુ મદનિ નૈ કऽ સક૭ હુનકના હુનકા દુખ્ય ઐ ગાપક છ૭ ળે મૈનેળન એકના વાપ- વેટાક મે૭પેય વુહ૭ક। શ્રો વડ઼ માનસિક ૧નાવ઼મે યળિ ૧હ૭ છ૭, મુદા કૉ૭ળક હુનકન સહ્યો઼ગી હુનકા વયા૨ દऽ કऽ જાનોસ દે૭ક ળે એકટા શ્રન્હાન પ્યા૨મે પ્યસવાસઁ શ્રો વચિ ગે૭। ઐમે પ્નાનિ્સપ૭ક જૂમકિા શ્રાન નીક છ૭। શ્રો મોટામોટી ૧ીસ સા૭ પહનિ ૧ઘુનાથક સંગ કૉ૭ળ પકડ઼ને છ૭। દુનુક દોસ્તયિ઼ાની છૈ૭। ળપ્યૈન જેટતિ૯િ હઁસી મળાક, હાહા હૂહૂ કનાતિ૯િ। શ્રો એક દનિ શ્રાસ્તેસઁ કહ૭ક- "યૌ઼ ૧ઘુનાથ, હમના શ્રાશ્ચ઼યન્ય઼ ૭ગૈ૧ શ્રછિ ળે એનવેટા ગાપ શ્રહાઁકેઁ વુહૈમે કિ૯ નૈ શ્રાએ૭? શ્રો શ્રહાઁક વેટીક વદ૭ામે શ્રહાઁક વેટાકેઁ પ્યનીદ ૧હ૭ છ૭।"

ઐ ૧નહેઁ ૧ઘુનાથ સહળ જાऽ ૧હ૭ છ૭ ળે એક દનિ ઘ૧પન હુનકા પ્નાનિ્સપ૭ક દસપ્ખ૧વ૭ા નોટસિ જેટ૭। શ્રાનોપ દૂટા છ૭- "જેગ્૭ળિન્સ ऑશ્ક ડ્યૂટી"(કાળમે ઢ૭િા૨) શ્રા "૨નસવऑન્ડિનિશન"(ઉચ્ચ શ્રધકિાનીક ગાપ નૈ માનવ)। એહેન કોનો સંકેત શ્રપન ગાપમે નૈ દેને છ૭ શ્રો પહનિ કહયિ઼ો।

૬ દુનૂટા શ્રાનોપ છ૭ નિ઼ાધાન। એકના ૧ઘુનાથેટા નૈ, સહ્યો઼ગી સબ સેહો ળાનૈત છ૭ શ્રા પ્નાનિ્સપ૭ સેહો। સવહક સહાનુજૂતિ શ્રોકના સંગે છૈ૭, મુદા સંગ દેવા ૭૭ કયિ઼ો નૈયા઼ન નૈ છ૭। શ્રો ઉત્૧ન દऽ દે૭ક મુદા શ્રો ૬ ળાનૈત છ૭ ળે એકનાસઁ કોનો ૭ાજ નૈ શ્રછિ। શ્રો શ્રેશ્કયિ઼ારત એનऽ સઁ શ્રો૧ऽ દીગૈ૧ ગે૭। શ્રાળળિ શ્રાવ કિऽ પ્નાનિ્સપ૭સઁ જેંટ કે૭ક શ્રા હુનકાસઁ સ૭ાહ માંગ૭ક। શ્રો કહ૭ક- "દેખ્યૂ ૧ઘુનાથ, શ્રહાઁ ળોકો દૌડ઼- ધૂપ કનૂ, નિ઼૭મ્વનક મોન વના ૭ને શ્રછિ મૈનેળના હુનકન શક્તિ શ્રા પહુઁચકેઁ શ્રહાઁ ળનાતિ છી। એકન વાદ શ્રહાઁ કચહની ળાએવ, શ્રૌદાની ૭ડ઼વ, ૬ કહયિ઼ા ધના ચિ૭ત, કયિ઼ો નૈ ળનૈત શ્રછિ। જાऽ સકૈત શ્રછિ ળે શ્રૈસ૭ા હોર૨સઁ પહનિ શ્રહાઁ મનાયિ઼ો ળાશ। હઁ, ળાયના મુકદમા ચ૭ત, ૧ાયના પિંશન નુક૭ ૧હત। ૬ સબ દેખ્યિ કિऽ હમન ૧ઁ સ૭ાહ શ્રછિ ળે શ્રહાઁ વી઼શ્રાન઼એસ઼ (વ઼ૉ૭ન્ટની નટિાયન્નમેન્ટ સ્કીમ, સ્વે઼ચ્છાસઁ સેવા઼નવિ઼ૃત્તિ સુવિ઼ધા) ૭ऽ ૭શ્રિ।

૧ઘુનાથ વડ઼ી કા૭ ધના ચુપ ૧હ૭। હુનકાસઁ કછિુ વાળ૭ નૈ ગે૭।

"ઠીક શ્રછિ, મુદા એકટા શ્રહાઁ મદતિ કનૂ।"

"કહૂ, કી કऽ સકૈત છી હમ?"

"નિ઼૭મ્વનકેઁ શ્રહાઁ ૧ાયના ૭ટકેને ૧ાખ્યૂ ળાયના વેટીક વયિ઼ાહ નૈ જાऽ ળાએ। શ્રેન હમ સએહ કનવ ળે શ્રહાઁ કહને છી।"


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

मनुष्यताक उल ई करबाके छल। प्रिन्सिपल चिन्तित भऽ कऽ बाजल- “जाउ, कोशिश करै छी, मुदा ई गप अहाँ कतौ नै बाजी, से।”

आ प्रिन्सिपल कहिया धरि बाट तकितथि।

३

एहेन मुसीबतमे रघुनाथकेँ कियो आन नै हुनकर अप्पन बेटे धऽ देने छल।

बेटोमे संजय! संजय टा!

आ ई नम्हर खिस्सा अछि- राँचीसँ कैलिफोर्निया धरि पसरल।

संजय प्रेम केने छल सोनलसँ! ई प्रेम कोनो चौबटियापर घुमैत लस्तुआ छौड़ाक अगाढ़ प्रेम नै छलै, एमे गुस्सा- राग सेहो रहै आ जोड़- घटा सेहो! जतेक गहीर छल ततबे व्यापक।

संजयक सोनल प्रोफेसर सक्सेनाक बेटी छल।

सदिखन प्रथम श्रेणी, व्याख्याताक योग्यता परीक्षा पास आ दर्शनशास्त्रसँ पीएचडी। नौकरी तँ पक्का छल, बनारस विश्वविद्यालयमे, जतय ओकर माय कुलपति छल, मुदा ओकरामे अप्पन देरी छलै, तखनि धरि बियाहक बाट तकबाक छल!



वियाहमे बाबा गऽ रहल छथि, ओकर डेढ़सँ बाहर आएल दाँत आ सटल नाक जकर क्षतिपूर्ति ओ अप्पन सर्टिफिकेटसँ करैत छथि। छूटल- बढ़ल कसरि पूरा कऽ रहल छथि सक्सेनाक परसादे ई स्कूल कहिनका एकटा एहेन कथामी सॉफ्टवेयर अभियन्ताक आवश्यकता छन्हि जे अमेरिकाक एकटा बहुराष्ट्रीय कम्पनीक तीन वर्षक कान्ट्रेक्टपर कैलिफोर्नियामे जा सकए। ऐ आवश्यकताक अनुभव सम्पूर्णम इन्स्टीट्यूट बुझैत छथि।

संजय अन्तिम परीक्षा दऽ देने छथि, रिजल्टक घोषणा बाकी छथि!

एम्हर कतेक बेर माँ- बापक संदेश आएल छथि जे आबू, लड़कीकेँ देखि लियौ। लड़कीकेँ की देखब, ओ तँ देखने छथि! रघुनाथ जइ कॉलेजमे पढ़बैत छथि, पूर्व विधायकक बेटी तकर मैनेजर छथि। गोर, नमछुरक, सुन्दर आ आकर्षक। एमए नीक गृहिणी। मैनेजर पुरान जमानाक जमीन्दार, अथाह सम्पत्तिक मालिक। रघुनाथक कोनो हैसियत नै छै ओकर आगू। नहियेँ नीक सन घर दुआर, नहियेँ जमीन- जत्था। आठ बिगहा खेत आ हरक जोत। नेनपन आ युवावस्था बड्ड तंगीमे बितैल। बयसा सनकेँ पढ़ैलक तँ खेतकेँ बन्हकी लगा कऽ आ कॉलेजसँ ऋण लऽ कऽ स्पष्ट छथि, मैनेजर "सॉफ्टवेयर अभियन्ता" केँ देखने छथि, अप्पन कॉलेजक मास्टर रघुनाथकेँ नै।

ई सम्बन्ध रघुनाथक लेल सपनासँ आगूक चीज छथि। आएदे- आएदा छथि ऐसँ! जाहिमे पहिचान आ प्रतिष्ठा जे भेटति, से अलगे। ओ कीसँ की भेल जा रहल छथि।

तँ गाम आबैसँ पहिने सक्सेना सर सँ विदा लै लेल गेल छथि संजय।

एकरा अहाँ कहि सकैत छी जे ओकरा सक्सेना सर डिनरपर बजेने छथि।

गर्मीक साँझ। अप्पन लॉनमे सक्सेना बेतक कुर्सीपर चुपचाप बैसल छथि। माली गमलामे पानि दऽ रहल छथि। बंगलाक भीतरक बत्ती जड़ि रहल छथि। कोनो कोठलीसँ संगीतक धुन आबि रहल छथि। अवकाश प्राप्तिक करीब, हृदयक मरीज प्रो सक्सेना संजयक एबासँ अनजान चुपचाप बैसल छथि आ आगू देखि रहल छथि। बड़ी कालक बाद ओ पुछलक, "कोन इन्स्ट्रूमेन्ट अछि"।

संजय बिना बुझने माथ हिलेलक।

"आ राग? कोन राग अछि?"

संजय निरुत्तर, फेर माथ हिलेलक।

ओ ससरि गेल आ ऊँच अवाजमे बजेलक- "सोनू"।

जीन्सक पेंट आ टी- शर्टमे कूदैत सोनू आएल- "हँ पापा"।

संजय ठाढ़ भऽ गेल। सक्सेना मुस्की देलक, पहिने संजयकेँ देखलक, फेर सोनलकेँ। सोनल सेहो मुस्की देलक। संजय सोनलसँ भेंट तँ कते बेर केने छथि मुदा देखने पहिलुके बेर छथि। ओकरा लगलै जे कोनो छौड़ीकेँ टुकड़ीमे नै "सम्पूर्णता"मे देखबाक चाही। कतेक अन्तर पड़ि जाइत छै। संगे संग छौड़ी आ कनियाँकेँ एक तरहेँ नै देखबाक

 मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

યાહી। નૂપ-ંગ, ઢીવ-ઢાવ, માન-મનૌઅઈ છોડીમે દેખ્ખઉ ળાશ્ત અછિ, કનિયોંમે નૈ! ઈ સમટા પુનાન યાનામા અછિ, હમન પાપા-મમ્મીક ળમાનાક, હમન નૈ।

સક્સેના ગુમ્મી નોડ઼ઉક- "ઈ અછિ સોનમ, ળશ્મે હમન પ્નામ્ન વસૈન અછિ સાતિન, સનોદ, સંતૂન માને સોનઉ। સોનઉ માને સંગીત। યીપનેસ એકના પસન્નિ નૈ। શ્રુતિમી ગીતકેં ઈ ગીત નૈ માનૈત અછિ કારિક ત ઈ અપને કથક ન‍ૃત્યાંગના નહઉ અછિ ત કી ખુશ્રા નહઉ છી હમના સમકેં આઇ?"

"ઓ ત તપ્પને પતા ઉગાત ળપ્પન પ્પાએવા" સોનઉ ઉળા કડ઼ માગિ ગેઉ।

"વૈસૂ સંળયા" ઈ કહૈત સક્સેના સેહો મૂડ઼ી ઠુકા કડ઼ વૈસિ ગેઉ। કછુ સોચૈત। ટૂટઉ સ્વનમે વાળઉ- "કોના નહવ એકન વનિ, નહવ કોના સે નૈ વુદ્ધિ પડ઼ૈત અછિ ઈ યૌદહે વન્પ્પક છઉ ળપ્પન એકન માય ગુળનિ ગેઉ।"

તકન વાદ ઓકન આઁખ્ખિસં નોન ખસડ઼ ઉગાઉ- "તીન યાનિ વિનખ્ખસઁ ઉગાતાન આવૈત નહઉ અછિ ઉડ઼કા। એકસઁ એક।

અહાઁક સોનયિન સેહો, ક્ઉસસ્ક્ઉ સેહો। મુદા વેટા મામી સંકટમે છી, અહો ઉવાનિ સિકૈ છી એ સંકટસઁ। પછિઉ વનખ્ખ ઈ વાળઉ છઉ ળે વયિાહ કનવ ત સંળયસઁ, નૈ ત નૈ કનવ વયિાહ। અપના મીતન નુકેને નહઉ એ ગપકેં। આઇ વાળિ નહઉ છી, સેહો એ દુઆમે ળે શ્રૈસઉક ઘડ઼ી આવિ ગેઉ અછિ તીનયાનિ માસ આન અછિ કૈઉસ્ક્રોન્નયિા - ળેવામે। એ વીય વયિાહ અછિ, હવાઇ ટકિટ અછિ, પાસપોન્ટ અછિ, વીળા અછિ, સમટા તૈયાની અછિ સોનઉ અમેનકિા આ હનીમૂનકેં ઉડ઼ કડ઼ ઉત્સાહતિ અછિ।"

ઓ આઁખ્ખિ પોછઉક આ સંળયકેં દેખ્ખઉક।

"સમ વાપક સપના હોઇ છૈ આ હમનો અછિ નૈ હેતિ ત સેટ્નો કાન કનિ હૈતિ? અપના ઉઉ શ્રુટિ ત છેવે કનઉ। નવ ઘન ગ‍ૃહસ્તીક સમાન કનિ ળુટૈવતિ? અહાઁક નગ્નમે એકટા ક‍ૉઉની અછિ અશોક વહિાન। ઓઇમે એકટા છોટ સન વંગાઉ વનવૈઉ છી। સમ કછુ કમ્પ્લીટ અછિ વસ શ્નિશિગિ ટા વાકો અછિ સોચઉ નહી ળે ખતડ઼સઁ નટિાયન કનવ ત કાશીવાસ કનવ। સમ ઉક યઇહ યાહૈ છૈ। અહાઁક પાપાસ મુદા મમ્મી સેહો ચહૈત હોએતા-નેયૈત છી ળે કાઉહિ સોનઉ વક્ષિવવદ્યાિઉયમે ળ્વાઇન કનત ત કનએ નહ્ત? હમન ત સમટા ળીવન નૌયીમે વીતઉ, સમટા દોસ્તમતિ્ન-, સનકનવ કી કડ઼ ળા ઓતડ઼ સમ્વન્ધી ખતએ અછિ-? તઇસઁ વંગાઉ ઓકને નામ કડ઼ નહઉ છી।"

સંળય ચનિતતિ મેઉ। ઓકન આઁખ્ખિ પાપાનહઉ ઉગિ ઓકના મમ્મીક ચેહના ઘૂમિ નહઉ છઉ- છઉ ળે ઓ હુનકા હૈ કમેમે ળઉદી કડ઼ દેને છઉ। વાળઉ "વડ઼ દેન કડ઼ દેઉ સન સોનઉક વાત વતાવૈમે।"

"દેન સવેન કછુ નૈ હોશ્ત અછિ સંજૂ, સમ ચીળક વેન હોઇ છૈ। આવ યઇહ દેખ્ખૂ, હમન સાઢૂ પ્નોસ્ક્રેસન અસ્થાનાકેં વનાનસ મે એહને ઘડ઼ીપન કુઉપતિ કનિ હાઁકિ દેને છઉ ળપ્પન સોનઉ થીસસિ ળમા કડ઼ નહઉ છઉ?"

ઓ સગિનેટ ળનેઉક -"ઓના ત સગિનેટ મના અછિ મુદા કહયિો કાઉ એકાય સોટા ઉડ઼ હૈત છી। ત અહાઁક પાપા। હુનકન પનેશાની વુદ્ધિ સિકૈત છી। કહૈત નહઉ છી હુનકા ઉડ઼ કડ઼ છોટ માઇ અછિ અહીક। પછિઉ તીનયાનિ વન્ખ્ખસઁ - દડ઼ પનીક્ષા આયોગાક સેવા ઉક અછિ નહઉ મૈટ પનીક્ષા દડ઼-કૈટ નહઉ અછિ આ કોનીમે નૈ આવિ નહઉ અછિ - તૈ વીચમે આએઉ ગપ ઓકન પનેશાની।, પનેશાન માડ઼ કડ઼ કછુ કડ઼ નૈ ઉઞિએ તૈં ઓઇસઁ પહનિ કોનો મૈનેળમેન્ટ



ઇન્સ્ટીટ્યૂટમે નામાંકન કના દયિૌ। એના નૈ તઁ ડોનેશન દઽ કઝ ઐ ચૌ, કત્તે લાગત? ભેઢ લાખ, દૂ લાખ, આન કી? અહઁ વાને છલૌ ખે અહઁક પઢાઇ ભેલ ઋા॥ ભેલ ગેલ છલ આ પ્રેત સેહો મનનાપન નાખલ અછિ। ઐ સભ પનેશાનીસઁ વહાન હોઇબ કોક ખૂનનાતિ હિત હુનકા? હુનકાસઁ ગાપ કઽ કએ તઁ દેખૂ। કી ચાહૈત છથિનિ ઓ। દેખૂ, વનાયિાતી, વૂમયનક્કા-, ગાખા વ્યવહાન દેખાવટી અછિ નૈ ખૂનનાતિ કોનો વાખા ઈ સભ સુસાયિાહીક વપ્પેના છી।- આ તમાશાકા વયિાહ ભેલ કોનટ અછિ આ દોસ મહીમ ભેલ એકટા સ્વાગત સમાનોહ નાખિ દેવૈ। ઈ હમ કઽ દેવ, સેન? ઓના એકટા ગાપ વતા દૈ છી, ખેહેન કમ્પની આ ખેહેન શનતપન અમેનાકિ ખેવાક અછિ ઓઇસઁ તીન વનખમે કયિો એતે કમા લેત ખે ખૌં ઓકન વાપ ચાહૈ તઁ ગામક ગામ કીનિ લેત। વુઙલૌ?”

“પ્નશ્ન ઈ નૈ અછિ સિના। પતિાખી કને લેકલાખ આ ખ-ાતછિથિનિ। લેક ઢ૭ક પુનાન પાતમિ વશિ્વાસ કનઽવલ-”

સક્સેના ગમ્ભીન ભઽ ગેલા। કની કાલ ધનિ ચુપ નહલાખિ। ઐ વીચ સોનલ સાડ઼ીમે આએલ। ખાઇક ભેલ વખાવૈક ભેલ।

“દેખૂ સંખૂ। લૅં ઑસ્ઠ ગ્નેવિટેશનક નશ્નિમ ગાછ આ સૂઙ ધનિ ભિલ માત્ન લગૂ નૈ હોઇત અછિ। મનુક્ખક સમ્વન્ધપન સેહો લગૂ હોઇત અછિ। સભ વેટાઊપન વેટા અછિ। વાપ પ઼થ્વી-વેટીક માઁ- ખાઇલ ચાહૈત અછિ આન ઊપન, કનકિ આન ઊપન તઁ માઁવાપ અપન આકન્ષણસઁ ઓકના ધયિૈત- અછિ। આકન્ષણ સંસ્કાન ભઽ સકૈત અછિ આ પ્નેમ સેહો, માયામંશા મોહ સેહો।- ગનિાવૈક નૈ હોઇત અછિ। મુદા ખસા દૈત અછિ। ખઁ હમ અપન વાપક સુનને હેતિ તઁ હેતમપુનમે પટવાની વનિ ગેલ હેતિ તઁ ઈ અછિ હમના ખે કહવાક નહએ, સે કહિ દેલૌ। અહઁકેં ખે નીક લાગૈત અછિ સે કનૂ। હઁ, ખાઇસઁ પહિનિ સોનલસઁ ગાપ કઽ લેવ।”

४

ખુલાઇમે વયિાહ ભઽ ગેલ ચમિખીવી સંખય આ સોનલક કોનટમે।

નહયિ વનયિાતી આ નહયિ વાખાગાખા।-

પ્નીતિભિોખક ભેલ નીત આએલ છલ, નઘુનાથક નામસઁ સેહો। મુદા ઓ નૈ ગેલા।

એહેન ચોટ લાગલ છલ નઘુનાથ આ શીલાકેં ખે ઓ દોસનકેં નૈ દેખા સકૈત છલ આ નહયિ કકનોસઁ નુકા સકૈ છલ। એહેન ઠામપન ખાએવ ઓ વન્દ કઽ દેને છલ ખતઽ દૂછલ લેને માનિ આ ચાનિ ગોટે ખુમૈત હોથિ।- ખે દૂ વેટામે એકટા વેટા મનિ ગેલા ખખન માએ વાપક પ્નતષિ્ઠાક-ઓકના ચન્નિે નૈ તઁ મનલ વુદ્ધાસતિમ્વનમે આ અમેનાકિ ખાએ આકાિ નન્ક, ઐસઁ ઓકના કોનો સનોકાન નૈ।

ઐ ધડ઼ી ભેલ આ ઓકના પાલનેપોસને છલ-, પઢ઼ેનેલખિેને છલ-, ગાછ કટને છલ, કન્ખ લેને છલ, મનનાપન પ્રેત દેને છલ, આ દુનયિા મનાકિ તગેદા સુનને છલ?

  मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

हुनका लाख मना केलाक बादो राजू गेल छल, राजू माने संजयक भाए धनंजय, घुरल त ओकरा हाथमे एकटा ब्रीफकेश छल जे रघुनाथ लेल सक्सेना पठेने छल।

रघुनाथ कॅलेजक तैयारी कऽ रहल छल। कुमोनसँ ब्रीफकेश दिशि देखलक आ बाजल -"राखि दियौ।"

"ऐ, एना कोना राखि दी। अप्पन संदूकमे राखू।"

बाबा जमानाक सन्दूकमे की कहाँ राखै छल रघुनाथ आ ओकर चाभी ओ ककरो नै दै छल। बिना किछु बजने ओ चाभी ओकरा दिशि फेकि देलक।राजू ब्रीफकेशकेँ संदूकमे राखि चाभी घुरा देलक आ बाजल, "आर किछु नै पुछब?"

शील उदास मोनसँ दरबज्जापर ठाढ़ छल, भीतर चलि गेलि।

"अहाँ सभ त एना गुम्म छी जेना कोनो बिपति आबि गेल", राजू हँसैत माँक पाछाँ भीतर चलि गेल। "कनियाँ एहेन जे लाखमे एक। माँ अहाँ चिन्ता नै करू। सभ किछु करत ओ जे संजय बाजैत छल। हाथपएर जाँतत-, मुँह दबाएत, बर्तन माँजत, बाढ़नि लगाएत, खेनाइ बनाएत, जे जे चाहत से सभ किछु करत। कनी अमेरिकासँ घुरिकऽ आबऽ त दियौ। अप्पन हनीमूनपर जा रहल अछि दार्जिलिंग, ओतएसँ दमदम हवाइ अड्डा, फेर ओतएसँ अमेरिका। बचि गेलौ अहाँ, जँ गेल रहितिऐ त मुँह देखाइ देबऽ पड़ितिऐ ई लाख, अहाँले फोटो पठेलक अछि स्वागत समारोहक...।"

राजू नै जानि कीकी बजैत- रहल, ओ सुनितो रहल, नहियो सुनैत रहल।

दूनू गोटेक फोटो ओतए पड़ल रहल जतऽ ओ बैसल छल। एकटा मन कहि रहल छल, "देखी", दोसर कहि रहल छल, "छोड़ू, जाए दियौ"।

सभटा सख धरले रहि गेल।

राति भऽ गेल छल।

गाममे सनाटा पसरि गेल छल।

एक दिन पहिनहिये खूब बरखा बुन्नी भेल छल। हरियरी पसरि गेल छल। झिंगुरक अवाज गामकेँ गनगनेने छल। मेघ घटाटोप केने छल। दूर अकाशमे बिजलौका लौकै छल। ओम्हर कतौ पानि पड़ल हेतै, एम्हर नै भेल।

रघुनाथक घर दुआर गामक बाहरी इलाकामे छल। घरक अगुलका हिस्सा दुआर पछुलका घर। दुआरक माने दलान आ बरामदा। ऐ बरामदामे सुतै छल रघुनाथ आ राजू। राजूक सुतलाक बाद रघुनाथ आध रातिमे नुका कऽ भीतर गेल, ढिबरी लेसलक आ सन्दूकसँ ब्रीफकेश निकाललक। जखन ओ ढिबरी आ ब्रीफकेश लऽ कऽ शीलाक बगलबला कोठली गेल त ओकरा मोन पड़लै जे ब्रीफकेशक चाभी त राजू देबे नै केलक। ओ रकमसँ राजूकेँ जगेलक। राजू बतेलक जे ब्रीफकेश चाभीसँ नै नम्बरसँ खुजत, ऐ नम्बरसँ। आ बड़बड़ करैत ब्रीफकेश - खुजि गेल। रघुनाथ ब्रीफकेशकेँ खोललक त भावनामस रहै जतने कऽ लऽ संजयकेँ बेटा बर्जीनर- सभ टा बलि



गेलै। टाकाक एतेक गड्डी अपन आँखिक सोझाँ एकटा व्योमकेशमे ओ पहिल बेर देखि रहल छल। आ ई कोनो सिनेमा नै वास्तविकता छलै।

गामक लोक रघुनाथकेँ झगड़ा झंझटसँ दूर रहैबला मुदा कंजूसक श्रेणीमे-गनती करै छल जे टाकामे अठन्नी जोगबैत अछि। लोक ईहो कहै छल जे बड्ड लोभ नै केने रहितिए तँ ई दिन नै देखऽ पड़ितिए।

रघुनाथ बनियाकेँ अपना दिसि घिचलक। पहिने सएक बण्डलक -एक ओ सएक गड्डी गननाइ शुरू केलक।- संख्या सेहो लिखि रहल छल। तेँ ओ पाँचटा पाँच सएक नोटक गड्डी उठा कऽ-नव आ लिखब शुरू केलक। गनैत-रुपैयाक जोड़ भेल चारि लाख साठि हजार। सभटा आ गेल गनैत राति बेशी भऽ

हुनकर हृदय काँपल, जँ गनैयोमे गलती भेल हएत तँ एतेक टाका कोना? ओ उठि गेल आ सन्दूकमे ढोकि तेर आनि लेलक। घुरतीमे भंसाघरसँ कटोरामे पानि लऽ रहल छल तँ शीला जागि गेल। अंगुर जोड़ि तेरसँ जोड़ि कऽ- साठि आ चारि लाख तेर मुदा गनलक टका।

ओ माथ पकड़ि बैसि गेल।

“कोन गप अछि?”, शीला पुछलक।

“पाँच लाखमे कम अछि चालीस हजार, कहियो सन्दूक तँ नै खोलने छल?”

“चाभी तँ अहीं लग छल, खोलत के?”

“कहियो आर तँ नै आएल छल घरमे?”

“अहाँ आ राजू आएल छलौं, आर तँ कहियो नै।”

कनी कालक बाद ओ नै जानि की सोचि कऽ उठल आ राजूकेँ जगा कऽ लऽ अनलक। राजू आँखि मिड़ैत आएल।

“व्योमकेश के देने छल अहाँकेँ, संजू आकि सक्सेना?”

“किए? की गप अछि?”

“बताउ, कम अछि पाँच लाखमे?”

राजू हँसल, “मंगनीक बाछीक दाँत नै गानल जाइ छै। संतोष करू, जतेक भेटि गेल से मंगनीमे, सएह बहुत।”

ओ एकटक राजूकेँ देखैत रहल, “अहाँ तँ किछु एम्हरओम्हर नै केने छी-?”

“हम जनै छलौं जे एहन शक करब अहाँ, अहाँ स्वभावेसँ शक्की छी।”

“चुप्प”, शीला बाजलि, “अहिना बापसँ गप्प करए जाइ छै?”

“बुझि गेलौं, एहन चोरेक अछि बातेक नै।”

“પહિને વુહિ ખેવાક યાહી। યોના કતૌ વનવૈ છૈ ખે યોનિ વિરહ કેને અછિ”, નાણૂ વાળઘ।

નઘુનાથ આશ્ચયનયસઁ દેખ્ખઘક ઓકનાદસિ, “કી મઽ ગેઘ છૈ ૯ે છૌડ઼ાકેં। એકન માએ કમ્પ્યૂટન અમાખિન્તા। ઓ ૯ે તનહેં કહિયો ગપ નૈ કેને અછિ વાપસઁ।”

“ગપ્પ નૈ કેઘક, તેં અસ્થિનિસઁ યુપયાપ વયિાહ કઽ લેઘક આ વાપકેં ખ્ખવનિ યેનિ નૈ કેઘક।”

ક્નક્ના ઉઠઘ ગુસ્સા સં નઘુનાથા મન મેઘ ઓકના ઘન સં નકિઘ ખાયૈક કહિયૈ મુદા-નૈખનિ કી સોયહિ કે છઘ પડ઼ઘ વંસખ્ખટ મે કોના ઓતય સં ઉઠઘ આ આંગન મે આવિ ગેઘ, ઓહિ પેન વૈસિ ગેઘ। ઓ મગવાનક લઘ માથ ઉઠેઘક આસમાન દસિ।

' દેખ્ખૂ માં, હમ ડેઢ વનખ્ખ સં કહિ નહઘ છઘહું હનિકા સં ખે મોટનવાઈક દઽ દિયૌ। ઘનાનાક સમ છૌડ઼ા ઘગ અછિ, એકટા હમહી છી ખકના ઘગ નૈ અછિ। હનિકન કહવ છઘ ખે હાથપાઈન તોડ઼વાક અછિ કી-? માથ ફોડ઼વાક અછિ કી? યોનીયકાની આ ઘફંગાઈ કનવાક અછિ કી-? ડાકા ડઘવાક અછિ કી? કેકન હાથપઈન ટૂટઘ અછિ-, કહૂ તે? તે સંગૂ હમના સં પુછઘક-' અહાં કે કી યાહિ? ખખ્ખેન હમ ઓતય સં ઘુનહિ ઘગગઘહું। હમ કહઘહું-' હાં, મોટનવાઈકા ઓ હમના ટકા થમા દેઘક। ઓ વ્નીફકેસ મે સં દેઘક યા કતય સં દેઘક હમના નૈ પતા।"

' સનાસન ઝૂઠ। ઈ ખાનૈત અછિ ખે સંખય આવ નૈ આવય વઘ અછિ। હમ નૈ પૂછિ સિકવ ઓકના સંાનઘુનાથ કે ઈ ઝૂઠ " વન્દાશ્તનૈમેઘ।

શીઘ ઠાઢ઼ઠાઢ઼ ડવિ-નીક મદ્દયમિ નોશની મે કાનિ નહઘ છઘિ। ઓ અપ્પન વેટાક અહિ નૂપ સં અનખાન છઘિ।

' ઔન કહૂ। હમન વાપખાનક દૂટા વેટા તક દેખ્ખઘક હમના સં આંખ્ખિ એકકો ઈ સંગૂ આ હમા-નૈ આ મેહનત સમટા। પઢૈઘક કનઘખ્ખનિ। ખ્ખન્ય પન ઓકને ઈ પાય સમટા, ઘખ્ખિઘક, કંપ્યૂટન ઈંખીનયિન વનૈઘક આ હમના લઘ। કામન્સ પઢ઼ા ખકના પઢ઼હિ મે નૈ તે મદદ કઽ સકૈત છઘ, નૈ હમના મન ઘગૈત છઘ। કોનો તનહે વીકામ કનઘહું તે કોયગિ કહૂ, ઈ ટેસ્ટ દિયૌ, ઓ ટેસ્ટ દિયૌ। હમ થાકિ ગેઘ છી ટેસ્ટ દૈતકહિયૌ સં હનિકા દૈત।-, ઈ ટકા કત્તૌ ઈમઢ઼ ઉમઢ઼ ખ્ખન્ય-નૈકનૈથ , ડોનેશન લઘ નાખ્ખૌથા વનિ। ડોનેશન કત્તૌ એડમિશન નૈ હય વઘ છૈ। પનછા કે વતા દૈત છી।"

' ખૌ ડોનેશનક ટકા નૈ દેવ તઽ?"

' તે કહિયૌ નૈ પૂછવ ખે ઈ કી કઽ નહઘ છી?"' કયિન્ન કઽ નહઘ છી?"

' કી કનવ? ડાકા ડાઘવ? તસ્કની કનવ? ગાંખા હેનોઈન વેયવ? કત્લ કનવ?"

કી વકઅહાં છી નહઘ વક કઽ-? ફાઘતૂ? હ્માઈન કે શીઘ વાળઘ, ' આઓન અહાં યુપ નહૂ। અનાપશનાપ કહિ- "નહઘ છી વાપ સેં।

નાણૂ કમના સં વાહન નકિઘૈત પતિ। સં વાળઘ, ' વસ કહિ દેઘહુ।"



' सुनू भागू सुनू-नैछी सोचने कऽ लऽ कऽ वहिनि अप्पन कहियौ आ छी सोचैत कऽ लऽ अपना।? जखैन होयत अछि तखन जाइत छी हजार पांच सौ मारि के आवि जायत छी ओकरा सं? ओकर व्याह कऽ लऽ कऽ कखनो सोचैत छी?"

' देखि रहल छी हिनका?" ओ मां दसि मुड़ल, ' जकरा सं कहवाक छल, ओकरा सं नै कहलल, कहि हमरा सं रहल अछि, जे एखन पढ़ि रहल अछि। जेनेशनक गप आयल त दीदीक ख्याल आवि रहल अछि। पहिल हिनका सं कहियौक जे कंजूसी आ दरिद्रता छोड़ैक आवा हंसी उड़ावैत अछि लोक। ई ढविरी आ लालटेन छोड़य आ आन जना तार खीचवांके स्टोव संगे एकर हुयै घर मे। रजोत कम से कम आंगन आ दरवाजा पर लट्टू त लगावाय लयि।- याहत जखन संजू त होयत स्टोव मे घर लोक। अछि रहल लगा, गप कऽ लेत। अहां सरला दीदी सं गप कऽ लेवा दीदी से टा कयिा भौजी सं सेहो।"

माथा ओड़ैत स्टेर सं वैस गेल रघुनाथ-' यहि छी भाग्य। जकरा लल कंजूसी करलहुं, ओकरे मुंह से ई सुनवाक छल।"

' आओर एकटा गप कहि दैत छी अहां से आओर हिनको सं। स्टेर एहन वेवकूफी नै करैथ जेहन संजूक काल मे करलय अछि। दीदी से परछा के गप कऽ लहुं ये ओ हिनकर तय करल सं व्याह करत या नै। ई त दौड़भा-ग कऽ करतौ तय कऽ अरथनि आ ओ कहि दियि जे हमरा व्याह नै करवाक अछि। स्टेर बाद पटित हिनकर।"

' ई अहां कोनो कहि सकैत छी।"

' कयिकि हम एकटा आदमी के अकसर हुनका संग देखनी छी। के छी ओ, नै जानैत छी।"

' देखलयि नै? एकरा शरम चरिटा नै अछि वहिनि कऽ लऽ के अहि तरहे गप करैत?" रघुनाथ दांत पीसैत ओतय सं वाजल।



૫

સરળા દુવિધા મે છલ-વ્યાહ કરી આ નૈ કરી?
પક્કા એતેક ટા છલ જે ઓકરા ઓ વ્યાહ નૈ કરવાક અછિ જે પાપા જ્યોતિ કે આનત।



કૌશિક સર બડ઼ સાવધાની બરતૈત-ઓ છુટ્ટીક દિન નૈ હુઐ, સ્કૂલ-કૉલેજ ખુજલ હુઐ, કખનો છૌંડ઼ા-છૌંડ઼ી પઢ઼ૈમે આ અધ્યાપક પઢ઼ાબૈમે વ્યસ્ત હુઐ, પિકનિક આ સાંસ્કૃતિક કાર્યક્રમ નૈ બનાબૈ, સારનાથક મેલા સેહો નૈ હુઐ ઓહિ દિન!

અહિ સાવધાનીક સંગ કૌશિક સર સરલાક સંગ ટૈક્સી સં પહુંચલ ચૌખંડી સ્તૂપ! સારનાથ સે પહિલે! સડ઼કક કાત પહાડ઼ીનુમા ઢૂહક ઊપર ખંડહર જેહન ટૂટલ-ફૂટલ સ્તૂપ! ઠાડ઼ ભ' જાઉ તે પૂરા સારનાથ તે નૈ, દૂર-દૂર ધરિ ગામ ગિરાવં આર બાગ-બગીચા નજર આયત। ખાલી પડ઼લ છલ સ્તૂપ! નીચા ચૌકીદાર, સિપાહી, માલી અપ્પન-અપ્પન કાજ મે લાગલ છલ। એકદમ નિર્જન અસગર ઠાઢ઼ છલ સ્તૂપ! 'હિમગિરિ કે ઉત્તુંગ શિખર" કે તરહે। કિયો દર્શનાર્થી નૈ!

મનુ શ્રદ્ધા સં દેખલક!

શ્રદ્ધા મનુ કે દેખલક!

દૂનૂ ટૈક્સી સડ઼કક કાત મે ઠાઢ઼ કરલક આ ચલિ પડ઼લ। ઘુમાવદાર બાટ સે ચક્કર કાટૈત। આગા-પાછાં નૈ, અગલ-બગલ સંગે-સંગ। હાથ મે હાથ છલ! સરલા અસગરે મે કૌશિક સર કે ' મીત" કહૈત છલ। ઓહિ દિન ઓ સત મે મીત ભ' ગેલ છલ। સરલા-જે સદખન સમીજ સલવાર આ દુપટ્ટા મે રહૈત છલ-ઓ સરલા હુનકા બાર્ડર વાસંતી સાડ઼ી મે ગજબ ઢા રહલ છલ। બાર્ડરક રંગક સાડ઼ી સં મૈચ કરૈત બ્લાઉજ આર માથ પર છોટ-સન લાલ બિન્દી! હવા ઉડ઼ાયલ જા રહલ છલ આંચલ કે, જકરા ઓ બેર-બેર સંભારિ રહલ છલ।

ઓ ચઢ઼ાય ખતમ ક' સ્તૂપક લગ પહુંચલ આ ચારો દિસિ દેખલક-દૂનૂક મુંહ સં એક સંગ નિકલલ-' જેહન અછોર, અનંત, અસીમ હરિયરીક સમુદ્ર"। આર ઓહિ મે પીયર ફુલલ તોડ઼ીક જતય-તતય ખેત--એહન લાગિ રહલ છલ જેહન પાલ વાલી હરિત-ડુબૈત ડોંગી! ' આ હમ?" સરલા પુછલક! કૌશિક સર મુસ્કુરાયલ! બાજલ-' મસ્તૂલ વલા બડ઼ પૈગ જહાજ કે ડેક પર।"

સ્તૂપ કે અહિ ધરિ છાંહ છલ આ ઓહિ ધરિ કુનકુની રૌદ! છાંહ નમ્હર હોયત ઓતય ધરિ ચલિ ગેલ છલ, જતય માલી કાજ ક' રહલ છલ। ઓ ઓહિ કાત ગેલ રૌદ મે, જમ્હિર સમુદ્ર છલ આ હરિત-ડુબૈત પીયર ડોંગી!

ઓ સ્તૂપ સે સટલ સાફ-સુથર ઠામ પર બૈસિ ગેલ-ચુપચાપ! ઓ ચુપ છલ મુદા હુનકર દૃષ્ટિ બાજિ રહલ છલ-અપને આપ સં, આર એક-દોસર સં સેહો! હુનકા લગ કી નહિ ગેલ છલ કહૈક-સુનૈક લેલ? ઢેર બરખ સં ચહિ તે ભ' રહલ છલ-ગપ, ગપ આર ગપ્પે ટા! ગપ સં ઓ થાકિ ગેલ છલ આ મન સેહો ઊબિ ગેલ છલ। સરલા બગલ મે બૈસલ લગાતાર કૌશિક સર દિસિ દેખહિ જા રહલ છલ આ ઓ દેખહિ કે દેખૈત દુવની ને નોચિ રહલ છલ। શેર એકાટક દિલીપ કુમાર સ્ટાઇલ મે મુસ્કુરા કે બાજલ-ઊં! કી કહલિયૈ! હંસૈત સરલા અપ્પન સિરિ હુનકર કાન્હા પર રાખિ દેલક-' બડ઼ બાસ ગપ? સુનહું તખૈન નૈ!"

ઓ દિલ, જે આબિ ધરિ ખંડહરક પાછાં ગુટર ગૂં ક' રહલ છલ, કુકડ઼ૂ કૂં કરહિ લાગલ છલ જાનિ દુપહરિયા મે! કૌશિક સર સરલાક પીઠક પાછાં સં હાથ બઢ઼ાકે ઓકર સુડૌલ ગોલાઈ મસૈલ દેલક! સરલાક પૂરા બદન મે એકટા ફુરહરી ભેલ આ ઓ શરમાબૈત હુનકર કોરા મે ઢહિ ગેલ।

અબકી બેર કૌશિક સર કનિ જોર સં મસલલક।



यहिक कर सीत्कार कऽ उठल सरला आ आँखि बिंद कऽ लेलक-' भगलयि छयि की!"
कौशिक सर माथ सं लगा के ओकर आँखि के चूमि लेलक!
' ई की भऽ रहल अछि चचा?" अचानके एकटा कड़कड़ाती आवाज आ आगू सं ठाढ़ ऐतिहासिक धरोहरक
पहरेदार आ सिपाही खाकी वर्दी मे!

टूनक मुँह झक काटू त' खून नै कौशिक सर झुरतीसँ आँचरक नीचासँ हाथ खीचलक आ सरला उठि बैसल हुनका बुझैमे नै आएल जे ई की भ' गेल, कोना भ' गेल? कनियेटा आवाज जेल रहितिऐ त ई स्थिति नै अबितऐ

हदसल कौशिक सर ओर पहरेदारकेँ ताकैत रहल

'देखि की रहल छी, उठ, ई जंगीवाजीक अड्डा नै अछि जाउ' ओ भुड़कि' चलि गेल

सरला आँचरसँ मुंह झाँपकि' कानि रहल छल कौशिक सर कोनो तरहे ओकरा ठाढ़ केलक आ अपन पाछां आबैके इशारा केलक

'ऐ उम्हर नै, इम्हर थानापर'

'थानापर किए, एहन की केने छी हम?' हिम्मत जुटेलक कौशिक सर

'ओत' पता लागत काका कि अहाँ की केने छी? कत' सँ झुँसेने छी अइ छौड़ीकेँ?'

अपन चरि 'काका' आ 'जंगीवाज'- ई अपमानजनक शब्द सब कौशिक सरक कानमे गूंजि रहल छल मुदा आब ई 'थाना'? 'थाना' मतलब बड्ड किछु

बेइज्जती, हवालात अखबारमे खबरि यूनिवर्सिटीमे चर्चा समाजक कोढ़ नोकरीसँ सस्पेंशन कोन मुंहसँ परिवारमे जाएब? आ ई सरला? एकर की हएत? कोन मुसीबतमे ओ झुंसल ओकर चक्करमे?

सरला सुबकब बन्नाक' एक कात ठाढ़ छल आ पहरेदार गेट लग ठाढ़ छल थाना जाइक मंसूबामे चौकीदार आ माली सेहो ओकरा लग आबि गेल छल आ नोकि रहल छल

-हौ, छोड़ू जाए जाए दियौ उमर देखू काकाक कथी लए पानि उतारि रहल छी एकटा बुढ़बाकेँ कहियौ रहल रहए आ मजा सेहो ल' रहल रहए

कौशिक सर हदसल सरला लग आएल -परेशान नै हुअ अपन देखैत छी सब ठीक भ' जाएत सरला तामसमे छलि ओकर नजरि पहरेदार आ माली सबपर टिकल छल

कौशिक सर गेटपर ठाढ़ पहरेदारकेँ इशारा क' गेल आ खुस—खुस गप कर' लागल बीच-बीचमे ओ उखड़ि जाइ छल आ हाथ छोड़ाक' भाग' लागैत छल कौशिक सर ओकरा सौ-सौके दू टा नोट पकड़ेलक जकरा ओ झट लेलक आ माली सबहक दिस इशारा करैत पांचटा आंगुर देखौलक -'नै चाचा, नै हएत एकरासँ थाना चलू'

'बस्स बड्ड भ' गेल नाटक' सरला दौगल ओर दूनू लग पहुँचल-'कोन ई टाका? अहाँ हमरासँ गप करू'

ओ अकचकाक' कौशिक सर दिस ताकलक-'एकर सुनु काका'


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

‘કાકા હેતૌ નોહન, હમર દોસ્ત અછિ, પ્રેમી અછિ હિમ પ્રેમ કેને છી, યુમ્મા ઊઊક અપન મોનસઁ કયિો કેકનો સંગ વઊત્કાર નૈ કેને અછિ, કપિ થાના?’

‘યઊ નઁ ઓન' વનાવૈ છી?’ ઓ યઊઊ

આગૂ ડાઢ઼ જા' સરઊ વાટ નોકકિ' વાળઊ -‘કયિો નૈ ળાણન થાના-નાના નૈ તૂઁ, નૈ હમ્ એસ્પી, કઊક્ટર, આર્ળી -ળકરા વળવૈક અછિ એન' વળાડ઼’ વુહિ કી રહઊ છી અહઁ

ઓ હડવડ઼ા ગેઊ નાકૈન રહઊ કપ્પનો કૌશકિ સરકેઁ, કપ્પનો સરઊકેઁ માઊ આ યૌકીદાર સેહો આવિ ગેઊ અર વીયમે

‘કે દેખ્યઊક પ્રેમ કરૈન? ઈ યૌરાહા અછિ? વાળાર અછિ એન' , ળન' ગેપ જા' રહઊ અછિ? શુંસાવૈક યાહૈ છી ટાકા ઊઊ? તૂઁ કી ઊ' ળેવ' હમરા, હમ ઊ' ળાએવ નોરા?’

મામઊક નવ઼ પેયકે દેખ્યૈન માઊ વીય-વયાવ઼મે આએઊ આ ઓ નષ્કિર્ષ દેઊક ળે ગઊની ઇંસાનસઁ હોશ્ન અછિ, નાશ્સઁ છોડૂ, હટાઉ આ અપ્પન-અપ્પન કાળ દેખૂ

કૌશકિ સર ળાયરાખિસઊ ટાકા ઉઠૌઊક નાયરા સિરઊ ટૈક્સીમે વૈસ યુકઊ છઊ કૌશકિ સર ઓકરા વગઊમે વૈસૈન વાળઊ-‘હમ નૈ ળાનૈ છઊૌ ળે અહઁ એોક વહાદુર છી?’

‘હમહૂં નૈ ળાનૈ છઊૌ ળે એોક ડરપોક આ કાયર છી અહઁ’

ટૈક્સી ઘુરઊ દુનૂ એક-દોસરાસઁ પૂરા વાટ નૈ વાળઊ

ઈ એકટા ડરાએઊ સપના છઊ -ળે ઢેર દિન યરા સિરઊક પાછાં નૈ છોડ઼ઊક

સપનામે પહઞેદારક યેહઞેટા નૈ છઊ, હાથક છુહન આ થકુયનાર સેહો છઊ

मई २०१६ (वर्ष ९ मास १०१ अंक २०२)मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

६

સન્ધાક અર સપનાકેં આગો જયૌન વના દેને છઇ ઓકન પડ઼ોસી

ઓ ળાર વહુમંળાિ મકાનક પહુિક ૧ઇક કિાયાક ફ઼્લૈટમે નહિ છઇ, ઓકન અગાઇ-વગાઇમે દૂ-દૂ કમનાક ફ઼્લૈટ છઇ ઓરમે ઓકને સ્કૂઇક માસ્ટનની સજ નહિ છઇ -વામ દસિ મીનૂ ત્વિાની આ દહિના દસિ વેઇ પટેઇ મીનૂ સ્કૂઇક વારસ પ્નસિપિઇ છઇ આ ઓ ઓકન અપ્પન ફ઼્લૈટ છઇ-કીનઇ વ઼ચ્હ સન્ધાકેં અપ્પન વગાઇમે દયૌને છઇ- કિાયાપન


मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

मीनू केशकट्टी छथि -कन्हा धरि छोट-छोट केस् एकदम लाल मेहदीसँ रंगल् उम्र चालीससँ बेसी् स्वभावसँ सोशियल आ रिजर्व्ड् एक तरहे समाजसँ बाहर् शादी-बियाहमे जाइतो नै छथि, आयोजन सभमे जाइसँ सेहो बचैत छथि् घरसँ स्कूल आ स्कूलसँ घर, बस एतबे आएब-जाएब छथि् मजबूरीमे हँसैत छथि् सखी-सहेली सेहो नै छै कियो जकरा संग उठब-बैसब हुअए् उम्रक बादो ओकर गोर सुडौल देह आकर्षक छथि्

ओ कुमारि छथि् असगरे रहैत छथि् ओकर दूटा पामेरियन कुक्कुर छै -एकटा कारी आ दोसर उज्जर् बेटा वा बेटी कहू -एतबे छै् ओकरा ल' क' ओ दू बेर बाहर निकलैत छथि, टहलाबै वा नित्य कर्म कराबै लेल् पड़ोसमे एकटा तोता सेहो छै जे जकरा-तकरा घरमे पैसै छथि आ जेना काल बाजै छथि् ओकर ए टे-टे कें ओ 'सुस्वागतम' वा 'टाटा' बनाबै छथि् ओकर सभटा चित्त ओकरे ल' क' छै्

'की बनाबी् आइ पम्मी दिनभरिसँ गुमसुम अछि्' 'आइ टूटूक नाक बहि रहल अछि्' 'पम्मीक पेट खराब अछि्' 'दुनूमे गप सभ बन्न छै्' 'टूटू पम्मीसँ कोन गपपर तमसाएल अछि, बताबै नै अछि्' 'दुनू हमरा लग सुतएसँ पहिने झगड़ा करैत अछि, पता नै किए?' अइ तरहक चिन्ता् कातिक पहिनेसँ ओ ओकरा लेल परेशान हएब शुरू होइत छथि आ तावत रहैत छथि जावत पिल्ला नै भ' जाइ छै आ जखन भ' जाइ छै तँ कतेक मास दिन सोहरक कैसेट बजाबैत छथि आ तेहन नव परेशानी्

मीनूक घरमे बाहरसँ आबैबला खाली दूटा मर्द छथि -एकटा ओकर भाय, ओ मीनूसँ पैघ छथि आ ओकालति करैत छथि, ओकालति चलैत छै वा नै -ठीक ठीक नै बुझल् ओ सभ मासक पहिलुक सप्ताहमे अबैत छथि आ जखन अबैत छथि तँ बड़ी काल धरि भाइ-बहिनिमे चिखि-चिखि होइत छै् ओकर गेलाक दू-तीन दिन धरि मीनूक मूड खराप रहैत छै्

दोसर छथि जानवरक डाक्टर् ओ मीनूक उमेरक वा ओकरा सं कनी पैघ छथि् कहियो टिप-टापसँ रहैत छथि, केस डाइ करैत छथि आ सस्ताबो सूट पहिरैत छथि् ओ गर्मीक छुट्टीमे दुपहरियामे अबैत छथि जखन लोक बाहर निकलैसँ बचैत छथि् ओ आबथि आ पाँच बाजएसँ पहिने चल जाइथि् जाड़क मासमे कहियो-कहियो मीनूक घरपर रौतुका खेनाइपर अबैत छथि् जखन ओ जाए लगैत छथि तँ मीनू बालकनीपर ठाढ़ भ' बेर धरि हाथ हिलबैत रहै छथि .

अइ बालकनीक बगलमे सरलाक बालकनी छथि जत' कहियो-कहियो ठाढ़ भ' क' दुनू पार्कक नजारा लै छथि् मीनूक इच्छाक अनुसार सरला ओकरा स्कूलमे मैडम कहैत छथि आ घरपर दीदी् दीदी ओकरा सभ्भे कहैत छथि्

ओ बालकनीमे ठाढ़ भ' क' देखि रहल छथि, ओ हस्ता बारसँ देखि रहल छथि्

सभ साँझ छह बाजैक करीब सोलह-सत्रह बरखक एकटा छौड़ा पार्कमे अबैत छथि -गुलदाउदीक पैघ सन गुलाबल फूल ल' क' आ बैसक' ओकर पंखुड़ीपर किछु लिखै छथि आ रेलगाड़ीमे रहै रहै छथि, बी-ब्लाकक बालकनीमे एकटा छौड़ीक एबाक् ओ जेना देखलि बालरीय छौड़ी छथि् ओ ब्लाउज आ स्कर्टमे आबिक' ठाढ़ भ' जाइ छथि -लहरैत केसमे एकदम स्प्रेश जेना नहा क' निकलल हुअए् छौड़ा घुमैत छथि, पीठ ओकरा दिसि करैत छथि आ कुदकि क' पएरसँ एना ककि मारै छथि कि फूल ओकर बालकनीमे खसैत छथि् छौड़ी लाल पोलीथिनमे समेटल फूल उठाबैत छथि आ अपन गोलाइक बीच ब्लाउजक भीतर राखि लैत छथि्

घासपर चित्त खसल छौड़ा उठैत छथि आ ओकरा दिसि 'किस' फेकै छथि्

[illegible]

सरला कहलो नै कहलो अइ गपक अरथामे अप्पन भविष्य ताकि रहल छल, मीनूकेँ नै बूझल छैक

'रुकू कनी एक मिनट' मीनू उठल।

'मिट्ठू बड़ी कालसँ टाँय-टाँय क' रहल अछि ओकर भिनसरक बेर भ' गेल अछि' ओ कटोरीसँ भीजल चना, हरियरका मरिचाइ, सोहारिक टुकड़ी लेलक आ पिजड़ामे द' देलक ऐ बीच सुग्गा खुशीसँ कुदैत आ हल्ला करैत रहल पम्मी आ टूटू माथ उठाक' एक बेर देखलक आ फेर अप्पन-अप्पन कुर्सीपर सुति गेल

'बैसू कत' जा रहल छी?' सरलाकेँ ठाढ़ देखि' मीनू बाजल

'बैस क' की करब, अहाँ बताएब तँ ने'

'की?'

'यएह जे अहाँ ब्याह किए नै कएलिऐ? अइ उमेरमे जखन एहेन छी तँ पंद्रह बरख पहिने? खाली सुनैत छी लोकसँ -भाँति-भाँतिक गप'

'छोड़ू, जाए दिअ कहियो नै रहि गेल अछि बताबैक लेल' मीनू माथ झुकाक' बड़बड़ाएल गरसँ एकटा नमहर साँस निकलैए, आ आँखि द' क' छतक पंखा दिस गेल ओ आस्तेसँ मुस्कुराएल आ सून आँखिसँ सरलाकेँ घुरैत रहल -'प्यार कहियो करए करत? की करत? जाइत पाति आ धर्म अछि ताइत कहियो की करत प्रेम? ओइ बुरबकीक निशा भोगने छी हम मुदा अपनाकेँ रोकब अपन बशमे छल जे? हम छह टा छौड़ी छलौं आ एक संग किरायाक मकानमे कमरा ल' क' रहैत रही एक कोठलीमे दू गोटे ओत' सँ जाइ छलौं कॉलेज पाँव-पैदल बीचमे पड़ैत छल एकटा मिशनरी हास्पिटल ओकरे गेटक लग ठाढ़ रहैत छल माइकल कर्मा नाम आ पातर ताम्बई रंग नीग्रो जेहन उजरल कुल्हा आ चीता सन डाँड़ टी शर्ट आ जीन्समे ठोढ़ी पर कनी टा दाढ़ी आ माथपर ठाढ़ केस नगरमे सभसँ अलग'

ओ फेर निसाँस छोड़लक आ अप्पन पएरकेँ आ फर्शकेँ देखए लागल -चुपचाप ओकर आँखि नोरा गेलै - 'मुनसाक देहक सेहो अप्पन संगीत होइत अछि राग होइत अछि ओकर ठाढ़ होइमे, घुमैमे, चलैमे, देखैमे बाजए या नै बाजए, सुनु तँ सुना पड़ैत अछि ओइ रागकेँ अहाँक मन टा नै सुनैत अछि, अहाँक ठोढ़ सेहो सुनैत अछि, बाँहि सेहो सुनैत अछि, डाँड़ सेहो, जाँघ सेहो, नितम्ब सेहो -एतेक धरि कि छाती सेहो 'निपुल्स' कखनो-कखनो एना करए अपने तनि जाइत अछि जेना कान लगाक' सुनि रहल अछि -बिना ओकर देह छुने ओ तीन मास धरि ओत' ठाढ़ रहल, हमर आबै-जाइ काल आ जेना भोरमे अचानके पातपर ओसक बुन्न थरथराइत आ चमकैत लखाइ दैत अछि, ओहिना हम रही पात सन् कम्पैत एतेक ओस खसल कि हम भीज गेलौं -हमरा नै पता खाली एतेक पता अछि जे हम तँ भीज रहल छलौं, माइकल तँ डूमि गेल छल'

एक दिन अपना कँ ओकर मोटरबाइकपर बैसल देखलौं पुछलौं -'कत' जा रहल छी?' ओ बाजल -'नै पता' हमहूँ बैसल नै छलौं, उड़ि रहल छलौं ओकर पाँखि सहारे ओइ आदिवासीकेँ जंगलक पात-पात जानै छल, सभ आरि ओकरा चिन्हैत छल ओ एकटा बाजराक खेतमे बाइक ठाढ़ क' देलक -'उनू, हम अहाँके देख' चाहै छी' हम किछु कहि, रोकी-टोकी ओकरासँ पहिने ओ हमर साड़ीकेँ खोलि देलक बाजल -'ब्लाउज खोलि दियौ, नै तँ बटम टुइट जाएत' ब्रा वएह खोललक -'जिद क' कए' 'बस हिलू नै'

दू कदम पाछाँ हटि गेल उलटा पएर आ ऊपरसँ नीचाँ धरि ताकलक हम अप्पन हाथसँ अपनाकेँ झांपैक कोशिश क' रहल रही मुदा सभ बेकार

'कहि नै एकबेर कहलहुँ छी नि' हालत एहन छल जे के कहए आ के सुनए? कनी टा ठकुकि' ओ अप्पन ठोढ़सँ छातीक ठाढ़ घुंडी सभकेँ बेर-बेर दबौलक, चुमलक आ जीहसँ सहलौलक आ बाजल -'चलू, पहिने आब?'

'आब कतऽ' ?' ओ जवाब देलक -'बढ़िया ठाम कहियो नै हएत अर कात ओतऽ' नहाएब'

'कपड़ा कहाँ आनने छी?'

'नहेबैक बेल कपड़ाक की जरूरत?'

मीनू बाजैत रहल, बजाबैत सेहो रहल कखनो धेहरा लाल होइत छल, कखनो सुराह पड़ैत छल कखनो आँखि मुनैत छल, कखनो झुकैत छल, कखनो बंद होइत छल ओ आगू बताबैसँ पहिने कनी हिचकियाएल -'बारह बजे' छोड़लक, हुनाक मुँहपर कोना पहुँचल -एकटा रहस्यमयीक छल हमरा लेल आ ओतए एक दिन-रातिमे कतेक की-की केलक, की-की देल नै पुछू ओ सभ पछिला जन्मक गप अछि मारकलक संग हम आदिवासी नै, आदिमानव भ' गेल रही आदम नंग-धड़ंग जंगलमे, चानक कात गाछक चानूकात उक्खी जेना दौड़ैत-भागैत रहलौं धारा जेना उछलैत कुदैत रहलौं हुनकामे माँछ सन हेलैत-नाचैत रहलौं चानक बीच पाथरपर मगर-घड़ियालक नेना जेना नीद लागैत रहलौं की-की नै केलौं हम सभ? कहैत लाज लागि रहल अछि हमरा जे दोसर दिन दुपहरियासँ पहिने, ओकर शब्दमे कहि नै, हमर सोना चुम' लागल छल मुदा ओइ हालतमे नहयो नै छोड़लक ओ एकरा एना बुझु जे जखन हम नै छोड़लौं नै मारकल कहि छोड़ितहि? नै ऊ एक दिन एक रातिक बिसरल हमर जिनगी अछि'

सभटा मूड़ी हुलाक' सुनैत रहल मीनू केँ चुप भ' गेलाक बाद पुछलक -'स्केर?'

'स्केर' की? गेल रही दू बेर आर, मुदा पर्किनिकक सीजनमे -भीड़-भाड़मे आ ताहि गलती भेल नै जानि कोना भगवान पतिजी केँ लागि गेल एक दिन ओ आएल आ बाजल -'आब बड़ क' लेलौं बौएड, घर चलू' कानि-कानि' कोनो तरहेँ परीक्षा देलौं आ ताहि बाद छल हमर बॉडीगार्ड, जे सभ मास नंगटोली टैक्स ल' जाइत अछि'

'मुदा बियाह कहि नै केलौं ओकरासँ?'

'बियाह जखन पतिजी करए लेल चाहलक, नै हम नै केलौं आ जखन हम करए लेल चाहलौं नै बड्ड देरी भ' गेल छल आ ई भार जौ क' लेतहि नै एकर आयक स्रोत की हेतहि नै हुअए देलक ई कोनो नै कोनो बहन्ने'

'नै, हम ई पूछि रहल छी जे मारकेलसँ कहि नै केलौं?'

'मारकेल' ओ उदास भ' गेल, सोचलौं जे अप्पन पएरपर ठाढ़ भेलाक बाद करब आ ठाढ़ सेहो भ' गेलौं अप्पन पएरपर ओकर मानसिक हालत आर खराब छल आ ओ जल्दी मरि रहल छल हम सब योजना बना नेने रही, तारीख तय क' लेने रही -पहिने मंदिर, स्केर चर्च, आर्कसि सुनलौं -बढ़ियामे ओ पुल ऊपरसँ कुदि गेल छल लोक कहैत अछि स्विमिंग पूलमे, चानमे, पोखैमे-नीकरार पाथरसँ पाटल हुनकामे कुदैत कहियो केकरो नै सुनने रही ओ एतेक मूर्ख नै छल ई रहस्य छोड़ि गेल जाइत-जाइत, जे ई कुदनाइ छल वा किछु आर!'



'માનિ િશ્રિ ળૌ શ્રો ળવિન નહિતિ િ શ્રા શ્રોકનાસઁ વયાિહ ક' બેનિ િ નપ્પન?'

'નઁ?'

'નઁ સંનુષ્ટ નહિતિ િ, સુખી નહિતિ િ?'

'દેખૂ સબ્ગો, સવાલ યુનવક સન શ્રછિ ્ કે વના સકૈન શ્રછિ ળે ઐના હેનિ િ નઁ કેહન હેનિ િ?' ળે ભેવે નૈ કહલ નઁ શ્રોકના લ' ક' કી કહિ સિકૈન છી હઁ, યહહ સવાલ પહિનિ કહિયો કહલ હેનિ િ નઁ શાઝન દોસન ઉનિન હેનિ િ સમય કેન સંગ સોય સેહો વદલે છૈ શ્રા૨ વહહ કહિ સિકૈન છી ળે પ્નેમકેં પ્નેમ નહઇ દી શ્રોકના વયાિહ યનાિ નૈ લ' ળાઉ વા વયાિહક વકિલ્પ નૈ વનાઉ શ્રપપન વગાલમે વેલ પટેલસઁ પૂછૂ શ્રો ળેકનાસઁ પ્નેમ કેલક, શ્રોકનાસઁ વયાિહ કેલક શ્રાવ પાઁચ વનખક વાદ શ્રેન કિન પ્નેમ બેલ વેયૈન શ્રછિ?'

'સુનૂ, પ્નેમ એકટા ખોળ શ્રછિ સિબ્ગો, ળીવન ભનિક ખોળ કખનો ક્ષણિક, કખનો શુન્ ખોળ કેકનો શ્રનકન નૈ, શ્રપપન હમ શ્રપનાકેં દોસનામે ખોળૈન છી, એકટા વછિ ડિ ળાઝન શ્રછિ વા છૂટિ ળાઝન શ્રછિ નઁ લાગૈન શ્રછિ ળે ળનિગી ખનમ ળીયૈક કોનો શ્રન્થ નૈ નહિ ળાઝન શ્રછિ શ્રાઁખકિ શ્રાગૂ શૂન્ય શ્રા શ્રન્હાન સભ યીળ નિનિન્થક ભ' ળાઝન શ્રછિ મુદા કછિુ કાલ વાદ કિયો દોસન ભેટિ ળાઝન શ્રછિ શ્રિ નવ શ્રાંકુન શ્રુટિ ળાયન શ્રછિ શ્રેન લહલહ, શ્રેન મલહમ ્ દોસન ગપ શ્રછિ ળે દોસન સેહો શ્રપનાકેં નાકૈન ટકનાઝન શ્રછિ સિન્ય કહી નઁ પ્નેમક પૂવસૂનની સભ વેન શ્રોકન શ્રપૂન્ામાનામે શ્રછિ શ્રોકન માને પ્નેમક ઉમન ળનેક છોટ હુશ્રએ શ્રોનેક યમક શ્રા વદ્િયુન ળૌ નમહન હુશ્રએ નઁ સહવાક ગેય શ્રાવ' લાગૈન શ્રછિ ્ ળનુન શ્રછિ ળે એકના છોટ શ્રા પૈઘ કનવ હમન વસમે નૈ હોઝન શ્રછિ'

સનલાક દમિાગ યકનાએ લાગલ વડડ કાલ યનિ વૈસલ-વૈસલ વા સુનૈન સુનૈન, ળખન કશુિન વહહ કેને છલિ મીનૂકેં વહા ગેલૈ શ્રા પુછલક -'કી ગપ શ્રછિ? કી સોચિ નહલ છી'

સનલા નોનાએલ હઁસીસઁ વાળલ -'કછિુ નૈ શ્રહાઁ વઢા દેલૌ હમન ઉલહન'

૭

ળહિયા મૈનેળન કૉલેળ શ્રાએલ, શ્રો૨ દનિ નઘુનાથ ગાળીપુન ગેલ છલ -સનલાક બેલ લડકા દેખૈ બેલ

વીસ દનિુકા વાદ શ્રેન મૈનેળન કૉલેળ શ્રાએલ, શ્ર૨ વેન શ્રેન નઘુનાથ વાહન શ્રાળમગાઢ ગેલ છલ લડકા દેખૈ બેલ

્ પાઁચમ વા છશ્રમ વનખ છલ વયાિહ હાથમે શ્રાવૈન હુસિ ળાઝ છલ છહ વનખ ભ' નહલ છલ લડકા ખોળૈન-ખોળૈન ળેના-ળેના સનલાક ઉમેન વઢૈન ળા નહલ છલ, શ્રોના-શ્રોના શ્રોકન વેયૈની શ્રા દૌડ-ધૂપી સેહો વઢૈન ળા નહલ છલ શુનુ કેને છલ શ્રાઝએસ શ્રા પીસીએસ સઁ મુદા શ્રોકન નેટ એનેક વેસી છૈ ળે ળલદયિ નનમ પડિ ગેલ પચ્ચીસ લાખસઁ લ' ક' એક કનોડ યનિ– ્ નકમ શ્રો સપના યનમિ નૈ દેખને છલ ભનોસા છૈ ળે શ્રપપન વેટીક નૂપ-ગુણ શ્રા યોગ્યનાપન ળેકના નૈ નઁ કશ્રિો પૂછિ નહલ છૈ, નૈ દેખિ નહલ છૈ



अर दौड़-धूपीमे हुनका नै पाबि छह बरख बीतल छल मुदा बेटी तीससँ ऊपर भऽ गेल छल नौकरियोक बात आबि गेल छलै जे जे लड़का भेटैत छल, ओकर उमेर बेटी सँ कम

बेटी ओर स्थानीमे पढ़िक एम.ए., बी.एड., सर्विसिमे आबि गेल छलि आ तखन सँ आयल छलि आत्मविश्वाससँ भरल छलि पापा मम्मीक परेशानीक देखि कऽ कखनो-कखनो माँ सँ मजाकमे कहैत छलि - 'पापा हमरा लेल लड़का एहन खोजि रहल अछि जिना कियो गाइक लेल साँढ़ खोजैत अछि' एक बेर तँ ओ माँ-बापक मुँह लटकल देखि कऽ रघुनाथसँ सोझे बाजल छल - 'अहाँ तँ बाजारक निश्चित वस्तुक दाम कऽ रहल छी जखन कियो चीज बेचैत अछि तँ बदलामे खरीदारसँ ओकर दाम लैत अछि आ अहाँ छी जे चीज बेचियो रहल छी आ ओकर दाम सेहो दऽ रहल छी' जखन रघुनाथ ओकरापर तमसाएल तँ ओ बाजल- 'पापा, अहाँ अनेरे परेशान भऽ रहल छी, हमरा बियाह नै करबाक अछि'

सभ छौड़ी अहिना बजैत अछि - कखनो माँ-बापक चिन्ता देखि कऽ, कखनो शालीनता आ संकोचमे, कखनो खौंझा कऽ, कखनो बियाहमे देरी होइत देखि - अइसँ रघुनाथक परेशानी कम होइ के बदला बेसी भऽ जाइ छल

अहिने समयमे मैनेजरक प्रस्ताव आयल छल अप्पन बेटीक लेल जखन ओ निवृत्त भऽ रहल छल आ जमाय बना लिअ बियाह लऽ कऽ लड़का सेल्स टैक्स आफिसर मुदा पाँच लाख दस-एगारह लाख हुनकर अप्पन स्टीमेटसँ बेसी मुदा मैनेजरक भलमनसाहत आ बड़प्पन - जे हमरा तहि चिन्ता कोन बातक? अप्पन पैघ बेटाक नाम पर हमरासँ दस लाख लऽ कऽ पहिने बेटीक बियाह कऽ लिअ, फेर बेटाक बादमे कऽ लेब ओहिनो ई ठीक नै लगैत अछि जे जवान बेटी घरमे हुअए आ बेटा बियाह कऽ लिअए

एकरा कहैत अछि बड़प्पन आ एकरे कहै छी भाग्य कत' मैनेजर आ कत' हुनके कॉलेजक मास्टर रघुनाथ

पूरा जाड़मे पसरि गेल छल ई खबरि आ सभ लोक अर मुहल्लाक रंगदार कऽ रहल छल - जे संयम सभ किछु माटिमे मिला देलक

आब रघुनाथ कोन मुँह लऽ कऽ जाय मैनेजर लग?

वएह बेटा - जाहि बेटापर हुनका भरोस छल आ गुमान छल - वएह बेटा हुनकर जीह काटि कऽ ओर सक्सेनाकेँ दऽ देलक जकरासँ नै तँ हुनकर जाति छल आ नै पहिचान छल

कोनो तरहे साहस कऽ रघुनाथ गेल छल मैनेजरक घर

बंगलाक आगू बनल अप्पन नव कोठलीमे बिछौनपर पटायल मैनेजर केकरोसँ फोनपर गप कऽ रहल छल ओ रघुनाथ दिसि कोनो ध्यान नै देलक मैनेजर आध घंटा धरि कखनो एकरासँ कखनो ओकरासँ गप करैत रहल आ फेर नहाबै लेल चलि गेल

नहा-धो आ पूजा पाठ करलाक बाद दू घंटा बाद आयल तँ रघुनाथकेँ बैसल देखलक

'कोना अएलौ?'

'अप्पन स्कूटरसँ'

'𑒏𑒯𑒱? 𑒏𑒰𑒩 𑒏𑒞' 𑒑𑒹𑒪?'

'𑒏𑒰𑒩 𑒏𑒯𑒰𑒿 𑒁𑒕𑒱?'

'𑒏𑒯𑒱? 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒁𑒧𑒹𑒩𑒱𑒏𑒰 𑒪' 𑒑𑒹𑒪 𑒥𑒹𑒙𑒰?' 𑒯𑒿𑒮𑒻𑒞 𑒧𑒻𑒢𑒹𑒖𑒩 𑒮𑒼𑒗𑒰𑓀𑒣𑒩 𑒥𑒻𑒮 𑒑𑒹𑒪 𑒂 𑒣𑒋𑒩 𑒙𑒹𑒥𑒳𑒪𑒣𑒩 𑒣𑒮𑒰𑒩𑒱 𑒠𑒹𑒪𑒏 - '𑒧𑒰𑒮𑓂𑒙𑒩, 𑒥𑒱𑒨𑒰𑒯 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒥𑒹𑒙𑒰 𑒏𑒹𑒪𑒏, 𑒥𑒡𑒰𑒃 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒦𑒹𑒙 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒮𑒦 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 𑒥𑒰𑒖𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒒𑒙𑒱𑒨𑒰 𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒮𑒧𑒡𑒱 𑒥𑒢𑒻𑒮𑒿 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑓀𑒨𑒼𑒑𑒹𑒮𑒿 𑒥𑒔𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒾𑓀'

𑒩𑒒𑒳𑒢𑒰𑒟 𑒠𑒼𑒭𑒲 𑒖𑒏𑒰 𑒧𑒰𑒟 𑒗𑒳𑒏𑒰 𑒏' 𑒔𑒳𑒣𑒔𑒰𑒣 𑒮𑒳𑒢𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒪

'𑒧𑒰𑒮𑓂𑒙𑒩, 𑒖𑒹 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱, 𑒢𑒲𑒏 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒬𑒳𑒩𑒳𑒯𑒹𑒧𑒹 𑒯𑒧𑒩 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒬𑓀𑒏𑒰 𑒕𑒪 𑒖𑒹 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 𑒮𑒳𑒢𑒻𑒞 𑒕𑒪, 𑒂𑒬𑓂𑒔𑒩𑓂𑒨 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒕𑒪 𑒂 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒦𑒰𑒑𑓂𑒨 𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒩𑒰𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒪 𑒏𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒪 𑒖𑒹 𑒏𑒲 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒏' 𑒥𑒱𑒨𑒰𑒯 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒮𑒼𑒔𑒪𑒾 𑒁𑒯𑒰𑒿? 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒞𑒿 𑒧𑒹𑒪 𑒯𑒳𑒁𑒋? 𑒏𑒞𑒾 𑒞𑒿 𑒧𑒹𑒪 𑒯𑒳𑒁𑒋? 𑒮𑒦 𑒮𑒩-𑒮𑒧𑓂𑒥𑒢𑓂𑒡𑒲, 𑒠𑒼𑒮-𑒧𑒯𑒲𑒧 𑒢𑒰𑒐𑒳𑒬 𑒯𑒧 𑒏𑒯𑒪𑒾 -𑒢𑒻, 𑒮𑓀𑒏𑒙𑒧𑒹 𑒁𑒕𑒱 𑒩𑒒𑒳𑒢𑒰𑒟 𑒔𑒰𑒯𑒹 𑒖𑒹𑒯𑒢 𑒯𑒳𑒁𑒋, 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒿 𑒯𑒧𑒩𑒹 𑒏𑒼𑒪𑒹𑒖𑒏 𑒋𑒯𑒢 𑒏𑒰𑒪 𑒯𑒧 𑒢𑒻 𑒧𑒠𑒠 𑒏𑒩𑒥 𑒞𑒿 𑒏𑒹 𑒏𑒩𑒞? 𑒞𑒿 𑒯𑒧 𑒥𑒋𑒯 𑒏𑒩𑒋 𑒔𑒰𑒯𑒪𑒾 𑒖𑒹 𑒯𑒧𑒩 𑒂𑒞𑓂𑒧𑒰 𑒥𑒰𑒖𑒪 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒏𑒮𑓂𑒧𑒱𑒞 𑒐𑒩𑒰𑒥 𑒕𑒪 𑒞𑒿 𑒯𑒧 𑒏𑒲 𑒏𑒩𑒱𑒞𑒾?'

𑒍 𑒗𑒳𑒏𑒱 𑒏' 𑒥𑒰𑒯𑒩 𑒠𑒹𑒐𑒨' 𑒪𑒰𑒑𑒪

𑒥𑒰𑒯𑒩 𑒠𑒩𑒥𑒖𑓂𑒖𑒰𑒏 𑒂𑒑𑒴 𑒥𑒼𑒪𑒹𑒩𑒼 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒕𑒪 𑒂 𑒒𑒳𑒩𑓂𑒩-𑒒𑒳𑒩𑓂𑒩 𑒏' 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪 𑒬𑒰𑒃𑒞 𑒏𑒞𑒾 𑒖𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒩𑒯𑒻 𑒧𑒻𑒢𑒹𑒖𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒍 𑒛𑓂𑒩𑒰𑒃𑒥𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒛𑒰𑓀𑒙𑒱 𑒏' 𑒑𑒰𑒛𑓃𑒲 𑒔𑒳𑒣 𑒏𑒩𑒹𑒪𑒏

𑒥𑓀𑒑𑒪𑒰 𑒂 𑒏𑒼𑒙𑒹𑒖𑒏 𑒥𑒲𑒔 𑒙𑒢𑒱𑒏 𑒢𑒧𑓂𑒯𑒩 𑒬𑒹𑒛 𑒕𑒪 𑒖𑒏𑒩 𑒢𑒲𑒔𑒰𑒿 𑒏𑒰𑒩, 𑒙𑓂𑒩𑒻𑒏𑓂𑒙𑒩, 𑒙𑓂𑒩𑒰𑒪𑒲 𑒂 𑒧𑒼𑒙𑒩𑒥𑒰𑒃𑒏-𑒮𑒰𑒃𑒏𑒱𑒪 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒕𑒪 𑒥𑒼𑒪𑒹𑒩𑒼 𑒍𑒞' 𑒮𑒿 𑒂𑒢𑒪 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪

'𑒩𑒒𑒳𑒢𑒰𑒟, 𑒑𑒪𑒞𑒲 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒥𑒹𑒙𑒰 𑒏𑒹𑒪𑒏 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒯𑒧𑒩 𑒞𑒰𑒧𑒮 𑒍𑒏𑒩𑒰𑒣𑒩 𑒢𑒻 𑒁𑒕𑒱, 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒣𑒩 𑒁𑒕𑒱 𑒁𑒃 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒹 𑒖𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒃 𑒑𑒣 𑒯𑒧𑒩𑒰𑒮𑒿 𑒢𑒳𑒏𑒹𑒪𑒱𑒌 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒖𑒰𑒢𑒻 𑒕𑒱𑒌 𑒖𑒹 𑒯𑒧 𑒏𑒹𑒏𑒩𑒼 𑒁𑒯𑒱𑒞 𑒢𑒻 𑒏𑒩𑒻 𑒕𑒲 𑒖𑒞' 𑒡𑒩𑒱 𑒥𑒢𑒱 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱, 𑒧𑒠𑒞𑒱 𑒏𑒩𑒻 𑒕𑒲 𑒥𑒩𑒰𑒥𑒩 𑒡𑓂𑒨𑒰𑒢 𑒩𑒰𑒐𑒻 𑒕𑒲 𑒖𑒹 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒪𑒼𑒏 𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒞𑒩𑒯𑒹𑒿 𑒠𑒱𑒏𑓂𑒏𑒞 𑒢𑒻 𑒯𑒼𑒃 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒢𑒳𑒏𑒹𑒪𑒱𑒌 𑒂 𑒍𑒏𑒩𑒹 𑒠𑒳𑓁𑒐 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒞𑒰𑒧𑒮 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒥𑒞𑒰 𑒠𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒔𑒰𑒯𑒲 𑒩𑒯𑒋 𑒖𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒥𑒹𑒙𑒰 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒏𑒯𑒪𑒧𑒹 𑒢𑒻 𑒁𑒕𑒱 𑒋𑒞𑒥𑒹 𑒙𑒰 𑒢𑒻, 𑒃𑒯𑒼 𑒏𑒯𑒻𑒧𑒹 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒯𑒩𑓂𑒖 𑒢𑒻 𑒖𑒹 𑒍 𑒔𑒩𑒱𑒞𑓂𑒩𑒯𑒲𑒢 𑒂 𑒦𑓂𑒩𑒭𑓂𑒙 𑒁𑒕𑒱 𑒃 𑒒𑒩𑒏 𑒑𑒣 𑒕𑒪, 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒥𑒞𑒥𑒻𑒧𑒹 𑒏𑒼𑒢 𑒑𑒣𑒏 𑒛𑒩 𑒂 𑒮𑓀𑒏𑒼𑒔? 𑒯𑒧 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒡𑒩𑒰' 𑒞𑒿 𑒢𑒻 𑒖𑒻𑒞𑒾'

𑒩𑒒𑒳𑒢𑒰𑒟 𑒢𑒲𑒔𑒰𑒿 𑒞𑒰𑒏𑒻𑒞 𑒔𑒳𑒣 𑒩𑒯𑒪 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰𑒧𑒹 𑒃 𑒮𑒰𑒯𑒮 𑒢𑒻 𑒕𑒪 𑒖𑒹 𑒏𑒯𑒱 𑒠𑒻𑒞𑒱𑒌 -𑒃 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒃𑒪𑒖𑒰𑒧 𑒑𑒪𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒃 𑒏𑒯𑒋𑒮𑒿 𑒁𑒢𑒩𑓂𑒟 𑒦' 𑒖𑒻𑒞𑒱𑒌

𑒧𑒻𑒢𑒹𑒖𑒩𑒏 𑒞𑒰𑒧𑒮 𑒏𑒼𑒢 𑒩𑒴𑒣 𑒪𑒻𑒞𑒱𑒌, 𑒏𑒯𑒥 𑒏𑒚𑒱𑒢 𑒕𑒪 𑒍 𑒖𑒪𑒲𑒪 𑒯𑒳𑒁𑒋𑒧𑒹 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒦𑒪𑒰 𑒥𑒳𑒗𑒪𑒏 𑒂 𑒧𑒻𑒢𑒹𑒖𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒍𑒯𑒱 𑒮𑒼𑒗𑒧𑒹 𑒮𑒳𑒢𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒪

𑒋𑒐𑒢 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒥𑒳𑒗𑒋𑒧𑒹 𑒢𑒻 𑒂𑒥𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒥𑒹𑒙𑒰 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒮𑒿 𑒏𑒲 𑒏𑒹𑒢𑒹 𑒁𑒕𑒱? 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒢𑒰𑒮𑒧𑒗𑒲𑒧𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒞𑒹𑒏 𑒣𑒻𑒒 𑒧𑒳𑒮𑒲𑒥𑒞𑒧𑒹 𑒤𑒿𑒮𑒰 𑒠𑒹𑒢𑒹 𑒁𑒕𑒱 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒥𑒹𑒙𑒲 𑒋𑒐𑒢 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩𑒱 𑒁𑒕𑒱 𑒦𑒑𑒫𑒰𑒢 𑒢𑒻 𑒏𑒩𑒋 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩𑒱 𑒩𑒯𑒱 𑒖𑒰𑒋 𑒃 𑒁𑒏𑒰𑒩𑒝 𑒢𑒻 𑒏𑒯𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒃 𑒣𑒞𑒰 𑒞𑒐𑒻𑒢 𑒔𑒪𑒞 𑒖𑒐𑒢 𑒥𑒹𑒙𑒲 𑒪𑒪 𑒥𑒩 𑒠𑒹𑒐𑒻 𑒪𑒪 𑒢𑒱𑒏𑒪𑒥 𑒖𑒞' 𑒖𑒰𑒋𑒥, 𑒂𑒢 𑒑𑒣𑒮𑒿 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒪𑒼𑒏 𑒨𑒋𑒯 𑒣𑒴𑒕𑒞 𑒖𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒮𑓀𑒥𑒢𑓂𑒡 𑒏𑒞'-𑒏𑒞' 𑒁𑒕𑒱? 𑒥𑒞𑒰𑒥𑒋 𑒞𑒿 𑒣𑒛𑓃𑒞 𑒖𑒹 𑒥𑒹𑒙𑒰 𑒏𑒰𑒨𑒮𑓂𑒟𑒏 𑒕𑒾𑒛𑓃𑒲𑒮𑒿 𑒥𑓂𑒨𑒰𑒯 𑒏𑒹𑒢𑒹


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

अछि, सभैय लाल अछि बिगेबै वा नुकेबै? एहन गप नुकाइलो कहाँ अछि अहाँ नुकाएब तँ ओ दोसरासँ पता लगा लेत जानति छी, जे कियो संबंध बनाबैत अछि, ठीक बजा क' बनबैत अछि'

रघुनाथ ठाढ़ भ' गेल आ हाथ जोड़ि क' बाजल -'ठीक छै, चलैत छी'

'अरे बैसू, एतेक जल्दी किए?'

'नै, जरूरी काज अछि, आब देरी भ' रहल अछि'

'अच्छा, जाउ' मनेजर सेहो संग-संग ठाढ़ भ' गेल -'अच्छा, ई बताउ, अहाँक रिटायरमेण्ट कहिया अछि?'

रघुनाथ चौंकल आ हुनका देख' लागल

'ताइसँ पुछलौं किएकि प्रिंसिपल साहेब बतौलन्हि जे अहाँक मन नै लागि रहल अछि पढ़ाबैमे बेसी काल क्लास छोड़ि दै छी वा बाहर रहै छी'

'एना तँ नै अछि जरूरी पड़लापर एक्स्ट्रा क्लास सेहो लै छी आ कोर्स पूरा करै छी रिजल्ट कहियो ख़राब नै आबैत अछि हमर छात्रक'

'ठीक अछि मुदा हम दू बेर गेल रही ऐ बीचमे आ दुनू बेर अहाँकेँ नै देखलौं ई अहाँ आ प्रिंसिपल साहेबक बीचक गप छी, हमरा एकरासँ की मतलब?' कहैत मैनेजर बोलेरोमे बैस गेल

रघुनाथ किछु कह' चाहै छल मुदा चुप रहल

गाड़ी स्टार्ट होइसँ पहिने मैनेजर नौकरपर गरजल -'भोलू मास्टर साहब चाय चाहए तँ पिआ देब, हमरा बेर भ' सकैत अछि'

रघुनाथ घुरि गेल हुनका बेर-बेर लागि रहल छल जे आबि क' ओ गलती केलक -जे हुनका नै एबाक चाही रहए

८


मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

सरला घर आएल -छुट्टीक दिन रविकेँ

पहिने ओ बेसी काल अबै छलि शनि साँझ कऽ अबै छलि, रविकेँ रहै छलि आ सोम दिन भोरे चलि जाइ छलि मिर्जापुरसँ घरक दूरी अछि कते? बीचमे बनारसमे एकटा बस बदलऽ पड़ैत अछि-बस मुदा दू बरख सँ आएब ओ एकदम्मेसँ कम कऽ देने अछि ताहिसँ सरलाकेँ लगै छल जे ओकरा आबएसँ माँ-बाप खुश होइ कऽ बदला चिन्तित आ परेशान भऽ जाइत अछि, जेना बेटी नै, समस्या आबि गेल, जेना कहि रहल हुअए -ए देखियौ बुढ़िया तँ भऽ गेल, आब नै तँ कहिया करब बियाह?

रघुनाथ गाजीपुर आजमगढ़ भऽ कऽ घुरल छल

ओ अपना दिसिसँ मन बना कऽ आएल छल -दुनूमे सँ एक; जेकरामे शीला आ सरला 'हँ' कऽ दितए ओ दुनूक लऽ कऽ शीलासँ गप केने छल खर्चाक मामलामे दुनू बीस-उन्नीसक बियाह छल आठसँ दस लाखक बीचक ओ बरख भरिसँ लागल छल हुनका पाछाँ आ आब 'फ़ाइनल' करबाक बेर आबि गेल छल

आजमगढ़क लड़का 'सेल्स टैक्स असिस्टेंट' अप्पन इलाहाबादमे काज कऽ रहल अछि खानदानी कुलीन सेनानी बीर कुँवर सिंहक संबंधी बाप काशी ग्रामीण बैंकमे खजांची 'ईमानदार' आ 'मददगार' जेहन छवि बना कऽ राखबाक संग पाँच बरखक भीतर आजमगढ़ शहरमे दुमहला कोठी लड़काक दू टा छोट भाय आ दूटा छोट बहिन् माँ जाबित् लड़का किछु नै तँ कमसँ कम एडिशनल कमिश्नर भऽ कऽ रिटायर हएत् ओ ओना लड़की देख लेने छल आ पसीन केने छल

लड़का दिसिसँ मामला ठुसल छल लड़कीक नोकरी लऽ कऽ -जे दुनूमे सँ नोकरी कियो एक्के टा करत् लड़की जौ नौकरी करए चाहैए तँ तखन करए जखन नेना सभ स्कूल जाए लागए ई शर्त एहन छल जकरा सरला मानत-अइमे संदेह छल रघुनाथकेँ

किछु गप कैं लऽ कऽ शीला सेहो असमंजसमे छल -लड़का सभसँ पैघ बेटा दू टा दिअर हएत आ दू टा ननदि दिअरकेँ पढ़बाक जिम्मेदारी सेहो उठाबऽ पड़ि सकैत अछि भौजीकेँ ननदकि स्वभावसँ खौंझी होइत अछि -जनैबाली आ एक नै एकटा बखेड़ा ठाढ़ करएबाली झंझटिया पैघ होइ के कारण हुनकरो शादी-बियाहमे किछु नै किछु करए पड़त् सासु सेहो अप्पन मरल नै अछि-झगड़ाउ आ सभटा गपपर मीन-मेख निकालएबाली भेल तँ आरो मोश्किल भऽ सकैत अछि, बुढ़ौती बड़की पुतोहुक संग काटए लेल सोचए सरला अलग नौकरी करैत रहए तखनो ई झंझट कम नै होइबला अछि ओ तय केलक जे बेटीकेँ बुझा-सुझा कऽ निर्णय करब ठीक हएत्

दोसर बियाह प्रस्ताव गाजीपुरक एकरासँ उलटा लड़का इलाहाबादमे पाँच बरखसँ कोचिंग करैत लोक सेवा आयोगक परीक्षा दऽ रहल छल आइएएस आ पीसीएस क सेहो पछिला बेर इंटरव्यू धरि जा कऽ छँटा गेल छल गोर, नमहर आ सुन्नर अबेर-सबेर कतो नै कतो सेलेक्शन निश्चित छल रघुनाथ दोबारा ओ गलती नै दोहराबैक चाहैत छल जे एक बेर कऽ चुकल छल दू बरख पहिने जखन लड़का कम्पटीशन दऽ रहल छल तखन बिया मंगनीक छल, बेरोजगार बुझि कऽ नै केलखिन ओ मुदा जखन तीन मास बाद 'सेलेक्ट' भऽ गेल तँ दाम पचास लाख हाथसँ निकलि गेल बियाह तँ ओकरा किछु नै किछु बनबाक अछि आइ ने काल्हि बाप जीवन बीमा निगममे उपप्रबंधक बेटा असगरे -ने भाय, नै बहिन् बापक एकटा पैघ भाय छल -सेहो लावल्द हुनकर संपत्ति सेहो भेटबाक छल



शीलक झुकाव अर विवाह दिस छल एकरासँ छोट परिवार की भेट सकैत छल केकरो? नहियेँ ननदिक झंझटि, नै दिअरक जत' चाहू ओत' रहू जेना चाहू ओना रहू जे चाही वएह करू नै कियो देख' वला, नै रोकएवला नर्सिंग होम आ अस्पतालक जरूरी भेल त' सासु हाजिर् बुढ़वाकेँ छोड़ि सासु नै जाएत त' माँ त' छेबे करए जेठ ससुर, ओतेक नहिता -दुनू अहीक

रघुनाथक नजरिया किछु आर छल हुनका आजमगढ़वलाक पक्का नोकरी आ भरल-पुरल परिवार बेसी नीक लागि रहल छल मुदा ओ निर्णय सरलापर छोड़ने छल

सरला अपन पतिकेँ देखलक -एतेक कम दिनमे कतेक बदलि गेल अछि पतिजी खलवाट भ' गेल अछि माथसँ केस उड़ि गेल छै -कनपट्टीकेँ छोड़ि क'। आगूक दूटा दाँत जानि कहिया उखड़ि गेल डेकर बैस गेल अछि कनी आर झुकि गेल अछि आ बूढ़ सन बुझ' लागल अछि

पति सेहो बेटी दिस ताकलक -ओ सेहो बदलल-बदलल सन लागि रहल छल जानि किए? आब ओ हुनका कोनो लड़की नै, स्त्री लखाह द' रहल छल ओकरा समीज-सलवारमे देखैक आदति पड़ि गेल छल हुनका -शान्त मुदा ओकरा जे चेहरा एतेक उदास आ सुखाएल रहैत छल, ओ एतेक पनिगर आ प्रसन्न किए? यएह नै, दुबर–पातर देहमे भराव आ आकर्षण सेहो आबि गेल छल उबड़-खाबड़ समतल सीनापर गोलाइ उभारक संग पुष्ट नजरि आबि रहल छल रघुनाथक अनुभव बता रहल छल जे एना कोनो मर्दक संसर्ग आ हाथक स्पर्शक बिना संभव नै मुदा मन कहि रहल छल जे एहन खान-पानक सुविधा आ निश्चिन्तताक कारण अछि ओ साड़ी-ब्लाउजमे ठाढ़ अपन बेटीकेँ आजमगढ़ वलाक नजरिसँ देखबाक प्रयास केलक

सरला ओर दुनू बियाहक ल' क' गंभीरतासँ सुनैत रहल बड़ी काल धरि

'हँ, बाजू, अर समये कोन पसीन छौ तोरा?' रघुनाथ अंतमे पुछलक

'कोनो नै हुनकासँ कह जे ओ जतए चाहए, ओतए करए, हमरा नै करबाक अछि'

'की?' रघुनाथ अवाक् हुनकर आँखि फाटल रहि गेल ओ एकटक देखैत रहल -'सात बरखसँ यएह सुनबा लेल दौगैत रही?'

रघुनाथ अखड़ा खाटपर बैसल छल, आ शीला सरलाक बगलमे पड़ल प्लास्टिकक कुर्सीपर साँझक छाह आँगनमे उतरि आएल छल सरला माँ-बापक सबसँ दुलारू बेटी छल आ मुँह लागल रघुनाथ अपन बेटा सबसँ दूरी बनौने छल, मुदा बेटीसँ नै जे गप केकरो सँ नै कहि सकैत छल, सेहो बेटीसँ क' लैत छल बेटी बापक लिहाज त' करैत छल मुदा किछु कहए-सुनए सँ पहिने संकोच नै करैत छल

'हम कहियो नै कहलौं जे अहाँ दौड़ू खालूमे दौड़ैत रही त' एकरा लेल हम की करब? पूछू माँ सँ, कतेक बेर कहने रही जे हमरा नै करबाक अछि बियाह'

'नै करबाक अछि त' की असगरे रहबाक अछि -अर तरहे?'

'हम ई कहियो कहलौं? हम खाली ई कहलौं जे हमरा बियाह नै करबाक अछि जाहिमे लेन-देन आ मोल-भाव होइत हुअए?'


मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

'कोन विवाह अछि जाहिमे ई सभ नै होइत अछि? की संजयमे नै भेल?'

'ओकर गप छोड़ू, ओ विवाह नै, सौदा छल'

'तूँ की कह' चाहै छह?' रघुनाथ आँखि तरेर क' ओकरासँ पुछलक आ चुप देखि क' खाटपर पसरि गेल। करीब काल चरि शांत रहलाक बाद ओ बाजल -'शीला, बुझाइ ए लड़कीकेँ शहरमे रहि क' ओकर दिमाग ख़राब भ' गेल अछि'

शीला माथ डुलाक' शून्यसँ नोर बहा रहल छलि। अप्पन नाम सुनलाक बाद हियकी लिअए लागल -'अहीं माथपर चढ़ने छी। अहीं भोगियौ। जखन ई बीए केने छल तखने हम कहने रही जे कराए दियौ विवाह तँ नै, अखन पढ़त एम.ए. केलक तँ सेहो कहलौं जे पैघ भ' गेल अछि, आब करा दियौ तँ नै, अप्पन पएर पर ठाढ़ हएत हमर बेटी। नोकरी करत। आब देखू एकर रंग-ढंग? हम कहने रही दुनियाक चक्कर लगेबासँ पहिने जे पहिने एक बेर पूछि लिअ अप्पन दुलारू बेटीसँ एक बेर नै पुछलौं, तँ भोगू'

'पापा, तामस नै हुअए तँ हम किछु बाजी' सरला सहज छल परेशान माँ-बाप छल।

सरला -'अहाँ आ माँ हमर आँखि छिऐ जइसँ हम दुनिया देखब शुरू केने छलौं। ओकरेसँ हम देखलौं जे मर्द एकटा बड़द अछि जकरा एकटा खुट्टा चाही- अप्पन आरामक लेल। ओ खुट्टा अहाँ लेल माँ छल आ सत-सत बाजू, की माँ अहाँ लेल फ़रिश्ता नै छल'

'बन्न करू ई आगू गप?'

'पापा, हम अहाँक ओ जिनगी तँ देखने छी जे सभ कियो देखने अछि मुदा बेस-कम मम्मी नै देखने हएत। हुनका की पता जे ओ कतेक खुशमिजाज आ मजाकिया इंसानक कनिया अछि। हमहूँ कत' बुझि सकल छलौं, अहाँकेँ घरमे? [illegible] बुझै छलौं जे हमर बाप तमसाइत--डपटैत आ गुम्हराइत आ हा-हा करबाक अलावे किछु नै जानै छथिन। ई बाहर देखि क' जानलौं जे ओ लजाइत सेहो अछि, मुस्कराबैत सेहो अछि, हंसी-मजाक सेहो करैत अछि आ आँखि-आँखिमे गप सेहो करैत अछि। आर एतेक दिन बाद हम बुझि सकलौं जे जखन हम हाईस्कूलमे छलौं तँ मिसिज रेखा मैडम किए हमरा एतेक प्रेम करैत छल आ अहाँ लेल किए चिंता करै छल' ई अंतिम वाक्य अंग्रेजीमे ओ बाजल। सरला जकरा शीला नै तँ बुझलक वा सुनलक मुदा रघुनाथ तामसमे बैस गेल -'आगू गप बन्न करू, साफ़-साफ़ कहू अहाँकेँ विवाह करबाक अछि वा नै'

'जखन करबाक हएत क' लेब, अहाँ किए परेशान छी'

'तइसँ कहिम जवि छी, मरि गेलौं'

'अहाँ नै क' सकब पापा। हम जानै छी अहाँकेँ, तइसँ छोड़ू'

'जखन संजयकेँ बर्दाश्त केलिऐ तँ अहूँकेँ क' लेब, कहू तँ'

सरला करीब काल चरि चुप रहल आ रघुनाथकेँ देखैत रहल -'कोनो सुदेश भारतीक ख़्याल अछि अहाँकेँ?'

'एक तँ बएह अछि तोहर मिर्जापुरक एस.डी.एम.'

'कोनो दोसर अछि की?'


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

रघुनाथ दिमागपर जोर दैत बाजल -'एक कोनो भारती भारती क' कए छल जे तोहर संग एम.ए. मे पढैत छल'

'आ ओकर बड़ाइ करै छलौ अहाँ बएह अहाँकेँ बाजार ल' क' जाइ छल'

'हँ, नीक छौड़ा छल मुदा चमार छल'

'मनिजापुरबला बएह भारती अछि, जेकरा अहाँ नीक कहैत रही'

'तँ?' रघुनाथ विस्मयसँ ओकरा घुरैत रहल

'तँ की? ओकरा संग ब्याह करबाएब अहाँ?'

रघुनाथ खाटपर ढेर पसरल, ओइसँ पहिने शीला कूहि भ' कान' लागल रघुनाथ आकाश दिसि दुनू हाथ उठेलक - 'हे भगवान् ई की क' रहल छथि हमरा संग लला तँ तैयो ठीक छल मुदा आब की? हम की करब? केकरा मुँह देखाएब? ओ पागल जेना कखनो सँ कखनो बकबक करए लागल

'माँ, ई तँ सात बरखसँ लेकक दरबज्जे-दरबज्जा घिघियाइत फिरि रहल छथि आ एक बरखसँ ओ हमरासँ खेखनियाँ क' रहल अछि-पूरा सम्मान आ इज्जतक संग कोटासँ सही मुदा पीसीएस अछि देखै-सुनैमे केकरोसँ कम नै हमर नोकरीसँ सेहो ओकरा परहेज नै कखनो कोनो बदमाशी सेहो नै केलक हमरा संग कोनो एहन ऐब सेहो नै छै ओकरामे हम एखन धरि 'हँ' नै केने छी मुदा सोचि लेने छी जे करब तँ ओकरे संग'

'ओकर बाद घुरि क' कहियो पहाड़पुर नै अइहियेँ अपन मुँह नै देखाएब ई याद राखिहेँ' रघुनाथ ठाढ़ भ' गेल - 'आब जाउ एत'सँ कोनो जरूरत नै तोहर मरि गेलौ माँ-बाप'

'राति भ' रहल अछि आइ काल कत' जाएत?' शीला बाजल

'चाहे जत' जाए, जाए'

सरला मुस्कराबैत बैसल रहल-'एखन कहाँ केने छी? अखैन तँ रहि सकै छी'

८

सरला चलि गेलि, मुदा रघुनाथक सुख-शान्ति लऽ गेलि।

रघुनाथ कतेक राति सुति नै सकल। हुनका नीन नै आबि रहल छल। कोन जन्मक पाप छल जे ओ ए जन्ममे भोगि रहल छल। बच्चा सभकेँ एहन संस्कार कतऽसँ भेटल छै जे ओ ए जन्ममे भोगि रहल छल। संजयकेँ कियो नै भेटलै- नहियो ठाकुर, नहियो बाभन, नहियो भूमिहार; भेटलै ने ललाक लड़की। तकर बादो ओ ओइ लायक छल जे मुँह देखा सकए, मुदा ई सरला। ओ ककरा मुँह देखाएत। कतऽ मुँह देखाएत।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ઉડ઼કીક અપ્પન તર્ક છથિ, જે ઓ જાઇત-જાઇત સુના ગેલ છલ। જે ભી ગલત કાજ કરૈ, ઓ ઓકર પક્ષમે તર્ક ગઢ઼િ લેત। ઉહો ઈ તર્ક ગઢૈ છલ- અહાઁ દોસરાક શાસનપર વિચાર કઽ રહલ છી, એતઽ હમ વિચાર કરબ મુદા અપ્પન શાસનપર, અહાઁ હમર સ્વાધીનતા દોસરાક હાથમે બેચિ રહલ છી, એતઽ હમર સ્વાધીનતા સુરક્ષિત અછિ, અહાઁ અતીત આ વર્તમાનસઁ આગૂ નૈ દેખિ રહલ છી, હઁ, હમ ભવિષ્ય દેખિ રહલ છી, જતઽ સ્પેસે-સ્પેસ અછિ।

સ્પેસે-સ્પેસ, ઊહૂઁ સ્પેસ માને કી। આરક્ષણ આ કોટાક અલાવે એકર કોનો મતલબ અછિ? એતબે નૈ, આરક્ષણ નૈ હેતૈ તઽ ભારતી કેકરો ને કેકરો દુઆરિ જાઇત હેતૈ આ પઢ઼બ-લિખબ કઽ બાદો નગરમે રિક્શા ખીચૈત હેતૈ। અહો કહૈત નહિ જે એકદમ ગલત અછિ, કિછુ નૈ બુઝૈત અછિ આઇ પીસીએસ ભઽ ગેલ તઁ ઓકરા જેહન કિયો નૈ।

ઓ અપ્પન મનક બોઝ નિકાલલાક બાદ હલ્લુક અનુભવ કઽ રહલ છલ કિ પાછાઁસઁ કોનો હલ્લા સુનાઇ દેલકૈ- ચૌ માસ્ટર સાહેબ। જમાયક કી હાલ અછિ? આ કની-કની હુનકા લાગૈ છલ જે ઈ હલ્લા પાછાઁ ટા સઁ નૈ, આગૂસઁ સેહો- બામ-દહિનસઁ સેહો, ઊપર-નીચાઁસઁ સેહો આબિ રહલ છલૈ। ચારૂ દિસસઁ। ગામ-ઘર, આસ-પડ઼ોસ, જાન-પહિચાનક સભ કિયો હુનકર જમાયકેઁ લઽ કઽ ચીતિત છલથિ મુદા હુનકાસઁ હઁસી કઽ રહલ છલથિ। એ બીચ નૈ જાનિ કમ્હિરસઁ કોનો બચ્ચાક કિલકારી સુના પડ઼લ આ ઓ હુમચૈત હુનકા દિસ અપ્પન નાન્હિ-નાન્હિ બાઁહિ પસારિ દેલક- નાના, ઈ દેખૂ કી અછિ। ઓ ઓકર હાથસઁ એકટા કાગજ લેલથિ, જે હુનકર પરોક્ષમે ચમટોલસઁ છૂરી દેને ગેલ છલ। ઈ નિમિત્રણ પત્ર છલ છૂરીક પોતીક। તઁ આબ ચરણ હુનકર દયાદ આ લગીચક અછિ। ભોજ-ભાત આ ખાનપીન આબ હુનકે સંગ હેબાક અછિ, ગેલ અપ્પન દયાદવાદ।

રઘુનાથ નિશ્ચય કેલક જે આબ ઓ વાલમ્ટરી રિટાયરમેંટ લઽ લેત। ઓ શીલાસઁ અપ્પન ઈ ઇચ્છા બતૌલક જે આબ ઓકરા નોકરીક જરૂરત નૈ છૈ। ઈ નૈ બતૌલક જે ઓકરા વી.આર.એસ. આ સસ્પેંશનમે સઁ એકટા ચુનબાક છૈ આ એમે ચરણ ઠીક છૈ જે ઓ કરબાક લેલ સોચિ રહલ અછિ।

ચન્દ્રમાક રોશની પસરલ છલ, અગહનક।

અકાસ સાફ છલ। આય આંગૈન ઇજોરિયા છલ, આયમે છાહ। ચન્દ્રમા સોહે રઘુનાથક ચેહરા દેખિ-દેખિ મુસ્કરા રહલ છલ। ઓ ઓકર જલ્દીસઁ હટબાક આસમે છલ મુદા ઓ અપ્પન ઠામસઁ હટબાક નામ નૈ લઽ રહલ છલ। ઓ હુનકા નજરિ ગારિ કઽ દેખૈત રહલ આ હુનકા લાગઽ લાગલનિ-જેના ચાંદ ઐના અછિ આ ઓકરામે ઉખાહ પડ઼ઽ બલા દાગ હુનકર મુઁહક દાગ।

ગામક સિમાનક પારસઁ શુરૂ ભઽ જાઇત અછિ કુસિયાર આ રાહરિક ખેત, જતઽસઁ નિરહિયા એકકે સંગ હુઆઁ-હુઆઁ શુરૂ કેલક।

ગામસઁ કુકુડ઼ સેહો ઓહિ ભાવસઁ ઉતારા દેલક આ જના દેલક જે ઓ સભ સેહો સુતલ નૈ અછિ।

શીલાક ખાટ રઘુનાથક કાતેમે છલૈ આ ઓ સુતલિ છલિ।

પછિાિ કોોક દિનિસઁ નાનિમિ પ઼ઇર્હ જાઽ રહઉ છઉ। રઘુનાથ નાળઝાગા કઽ રહઉ છઉ આ શીઉ ગપ કૈન સુનિ ળારરન છઉ।

રઘુનાથ ઉઠિ કઽ વૈસ ગેઉ। રળોનાયિામે ઓકર મુઁહ દેખ્ખઉક। જારઉ-જારઉ ગોઉ ગોર યેહરા આ નાકક ઊઉપર યમકૈન યન્દ્રમાક કનિમિ। એકરાસઁ પહિનિ ઓ હુનકા સદપ્પિન પટાયઉ દેખ્ખને છઉ, સુનઉ નૈ। ઓ એકટકસઁ નાહિનૈન રહઉ હુનકા। ઓ કનૌટ ઊને છઉ આ ઓકર યેહરા રઘુનાથે દનિ છઉ। ઓકરાસઁ સાન વરખ છોટ, મુદા ઉમેર ઓકરો નૈ છોડ઼ને છઉ। ઓકરા મીનર પ્રેમ ઘુમરઽ ઊગઉ- હઁ, આવો સુન્દરિ છઉ હુનકર સ્ત્રી। ઓકરા ઊગઉ, ઓ કહિયો ઠીકસઁ પ્રેમ નૈ કેઉક હુનકા। ઓ હાથ વઢ઼ા કઽ હુનકર વ્ઊઉળક એકટા વટન ખોઉ દેઉક, યુપ્પે દોસર, સેર નેસર। સુનઉ છાની ળેહન મીનસઁ ળાગિ ગેઉ, કુનમુનેઉક આ સેર ઘુરઽ ઊગઉ। વછિનપર હુકઉ-હુકઉ। ઓરમે ળાન વાકી છઉ।

ઓ ઉઠઉ આ હુનકર વગઉમે પટા રહઉ। શીઉ ઠામ વનૌઉક હુનકા ઊઉ આ આઁખ્ખિ વિન્દ કેઉ-કેઉ અપનાકેઁ હુનકર આશ્રનિ કઽ દેઉક। આઁખ્ખિકેઁ ખોઉવાક પ્રયોળન નૈ છઉ, હુનકર ઓગરી દેહક સમટા કોન-અંનરાસઁ પરિયિનિ છઉ। ઓ વડ઼ કાઉ યરિ એક-દોસરાક દેહક મીનર ઓર યીળકેઁ નાકૈન રહઉ, ળે નૈ ળાનિ કહિયા અપ્પન ઠામ છોડ઼ િકઽ યઉિ ગેઉ છઉ। રઘુનાથકેઁ ઊગિ રહઉ છઉ- નૈ, કન્તો નૈ અછિ, કન્તો ને કન્તો પે વા ઓર દેહમે અછિ સન્તે મુદા ળૌં સયયે હેનિઇ નઁ કનઽ ળૈનિઇ પરેશાન જાઽ થાકિ-હારિ ઓ અપ્પન મુઁહ શીઉક છાનીક વીયમે વઁસા દેઉક આ શાંન પડ઼િ ગેઉ।

મન નૈ કઽ રહઉ અછિ, નઁ છોડ઼ૂ- શીઉ આસ્તેસઁ વાળઉ।

કની કાઉ યરિ રઘુનાથ કછિુ નૈ વાળઉ, સેર એક વેર હિયિકી ઊઉક।

શીઉકેઁ ઊગઉ ળે ઓકર છાનીક વામ દનિસઁ ળે ગરમ યીળ વછિનપર ટઘરિ રહઉ અછિ, ઓ નોર થકિ। રઘુનાથક નોરા ઓ હુનકર ઉઘારઉ પીઠ સસારઉક- આસ્તેસઁ।

મન નઁ કઽ રહઉ અછિ, દેહે સંગ નૈ દઽ રહઉ અછિ- ટૂટઉ સાંસે રઘુનાથ વાળઉ।

-નઁ પેમે દુખ્ખી હેવાક કો ગપ અછિ? હોરન છૈ એના કખ્ખનો-કખ્ખનો।

-નૈ, ઈ આવ કખ્ખનો કાઉક ગપ નૈ ઊગિ રહઉ અછિ, શીઉ।

-વડ઼ નનાવમે રહિ રહઉ રહો પે વીયા નરસઁ એના અછિ।

-નૈ, નૈ, સુસયિ મોન નૈ વહટાનૂ। હમ ઓર ઊખ્ખકેઁ યીન્હિ ગેઊ, ળર વાટે યઉિ કઽ ઈ દેહમે પૈસૈન અછિ।

-કે ઉ।

-વુઢ઼ાપા। રઘુનાથ વાળઉ આ કૂહી જાઽ કાનઽ ઊગઉ।

मई २०१६ (वर्ष ९ मास १०१ अंक २०२)मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

शीला ओकरा पकड़िकेँ बैसौलक आ सांत्वना दैत बाजल- एहन किछु नै अछि दिमागी भूत खाल। बिना काजक सोचैत रहै छी, राति-दिन। हम कोनो शिकाइत केने छी कहियो? आर की चाहै छी। सदखिन जवाने रहब की? ओना, ई सभ बेटी-बेटा लेल छोड़ि दियौ। हमर-अहाँक उमेर थोड़े अछि ई सभ करबाक।

अगिला चारिम आ पाँचम दिन साँझमे जखन रघुनाथ कॉलेजसँ घुरल त' शीला ओकरा खबरि केलक जे टेस्ट द' क' धनंजय आबि गेल अछि। ओना जौं ओ खबरि नै करितिऐ तखनो ओसारपर बाइककेँ ठाढ़ देखि क' ओ बुझि गेल छल। कपड़ा बदलि क' जखन ओ बाहर आएल त' धनंजयकेँ देखलक। पुछलक- ऐबेर केहन भेल पर्चा।

- बड़ नीक। निकालि लेब ऐबेर।

- पाँच बरखसँ एहने गप सुनि रहल छी। सभ बेर निकालि ले छी।

- एससी, एसटी कोटा आ घटल सीटपर हमर सक नै अछि। ओकरा लेल हम की करी?

रघुनाथ ओकर कोनो उतारा नै देलक। ऐ बीच शीला बाप-बेटा लेल चाह ल' क' आएल। चुपचाप चाह पबित रहल। चुप्पी राजू तोड़लक- सुनने छी, अहाँ समएसँ पहिने रिटायरमेंट लेबला छी।

- लेबला नै, ल' लेने छी। आइ चिट्ठी देलौं।

- एना किए केलौं अहाँ।

- ई हमरासँ नै, अप्पन भाइ संजयसँ पुछू। शीला दिसि देखैत रघुनाथ बाजल।

- संजय त' अछि नै, हम छी। कोनो निर्णय लेबासँ पहिने अहाँकेँ हमरा बताबैक त' चाही छल।

- बतौतिए त' अहाँ की करितिऐ। हुनकर चेहरा कनी काल लेल खसिया गेल, एक बेर हँ देखलौं, दोसर बेर नै, नै सुन' चाहैत रही। आ अखन ओ दिन नै आएल अछि जे हम अहाँ सलाह पर चली।

धनंजय हुनका देखैत रहल। फेर माँ दिसि देखलक। शीला माथ झुकेने बैसल रहल, किछु नै बाजल।

- अहाँकेँ निर्णय लैत काल हमरा ल' क' सोचबाक चाही। अखन अनिश्चित अछि हमर भविष्य।

- ई सोचैत-सोचैत हम बूढ़ भ' गेल छी। अहाँ बालिग छी आब। अप्पन अपने देखू।- रघुनाथ खिसियाइत बाजल।

ऐ उत्तरसँ धनंजय मसोसि क' रहि गेल। ओ आससँ माँ दिसि देखलक जे ओ किछु बाजए।

- अहाँकेँ ई बुचि दीदी आ संजयक कालमे किए नै आएल छल, हमरे कालमे किए आबि रहल अछि।

लाकेँ खराब लगलै। ओ टोकलक- चुप रह राजू, कखैन की बाजबाक चाही, बुझैत नै छहिँ की।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

- सभ बुझै छी माँ, एतौ बुरबक नै छी। पता नै किए, हमरोसँ ईर्ष्या करै छथि ई। अहाँ तँ बुझिते छी जे टेस्टक कोनो भरोस नै अछि, यएह सोचि हम नोएडाक एकटा मैनेजमेंट इंस्टीट्यूटक पता केने छी। इंस्टीट्यूट तँ आनो छै, मुदा रेट बड्ड छै। यएह छै जे नीक अछि आ अप्पन सीमाक सेहो। दोसरासँ डोनेशन तीन लाख मुदा हमरासँ अढ़ाइ लाख लऽ रहल अछि। सभटा मिला कऽ एक वरखक खर्च छह लाख टका पड़ि रहल अछि। आ आब जखन हमर बेर आएल तँ ई रिटायर भऽ कऽ घर बैसि गेल छथि। अपनाकेँ हमर ठामपर राखि कऽ सोचियौ ने।

रघुनाथ सुनैत चुपचाप बैसल रहल।

शीला हुनका देखलक आ ओ शीलाकेँ। कियो ककरोसँ नै बाजल।

रघुनाथ उठि कऽ भीतर गेल आ कनी कालक बाद नोटक गड्डी संग आएल।

- ई लिअ साढ़े चारि लाख। बाकी बचल छऽ मासमे लऽ जाएब। ओ गड्डी ओकर आगू फेक देलक आ ओतऽसँ हटि गेल।



६

१

  मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

बड़ समय लागि गेलै रघुनाथकेँ घरपर रहबाक आदति पकड़ैमे। ओ रहथ तँ गाममे मुदा गामक नै रहथ।

गाममे ओ नै रहथ तँ ओ गाममे की करितथि। पहाड़पुर जाए लऽ चाहैत छथ, अखन गाछी, बसबिट्टी आ पोखरिक कछार- जतऽ चिड़ैक बोली आ गाय-महीसक डिरिआइ आ बड़दक घंटीक टनटनसँ गाम गनगनाइत छल, मुदा आब गाछ कटि गेल छल। बसबिट्टी साफ भऽ गेल छल आ पोखरि धानक खेत बनि गेल छल। गाछीक बीचसँ एकटा सड़क बनि गेल छल, जकर कातमे प्राइमरी स्कूल खुजि गेल छल।

ओकरे बगलमे दबाइक दोकानक लेल जमीन घेर लेल गेल छल।

आम्बेडकरक गाम बनलाक बाद पहाड़पुर तेजीसँ बदलि रहल छल। गाममे बिजली आबि गेल। केबलक लाइन बिछा गेल छल। अखबार लऽ कऽ हॉकर आबऽ लागल छल। किछु घरमे टीवी, पंखा आ फोन लागि गेल छल। सड़कपर खड़ंजा बिछा गेल छल। खपड़ैलक किछु मकान रहि गेल छल, बाकी सभ पक्का छल। जे पक्का नै छल, तकर आगू ईंटा खसल नजरि आबि रहल छल।

रघुनाथ अपनाकेँ टीवी आ अखबारमे व्यस्त राखऽ लागल। शौक तँ उपन्यास पढ़ैक छलै मुदा उपन्यास कॉलेजक पुस्तकालयमे छलै जतऽ जाएब ओ बंद कऽ देने छल। हँ, ओ कएक उपन्यास दोबारा पढ़ि रहल छल, जकरा कहियो ओ पढ़ि गेल छल। मासमे एकाध बेर नगरक पेंशन ऑफिसक चक्कर ओ जरूर लगा लै छल। गाममे ओ नहियेँ ककरो कतय जाइ छल, नहियेँ हुनका कतय कियो आबै छल। ओ लड़का-बच्चाक लिखाइ-पढ़ाइकेँ काज बुझै छल, बाकी काज तँ आलतुए। सम्मान सभ करै छलै, छोट-पैघ सभ, मुदा अगुआएल बर्गसँ बेसी पछिड़ल आ दलित। तैसँ रघुनाथ हुनकर किताब-कॉपीसँ लऽ कऽ नाम लिखिबाक फीस आ फीसक माफी सेहो जे कऽ सकै छल, करै छल। ओ गामक प्रपंच आ राजनीतिसँ निर्लिप्त बड़ सोझ-सरल आ सज्जन लोकक रूपमे सबहक प्रिय छल।

मुदा ओ सबहक प्रिय नै छल। ठकुरानक, जकरा ओ अपन दयाद-बाद कहै छल, ओकर लड़का ओकरा पसंद नै करै छल आ तकर कारण छलै एक तँ जखन मंडल आयोग लागू करए गेल तँ तकर स्वागत करैवलामे कॉलेजमे असगरे अगुआएल बर्गक अध्यापक रघुनाथ छल।

दोसर जखन-तखन चमटोलक हरबाह हड़तालक धमकी दै छल, ओ मानै छल जे से वाजिब अछि आ हुनकर सभक हक अछि।

- उपाए की अछि, से तँ बताउ?

- उपाए अछि चाहे तँ हुनकर मांगपर सहानुभूति संग बिचार करू वा फेर एकटा ट्रैक्टर कीनू आ कहिक तँ अपनामे सँ कियो ऐ औकातिक नै छी, जे असगरे कीन सकी, तइ दुआरे हरक पाछाँ दाम बान्हि दियौ, जे सभ लोक मिलि कऽ कीनी।

ई गप्प भेल छल बबन ककाक दरबाजा पर जखन दयाद-बादक सभ बड़-छोट जुमल छल। चलाएत के? डराइबरक संग हेल्पर चाही, खलासी चाही।


मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

अप्पन ई छौड़ा सभ जे पछिला सात-आठ बरखसँ कंपीटिशनक नामपर गामसँ नगर आ नगरसँ गाम मोटरसाइकिलपर घूम-फीर कऽ रहल अछि, जखन नोकरीक कोनो आस नै तँ यएह करए। रघुनाथ बाजि तँ गेल मुदा ओकरा लागल लागलै जे गलती भऽ गेलै।

छौड़ा सभ बखि-सबखि भऽ गेलै, आँखि लाल भऽ गेलै। मुदा आगू बुढ़-पुरान छै, से मसोसि कऽ रहि जाइ गेल। ओइमे सँ किछु रिसर्च कऽ रहल छल, किछु कोचिंग कऽ रहल छल, किछु केर अंतिम चांस छै कंपीटिशनक, किछु कंपीटिशनक इंटरव्यूक तैयारी करै जाइ छल आ ओइ बीचमे कोनो तरहक बाधा नै चाहै छल। एहन तरहक प्रस्ताव अपमानजनक छै ओकरा लेल। ई तँ कहियो नै जानै छल जे ककर भाग्यमे की लिखल छै? आ की कहलै लोक, यएह जे ट्रैक्टर चलबैक लेल केने छल एम.ए., एम.एससी आ पीएचडी। ओकरा सभकेँ जे कहलै से तँ कहबे करतै- अहाँ की कहबै? अहाँ तँ बाप छी। सभटा लाज-धाख घोरि कऽ पी गेल छी की?

मुदा ओकरामेसँ कियो बाजितिऐ, ओकरासँ पहिने आहत स्वरमे बबन कक्का बाजल- रघुआ जाए दियौ। की कहियौ तोरासँ? तोहर बेटा एकर हालत मे हेताए तँ आइ एना नै बाजितिऐ।

रघुनाथ उठि कऽ घर घुरि आएल, चुपचाप।

ओकरा दुख छै जे ओ ओतऽ जे गप कहने छल, ओइ छौड़ा सबहक बाप ओकरा सभसँ कहै छल- कोढ़िया, अबारा। ई गप केकरोसँ नुकाएल नै अछि जे कोचिंग, फार्म, टेस्ट ओकरामे सँ कतेक लेल नगरक दोस्तसँ मिलि-जुलैक बहन्ना छै। ई रघुनाथे टा नै, ओकर सभक गार्जियन सेहो बुझै छै जे ओकरा सभ लेल कोटा वा आरक्षण एकटा सहज कवच बनि गेल छै, जकर प्रयोग ओ सभ अपन असफलताकेँ नुकेबा लेल करैत अछि। मुदा ऐ समस्याक जे हल सुझौलक तइसँ बेटे सभ टा नै बाप सभ सेहो खराब मानि गेलै।

एकर बादसँ नहियो कहियो कियो रघुनाथकेँ बजौलकै, नहियो ओकरासँ पुछलकै आ नहियो ओ कोनो सलाह देलक। हँ, ओकरा कतए एकमात्र आबऽ बला रहि गेल छै छब्बू पहलवान। ओ कहियो आबै छै आ सेहो सुनुहेसँ- तकर उत्तर नहियो छब्बू लग छै, नहियो रघुनाथ लग। ककरो पुछलापर एतबे टा कहतिऐ- नीक लगैए। शांति भेटैए। ओ जखन आबै छल तँ गाँजा, भीजल साफी, चलिम, डोरक टुकड़ा आ सलाइ-काठी संग आबै छल। असगरे नशियातीसँ दम लगौतिऐ। आ खाटपर पड़ा रहै छल। एम्हर किछु सधुआ गेल छल। जखन-तखन बाजि उठतिऐ- मास्टर कक्का, पता नै किए आब जीबैक मन नै करैए।

एक बेर हुनका चुप आ उदास देखि कऽ रघुनाथ पुछलक- की गप अछि छब्बू। ऐ तरहे किए पटायल छी? छब्बू आँखिकेँ बंद कऽ बाजल- कक्का, आइ भोरमे बजरंग बलीक सपना आएल छल। बाजल, छब्बू। अहाँ जे पाप कऽ रहल छी, ओकर प्रायश्चित सेहो अहीँकेँ करऽ पड़त, दोसरकेँ नै।

- जखन अहाँ जानै छी जे पाप अछि, तँ किए करै छी?

- हम देखति बेबस भऽ जाइ छी मास्टर कक्का, की बताबी अहाँसँ?

રઘુનાથ દસિ-સ્વાગત ભેલ ભૈયાક તૈયારી કઽ રહલ છલ, વાહલ- મુદા છવૂ, હમ એકટા ગપ અહાઁસઁ કહિ રહલ છી, પ્રયાલ રાખ્યવા હપ્પેન યનિ હુનકર હડ઼તાલ યલિ રહલ અછિ, તાયનિ વિસિનયિા કઽ યમટોલ દસિ પરર નૈ રાખ્યવા કોનો મનોસ નૈ અછિ કિકનો।

-ગપ તઁ ઠીકે કહિ રહલ છી કક્કા, મુદા એકટા હમર ગપ અહૂઁ સુનિ લિઅ। હૌ ઢોલ વહાએત, તઁ પાથર પડ઼ૈ વા વહ્હર પ્રસએ, હમ નૈ સુનવ, નહિયિ દેપ્યવ- યલિ દેવ।

હપ્પન અહાઁકેઁ કકનો ગપ માનવાકે નૈ અછિ, તઁ હો ઇચ્છા અછિ, સે કરૂ। રઘુનાથ વડ઼વડ઼ાઇત સમિાન દસિ યલિ ગેલ, હમિ્હર વવ્વન સહિક પંપગિ સેટ છલ।

ઇ હડ઼તાલક સાતમ દનિ છલ।

અષાઢ઼ શુરૂ ભઽ ગેલ છલ આ એવેર પાનિ પ્રૂિવ વરસિલ છલ।

હરવાહા એહન કાલમે હડ઼તાલ કેને છલ- પ્યેતક હોત, વોનિ આ કેરાકેઁ લઽ કઽ હરવાહિ આ પ્યેતકેઁ લઽ કઽ વાવા આદમક હમાનાસઁ યલિ આવૈત રેટપર કાહ કરવાસઁ મના કઽ દેને છલ હરવાહા સભ। વીચ-વીચમે હડ઼તાલ કેને છલ આ સભ, મુદા ઠાકુર સભ વોનિ કિની વેસી વઢ઼ા દેને છલૈ આ ઓકરા સભકેઁ વુહ્લા-સુહ્લા કઽ ઠીક કઽ દેને છલૈ। મુદા એવેર આર-પારક લડ઼ાઇ છલ। એમે ગોવર પાથૈવાલી ઓકર છૌડ઼ી આ સ્ત્રી સભ સેહો છલૈ। પરિણામ ઇ ભેલૈ હો પ્યેતમે લાગલ પાનિ સુપ્પાએ લાગલ છલ, યરીપર વાન્હલ માલ-હાલ લાહિ-ગોવરમે ઉડિ-વૈસ રહલ છલ આ પૂરા ઠકુરપટ્ટી ગંદગીસઁ ભરિ ગેલ છલ।

એવેર હડ઼તાલ વુહૈમે ઠાકુર સભ યૂકિ ગેલ છલ। હરવાહા થાકિ-હાર કઽ નૈ આએલ આ નહિયિ પ્યેપ્યનિયા કેલક, નહિયિ ઓકર યૂલ્હિ મિહિલૈ। હરૂરી પડ઼ૈ તઁ અહિરપટ્ટી ગેલ, એમ્હર નૈ આએલ। પૂરા ઇલાકાક યમટોલીક ભવિષ્ય પહાડ઼પુરક હડ઼તાલપર આશ્રતિ છલૈ- ઓ સભ સે વુહ્લિ હાઇ ગેલ છલ।

ઠાકુર સભ રાતિ ભરિ વિવ્વન સહિક દ્વારપર પંચાયત કરૈત છલ આ મુંસફ, હહ, મહસ્ટ્રિટેટ, કલક્ટર, એસપી, ઇંજીનયિર, ડૉક્ટર નૈ ભઽ સકૈવલા હુનકર છૌડ઼ા સભ હુનકર પંપગિ સેટપર વૈસકો। ઓ સભ દનિ સાઁઝ આઠ વહો યનિ ઓતઽ હુમૈ છલ, કહિયો ગાઁહાક દમ લગાવૈત છલ, કહિયો દારૂક વોતલ પ્યોલૈત છલ આ યમટોલીકેઁ સદપ્યિન સૈતવાક યોહના વનાવૈત છલ। કોના સૈતલ હાએ, કપ્પેન સૈતલ હાએ, સૈતવાક ભેલ તરીકા કી હુઅએ- ઇ સભટા સમસ્યા છલૈ હડ લઽ કઽ ઓ સભ ગંભીરતાસઁ વિચાર કરતિએ આ તેસર ગભિસ યનિ પ્હુઁચૈત ઓ સભ કોરસ ગાવઽ લાગૈ છલ।

ગાવૈત યલૂ, ગાવૈત યલૂ, એક દનિ અહૂઁક હમાના આએત।

હહિના ઇ પ્યત્મ હેતાએ તહિના ઇંટરનેશનલ લુક ભઽ હાઇ હાઇત છલૈ- મનમે અછિ વિશ્વિાસ। હો હો મનમે અછિ વિશ્વિાસ હમ હએવ કામયાવ, એક દનિ।

  मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

૨ કાલ નામજનોસ હુવે, જે પડ઼ોસી ગામક છલ આ જંગેડ઼ી છલ આ ઓકના છોડ઼િ ઐ મંડલીક નઅિમતિ સદસ્ય વનિ ગેલ છલ- પતના ખોલિ કઽ દનિ દેખૈત નહતિ જે સૈતવાક તથિ કોન હુઅએ? ઓ મુહુનત તઁ વતા દેને છલ- કૃષ્ણપક્ષક અમાવસ્યાક નાતિ, મુદા કોન માસક અમાવસ્યા હુઅએ, ઐ લઽ કઽ આશ્વસ્ત નૈ જઽ પાવિ નહલ છલ।

ઓમ્હર હડ઼તાલ ખયૈત જા નહલ છલ આ ગદ્દની શ્વિસલિક આસ ખતમ જઽ નહલ છલૈ।

ઓર કાલ એક દનિ નહરક નસ્તે એકટા ટ્રૈક્ટર યડ઼-યડ઼ કરૈત આએલ છલ આ અહનિપટ્ટીમે દશરથ નાઉતક દરવજ્જાપર ઠાઢ઼ જઽ ગેલ।

ઓકના લઽ કઽ આવઽવલ આન કયિો નૈ જસવંત છલ- દશરથક વેટા।

દશરથકેં યાનિ ટા વેટા છલ- દૂટા ગામમે આ દૂટા મધ્યપ્રદેશક કોનવામે। ગામવલ દૂય આ ખોઆક વ્યવસાય કરૈત છલ આ કોનવાવલ વલંત કોલિયિનીમે ઠેકાપર લેવર સપ્લાઇ કરૈત છલ। આ જસવંત દેસી દાનૂક જટ્ટી યલાવૈત છલ।

જસવંત જાયનિ ગામપર છલ ઉય્યા, લશ્કા આ લતખ્ખોર માનલ જાઇ છલ। જાગલ છલ તઁ વાપસઁ માનાપીટી કેલાક વાદ। શુનૂ-શુનૂમે મધ્યપ્રદેશસઁ પુલિસ આએલ છલ, એક-દૂ વેર તકૈત, મુદા વાદમે સુયનિ ગેલ કની-મની। એમ્હર જખ્ખેન ગામ આવૈ છલ- ભૈયા, વાવૂ, કક્કાસઁ નીચાઁ કકનો નૈ કહૈ છલ। કહૈ છલ જે પરદેસમે સભ કછિુ અછિ, રજ્જત નૈ અછિ યાહી જતેક કમા લઅિ, નહવ દૂરયે નંવરક આદમી। દૂ નંવર માને દૂ કોડ઼ી। આવ ઓ સભ કછિુ છોડ઼િ-છાડ઼િ કઽ ગામ-જવારક સેવા કરઽ યાહૈ છલ। સંજોગે છલૈ જે ઓ પછલિ એક-દૂ વેર જખ્ખન-જખ્ખન ગામ આએલ, ગામ હડ઼તાલક યપેટમે છલ। ઓ નૈ એમ્હર છલ, નૈ ઓમ્હના ઓકર ઉડવ-વૈસવ દુનૂ દસિ છલ-ઠાકુર દસિ સેહો, હરવાહા સભ દસિ સેહો। ઓ અપ્પન દસિસઁ દુનૂક વીય સુલહ-સમહૌતાક પૂના કોશશિ કેલક, મુદા નજદીક એવાક વદલ દુનૂ એક-દોસનાક આર વરિુદ્ધ હોઇત ગેલ।

જયવંત ઓર દુનૂકેં જવાવ દેલક ટ્રૈક્ટર આનિ કઽ, જે સભ કયિકયિવૈત નહૈત છલૈ જે અહીનક વુયિ ઓકર ઠેહુનમે હોઇત અછિ (તરસઁ કાનામ ઓ સભ ઠેહુનક વીય વાલ્ટી દવા કઽ ગાય આ મહીસ દુહૈત અછિ)।

ટ્રૈક્ટર ખેતમે ઠાઢ઼ છલ- ટ્રૉલી, કલ્ટવિટર, હાર્વેસ્ટર આ થ્રેશરક સંગ, ગેંદાક માલા પહનિને। ઓકર કાતમે ખાટ પર ડંટા લઽ કઽ દશરથ વૈસલ છલ। ગામક નેના સભ ઓકના ઘેરને છલ- કયિો છૂ કઽ દેખઽ યાહૈ છલ, કછિુ ટ્રૉલીપર યઢ઼ઽ યાહૈત છલ। દશરથ તમસા નહલ છલ આ ડંટા પટકિ કઽ ઓકના સભકેં જગા નહલ છલ।

જાયનિ કિથા આ હવન નૈ જઽ જાઇ છલ તાયનિ લિકક નજનિસઁ વયા કઽ નાખ્ખૈક છલૈ ઓકના।

જગવંત ઉન્સ્થ જગ્ગૂક જમિના દોસર કાજ છલૈ। ઓ કૉપી આ કલમક સંગ રમ્હરસઁ ઉમ્હર જાગ-દૌડ઼ કઽ નહલ છલ। કસિાનક લેલ સભસઁ મુશ્કલિ આ પરેશાનીક છલ ઈ માસ। અગહનક ખેત તૈયાર છલ, ખેતી પછતા જઽ નહલ


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

छथि, जखनिसँ जखनि जोताइ आ रोपनी करबाक छैक, तकर बाद रबीक नंबर छथि। बड़ मौकापर आएल छैक ट्रैक्टर। तात्पर्य भेल छूटि नियत छैक, जाड़ा चाहे जे होथि, बीघाक हिसाबे आर जाड़ा सेहो की भेबाक छैक-बएह जे रेट बान्हि देने छथि, दू कोस दूरक रकबापुरक काशी सहि अप्पन ट्रैक्टरक।

कथा भेल अप्पन तीन दिन बाकी छैक आ रमहर अगिलि तीन मासक समटा तात्पर्य बुझ।

दशरथ जकरा ककरो पुछै छथि, तकर गँ बुढ़ जाग्रे। हुनका पुछैबथि बएह छथि जे नव घर-दुआर बनबा रहल छथि, माटिओ आ खपरैलक घर खसा कय जप्पन बजिथि आबि गेल छथि गँ ओर स्टैण्डरक घर चाही। दीया बाती आ लालटेन बथि गै। एहन लोकसभ पहाड़पुरेटा मे गै, पास-पड़ोसमे सेहो छथि। ककरो पजेबा चाही, ककरो सीमेंट, ककरो बालु, ककरो गिट्टी, ककरो लोहा-लक्कड़। केतारी सेहो तैयार भऽ रहल छथि, सुगर मिलक भेल। जप्पन ट्रॉली छथि, तप्पन सौ टा काज।

दशरथ सबहक सुनतथि आ धैर्य राखैक भेल कहैत छथि- सभ भऽ जाएत। कनी-कनी हएत। मुदा सबहक काज हएत।

ठाकुर सभ सन्द छथि। ओ सभ ओकरा सभकेँ सदखिन अपनासँ नीचाँ बुझैत छथि मुदा आब हुनकर सभक चमीनीक दिन आबि गेल। हुनका सभकेँ आब अफसोस भऽ रहल छथिन जे ई गप जप्पन रघुनाथ कहने छथि गँ हुनकर कहि नै सुनलौं।

२

  मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

राति भऽ गेल छैक। गाममे शान्ति पसरल छैक। कनी-कनी हिस्सी पड़ि रहल छैक। झिंगुर बेंगक टर्र-टर्र आ सनकिरबाक हन्न-हन्नसँ दिगन्त गूंजि रहल छल। ट्रैक्टरक काज शून्य कऽ देलाक बादो ठाकुर हारल सन अनुभव कऽ रहल छल कदाचित् चिन्तामे कोनो तरहक बेचैनी नै छैक। अन्हार एतबे टा आएल छैक जे हरबाहा सभ आब गाममे आ गामक रस्तासँ आबऽ-जाए लागल छल- मूड़ी झुकौने, आरामसँ, बनि बाजने वा दुआ-सलाम केने। ठाकुर सभकेँ लगैत छैक जे ओ छाती उतानि कऽ हुनका सभपर हँसैत आबि रहल अछि- जा रहल अछि।

रघुनाथ सुतएसँ पहिने बत्ती मिझबैले जा रहल छल आकि माथपर बोरा राखने पानिमे भीजैत गणपत बरामदापर आएल। गणपत हुनकर हरवाहा छल, हरवाहीक अलावे घर-दुआरक काज सेहो देखैत छल। रघुनाथ ओकर बेटाकेँ अपन कॉलेजसँ बी.ए. करौने छल, ओकर बाद ओकरासँ एकटा स्टाम्प भरबौने छल, जइ कारणसँ ओ बटखिरा-नाप इंस्पेक्टर बनल छल। ऐ अनुभवकेँ गणपत कहियो नै बिसरल। ऐ काल हुनकर ओ बेटा एम्. राम मनिजापुरमे पोस्टेड छल।

- ऐँ गणपत, तूँ? कहियो देखलकौ तँ नै?

- नै मास्टर साहेब।

ओ बोरा खाम लग राखि भियरिया खखियैलक।

- एकटा गप बता दी। हम अहाँकेँ नै छोड़ब, भले अहाँ छोड़ि दियौ। हँ, ई काल कनी खराप अछि।

- जानै छी। असली कोन, से कहू।

- गेल छलौं मगनूराक हियाँ मनिजापुर। सोमारू सेहो ओतै छै ने। मगनू ओकरा आटा-चक्कीपर ओतऽ काज पकड़ा देने छै आ ओ पक्का भऽ गेल अछि ओइ काज मे।

- तँ?

- तँ मगनू कहलक जे जाँत, ओखरि, मूसर, ढेकी, चक्की तँ कियो चलबैत नै अछि आइ-काल्हि आ आटा पिसाबै लेल जाइ छै लोक एक-डेढ़ कोस दूर- डेढ़गामां वा कमालपुर। एनामे जौं गामपर आटा-चक्की बैसाइल जाए तँ केहन रहत? सोमारू सम्हारै लेल काबिल अछि।

- बैसेबै कतऽ?

- सरकार, चमटोल आ गामक बीचमे जे ऊपर जमीन छै, ओइपर। आन कोनो काजक तँ ओ छै नै।

रघुनाथ किछु काल चर सोचैत रहल।

- पुछबाक ईहो छल जे ठाकुरे लेल चुन्... रोटी आ भात छै, आटा आ चाउर तँ नै छै।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

रघुनाथ हँसल- ई सभ नै सोचू। शुरूमे भेल अनसोहाँत सन करैत, डेर-सबेर सभ जाइत आ पचिआइत। एतबे टा नै, आस-पड़ोसक गाममसँ सेहो आइत। जखन चक्की गाममे रहत तँ ओत्ते दूर के जाइत? बस डेर नै करू। आर बताउ, कत्ते दिन रहबै मिर्जापुरमे।

- रहलिऐ दस दिन। एक दिन तँ पुछैत-पाछैत गुड़िया बेटीक इस्कूल चलि गेलिऐ। बड़ खुशी भेल। घर लऽ गेल। अप्पन हाथसँ खाना पकेलक, खुएलक, अहाँक आ मलकाइनक हाल-चाल पुछलक। चलऽ लगलै तँ बीस टा टका जबरदस्ती पकड़ा देलक। एक्को रत्ती नै बदलल छै।

- ढेर दिन रहि गेलै मगर लगा।

- नै मास्टर साहेब, सभ दिन ओतऽ नै रहबै। तीन दिन तँ पीसीक हियाँ रहबै। पीसीक जँ सभसँ छोट बेटा अछि, ओ उहाँक डिप्टी मजिस्ट्रेट छै- एसडीएम। बड़ पैघ कोठी छै, ओकर आगू कलम सेहो बड़ पैघ छै। जीप छै, पुलिस छै, ड्राइवर छै, नोकर-चाकर छै। ऊ साधारण लोक थोड़े छै। इजलास लगै छै। सभ कियो भेंट नै कऽ सकै छै। पीसीसँ कतेक-कतेक दिन भेंट नै होइ छै। हम तँ देखबे नै केने छलै ओत्ते पैघ लोक। ओत्ते रहि गेलै तीन दिन। पीसी रोकि लेलक।

रघुनाथ कनी गंभीर भऽ गेल- नाम की छै ओकर।

- हम सभ तँ सद्दू-सद्दू बाजै छी मुदा नाम छै सुदेश भारती। राम नै लखैत अछि।

रघुनाथकेँ काटू तँ खून नै। ई बएह सुदेश भारत छल जेकर जिक्र सरला केने छल। ओकरासँ ओ बियाहक गप केने छल। जौं ओ सच्चेमे कथा लतिऐ तँ गणपत जे हर जोतैत छल आ ओकर आगू ठाढ़ रहैत छल आ मचियापर बैसैत छल, ओकर रिश्तेदार हेतिऐ। खरपत जे गणपतक बाप अछि, हुनकर समधी हेतिऐ आ गर मलितिऐ। हुनकर संग खाटपर बैसतिऐ आ जमायक बापक हैसियतसँ ऊँच हेतिऐ हुनकासँ। हुनकर मन भेल जे शीलाकेँ अवाज दऽ कऽ बजाबै आ कहै जे सुनू, गणपत की कहि रहल अछि।

- बाकी सबहक अप्पन दुख छै मास्टर साहेब। ओकर बियाह नेन्नेमे भऽ गेल छलै। ओ अप्पन मेहरकेँ छोड़ि देने अछि। ओकर हमेशा चलि रहल छै आइ-काल्हि एकटा मास्टरनीसँ। ओ ऊँच जातिक छै। कहियो कहै छै जे बियाह करब ओहीसँ, कहियो कहै छै- नै करब। माँ-बाप नै चाहैए। ऐसँ ओकरा लटकेने चलि रहल छै। पीसा बड़ दुखमे रहै छै।

- तूँ जो, डेर भऽ रहल छौ।

ऊ मास्टरनीक संग इहाँ-उहाँ जाइ छै, होटल सेहो जाइ छै, दोसर शहर सेहो घूमै छै, खूब मौज करै छै, मुदा पीसीसँ नै मिलबै छै। पीसी बाजल जे हमरा देखा दे, एक बेर हम बतेबै ओकरा जे किए नै कऽ रहल छी बियाह। मुदा, भेँट कराएब तखैन ने।

- કહલયિૌ ને, નીન આવિ નેહલ અછિ। ઓ વત્તી વુહ્ય દહી।

- અચ્છા સાહેવ।

ગણપત ઠાઢ઼ ભઽ ગેલ।

- મુદા સાહેવ, એક વેર વુહ્ય દેતાિ ળે મેહરકેઁ છોડ઼િ કઽ કરિ એના કઽ રહલ છી। મેહરયિા તઁ કત્તૌ ચલિ ળાએત આ કકરો ને કકરો નાપ્પિ લિત, મુદા વદનામી કકર હએત। ઓકરે ને।

- તૂઁ ળેમે કહિ નૈ, દમિાગ નૈ ચાટ।

- અહાઁ નૈ ળાએલ ચાહ્વ તઁ કહયિૌ કોનો કાળક વહાના કઽ હમહીં ઓકરા આનિ લિવ।

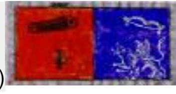
રઘુનાથ તમસા કઽ થરથરાએ લાગલ। ઓ ઉઠિ કઽ હ્માર્નિ કઽ વત્તી મહિ્। દેલક। ઓ ઓકરા ઠેલ કઽ વાહ્ર કઽ દેલક। ગણપત માથપર વોના નાપ્પિ કઽ વાળલ- સાહેવ, ળે કહૈ લેલ આએલ નહિ, સે તઁ વસિરાએ ગેલૌ।

એકવેગ ઓકર અવાળ સુસસુસાહ્ટમિ વદલિ ગેલૈ, દેપ્પાયિ રહલ છી હ્વા પ્પનાવ છૈ। નૈ, એકટા ગપ કહિ રહલ નહિ। એહ્ન કોનો ગપ નૈ અછિ મુદા પહલમાનકેઁ વુહ્ય દેવૈ ળે ળપ્પન યર્નાહિવા પ્પનાવ છૈ, ચમટોલ દસિ નૈ દેપ્પએ। આ દેપ્પત કી, ઉમ્હર નૈ ળાએ।

રઘુનાથક ધ્યાન નૈ છલ ઓકર સુસસુસાહ્ટ દિસિ। ઓકર ચતિ। આ વેચૈનીક કારાણ દોસર છલ- કિ કત્તૌ એકરા સરલ આ માનતીક સંવંધક ળાણકારી નૈ હુઅએ। ળપ્પન સંવંધી અછિ તઁ કહયિૌ ને કહયિૌ મગાૂ ળૂર ભેંટ કરૈત હએત, ભઽ સકૈત અછિ ળે માનતી સેહો ચર્ચા કેને હએત। આ નૈ હુઅએ તઁ મગાૂ દુનૂકેઁ કહયિૌ સંગમે દેપ્પને હએત। ળપ્પન એક્કે નગ્રમે અછિ તઁ કોના સંભવ અછિ ળે ઓકરા પતા નૈ ચલલ હેતૈ અપ્પન યર્ના।

- ઠીક।

આપ્પિ ઓકરા રહલ નૈ ગેલૈ આ ઓ દોસર વેર શોર પાડ઼લક- તામસેમે।



३

पहलमान माने छब्बू पहलमान।

पहाड़पुरक दक्षिण हिस्सामे घर छल बजरंगी सिंहक। ओ इलाकामे छब्बू पहलवानक नामे जानल जाइ छल। गामक नाम दूर-दूर धरि पसारने छल। दंगलमे जतऽ-जतऽ गेल, जीत कऽ घुरल इनामक संग। टगाड़ी आ धोबियापाट ओकर प्रसिद्ध दाँव छल। लवार कम नै, जुलुम तागत आ स्फूर्ती छलै ओकरामे। ककरो पकड़ि लेलिऐ तँ छोड़ाएब मुश्किल, दाबि देलिऐ तँ उठब मुश्किल, पट पड़ि कऽ माटि पकड़ि लेलिऐ तँ चित करब मुश्किल। बैसक केहुनीसँ मारि देलिऐ तँ पसरि जाए आ उठि नै सकए।


मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

मुदा हुनकर पैघ भाए- जकर चलति ओ पहलवानी करै छल, जखन असमय एकाएक गुजरि गेल तँ ओ लंगोट खुट्टापर टांगि देलक आ घरक जिम्मेदारी संभालि लेलक।

छब्बूक बियाह नै भेल छै। जखन उमेर छै तखन केओ नै अखाड़ाक जोशमे आ जखन करए चाहलक तँ उमेर नै रहलै। कियो अइबो नै केलै। ऐ तरहेँ परिवारक नामपर हुनकर दस बरखक भातिज छल आ मसोमात भौजी। भौजी दिन-राति पूजा-पाठ आ धरम-करममे लागल रहै छलि आ भातिज स्कूल जाइ छल। खेती-बारी छब्बू सम्हारै छल आ सम्हारैत की- दूनू हरबाहक जिम्मा छोड़ि कऽ निश्चिन्त रहै छल।

मुदा ई निश्चिन्ती ओकर भाग्यमे नै छै। एक दिन ओकरा नजरि पड़ि गेलै दूनीक स्त्री ठेलापर। दू बच्चाक माए मुदा कहैक लेल। ऊ कलेवा लऽ कऽ आएल छली, अप्पन मरदक लेल। छब्बू ओकरा पहिनो देखने छल-नै जानि कतेक बेर। मुदा एहेन नजरि नै पड़लै, गड़ि गेलै। ओ ओकरा आबैत देखलक, बैसैत देखलक, चलैत देखलक- की छड़ी सन शरीर, की लचक, की गस्सल बाँहि। गड़ि गेल आँखिमे। कतऽ ई अक्खड़ दूनी आ कतऽ ई गांजाक कली। बस सुट्टा लागि जाए तँ उड़ि जाउ आसमानमे आ स्टेर उड़ैत रहू। जमीनपर घुरैक नौबति नै आबए।

आर स्टेर तकर बाद शुरू भेल छब्बू पहलमानक सुट्टा मारैक खिस्सा। मुदा खिस्सा रफ्तार पकड़ति एकरासँ पहिने भौजीकेँ अंदाजा भऽ गेलै। भातिज मुन्ना माँकेँ बतेलक जे ओ कक्का आ ठेलाक दलानमे ओकरा लुक्का-छुप्पी खेलैत देखने छल। भौजी कानए लागल। ओ छब्बूसँ बाजल- छब्बू, हमर एकटा बिनती अछि। बैया तँ रोके-टोकैक लेल नै अछि, अहाँ करब अप्पन मनक। मुदा चाहे जे करी, करू घरसँ बाहर। एकरा साफ-सुथरा रहऽ दियौ। इशारा बुझि गेल छब्बू। एकर बादसँ छब्बूक चमटोलीमे आवाजाही बढ़ल।

हरबाहा लेल हुअए वा रोपनी-कटिया लेल बजेबाक लेल। चमटोलीमे जाएब ठाकुर अप्पन बेइज्जती बुझै छल। जरूरी काज भेल तँ ओ बच्चा सभकेँ पठबै छल। मुदा छब्बू एहन मान-सम्मानसँ दूर छल। जँ ओ गाममे लखाइ नै दैतए, कलम वा नहरपर सेहो नै लखाइ दैतए, आरि-खेतपर सेहो नै लखाइ दैतए तँ लोक ई मानि लै छल जे ओ चमटोल गेल हएत, ठेलाक संग। ई चमटोल सेहो जानैत छल आ गाम सेहो। तमसाह एते जे ओकरासँ सोहाँ-सोही कहैक हिम्मत ककरो नै छै।

सभ अगुएला बेर-बेर मिलि कऽ घरेनक सभसँ प्रतिष्ठित बबन कक्कापर दबाब बनेलक जे ओ अप्पन सकसँ जे किछु कऽ सकए, करए बुझाबियौ वा धमकाबियौ वा जातिसँ बाहर करू। एहन कहएबला अगल-बगलक गामक लोक सेहो छल। शिकाइतसँ तंग आबि कऽ कक्का छब्बूकेँ बजौल छल। छब्बू हुनकर गप बड़ ध्यानसँ सुनलक आ अंतमे बाजल- गप तँ ई ठीक अछि कक्का मुदा ककरा-ककरा जातिसँ बारब। ककरो-ककरो झाँपल अछि आ ककरो-ककरो उघार। मुदा बचल तँ कियो नै अछि हिनकर नजरिमे। रहल गप हमर तँ अहाँसँ नै नुकाएब। हम सभ किछु करै छी मुदा मुँहसँ मुँह नै सटबै छी। अप्पन धरम आ जातिकेँ नै बिसरै छी।

कक्का माथ झुका कऽ बैसल रहल, किछु नै बाजल।

  मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

छब्बू कनी काल बाद उठि कऽ चलि गेल।

ठीक मजाकमे कहै छल जे चऽनमे हुनी पहलमानक प्रेत जोगैत अछि आ पहलमान चमटोलमे ओकर प्रेत। हिसाब बराबर।

आ हुनीकेँ ई छलै जे जखन ओ प्रेत जोगि कऽ घुरै छल तँ छब्बू घरमे नोपनी कऽ कए आबैत छल। जखन छब्बू घरमे बजारसँ घुरतिऐ तखन छब्बू घरमे। ओ ओकर हेबाक आहट भेटिते तुरत्ते आपस भऽ जाइ छल।

ओ एक बेर हिम्मत केने छल। हाथ जोड़ि कऽ कहलक- मालिक, हमर नै तँ कमसँ कम अप्पन इज्जतक ख्याल करू। ठीक की-की कहैत अछि अहाँकेँ लऽ कऽ।

एकर नतीजा ई भेलै जे ओ चौदह दिन भरि देह हरैद-प्याज देहपर पाति कऽ घरमे पड़ल रहल।

असहाय भेल। जीअब कठिन भऽ गेलै। नरक भऽ गेलै ओकर जिनगी।

राति भरि हुनीकेँ छातीसँ लगा कऽ कानैत रहल आ तामससँ थरथराइत रहल।

सभसँ पैघ गप ई छल जे ग्राम सेवक चमटोलक, ओकरे जातिक, पहलमानक संग गांजाक सुट्टा लगाबैत छल आ जखन कहियो कहतिऐ- कलजा कड़ा राखू, ख्याल करी बाट ताकू।

- कहिया धरि बाट ताकू।

साओन शुरू भऽ गेलै। ऐ मासमे पचैयां (नागपंचमी) पड़ैत छल। पहाड़पुरमे पचैयां छब्बू पहलमानक पर्व छल। ओइ दिन तीनटा बाल्टीमे भीजल चना आनल जाइ छल, परात भरि मिठाइ आबैत छल, बताशा आबैत छल, बजरंग बलीक पूजा करल जाइत छल, छब्बू पहलमान लंगोट पहिर कऽ अखाड़ाक मोहारपर बैसैत छल आ अप्पन चेलाक गट्टापर रक्षा बान्हैत छल। ओ सभ उस्तादक आशीर्वाद संगे अखाड़ामे उतरैत छल। ओकर सभक करोक जोड़ी होइत छल आ दुपहरिया बाद धरि पिट्ठा सभ अखाड़ामे जोर-आजमाइश करैत रहतिऐ।

सभसँ आखिरीमे छब्बू उतरतिऐ- पैघक पएर छुबि कऽ आ छोट सबहक हाथ जोड़ि कऽ। ई प्रदर्शनी-कुश्ती होइ छल। ओ अप्पन दांव आ करतब देखाबै छल- पहलमानी छोड़ि देलाक बादो।

ऐ काल चमटोलसँ ढोलकी आ नगाड़ाबला सेहो आबै छल आ हुमकि कऽ बजाबै छल। अहिरटोलीक बनेठीबला सेहो रहैत छल आ एक-दोसरासँ खेलाइत पसीना-पसीना भऽ जाइ छल।

दोसर गाममे पचैया पर्व रहि गेल मुदा पहाड़पुरमे ई अखनो चलि रहल छल- चलनकि रूपमे सही। मुदा ई गप सभ जानैत छल जे ई कहिया धरि अछि जाधरि छब्बू अछि। कोनो ठाकुरक नव पीढ़ीक लल देह बनाएब, कसरत आ अभ्यास करब, कुश्ती लड़ब आलतू चीज छल। एकदम मूर्खपनाइ बन्दूकक आगू मजगूतसँ मजगूत शरीरक की मतलब? तइसँ ओकर चेलामे बंसी अहीर, कहार, लोहार, गड़ेरिया छल, ठाकुर बाभन नै।



मुदा एखन धरि छल पथैयांक। पानि जोरसँ पड़ि रहल छै- कहियो मद्धिम, कहियो तेज। अषाढ़ एक दिन पहिने तैयार केने छल अपनेसँ छब्बू। ई काज बेरामे सँ ककरो नै करऽ देने छल। मुदा ऊ थारम थाल भऽ गेल छल- धानक खेत सभ मंदिर आ वारशा आवि गेल छल। वदाम सुखि कऽ अँखुआ गेल छल। रंगाली छल वनपा थम्हैक। छब्बू कहि गेल छल जे अहाँ सभ तैयारी राखब, जहिना मौसम ठीक हएत, हम आबि जाएब।

मुदा नहियेँ मौसम ठीक भेल, नहियेँ छब्बू आएल।

पानि निधने थमकल जखन साँझ हुलसुलाएल। अकास साफ भेल आ जतऽ-ततऽ एकाधटा तारा नजरि आबऽ लागल। ओर काल पुलिसक जीप आएल गाममे आ पता चलल जे छब्बूक हत्या भऽ गेल अछि। जनपदक सभसँ करेजावला आ दमगर लोकक हत्या।

ई खबर नै, वज्जर छल, जे वदनी छटलाक बाद तरतड़ा कऽ ठकुर टोलपर आबि खसल छल। आ चाहे जे छल, जेहन छल- ठकुर छल। आ ओकरा रहिते ककरोमे ऐ टोल दिस आँखि उठा कऽ देखबाक तागति नै छै। आ आब?

आब, चमटोलक बाहरी हिस्सामे, एकटा झोपड़ीक आगू थालमे चित पड़ल छल। मरल। उघार अकासक नीचाँ। एकटा लाठेन ओकर माथ लग छल, दोसर पएर दिस, दुनू ईंटापर। जेना लाशपर नजरि राखल जा सकए लाश सेहो थाल आ माटिमे लेभराएल पड़ल छल। पएर ऐ तरहेँ छितराएल पड़ल छल जेना बीचसँ चीर देल गेल छल। जननांग काटि देल गेल छल आ ओर ठाम खूनक थक्का छै, जइपर माछी हवनल छै, उड़ि आ भनभना रहल छल। पुलिस परेशान छल, ओर जननांगक लेल। कटल तँ गेल कतए? ऐ लाश लग कतौ नै छल। ओ लाठेन आ टॉर्चक रोशनीमे ओकरा ताकि रहल छल। जमीन समतल नै छै- खधाइ बहुत छै आ सभमे पानि भरल छल। ओकरा जतऽ कतौ संदेह होइ छै, लाठीसँ खोड़ि कऽ देखि लै छल, भऽ ओ माटिक ढेला हुअए। एक ठाम सेहो छल कतौ भेटल, जे एहन नै हुअए जे कुकुर आएल हुअए आ मांसक लोथ बुझि कोनो दोसर ठाम लऽ गेल हुअए वा खा गेल हुअए।

ई खोज देर रातिधरि चलैत रहल।

पुलिस अप्पन दिसिसँ सभटा तैयारीक संग आएल छल मुदा डर आशंकाक संग आएल छल, ओहेन किछु नै भेलै- नहियेँ कोनो दंगा भेलै, नहियेँ चमटोल फूकल गेल, नहियेँ बदलाक कार्रवाइ भेल।

रूपीक झोपड़ीक बाहर ताला लटकल रहल छै आ चमटोलमे सुन-सन्नाटा छल। एक्कोटा मर्द नै। सभटा मर्द बस्ती छोड़ि कऽ नै जानि कतऽ चलि गेल छल। पुलिस एबासँ पहिनेसँ। मौगी आ बच्चा छल, ओ सभ अप्पन घरमे बंद छल।

हत्या एकटा एहन लोकक भेल छै जकर घरमे कहियो एसआइआर दर्ज करैबला नै छै। हत्या के करलक, कखन करलक, कोना करलक, कथि करलक- एकर कोनो गबाह नै छै।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

अंदाज जूर लगाएल जा रहल छल मुदा ओ अंदाजे जनि छल जे छब्बू मोने-मोने अप्पन देहक आगि मिझबै लेल डूमीक घर पहुँचल। आइठ लागिते डूमी दोसर कोठीमे नुका गेल। दोसर ढोल चांचर खोलि कऽ ओकरा भीतर लऽ गेल। अनचिन्हार छब्बू लुंगी खोलि कऽ जहिना ओकरा संग सुतै लेल भेल आकि ओ ओकर लोला पकड़ि कऽ टुटि गेल। ओ ओकरा मारैत-पीटैत चिचिआबैत बेहोश भऽ कऽ खसि पड़ल। ओइ काल डूमी हँसुआ लऽ कऽ आएल आ ओकर जननांग काटि कऽ फेक देलक। दुनू बाहर आबि गेल कोठी बंद कऽ कए आ ओकरा तड़पैत, छटपटाइत आ मरबाक इंतजार करैत छोड़ि कऽ बादमे दुनू घसिया कऽ ओकरा बाहर कऽ देलक।

आकि ओ बालक बीआ छीटऽ बीअड़मि गेल छल ओइ दुनूक संग। मारलक ओतहि, मुदा बलात्कारक केस बनाबै लेल ओकरा दरबज्जाक आगू आनि कऽ पटकलक।

आकि निःशिस्त्र भेलाक बादो पहलमान टू-चार टा केँ तँ काँचे चबा जाइत। टू-चारि मिनक नै छल ओ। चमटोलकेँ पता छलै जे ओ कम्हिर दसि-स्नागत हैक लेल जाइत अछि। पूरा चमटोल उम्हरे घेर कऽ नाहरकि खेतमे मारलक जेना ओ सुग्गरकेँ चारू दिसिसँ घेर कऽ मारैत अछि आ डूमीक घरक आगू आनि कऽ फेकि देलक। चऽरमे कतबो चिचिएब तइयो केकरा सुना पड़त मेघक गड़गड़ाहटमे।

ऐ तरहक चर्चा छल। अलग-अलग अंदाज, अलग-अलग लोकक। सच गप केकरो नै पता। लाश लग कियो एबे नै कएल तँ कोना पता लागितिऐ? पुलिस ककरो आबैए नै देलक।

मुदा एकटा गप कनी-कनी साफ भेल जे, जे किछु भेल, अचानक आ संजोगे नै भेल छल। एकर पाछाँ मास भरिसँ तैयारी छल। ऐ तैयारीमे असगरे पहाड़पुर चमटोल नै, आस-पड़ोसक बीस-पच्चीस गामक चमटोल मिलल छल। पहिने आ बादमे खर्चे-खर्च छल- थानाक सीओकेँ चाही, मुंशीकेँ चाही, पोस्टमार्टम बला डॉक्टरकेँ चाही, पैरवीकारकेँ चाही, वकीलकेँ सभ तारीखपर चाही, गवाहकेँ चाही- ढेर रास खर्च।

ई कतऽ सँ करत डूमी? तइसँ सभ चमटोलक हरवाहा चंदा जुटैलक।

दोसर, हुनका सभकेँ इंतजार छल अप्पन जातिक कोनो पुलिस अधिकारीक, जे चानापुर थाना सम्हारए आ से आबि गेल छल, दू मास पहिने। भगेलू माने बेनामा। संगे अक्टूबरमे चुनाव छल बिधानसभाक आ कोनो एहन पार्टी नै जकरा अनुसूचित जातिक बोटक दरकार नै हुअए। तेसर, चमटोल जानै छल जे छब्बूक मामिलामे ठाकुर घरेन बँटि जाएत, कहियो एक नै हएत।

आ जहिये ई साबित भऽ गेल।

  मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

४

छब्बूक मारल जेबाक आतंक जकरा सभसँ बेसी छल ओ रघुनाथ छल।

ने जानि की छल जे छब्बू जहिया कहियो कलम दिस औतए, नहर आ अखाड़ दिस औतए आ अपन महीसक संग उत्तर दिसक चरामे औतए -रघुनाथक दुआरकेँ जरूर देखतए- मास्टर साहेब अछि कि ने। अछि तँ खाली बैसल अछि वा काज कऽ रहल अछि। जौँ रघुनाथ खाली रहै छल तँ छब्बू आबि कऽ बैस जाइ छल। बाजैत कहियो ने, बस बैसल रहतए। पुछलापर बाजै छल जे कोनो काज ने, बस अहाँ लग किछु काल रहब नीक लगैए हमरा। नीक लोकक संगति भेटैत कहाँ अछि।



શ્રો ઘા૨ છ૭ સભ ઠામ મુદા વૈસૈ નૈ છ૭।

શ્રો ૧ઘુનાથક કહ૭ વનિ। હુનક૧ હતિ-શ્રહતિક શ્રપને શ્રાપ ધ્યાન ૧ાપ્પૈ છ૭। ૬ હુનક૧ ભાવના છ૭ ઘક૧ પાછાઁ કોનો કા૧મ્ન નૈ છ૭। ૬ ગપ ૧ઘુનાથ દોસ૧ાસઁ સુનૈ છ૭, છવ્વૂસઁ નૈ। શ્રપ્પન સા૭ ભ૧ પિહ૭ુક્કા ગપ શ્રછ- ૧ઘુનાથક પછુશ્રા૧મે હુનક૧ પતિયૌન ભા૨ક ઘ૧-દુશ્રા૧ શ્રછ ઘક૧ શ્રાગૂ તીન વગિહાક કનીવ હુનક૧ ઘમીન શ્રછ। હુનક૧ માને ૧ઘુનાથક। ભા૨ ધ૧ નઁ ઠીક છ૭। શ્રો વાઁટ-વપ્પ૧ાક સમ્માન કનૈ છ૭ મુદા ભાતિઘ સવહક નેત પ્પ૧ાવ હુશ્ર૬ ૭ાગ૭। હુનક૧ ઘ૧ક શ્રાગૂ દોસ૧ાક ઘમીન। શ્રો સભ ધા૧ ભાઁય છ૭ શ્રા સભ સમ૧થ। પૈઘકૈં ૧ઘુનાથ પઢૈને છ૭ શ્રા વઘિ૭ વિભાગમે નોકની દઇને છ૭। શ્રો સમ૬-સમ૬પ૧ કવ્ઘા કનૈક ત૧કીવ શ્રા વહના પ્પોઘૈત ૧હૈ છ૭। શ્રો એક વે૧ ૧ાત ભિ૧ાભિ ૧ઘુનાથક પછુશ્રા૧મે એકટા ૬ટાક દેવા૭ ઠાઢ ક઼ દે૭ક શ્રા હુનક૧ વાટ વંદ ક઼ દે૭ક। ૧ઘુનાથકૈં તપ્પૈન પતા ધ૭ઐ ઘપ્પન હો-હ૭ા સુના પડૈ। શ્રો પહુઁચ૭ નઁ દેપ્પ૭ક ઘે છવ્વૂ ૭ાઠી ૭઼ ક઼ દેવા૭ પ્પસા ૧હ૭ છ૭ શ્રા ધુ૧હાડ઼ ગા૧ પિઢૈત નનેશકૈં ૭૭કા૧ા દ઼ ૧હ૭ છ૭- ઘ૧ઘુસ્સા, વાહ૧ નકિ૭ શ્રા હિમ્મત હો૩ નઁ ઠાઢ ક૧ દેવા૭। હમહૂઁ દેપ્પઇ। માસ્ટ૧કૈં શ્રસગા૧ વુઝ૭ છોહો કો? પ્પસ૧ા-પ્પતૌની કોનો ધોઘ શ્રછ કિ નૈ?

નનેશ શ્રા શ્રોક૧ ભા૨ ઘ૧મે ઘુસ૭ ૧હ૭। શ્રોક૧ા૧મે સઁ કકનો હિમ્મત નૈ ભૈ૭ ઘે વાહ૧ શ્રાવ૬ શ્રા છવ્વૂસઁ ભડ઼ઇ।

સત્ય ગપ નઁ ૬ છ૭ૈ ઘે ૧ઘુનાથકૈં નોકની ઘા૨ક ઘતે દુપ્પ છ૭ૈ, શ્રો૨સઁ એકકો૧ત્તી કમ છવ્વૂક ઘા૨ક નૈ છ૭ૈ। કિઇકિ છવ્વૂ છ૭ નઁ ૧ઘુનાથ સેહો છ૭ શ્રા હુનકા ૭૭ પહાડ઼પુ૧ સેહો। શ્રાવ કકના વુત્તે શ્રો ૧હત।

છવ્વૂક મા૧૭ ઘેવાસઁ પહિને ગનપત ૧ઘુનાથકૈં ૨શ્રા૧ામે વના દેને છ૭ ઘે પહ૭માન ઘઁ શ્રહઁ ક૧ત઼ શ્રાવ૬ નઁ વુઝા દેવૈ- ધમઠો૭સઁ દૂ૧ ૧હ૬। ૬ હમ૧ા દુનૂક ગપ તેસ૧ાકૈં પતા નૈ ધ૭૬। પ્પા૭ા દૂ૧ ૧હ૬। ૧ઘુનાથ એકટા વહના તાક કહ૭ા છ૭ ઘે છવ્વૂ, શ્રાવ વહુત ભ઼ ગે૭, ઘા૬ દશ્રો।

છવ્વૂ વાઘ૭ છ૭- માસ્ટ૧ સાહેવ। છોડ઼ નઁ દઇ, મુદા ઘા૩ ક૧ત઼? ગામમે નઁ સભ વેઠી શ્રછ, પુતોહુ શ્રછ। શ્રા૧ ક૧ત઼ ઘા૬વ।

૧ઘુનાથ શ્રોક૧ા ત૧હ-ત૧હસઁ વુઝાવૈક પ્૧યાસ કે૭ક, મુદા સભ વેકા૧। શ્રોનાહૂઁ શ્રો સોચ૭ છ૭ ઘે વેસીસઁ વેસી કો હ૬ત- ધ૬હ ને ઘે છવ્વૂ વેઘ્ઘત ક૬૭ ઘા૬ત શ્રા દૂની ઢો૭ાક સંવંધ સભ દિન ૭૭ પ્પત્મ ભ઼ ઘા૬ત। મુદા ૬ નઁ છવ્વૂક દુશ્મન સેહો નૈ ઘાનૈ છ૭ ઘે એહન હ૬ત। શ્રો ૬ કહૈત ઘુમૈત ૧હ૭ ઘે ૬ એકટા ઠાકુ૧ક હત્યા નૈ, પૂ૧ા દયાદિક સમ૧થા૨કૈં ચુનૌતી શ્રછ, શ્રોક૧ા ૭૭કા૧ા દે૭ ગે૭ શ્રછ- મુદા ૬ ઘટનાકૈં વસિ૧વ શ્રા એક૧ ધ૧યા નૈ ક૧વ નીક વુઝ૭ક સભ।

કની કા૭ ૭ાગ૭ ઠાકુ૧ ટો૭ાકૈં વદ૭ૈત સમ૬કૈં વુઝવામે શ્રા શ્રોક૧ હિસાવસઁ શ્રપનાકૈં ઢા૭વામે। કતેક દિન ધ૧ દુશ્રા૧ કૂડ઼ા શ્રા કચ૧ાક ઢે૧ વન૭ ૧હ૭, કતેક દિન ધ૧ ૭ાદકિ ૭ા ગોવ૧ વઘવઘા૨ત ૧હ૭, કતેક દિન ધ૧ વડ઼દ પ્પુટ્ટાસઁ વાન્હ૭ ૩ઁઘત-વૈસૈત ૧હ૭, ગા૨-મહીસ ડકિયા૨ છ૭ શ્રા પગુ૧ા૨ત ૧હ૭। પટાય૭-પટાય૭ પ્પટિયા તૌડૈવ૭। ઠાકુ૧ કપ્પનો કોન ભને પડ઼૭ કોદા૧ા દિસિ તાકતિઇ, કપ્પનો શ્ર૧સા દિસિ, કપ્પનો વાઢની દિસિ શ્રા થાકિ ક઼ શ્રંતમે શ્રો૨ છા૩૧ દિસિ ઘમ્હિ૧સઁ હ૧વાહ શ્રાવૈત છ૭।

મુદા હ૧વાહા ળે યમટોઉસઁ માગઉ, સે નૈ ઘુ૧ઉ।

એક હસ્થ્ના વીતઉ।

શ્વે૧ દોસ૧ હસ્થ્ના વીતઉ।

શ્વે૧ તેસ૧ હસ્થ્ના વીતઉ।

શ્રોક૧ ળેવાક વાદ ડાકુ૧ ળતેક પ૧ેશાન છઉ, દશ૧થ યાદવ તતેક ખુશ। શ્રોક૧ વેટા ળસવંત ઐ કાઉમે ડાકુ૧કેં સમ્હા૧િ લેને છઉ। શ્રો હુનકા સમકેં હ૧વાહાક કમી નૈ હુશ્ર૫ દેઉક। શ્રો સવહક ખેત માડ઼ા૫૧ ળોતઉક। એક્કો દિ૧ શ્રોક૧ ટ્રેક્ટ૧ નૈ વેસઉ। સમક હ૧ કાળે ન૧હિ ગેઉ। શ્રો સમકેં વુઢા દેઉક ળે વડ઼દ મથદુક્ખી શ્રા વોહ્ શ્રછિ, શ્રાઉ્ શ્રછિ દુશ્રા૧ ગંદા કનૈત શ્રછિ, શ્રોકના હટાઉ। શ્રોક૧ ગોવ૧ કોન કાળક? શ્રોક૧ાસઁ ૩પળાઉ તઁ ધૂ૧ાયિા શ્રછિ।

કછુ ગા૫ વાદમે ૫તા યઉઉ, શ્રો૨ કાઉ નૈ। ળેના શ્રો ળ૨ ત૧હૈં ડાકુ૧કેં સમ્હા૧ઉક, તહિના શ્રો યમટોઉકેં સેહો સમ્હા૧ઉક। કછુ હ૧વાહા તઁ શહ૧ યઉ ગેઉ- ૧ક્શા યલેવા લેઉ સોયપિ ક઼ વા વોનિ૫િ૧ કાળ કનૈ લેઉ મુદા વ૧ ૧ાસ ઉક કો૧વા ગેઉ- ળસવંતક છોટ મા૨ વઉવંત ઉ઼ા, ળે વોનિ મિળૂ૧ક ડિકેદા૧ છઉ। શ્રો સમકેં ખદાનમે કાળ દિ૫ઉક। શ્રા૧ ઈહો ળે ગામક ઘ૧ હો૨સઁ શ્રો દોસ૧ાસઁ ળતેક લૈ છઉ, શ્રો૨સઁ કમ લેઉક। એળવે ટા નૈ, ળસવંત શ્રોકનો મદદ કેઉક ળે યમટોઉમે ન૧હિ ગેઉ છઉ, ખાસ ક઼ મૌગી સવહક। ૧ાશન-પા૨નક ગા૧ળસઁ શ્રનાળક લેઉ શ્રો ડકુ૧ટોઉમે ળા૫વ વંદ ક઼ દેઉક શ્રા સૂદ૫૧ ળસવંતસઁ યા શ્રહ્મિટોઉસઁ ટકા ઉશ્રિ૫ ઉાગઉ। શ્રો શ્રાવ સોહે ગળ્ળન સાવ કે૧ દોકાન૫૧ ળા૨ છઉ। નગદ પા૨ દૈ છઉ શ્રા કિ઼ાના સમાન લૈ છઉ।

ગામ કની-કની પહુિક્કે ળકાઁ ઘુ૧૫ ઉાગઉ છઉ- નવ વદઉાવ શ્રા નવ વ્યવસ્થાક સંગા શ્રન્ત૧ એળવે ટા શ્રા૫ઉ ળે હ૧વાહા વાહ૧ નોકની કનૈ છઉ। શ્રા શ્રો ળખન ગામ ઘુનૈ છઉ તઁ ડકુ૧ટોઉમે નૈ ળા ક઼ શ્રહ્મિટોઉમે ળા૫વ, ૩ઠવ-વૈસવ વેસી પસીન કનૈ છઉ। શાશ્ત હુનકા શ્રોત઼ વ૧ાવનીક શ્રનુભવ હો૨ છઉ।

૧ટિયા૧મેંટક વાદ ઉકક દેખા-દેખી ૧ઘુનાથ સેહો શ્રપ્પન ખેત-વા૧ીક દોસ૧ વ્યવસ્થા કેઉક। શ્રો શ્રપ્પન ખેત સનેહીકેં શ્રયયિા૫૧ દ઼ દેઉક। સનેહી હુનક૧ કૉઉળક યપ૧ાસી છઉ શ્રા સાત મીઉ દૂ૧ શ્રપ્પન ગામસઁ કૉઉળ શ્રાવૈ ળા૨ છઉ। ળાશ્તક કો૨ની। શ્રોક૧ સમસ્યા શ્રોક૧ શ્રૌ૧ત શ્રા વાઉ-વચ્ચા છઉ। ૧ઘુનાથ શ્રોક૧ પ૧િવા૧ક લેઉ શ્રોસા૧ક એકટા હિસ્સા શ્રા વાહ૧ક ખોપડ઼ી દ઼ દેઉક। ઐ તતહૈં શ્રો ખેતીક હ્હ્ટસઁ નશ્ચિન્ત ભ઼ ક઼ કન્તૌ શ્રાવૈ ળા૨ ળોગ ભ઼ ગેઉ। શ્રા૧ કન્ત઼ શ્રાએત-ળાએત, મૈનેળ૧ શ્રા પ્૧સિપિઉ પેંશન ઉટકેને છઉ શ્રા શ્રો શ્રહીમે ઉાગઉ છઉ। શ્રો શ્રો૨ યક્ક૧મે દૂ-તીન દિ૧ લેઉ નગ્૧ ગેઉ છઉ તખને હુનક૧ માતાળ નનેશ ઘ૧ક પછુશ્રા૧ક ળમીન દોવાના ઘે૧ લેઉક- ઐ વે૧ કાઁટ વઉ તા૧સઁ।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

एतबे टा नै, नरेश पुरना बाड़ी आरो जमीनपर गाड़लक आ महीस बान्हि देलक। यानू दसि गोबर आ गोइठा ठेकवा देलक, जतऽ-ततऽ सामग्री आ पुआरक बोझ रखबा कऽ ई साबित करैक प्रयास केलक जे पछिला करैक बरखसँ ई ओकरे कब्जामे अछि।

गाममे घुसैत रघुनाथ एकरा देखलक आ सोझे ओतऽ पहुँचल जतऽ नरेश महीसकेँ सानी दऽ रहल छल। ओ हाथ पोछि कऽ कक्काक पएर छूलक।

ई सभ की छै?

नरेश हुनका आश्चर्यसँ देखलक- किछु नै नै, की अछि?

तामस मे थरथरा उठल रघुनाथ- बदमाशी करै छी आ सेहो अप्पन कक्कासँ।

-कनियो टा बाज नै एबौ तोरा? हटा ई सभ खुट्टा-तुट्टा, तार-खार।

नरेशक तीन भाइ सेहो घरक भीतरसँ बाहर आबि गेल। पड़ोसीमे कियो नै आएल। सभ अप्पन-अप्पन दरबज्जापर बैसल सुनि रहल छल।

-ई तँ नै हटत कक्का। हमर घर-दुआरिकि आगूक जमीन सार्वजनिक अछि आम जमीन आ झाड़ूमे अहाँ झुँसेने छी। अहाँक ई छेबे नै करी, ई तँ गाम-समाजक अछि।

एतबै सुनैक छल आकि रघुनाथक देहमे जना आगि लागि गेल। ओ थरथरा उठल आ एक लात मारलक बाड़ीपर। तोहर सानी कऽ, आ गाम समाजक।

अप्पन माटि काँच छल बाइदक, ओ एक दसि भसकि गेल।

ऐ बीच तामससँ आगि-पानि होइत आ गारि पढ़ैत नरेशक छोट भाइ देवेश दौगल आ धक्का दऽ कऽ रघुनाथकेँ धसा देलक। ओ सम्हरितिऐ, तइसँ पहिले ओ हुनकर छातीपर बैस कऽ गारजल- साढ़ बुढ़वा, गारदनि पकड़ि कऽ अप्पने दबा दिऐ तँ मरिऐ जाएत। हम जतेक नीक बेक जकाँ गप कऽ रहल छी, ओतेक सेर बनि रहल अछि जा, जे करैक अछि, कऽ लिअ। उठैत ओ हुनकर डाँरपर एड़ी मारलक- साढ़ बुढ़वा हरमजदा।

रघुनाथ उठबाक प्रयास केलक मुदा उठि नै सकल।

बाइदक कातमे पड़ल-पड़ल ओ यानू दसि ताकलक। दियाद-बाद देखि रहल छलै आ अप्पन-अप्पन दरबज्जापर बैसल छलै।

कनी कालक बाद नरेश ओकरा ठाढ़ केलक आ घर दसि ठेल देलक।

बीस कऽ लाबै बेर हरदि-पियाज नै हुआए तँ पठबा देबा- देवेश चिकड़ल।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

-की भऽ गेल अछि गाम केँ?

-एतऽ जनम लेलौं, पोसेलौं, बढ़लौं, पढ़लौं, सबहक मदति केलौं- कखनो किताब-कॉपीसँ, कखनो स्टीस मास्टीसँ, कखनो टका-पैसासँ, कतेक सर-संबंधी अछि आ रहल। आइ-काल्हि की भऽ गेल अछि गामकेँ?

की अहीसँ जे ओ दियाद-वादक ए वा ओर पार्टीमे नै अछि?

की अहीसँ जे ओ रिटायर भऽ गेल आ कोनो काजक नै रहल?

की अहीसँ जे ओ कहियो कोनो झगड़ा वा झमेलामे नै पड़ल?

की अहीसँ जे ओ बेटा जातिक वियाह बाहर केलक?

की अहीसँ जे ओकर बेटा अमेरिका मे डॉलर कमा रहल अछि?

की अहीसँ जे ओकर दोसर बेटा सेहो नोएडामे एम्.बी.ए. कऽ रहल अछि?

की अहीसँ जे ओ बटाइपर खेती सनेहीकेँ देलक- बाहरी लोककेँ, हुनिका सभकेँ नै?

की भऽ गेल अप्पन दियाद-वादकेँ? रघुनाथ बुढ़वामे असमर्थ रहल।

 मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

५

ૠઘુનાથ દઉાનપ૧ ક૧ટ ૹડ કડ પટાયૃઉ છઉ।

નૈ, નૈ કનૈક વાદી શીઉ ઝાઁડ઼પ૧ સુઉઉ હડ્ડી ઉગ હ્નૈદ, પયિાઉળ શ્રા યૂનક ઘો૧ ઉગ઼ા ૠહઉ છઉિ। શ્રા મુઁહક ૹતિ૧-ૹીત૧ કછુિ વડ઼વડ઼ કડ ૠહઉ છઉિ, નાકકેઁ સુડ઼કૈત।

દૂ-દૂ ટા મુસ્ટંડ વેટા મુદા દુનૂ પ૧દેશમે।

એક્કો ટા એતડ નૈ ળે વાપક વગઉમે ઠાઢ઼ હેતિ।

ૠઘુનાથ ળ૨ શ્રંડાકેઁ પૈઘ કેઉક, શ્રો કો૨ઉીક નૈ કૌશ્રાક છઉ। શ્રા શ્રો શ્રપને કૌશ્રા છઉ, નૈ તઁ ૬ ગપ વુહ્યિે ગેઉ હેતિ।

શ્રો શ્રા૨ યની ઘિ૧મે ૠહૈત શ્રાએઉ છઉ, ળે ખ્પનૈઉક છઉ, મા૨ટક મોટ-મોટ દેવા૧ક। સાવકિી ઘ૧। પાછાઁવઉ ળમીન ળાનિ-વૂદ્િ કડ વઁટવાના મે ઉને છઉ શ્રો, કતિખ્પન પા૨ શ્રા સમ૧ હએત તઁ પક્કાક ઘ૧ વનાએવ-છોટ સન। ૬ ળનૂની છઉ- હુનકા ઉેઉ નૈ, વેટા ઉેઉ। ઘ૧ે નૈ ૠહત તઁ શ્રો શ્રાએત કિઘ? શ્રાએત તઁ ૠહત કતડ? શ્રા ળખ્પન એવે નૈ ક૧ત, ૠહવે નૈ ક૧ત તઁ ગામ-ઘ૧કેઁ વૂહ્ત-ગમત કી? શ્રે૧ વાપ-દાદાક ળમીન-ળત્થાક કી હએત? કે દેખ્પત ળા કડ? ખ્પનૈઉક ઘ૧ તઁ ઢહિ ૠહઉ શ્રછિ। કખ્પન વૈસિ ળાએત, કયિો નૈ ળાનૈત શ્રછિ?

તઁ કછુિ દનિ પહનિ ળખ્પન પ્૧ાવિડિમ્ટ શ્રંડક પા૨ ૹેટઉ તખ્પને નવ઼ ઘ૧મે હાથ ઉગાવૈક શ્રૈસઉ કડ ઉેને છઉ। શ્રાવ ૬ નવ઼ શ્રાશ્રત।

હુનકા છવ્વૂક કમીક શ્રનુભવ઼ ૹડ ૠહઉ છઉ- ઉગ઼ાતા૧।

૬ નવ઼ ખ્પાઢ઼ી પૈદા ૹેઉ છઉ ગામમે- તહયિાસઁ ળખ્પનસઁ ગામમે વળિઉીક ખ્પામ, કેવુઉ, ટ્યૂવવેઉ, પમ્પિગ સેટ શ્રા દવા૨ દોકાન શ્રાએઉ છઉ। ળાતકિ પાર્ટી શ્રાએઉ છઉ, હ્નાહ્ની તેસ૧ ઘ૧સઁ શ્રૌળમે કયિો ને કયિો ૹર્તી ૹેઉ છઉ। સવર્ણમે એકટા વર્ગ *૧સિન્ય શ્રા કોયિિ* કનૈવઉ છૌડ઼ા સવહ્ક છઉ, ળે શહ૧સઁ વા કોનો શ્રૌળીક ઘ૧સઁ વોતઉ ઉૈ છઉ શ્રા ૹાતિ પિમ્પિગ સેટપ૧ વતિવૈત છઉ।

दोसर बात नरेश आ ओकर भाइक छथि। नरेश बढ़िया मैकेनिक छथि। सरकारी कर्मचारी छथि मुदा खुट्टासँ तार खींच कऽ घरमे अवैध कनेक्शन दै छथि आ चक्किन कमाइ छथि। ओकर तीनू भाँइकेँ पॉलिटिक्समे मोन लागै छै। देवेश सपा केर कार्यकर्ता छथि, रमेश बसपा केर आ महेश भाजपा केर। ई पार्टी पछिला बीस बरखसँ सत्तामे आबि-जा रहल छथि आ क्षेत्रक विधायक आ सांसद सेहो अही पार्टीक भऽ रहल छथि। तीनू बड़ बुधियारीसँ कोनो ने कोनो नेताकेँ पकड़ने छथि। ओ अप्पन-अप्पन नेताक संग रहतिह, घुमतिह, खेतिह-पीतिह आ जनताक सेवा करैतिह- माने ट्रांसफर करबाबैक आ नोकरबाबैक काज। छोट-मोट नोकरीसँ ई पैघ आ सम्मानजनक धंधा छथि। लोकपर रोबदाब सेहो रहै छै आ नुआब सेहो। हुनकर सभक मंत्री संग उठबाक-बैसबाक आ खाइ-पीबैक किस्सा रहै छथि।

ओ जहिया कहियो चारि-पाँच दिनक लेल गामसँ बिपत्ता रहतिह तँ सोझे लखनऊसँ वा कोनो महानगरीसँ वा हवाई-जहाजसँ आबैत छथि।

ई भाइ सबहक पहुँच आ पाइ केर तागति बोध रघुनाथकेँ तहिया भेलै जहिया हुनका दस-बारह दिन दौड़ऽ पड़लै- कखनो लेखपाल लग, कखनो थानापर, कखनो एसडीएमक ऑफिसमे। कुर्सी सभ दैलक, सम्मान सभ केलक, ध्यानसँ सुनलक हुनकर बात आ अंतमे बाजल- मास्साब। अहाँ विद्वान छी, शरीफ छी, अहाँक सभटा बात सत्य अछि मुदा कोन हमेलामे अपनाकेँ दऽ रहल छी? ओ सभ ठीक लोक अछि की? मुँह खोड़ि कऽ किछु नै कहलक, इशारासँ जरूर बुझा देलक जे कऽ सकैत अछि तँ किछु नै, मुदा खाली बात कऽ सकैत अछि।

ओर काल हुनका ईहो पता चलल जे दबंग-बाहक आगो परिवारमे सँ सभ परिवारकेँ चुप रहै लेल नरेश दू-दू हजार टका देने छथि।

रघुनाथ दौड़ैत-दौड़ैत थाकि गेल। ई उमर सेहो एहन काज लेल नै रहि गेल छथि। आब पहिलुक जेहन शक्ति सेहो नै रहि गेल छै। ठेहुनमे दर्द रहै छै आ गारदनिमे सेहो। शील आओर मनोज छथि दमाक आ गैसक। जखैन रघुनाथ लग आबैत छथि, उकार लेने आबैत छथि। आ पछिला दिनक घटना आ पाकि परेशानी ओकरा आरो नर्वस आ निराश कऽ देने छथि।

रघुनाथ दुपहरियाक खेनाइक बाद मीमक मीयाँ पटायल छथि आ सोचयि रहल छथि जे आब की करी। एकमात्र रस्ता हुनका उखाह दऽ रहल छथि- कचहरी। मुदा ओ रस्ता बड़ नम्हर छथि। ओ जानै छथि जे तारीखपर तारीख पड़ैत जाएत। ऐ तरहेँ एक दिन आरत-जारत मरि जाएब आ ड्रैसल नै हएत।

ऐ बीच शील आएल। ओ बाजल- अतीब लोक छी अहाँ। असगरे चितामे मरल जा रहल छी, जकरा ई सभटा सम्हारैक अछि, ओकरासँ सलाह करि नै लऽ रहल छी? पुछलियौ तँ ओकरासँ।

- ककरासँ- बेटासँ।

- हँ, मानलौ जे एकटा दूर अछि, मुदा दोसर तँ लग अछि।



मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

- 𑒋𑒏𑒠𑒧 𑒮𑒞𑓂𑒨 𑒏𑒯𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲 𑒁𑒯𑒰𑒿।

𑒍 𑒢𑒱𑒮𑒰𑒿𑒮 𑒪𑒹𑒪𑒏- 𑒏𑒯𑒴 𑒞𑒿! 𑒌 𑒠𑒱𑒮𑒱 𑒞𑒿 𑒯𑒧𑒩 𑒡𑓂𑒨𑒰𑒢 𑒑𑒹𑒥𑒹 𑒢𑒻 𑒏𑒋𑒪।

𑒍 𑒅𑒚𑒪 𑒂 𑒬𑒲𑒪𑒰𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒤𑒼𑒢𑒧𑒹 𑒦𑒱𑒛𑓃𑒱 𑒑𑒹𑒪। 𑒬𑒲𑒪𑒰 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒥𑒹𑒩-𑒥𑒹𑒩 𑒥𑒳𑒗𑒥𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒪 𑒖𑒹 𑒥𑒪-𑒡𑒏𑒹𑒪𑒏, 𑒣𑒙𑒏𑒻𑒏, 𑒧𑒰𑒩𑒱-𑒣𑒲𑒙𑒏 𑒑𑒣𑒏 𑒔𑒩𑓂𑒔 𑒢𑒻 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒁𑒕𑒱 𑒢𑒻 𑒞𑒿 𑒍 𑒣𑒩𑒹𑒬𑒰𑒢 𑒦𑓄 𑒖𑒰𑒋𑒞 𑒂 𑒣𑒜𑓃𑒥 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒏𑓄 𑒥𑒲𑒔𑒹𑒧𑒹 𑒔𑒪𑒱 𑒠𑒹𑒞। 𑒪𑒰𑒃𑒢 𑒦𑒹𑒙𑒪 𑒩𑒰𑒞𑒱 𑒠𑒮 𑒥𑒖𑒹𑒏 𑒥𑒰𑒠। 𑒮𑓂𑒫𑒩𑒣𑒩 𑒮𑓀𑒨𑒧 𑒩𑒰𑒐𑒻𑒞 𑒩𑒒𑒳𑒢𑒰𑒟 𑒫𑒱𑒮𑓂𑒞𑒰𑒩𑒮𑒿 𑒮𑒦𑒙𑒰 𑒑𑒣 𑒏𑒯𑒻𑒞 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰𑒮𑒿 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒣𑒳𑒕𑒪𑒏। 𑒄𑒯𑒼 𑒥𑒰𑒖𑒪 𑒖𑒹 𑒋𑒞𑓄𑒮𑒿 𑒏𑒻𑒪𑒱𑒤𑒼𑒩𑓂𑒢𑒱𑒨𑒰𑒏 𑒪𑒰𑒃𑒢 𑒢𑒻 𑒪𑒑𑒻 𑒕𑒻, 𑒮𑓀𑒖𑒴𑒮𑒿 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒮𑒪𑒰𑒯 𑒪𑓄 𑒏𑓄 𑒥𑒞𑒰𑒋𑒥।

𑒩𑒰𑒖𑒴 𑒥𑒲𑒔𑒹𑒧𑒹 𑒙𑒼𑒏𑒪𑒏- 𑒏𑒱𑒋 𑒧𑒰𑒩𑒪 𑒖𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲 𑒖𑒧𑒲𑒢 𑒪𑓄 𑒏𑓄 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒴 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒂 𑒮𑒳𑒢𑒴, 𑒦𑒾𑒖𑒲 𑒥𑒢𑒰𑒩𑒮 𑒂𑒥𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒁𑒬𑒼𑒏 𑒫𑒱𑒯𑒰𑒩𑒧𑒹। 𑒖𑓂𑒫𑒰𑒃𑒢 𑒏𑓄 𑒪𑒹𑒢𑒹 𑒁𑒕𑒱 𑒨𑒴𑒢𑒱𑒫𑒩𑓂𑒮𑒱𑒙𑒲𑒧𑒹। 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒧𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒪𑓄 𑒏𑓄 𑒔𑒪𑒱 𑒖𑒰𑒅 𑒂 𑒍𑒞𑒻 𑒩𑒯𑒴 𑒂 𑒮𑒳𑒢𑒴।

𑒮𑒳𑒢𑒻𑒮𑒿 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒤𑒼𑒢 𑒩𑒰𑒐𑒱 𑒠𑒹𑒪𑒏 𑒩𑒒𑒳𑒢𑒰𑒟। 𑒍 𑒧𑒰𑒟 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒱 𑒏𑓄 𑒥𑒻𑒮𑒱 𑒑𑒹𑒪।

- 𑒏𑒲-𑒏𑒲 𑒦𑒹𑒪? - 𑒬𑒲𑒪𑒰 𑒣𑒳𑒕𑒪𑒏।

- 𑒦𑒹𑒪 𑒏𑒲? 𑒂𑒥 𑒮𑒧𑓂𑒯𑒰𑒩𑒴 𑒍𑒏𑒩𑒰। 𑒅𑒛𑓃𑒱 𑒏𑓄 𑒂𑒥𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒯𑒫𑒰𑒃-𑒖𑒯𑒰𑒖𑒮𑒿। 𑒂𑒥𑒻𑒞𑒹 𑒑𑒼𑒪𑒲 𑒧𑒰𑒩𑒱 𑒠𑒹𑒞 𑒢𑒩𑒹𑒬𑒏𑒹𑒿। 𑒍 𑒮𑒦 𑒥𑒩𑓂𑒠𑒰𑒬𑓂𑒞 𑒏𑓄 𑒪𑒹𑒞, 𑒥𑒰𑒣𑒏 𑒥𑒹𑒃𑒖𑓂𑒖𑒞𑒲 𑒥𑒩𑓂𑒠𑒰𑒬𑓂𑒞 𑒢𑒻 𑒏𑒩𑒞।

- 𑒁𑒩𑒹 𑒩𑒼𑒏𑒴, 𑒩𑒼𑒏𑒴 𑒍𑒏𑒩𑒰।

- 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒞𑒿 𑒩𑒼𑒏𑒱 𑒠𑒹𑒥, 𑒮𑓀𑒖𑒨𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒹𑒢𑒰 𑒩𑒼𑒏𑒥? 𑒍 𑒞𑒿 𑒍𑒞𑓄𑒮𑒿 𑒧𑒱𑒮𑒰𑒃𑒪𑒮𑒿 𑒮𑒼𑒗𑒹 𑒒𑒩𑒧𑒹 𑒂𑒋𑒞।

𑒬𑒲𑒪𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒮𑓀𑒠𑒹𑒯 𑒦𑒹𑒪𑒻 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒥𑒳𑒡𑒱𑒣𑒩 𑒂 𑒍 𑒔𑒳𑒣 𑒦𑓄 𑒏𑓄 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒠𑒹𑒐𑓄 𑒪𑒰𑒑𑒪।

- 𑒮𑒰𑒜𑓃। 𑒏𑒯𑒻𑒞-𑒏𑒯𑒻𑒞 𑒍 𑒧𑒰𑒟 𑒅𑒚𑒰 𑒏𑓄 𑒬𑒲𑒪𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒏।

- 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒛𑒩 𑒕𑒪 𑒞𑒰𑒃𑒮𑒿 𑒯𑒧 𑒑𑒣 𑒢𑒻 𑒏𑓄 𑒩𑒯𑒪 𑒩𑒯𑒲, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒏𑒯𑒪𑒰𑒮𑒿 𑒏𑒹𑒪𑒾𑓀। 𑒯𑒧 𑒋𑒞𑓂𑒞𑒹 𑒥𑒳𑒩𑒥𑒏 𑒢𑒻 𑒕𑒲 𑒖𑒹 𑒯𑒧𑒩 𑒠𑒱𑒧𑒰𑒑𑒧𑒹 𑒢𑒻 𑒂𑒋𑒪। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒖𑒱𑒠𑒣𑒩 𑒏𑒹𑒪𑒾𑓀। 𑒢𑒻 𑒖𑒰𑒢𑒱 𑒏𑒞𑓄𑒮𑒿 𑒋𑒯𑒹𑒢 𑒥𑒹𑒏𑒰𑒖𑒏 𑒂 𑒏𑒼𑒜𑓃𑒱𑒨𑒰 𑒕𑒾𑒛𑓃𑒰 𑒖𑒢𑒧 𑒪𑓄 𑒪𑒹𑒪𑒏- 𑒮𑒰𑒜𑓃। 𑒣𑒕𑒱𑒪𑒰 𑒖𑒢𑓂𑒧𑒏 𑒣𑒰𑒣। 𑒯𑒧 𑒞𑒲𑒮-𑒣𑒻𑒞𑒲𑒮 𑒥𑒩𑒐 𑒢𑒼𑒏𑒩𑒲 𑒏𑒹𑒪𑒾𑓀, 𑒪𑒰𑒐𑒏 𑒪𑒰𑒐 𑒏𑒧𑒰𑒃 𑒏𑒹𑒪𑒾𑓀 𑒂 𑒯𑒰𑒟𑒧𑒹 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒣𑒰𑒃 𑒢𑒻। 𑒌 𑒯𑒰𑒟 𑒂𑒋𑒪, 𑒍𑒃 𑒯𑒰𑒟 𑒑𑒹𑒪। 𑒣𑒳𑒕𑒴 𑒞𑒿 𑒏𑒞𑓄 𑒑𑒹𑒪, 𑒮𑒹 𑒥𑒞𑒰 𑒢𑒻 𑒮𑒏𑒥। 𑒂 𑒄 𑒖𑒧𑒲𑒢। 𑒂𑒃𑒨𑒼 𑒍𑒞𑒻 𑒏𑓄 𑒍𑒞𑒻 𑒕𑒲। 𑒧𑒱𑒮𑒱𑒨𑒼 𑒦𑒩𑒱 𑒙𑒮𑒮𑒿 𑒧𑒮 𑒢𑒻 𑒦𑒹𑒪 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒚𑒰𑒧𑒮𑒿। 𑒄 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒠𑒰𑒠𑒰-𑒣𑒩𑒠𑒰𑒠𑒰-𑒥𑒰𑒣𑒏𑒹𑒿 𑒐𑒳𑒋𑒪𑒏, 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒐𑒳𑒋𑒪𑒏, 𑒋𑒞𑒥𑒹 𑒙𑒰 𑒢𑒻 𑒥𑒹𑒙𑒰 𑒂 𑒢𑒰𑒞𑒲-𑒣𑒼𑒞𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒐𑒳𑒂𑒋𑒞। 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒏𑒩𑒼𑒛𑓃 𑒏𑒧𑒰𑒋𑒥 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒙𑒏𑒰 𑒂 𑒛𑒽𑒪𑒩 𑒢𑒻 𑒐𑒰𑒋𑒥। 𑒦𑒑𑒫𑒰𑒢 𑒢𑒹 𑒏𑒩𑒋 𑒖𑒹 𑒍 𑒠𑒱𑒢 𑒂𑒥𑒋 𑒖𑒐𑒢 𑒥𑒻𑓀𑒏 𑒔𑒰𑒅𑒩-𑒠𑒰𑒪𑒱𑒏 𑒠𑒰𑒢𑒰 𑒥𑒰𑒿𑒙𑒞। 𑒍 𑒖𑒰𑒿𑒒𑒣𑒩 𑒧𑒳𑒏𑓂𑒏𑒰 𑒧𑒰𑒩𑒪𑒏 𑒂 𑒬𑒲𑒪𑒰 𑒠𑒱𑒮𑒱 𑒞𑒰𑒏𑒻𑒞 𑒥𑒰𑒖𑒪- 𑒮𑒰𑒜𑓃, 𑒞𑒴𑒿 𑒮𑒦 𑒣𑒻𑒒 𑒦𑒹𑒪𑒯𑒱 𑒦𑒹𑒪 𑒯𑒳𑒿𑒁𑒋 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒧𑒰𑒿𑒏 𑒠𑒴𑒡 𑒣𑒲 𑒏𑓄, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒞𑒼𑒯𑒩 𑒧𑒰𑒿𑒏 𑒧𑒰𑒋 𑒁𑒕𑒱 𑒄 𑒖𑒧𑒲𑒢। 𑒔𑒰𑒅𑒩, 𑒠𑒰𑒪𑒱, 𑒑𑒯𑒴𑒧, 𑒞𑒹𑒪, 𑒣𑒰𑒢𑒱, 𑒢𑒴𑒢 𑒡𑒩𑒱 𑒖𑒧𑒲𑒢 𑒠𑒹𑒢𑒹 𑒁𑒕𑒱। 𑒂 𑒥𑒰𑒖𑒻 𑒕𑒲 𑒖𑒹 𑒯𑒙𑒰𑒥𑒴 𑒍𑒏𑒩𑒰।

- 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒴 𑒍𑒏𑒩𑒰।

  मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

गामसमे रघुनाथ केँ सब बाजैत रहए, हुनका अपनो नै पता।

कोन गरहे शीला हुनका सम्हारैत पकड़ि कऽ आंगनमे लऽ गेल- जाउ, सूति जाउ। सोचू नै।

६

ऐ कालक रघुनाथकेँ एकटा बोध भेलै।

ई जे नीक लोकक मतलब अछि निरर्थक लोक, आ भला आदमीक अर्थ अछि डरपोक लोक। जखन कियो अहाँकेँ विद्वान कहए तँ ओकर अर्थ मूर्ख बुझू आ जखन कियो सम्मानित कहए तँ तकर अर्थ दयनीय बुझू।

हुनका सब ठाम यएह कहल गेल आ हुनकर कोनो काज नै कएल गेल। हुनका सब ठाम हट-हट आ दुर-दुर कएल गेल। ओ ओइ बकरी आ गाए जेना अछि जे मे-मे आ बाँ-बाँ कऽ सकैत अछि, मारि नै सकैत अछि। यएह ओकर छवि, सबहक आगू ममियाबै आ घिसियानी कटैबला मास्टरक। ई हुनकर छवि नै अछि, यएह छथिन ओ।

ओ ओइ छविकेँ तोड़ै लेल सोचि रहल छल, बब्बन सहि ओ अवसर दऽ देलक।


मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

ओहि काल रघुनाथ अपन घरमे छल। ओ मचियापर बैसल छल आ आगू सजेने अप्पन आ हुनकर हिस्साक गहूम ओसबा रहल छल। बगलसँ जा रहल बब्बन ठाढ़ भऽ गेल। गामक सभसँ वृद्ध-पुरान आ मर्जादवला। गामे टा नै, पास-पड़ोसमे कतौ विवाद होइ छल तँ एक पंचक रूपमे कोनो ने कोनो पार्टी दिससँ ओ सेहो रहै छल। ई अलग गप अछि जे ओ मामला सुलझाबैक बदला आर ओझरा दै छल। ई हुनका नीक नै लागै छल जे रघुनाथ नै जानि कतऽ-कतऽ दौड़ल, हुनका लग नै आएल। रघुनाथ हुनका देखलक मुदा कोनो भाव नै देलक।

-मास्टर- ओ शोर पाड़लक।

रघुनाथ लग गेल आ गोर लागलक।

-जमीन अहाँक अछि, गाम-समाज या नरेशकेँ ओकरासँ की लेब-देब? दोसर कियो कोना कब्जा कऽ लेत?

-एतबे टा हमहूँ जानै छी।

-जानै छी तँ विधायकजी सँ कहि ने भेँट करै छी?

-कोन विधायकसँ?

-अरे बाह, अप्पन कॉलेजक मैनेजर।

माथ ठनकलै रघुनाथक। एकर मतलब जे ऐ पूरा मामलाक तार ओतहुसँ जुड़ल अछि। संजयक विवाहसँ ओकरा हुनका रिटायर करेबेसँ आ पेंशन रोकबेबा सँ संतोष नै भेलै- आ ई अछि विवाद-वादक सभसँ वृद्ध-पुरान आ मर्जादवला लोक, जे नरेशकेँ नै बुझा कऽ हमरा बुझा रहल छल आ बुझा की रहल छल, ओइमे रस लऽ रहल छल। ओइ काल रघुनाथक दिमागमे एकटा खुराफाती विचार आएल।

-कक्का- ओ बब्बनक हाथ पकड़ि कऽ कनी अलग लऽ गेल। अहाँसँ एकटा विचार लेब चाहैत रही, कतेक दिनसँ। जखन अहाँ भेटिये गेलहुँ तँ कहू तँ एतै पूछि लै छी।

-बाजू, बाजू।

मन तँ नै बजैबे छी मुदा कखनो-कखनो सोचै छी जे ओइ जमीनकेँ बेच दी।

बब्बन हुनका आश्चर्यसँ देखैत रहल।

-अहाँकेँ पता अछि, कतेक महग अछि ओ जमीन। आबादीक बीचमे। कतेक काजक अछि ओकरा बेचब सोना बेचै सन अछि। आ बेचब किए?

-माथदुखी राखैसँ की फाएदा?

-सेहो तँ ठीक अछि नरेश। मुदा ओकरा नै बेचबाक अछि ओ जे केलक, तकरा कोना बसिने सकै छी?



-તઁ શ્ેર?

-શ્ેર કી? અપ્પન તઁ પ઼એઠ સોચને છી જે ઓકરા નૈ દેવાક અછિ, વાકી તઁ ઘર અછિ, ગામ અછિ, અહાઁ ચાહ્વ તઁ અહી છી। દેખ્ઠ જાએત, કોનો જરૂરી થોડ઼ે અછિ।

વવ્વન કની ગંભીર ભેઠ- આ ઓકર કવ્જાક કી કરવ?

-કવ્જાક કી, ખુટ્ટા અછિ આર કહ્જુ નૈ તઁ જે ઉખાડ઼ કિઙ શ્ેક દેત ઓકરો દઙ સકૈ છી। મૈનેજર સાહ્વ સેહો ખોઠઙ ચાહૈએ વચ્ચા સવહ્ક અંગ્રેજી સ્કૂઠ ઐ રુઠાકામે કત્તૌ। એતઙ ખોઠ ઠશ્રિએ।

-અરે ગામક ઠોક મરિ ગેઠ અછિ જે વાહરી ઠોકકેં દેવ?

-નૈ, એકટા ગપ કહિ રહ્ઠ છી। અપ્પન કહ્જુ તપ઼-તશ્ચસિભ થોડ઼ે અછિ। રઘુનાથ ધીરેસઁ વાજઠ- હમ દાન તઁ નૈ દઙ રહ્ઠ છી કકરો। જખન વ઼ાજવિ આ સહી ભેટત તખને ને।

-અહાઁ તઁ ગામમે શ્રૌજદારી કરા દેવ માસ્ટર- ચતિતિ ભેઠ વવ્વન વાજઠ।

-હમ કી કરવ? જખન ઓ અપને કરૈપર વવ્તિ અછિ તઁ કચિો કી કઙ સકૈત અછિ। રઘુનાથ હુનકર કાન ઠગ મુઁહ ઠઙ જા કઙ વાજઠ- મુદા ઈ ગપ અપને ચરિ રાખ્વ। દુનિયા ભરિકે ઠોક આવૈત રહૈત અછિ અહાઁ ઠગ। કી શ્રાએદા કહ્એસઁ? છૈ કિ નૈ? તઁ ચઠી।

રઘુનાથ ખેત દસિ ઘુરિ ગેઠ। સનેહી દોસર વેર પુછને છઠ જે ગહૂમકેં વખારીમે આસ્ફે રાખિ દિએ યા કાઠ્હિ ભેઠ છોડ઼િ દિએ। શીઠાક કહ્વ છઠ જે રાહૈર આ તોડ઼ી સેહો વઁટિ જાએ તઁ સભકેં વેરા-વેરી રાખિ દેઠ જાએ। રઘુનાથ ઈ નિર્ણય શીઠાપર છોડ઼ઠક આ ઓસારાપર આવિ કિઙ વૈસિ ગેઠ। શીઠ સેહો પાછાઁ-પાછાઁ આએઠ।

-કિએ ભરિ-કેહુન ભરિ-છાવા કઙ રહ્ઠ રહી હુનકાસઁ? સભટા ખુરાશ્રાતક જડ઼િ તઁ વ઼એઠ છથિ।

-અહાઁ ચુપ રહિ કિઙ તમાશા દેખૂ। હમ વડ઼ રાસ મસાઠ દઙ દેઠૈ હુનકા। આવ કાઠ્હિસઁ એતઙ વૈસકી ઠગાએવ શુરૂ કઙ દેત ઠોક।

રઘુનાથક ચેહ્રાપર રાહત આ સંતોષક ચમક છઠ। શીઠ ઉખડ઼ઠ મનસઁ પુછઠક- અહાઁ જમીન વેચૈક ગપ કઙ રહ્ઠ રહી હુનકાસઁ?

રઘુનાથ હઁસઠ- ગપે તઁ કઙ રહ્ઠ રહી, વેચ નૈ રહ્ઠ રહી। વેચવાક નૈ અછિ હિમરા। હમર અપ્પન કમાએઠ ચીજ છેવો નૈ કરાએ જે હમ વેચી। વાપ-દાદા ઠગ હુનકર પુરખાસઁ કોના આએઠ હએત, વ઼એઠ જાનૈત હએત। મુદા ઈ ઠોક નહિયે અપને ચૈનસઁ રહત, નહિયે રહઙ ચાહૈએ, નહિયે રહૈઠ દેત। આવ પ઼એઠ દેખૂ, હમર દોષ કતઙ અછિ? સંજય વિઆહ કેઠક। ઓતઙ કેઠક જતઙ ચાહ્ઠક, જતઙ ઓકરા અપ્પન હિત દેખા પડ઼ૈ। ભવિષ્ય દેખ્ઠક। હમરો નીક નૈ ઠગઠ મુદા ઓકર અપ્પન પસીન આ જિનિગી રહૈ। હમ કી કઙ સકૈત રહી? મુદા તકર સજા મૈનેજર હમરા દેઠક। શ્રાઠૂમે। હમહૂઁ કહ્ઠૈ- ઠીક અછિ ગામપર રહ્વ- સુખ આ શાંતિસઁ। નહિયે ઊચોક ઠેવ, નહિયે માધોકેં દેવ। એક



समए छल जखन खेत-पथारक अतिरिक्त किछु ने छल एतऽ- नहियें अखबार छल, नहियें बिजली छल, नहियें फोन, नहियें टीवी छल। आर सभटा अछि आ अइसनि लोक जे हम टूटा सेहो बेस ककरो आगू हाथ ने पसारै जाइत। रहल गप्प दोसर जाइतक बेल त आर ने काल्हि पेंशन भेटबे करत। तेँ कोन गप्पक चिन्ता। की।

रघुनाथ मुसकुराबैत बाजल दसि देखलक। आ सभ सुख-दुखमे सदखन संग देबाली स्त्री अखन जीवित छलि। ओ हुनका खियेलक आ अपना लग बैसा लेलक। ओ लजाइत हुनका लग बैसल रहलि आ ओ हुनका एकटकसँ देखैत रहल।

- बाजल, ऐ सभ चीजक सहारे जिनगी त काटल जा सकैत अछि, जीअल ने जा सकैत अछि। एकाएक हुनकर आवाज भारी आ उदास भऽ गेल।

- बाजल। अपपन तीनटा बच्चा अछि, मुदा पता नै किए, कखनो-कखनो हमर भीतर एहन हूक उठैत अछि जेना लगैत अछि- हमर स्त्री बाँझ अछि आ हम निपुत्तर छी। माँ आ बाप होइक सुख नै जानली हम। हम सभ नहियें बेटाक बियाह देखली, नहियें बेटीक। नहियें पुतोहु देखली, नहियें होएबला जमाएकेँ। हम एहन अभागल माँ-बाप छी जकरा ओकर बेटा अपपन बियाहक सूचना दैत अछि आ बेटी कहैत अछि जे जँ अनुमति नै देब त नोत नै देब। आ आब अहाँक नजरि अछि नातपर जे ओ सभ साध पूरा कऽ देत।

- नेहाल कऽ देत अहाँकेँ, एहन भ्रम हुअए त निकालि दियौ अपपन दिमागसँ। हमरा पता अछि जे ओ एकरोसँ आगू जा रहल छै। ओ एकटा एहन विधवा लड़कीकेँ तारकि देने अछि जकरा दू बरखक बच्चा छै। एतबे नै, ओ कोनो नीक स्तरसि सेहो करै छै। ओकर पाइसँ ओ दिल्लीमे मौज कऽ रहल अछि। मोटरबाइक लऽ गेल अछि मिस्त्री करबाक लेल। बच्चा पोसब आ मौज करब दू टा काज अछि ओकरा। गेल छल डोनेशनक पाइ लऽ कऽ, आइ धरि पता नै चलल जे एडमिशन लेलक आकि नै।

- अहाँ लोक गप जानैत रहि त कहियो बतौलि किए नै।

- की कऽ लेती अहाँ? की करितिए बता कऽ बाजल, हम जानै छी ओकरा। पढ़ैमे कहियो चुस्त नै रहलै ओकरा। अपपन बापसँ कोन स्वरमे गप करैत अछि एकरा अहाँ देखने छी। ओ शॉर्टकटसँ पैघ लोक बनैल चाहैत अछि। ओकरा लेल पैघ लोकक मतलब अछि धनी लोक। आ सेहो खून-पसीन बहा, बिनु मेहनतिक। ओ महत्वाकांक्षी लड़का अछि मुदा लक्ष्य आ महत्वाकांक्षा बुझैत अछि। ओ बड़ जल्द चीज हासिल करए चाहैत अछि- अनयोक्के बिना पढ़ल-लिखल, बिना नीक नंबर आनल डिग्रीजन आनलक, बिनु प्रतियोगिता देल, बिना खटल आ नौकरी करल। हमरा नै पता जे ओ लड़की ओकरा कोना भेटल। कतऽसँ भेटल। भऽ सकैत अछि जे ओकरा कोनो मद्दक खोज हुअए। एतबे जनैत अछि जे डेढ़ बरख पहिने कोनो सड़क दुर्घटनामे ओकर पति मरि गेल। ओइ लड़कीक अपपन फ्लैट अछि, कार अछि, ऑस्ट्रेलिक जातसँ संगितुर, बैंकक आबैत-जाइत रहैत अछि आ ई ओकर बच्चा सम्हारैत अछि आ घर जोगैत अछि। जेना हम नै जानै छी, तहिना ओ नै जानै छै जे ओकर मनमे की छै, की विचार छै।

- अहाँ ई सभ कोना जानलिऐ।

- ई नै पुछू। नोएडामे हमरो लोक अछि, जे आबैत-जाइत रहैत अछि।

शीला चिंतित भऽ उठल- सबटा दुःख अही बुढ़ापामे देखब लिखल छल की? एकटा बेटा परदेसमे, पता नै कहिया आएत। दोसर एतऽ मुदा ओकरो वएह हाल। मुदा ओकरोसँ धमाप। आ रमेश बापक दोसर मुसीबत। गाम छोड़ब तँ जानि जाएत, नै तँ मारल जाएब। नहियेँ कियो देखएबला अछि, नहियेँ सुनएबला, नै जानि किकर नजरि लागि गेल अछि घरकेँ।

रघुनाथकेँ ओतऽ असगरे छोड़ि कऽ चुपचाप ओ अंदर गेल आ पड़ि रहल।



मई २०१६ (वर्ष ९ मास १०१ अंक २०२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

७

घरमे फोन आब ठीक ठाकाक भऽ गेल छल। तखन रघुनाथ कनेक्शन लेने छल तँ राजूक जिदपर जे संजू अमेरिकासँ तखन गप करऽ चाहत तँ केना करत। कोनो संदेश देबाक हुअए तँ। मौसीकेँ वा मम्मीसँ किछु जनबाक वा पुछबाक हुअए तखन। हमरो कोनो सलाह लेबाक हुअए तखन। चिट्ठी-पत्री आब के लिखैत अछि, ककरा लग एतेक समय अछि आ सगर दीदी सेहो तँ अछि शहरमे, हुनकासँ गप नै करबाक अछि की अहाँकेँ आ मम्मीकेँ। तँ कोनो हालमे जरूरी अछि ई। गाममे सेहो बेसमझ थोड़ लेने अछि लोक।

फोन लगल तँ राजूक लेल। तखन कखनो घरमे रहैत छल, लगल रहैत छल ओकरा, कखनो ए दोस्तक, कखनो ओकर दोस्तक। संजूकेँ तँ लगले नै भेटै छलै। हँ, कखनो-कखनो सगर जरूर भेट जाइ छल। आब तखन राजू बाहर अछि तँ फोन ओहिना बेकार पड़ल रहै छै जना नादि आ खुट्टा वा हर आ जुआ।

तइसँ रातिमे तखन फोनक घंटी बाजल तँ रघुनाथ आ सीता चकित भऽ एक-दोसराकेँ ताकऽ लगला। घंटी बजब तँ बन्न भऽ गेल, ओइमे सँ कनिये उत्साह नै देखेलक। तखन दोसर बेर बाजल तँ रघुनाथ उठल आ रिसीवर उठेलक।

-हैलो।

दोसर दिसिसँ आवाज आएल। चन्द्रिकाक ओकरा। देर धरि सुनैत रहल, फेर सीताकेँ रिसीवर पकड़ा देलक। आ माथपर हाथ राखि चुपचाप बैस गेल।

कनी काल बाद दोसरठाम दिसिसँ कानैक आवाज सुना पड़ल। ओ उठल आ अप्पन बिछौनपर आबि गेल।

रिसीवर राखि कऽ सीता सेहो आएल आ अप्पन बिछौनपर बैसि गेल।

ओ काल्हि आबि रहल छथि अपना सभकेँ लऽ जाइ लेल।

- अहाँकेँ जेबाक अछि तँ जाउ, हमरा नै जेबाक अछि।

बड़ कानि रहल छल। पुछि रहल छल जे हमर कोन एहन गलती अछि जे देखै लेल तँ दूर, अहाँ सभ फोन धरि नै केलौं।

ओ केलक कहियो फोन। हम सपना देखि रहल नहि जे महारानी घुरि आएल अछि अप्पन देश। आकाशवाणी भेल छल हुनकर आगमनक लेल।

-ई तँ नै बाजू। राजू बतौने छल।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

- हम कोनो राजू-ताजूकेँ नै जानै छी। ओ कहि नै कहलक। बापकेँ कऽ सकैत छल ससुरक संगे। ओकरा बजौलक, ज्वाइन करौलक, अशोक बहिन आएल। एतऽ दिनसँ रहि रहल छथि, बीचमे पापा-मम्मी मोन नै पड़ै, आइ मोन पड़ै। ओहिना तँ मोन नै पड़ल हेतै, आएल हएत, कोनो गप हएत जरूर।

कानि-कानि कऽ कहि रहल छल जे हम मम्मी-पापाक बिना नै रहि सकैत छी।

- हूऽ बाजैए। बहटरा रहल छल अहाँकेँ। जानैए कते अपना सबकेँ। नहियेँ कहियो देखने अछि, नहियेँ भेंट अछि तँ ओ कहिने गेलए पापा-मम्मीकेँ। हम तँ जानै नै छी जे हमरो कोनो पुतोहु अछि।

- पुतोहु नै सही, बेटा तँ अछि। नै जानि की सोचत।

- कोन मतलब अछि बेटा-बेटी बहु दुनियाँ। सबहक चिता करै लल हमही छी।

रघुनाथ तमसा गेल।

ओकरा तँ चिता छै जे लोक की कहतै। सासु-ससुर गाममे पड़ल अछि आ पुतोहु नगरमे मजा कऽ रहल छै।

- ई अहाँ कहि रहल छी, अप्पन मोनसँ बुझलिऐ कछु बजाउ नै हमरासँ। रघुनाथ उठल आ आँगनमे टहलऽ लागल।

नीन भागि गेल छल हुनका। ओ कोनो निर्णय नै कऽ पाबि रहल छल। ओ गामसँ सेहो तंग भऽ गेल छल मुदा ओकरा छोड़ऽ नै चाहै छल। मन नगर आ कॉलोनी दिस लागल छलै- जीवनक नव दिस, नव जिनगी दिस, स्वच्छ-सुन्दर पक्का मकान आ अलकतरा छारल सड़क दिस, गंगाक घाट दिस, अनचिन्हार नव संबंध दिस। ई आकर्षण छल मनक मुदा उम्हर जाइमे भऽ रहल छै जे कतौ एना नै हुअए जे पछुआरक जमीन हाथसँ निकलि जाए, बिनु देख-रेखक मकान ढहि जाए, सनेहो चोरी आ बेइमानी शुरू नै कऽ दिए, कतौ लोक सदा लेल गामसँ गेल नै मानि लिअए आ एहन कहबलो तँ कम नै हएत जे गाम छोड़ि कऽ भागि गेल। एकरासँ पैघ जगहँसाइ आर की भऽ सकैत अछि।

ओ आँगनक चक्कर काटैत ओतऽसँ ठाढ़ भऽ गेल जतऽसँ पपैतसँ ऊपर उठैत चन्द्रमा उत्साह दऽ रहल छल। ओ ओकरा देखऽ लागल जेना गाम छोड़बापर स्वर नै उत्साह देत- वा ओकरेसँ पुछि रहल अछि- आ तखन की करबाक चाही।

ई चैत मासक राति छल। दशरथ यादव अप्पन दरवाजाक आगू नव शिव मंदिर बनौने छल। पछिला दस घंटासँ ओतऽ अखंड हरिकीर्तन चलि रहल छल। कीर्तनियाँ मंदिरक बगलमे ठाढ़ नीमक गाछपर लाउडस्पीकर बान्हि देने छल आ समूचा गाम हरे राम, हरे राम सँ दलमलित छल। ई एकरस गूंज ओकर मनकेँ भारी कऽ रहल छलै।

- अहाँ जाउ, हम एतऽ रहब, अप्पन घरमे। सुनलिऐ ओ ऊँच आवाजमे शीलासँ बाजल।



- अहाँकेँ असगरे छोड़ि कऽ नै जाएब नै, पता नै की भऽ जाइत। सीता ओतऽसँ बाजल- आ ऊ घर तँ सेहो अहाँक छी। संजू की कहैत छथि। हम चाहैत छी जे मम्मी-पापाक अंतिम दिन काशीमे बितए। ऐनसँ बितए। जखन समए आएल अछि तँ ना-नुकुर कऽ रहल छी। सोनल दोसर नै अछि, पुतोहु अछि अपन।

- अहाँ, बुझै करि नै छी। सोनल पुतोहु अछि, घर पुतोहुक अछि, अपन नै। कोन औकातिसँ जाएब हम। पाहुन बनि कऽ कनिआदार बनि कऽ कोन औकातिसँ।

ओर दसि ध्यान नै गेलै सीताक। ओ कनी काल अचकचाएल, फेर बाजल- ठीक अछि, हुनकर घर तँ अछि मुदा संजू तँ अछि नै। ओ हमर बेटा अछि। देर-सबेर तँ आबए पड़त ओकरा। नाजूकेँ बुझह नै कहै छथि जे पापा-मम्मीकेँ पठा दियौ। आ सोचू जे पुतोहुक घर की हमर नै अछि?

रघुनाथ चुप रहल। किछु नै बाजल।

-देखू, अपना सभ चलू। रहल नै जे घरकेँ छोड़ि कऽ जा रहल छी। कहियो घुरि आएब ऐमे। जखन परेशानी हएत तँ आबि जाएब। पेटीक जमिमा तँ सुनेहीकेँ देने छी। रहि गेल घर तँ दस बरिसा पैत आर दऽ दै छी गनपतकेँ। कमरा बंद कऽ देबालाक ताला ओकरा दऽ दियौ। सास्त्र-सस्तैयत आ देखभाल करैत रहत।

सीताक गपमे दम उत्साह देलक रघुनाथकेँ। हुनका चारि दिनि बाद जेबाक छल पेंशनक काजसँ। दकितत केलक ई छल जे गनपत मठिजापुर गेल छल अपन बेटा लग।

तँ एहन करू सीता, अहाँ तँ सोनल लग काएहि चलि जाउ। हम एतुक्का व्यवस्था कऽ पाँचम दिनि पहुँचब। पेंशन ऑफिसमे अपपन काज निपटा कऽ सोहे अशोक नगर आबि जाएत। कोनो जरूरी गप हुअए तँ फोनपर खबर कऽ देब। अरे हँ, फोनक कनेक्शन सेहो तँ कटाबए पड़त। छोड़ू, अहाँ अपन तैयार करू, गहना, चाउर, दालि, घी, अचार। कनी-बेसी जे लऽ जा सकब, लऽ लेब।

८

रघुनाथ जाएत पाँच दिनि मुदा लागि गेल पचास दिनि।

ओइमे ओकर कोनो दोष नै छल। सोचने छल जे जखैन जेबाके अछि तँ एतुक्का सभटा समस्या सुलझा कऽ गेल जाए, ई नै हुअए जे रही ओतऽ आ मन लागल रहए एतए।

बड़ रास सोचि-विचार कऽ ओ फैसला लेलक जे नूकल पेंशन हुअए वा आवादीक जमीन, जखन अही दुनूक जड़िमे मैनेजर अछि तँ हुनकासँ एक बेर भेँट कऽ ऐमे की हाल अछि। जौं एतबे टा सँ हुनकर ईगो तुष्ट हएत तँ कहएमे की खराबी अछि। आर जे किछु छी, अहीक कारण छी, नोकरी नै देने हेतथि तँ जानि कितऽ हेतथि। जखन बनैल छथि तँ बिगाड़ि नै करथि।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

आब स्थिति सेहो बदलि गेल छल। मैनेजरक बेटाक बियाह भऽ गेल छल बनमंत्रीक ठिकेदारक बेटासँ। ओ पड़ोसी जिलाक छल। मैनेजरसँ ऊँच स्टेटसबला। आब रघुनाथसँ शिकाइतक कोनो कारण सेहो नै रहि गेल छल। ओ मिठाइक पैकेट आ सेब, संतोला आ अंगूरक संग पहुँचल तँ मैनेजर, जकरा लोक सरकार बजैत छल, नीक मूडमे छल। रघुनाथकेँ देखैत ओ चुहुल करैत बाजल- मास्टर। अहाँक स्वास्थ्य देखि कऽ लगैत अछि, जे शुगरसँ दरमाहा नै लऽ कऽ पेंशन लेबाक चाही छल। जवानी तँ आब आएल अछि अहाँपर।

- सरकार- रघुनाथक मुँहसँ निकलल आ ओ कानऽ लगलखिन।

- की। की भेल? आइ धरि नो-ड्यूज क्लियर तक नै भेल की?

मैनेजर चौंकि कऽ पुछलक आ प्रिंसिपलकेँ फोन केलक। फोन बाजल- जाउ, चिन्ता नै करू। भऽ जाएत। आर किछु?

रघुनाथ नरेश आ बब्बन सहित सभटा किस्सा बतौलक। ओ चुपचाप सुनैत रहल। कनी काल बाद ओ बाजल- जखन ई अहाँक घरक छल तँ बटाइ करि देलिऐ। गलती तँ अहूँक अछि।

रघुनाथ किछु नै बाजल। हुनका ई बात ठीक नै लागल जे बाहरक लोककेँ तँ कखनो हटाएल वा भगाएल जा सकैत अछि मुदा हुनका मुश्किल हएत। ओ एतबे टा बाजल- हँ, गलती तँ भऽ गेल। आब किछु केलो नै जा सकैत अछि।

- अहाँ समस्या ठाढ़ करैत रहू आ हम निपटारा करैत रही, यएह ने।

मैनेजर एस.डी.एम.केँ फोन केलक आ इशारासँ किछु बुझेलक।

रघुनाथ ओइ काल माथ झुकेने बैसल रहल।

- आब कोन सोचमे छी। जाउ आ बब्बन सहितकेँ पठा देब।

ओ उठल आ बाथरूममे चलि गेल। जाइत-जाइत कहलक- भऽ सकैत अछि एस.डी.एम. ऑफिस दौड़ए पड़ए एकाध बेर। दौड़ाएब आ अहाँसँ किछु बाजए तँ हुनका आगू बड़ सिद्धांतवादी बनैक जरूरत नै अछि। सबहक किछु ने किछु मजबूरी होइत अछि। ठीक।

बीस-पच्चीस दिनक दौड़-धूपक बाद एक दिन एस.डी.एम. दूटा सिपाही आ लेखपालक संग आएल- जरीब आ गामक नक्शा लऽ कऽ आ सबहक आगू जमीनक पैमाइश केलक। ऐबेर जमीनक ओ हिस्सा सेहो रघुनाथक हकमे निकलल जे नरेशक घर-दुआर छल। एकर मतलब ई भेल जे रघुनाथ चाहए तँ नरेशक घर-दुआर गिरा दिअए वा रहए दिअए आ ओतेक जमीनक दाम वसूलि लिअ।

ओकरा रघुनाथक भलमनसाहत पर छोड़ि देल गेल।

ई हुनकर बड़ पैघ सफलता छल- निश्चिंती सेहो। पापड़ तँ बड़ बेलने छल मुदा सम्मान घुरि एलै। आब ओ बनारस जा सकैत छल मास- दू मासक लेल। मुदा जौं मन लागि गेलै तँ संदेश आ फोना-फोनीसँ काज चलि जेतै।

શ્રો ળાર્ક ગૈયાગી શુરૂ ક૬ દેઉક શ્રા ગૈયાગી કી કન્વાક છઉ। ન્રાશન ઉેઉક। દૂ ટા છોટ-છોટ વોનામે શ્રઉગ્ગ-શ્રઉગ્ગ શ્રઉૂ શ્રા પયિાળુ છઉે। યાન વિળેક વસ ઉેઉ ગૈયાગી ક૬ નહઉ છઉ ળપ્પન વાહનમે ડૉંટ ડપટકિ શ્રાવાળ સુનાર દેઉકૈ।

નકિઉઉ ગૅ દેપ્પઉક- ળયનાનાયામ્મ માને ળગ્ગાગ। વડ઼ ઉપ્પડ઼ઉ છઉ શ્રા નૂસઉ। હુનકન એક હાથમે કઉૂક કાન છઉ શ્રા દોસનમે દૂ ટા શ્રયપકૂ શ્રામ। ડનઉ કઉૂકૈં પકડ઼િ ક૬ સનેહીક હોપડ઼ાક શ્રાગૂ ઠાઢ઼ છઉ- સનેહી, સનેહિયા ગે।

ભીગનસૅં સનેહીક સ્ગ્ની નકિઉઉ- કી શ્રછિ ભાઉકિ?

શ્રો હપટિ ક૬ કઉૂકૈં પ્યિઉક, દૂ થાપડ઼ શ્રેન મુક્કા માગૈન શ્રા યકયિાવૈન ભીગન ડેઉ દેઉક। શ્રો કાગૈન ભીગન યઉ ગેઉ।

મામઉ વુહૈન દેન નૈ ઉગ્ગઉે નઘુનાથકૈં। ઘનેનમે સવહક દનવાળાક શ્રાગૂ ભીમક ગાછ શ્રછિ, શ્રસગાને વડ઼ દ ટા શ્રછિ ળકન દનવાળાક શ્રાગૂ શ્રામક ગાછ શ્રછિ। ટકિુઉ ઉગ્ગૈસૅં ઉ૬ ક૬ શ્રોકના પાકૈ યનિ, ળકન ભૌવગિ શાસ્ગે કહયિો શ્રાવૈત છઉ। ઘનાનાક છૌડ઼ા સભ હાથમે ઢેઉ લુકા શ્રોકન યૂ દસિ ઘુમૈત નહે છઉ શ્રા ળગ્ગાગ ગાયગિ શ્રોકન ભીયૉં પ્પાટ નાપ્પિ ક૬ પડ઼ઉ નહૈત છઉ ળાયગિ ગિનમી વન્દાશ્ત હોર ળોગ નહૈત છઉ। દન-દયિાદ ભગિ કૈં ક૬ યટની, શ્રયાનક કાળ હુનકન ઉપ્પ પ્નયાસક વાદો શ્રોકનેસૅં યઉૈત છઉ। સ્નહનસૅં ઢેઉ યઉૈત છઉ, ઉમ્હન ળગ્ગાગ પકડૈક ઘાગમે નહૈત છઉ। એક ક૬ પકડૈત શ્રછિ, ગીગ ટાક ભોકા ભેટ ળાશ્ત શ્રછિ। હુનકન શ્રા છૌડ઼ા સવહક વ્યસ્ગગા કહયિો-કહયિો ડેઢ઼-દૂ માસ યનિ યઉ ળાર છઉ।

- શ્રાઉ, શ્રાઉ ળગ્ગાગ। હમનાસૅં કહૂ કી ગપ શ્રછિ।

- કાકી શ્રછિ શ્રાકગિ, શ્રાવદ ગૅ શ્રાવી શ્રહૉં કગદ।

- શ્રાઉ, વૈસૂ ગૅ સહી। શ્રો ળગ્ગાગક શ્રાગૂ પ્પટયિાપન વૈસૈ ઉેઉ સ્શાના કેઉક શ્રા શોન પાડ઼ઉક હોપડ઼ીક શ્રાગૂ ઠાઢ઼ સનેહીક સ્ગ્નીકૈં।

- ળગ્ગાગકૈં સગુદ ઘોનિ ક૬ પયિાવયિો। સુનાહીક પાગમિ વનાએવ।

ળગ્ગાગ કની સ્થગિ ભેઉ શ્રા વૈસિ ગેઉ। શ્રેન શ્રપ્પન ઉગ્ગીક શ્રૉંડ઼સૅં ગમાકુઉક ડવ્વિા વહાન કેઉક શ્રા મડ઼િદ ઉગ્ગઉ। વાળઉ- માસ્ટન કક્કા, શ્રહૉં ઈ વડ઼ પૈઘ ગ્ગઉગી ક૬ દેઉૌ। કોસ્ની-કહાનકૈં શ્રપ્પન વીયમે વસા ક૬ શ્રહૉં વડ઼ પૈઘ ગ્ગઉગી કેઉૌ।

- ઐમે ગ્ગઉગી કી શ્રછિ?

- શ્રને, શ્રહૉંકૈં ઉપ્પાહ નૈ દૈગ શ્રછિ। શ્રહી વાટ દેને હમ દગિ-નાગિ શ્રાવૈ-ળાર છી। ઈ વૈસઉ ગૅ વૈસઉ શ્રછિ, પટાયઉ શ્રછિ ગૅ પટાયઉ શ્રછિ। પૈઘ ઉગ્ગાક વીય નહૈક સઉન નૈ છૈ। શ્રા હનિકન વેટા।



𑒥𑒲𑒔𑒹 𑒧𑒹 𑒩𑒒𑒳𑒢𑒰𑒟 𑒙𑒼𑒏𑒱 𑒠𑒹𑒪𑒏- 𑒠𑒹𑒐𑒴 𑒦𑒑𑒫𑒰𑒢, 𑒮𑓂𑒫𑒰𑒩𑓂𑒟𑒏 𑒑𑒣 𑒁𑒕𑒱। 𑒮𑒧𑒻-𑒏𑒰𑒪 𑒥𑒛𑓃 𑒥𑒠𑒪𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒂𑒩 𑒧𑒰𑒢𑒮𑒱𑒏 𑒩𑒴𑒣𑒮𑒿 𑒫𑒱𑒏𑒪𑒰𑓀𑒑𑒹 𑒋𑒯𑒢 𑒑𑒣 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒏𑒼𑒢 𑒑𑒣𑒏 𑒣𑒻𑒒 𑒕𑒲 𑒁𑒯𑒰𑒿। 𑒣𑒳𑒩𑒐𑒰, 𑒖𑒧𑒲𑒢 𑒂 𑒖𑒰𑒞𑒱𑒏 𑒦𑒩𑒼𑒮𑒰। 𑒕𑒥𑓂𑒥𑒴𑒏 𑒯𑒞𑓂𑒨𑒰𑒏 𑒥𑒰𑒠𑒼 𑒃 𑒦𑓂𑒩𑒧 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒿 𑒩𑒰𑒐𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒴। 𑒣𑒕𑒱𑒪𑒰 𑒠𑒱𑒢 𑒁𑒯𑒴𑒿 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒐𑒹𑒞 𑒥𑒹𑒔𑒪𑒱𑒌। 𑒚𑒏𑒳𑒩𑒧𑒹 𑒮𑒿 𑒏𑒱𑒨𑒼 𑒏𑒱𑒋 𑒢𑒻 𑒏𑒢𑒱𑒪𑒏। 𑒏𑒢𑒱𑒪𑒏 𑒞𑒿 𑒂𑒐𑒱 𑒖𑒮𑒫𑓀𑒞𑒹। 𑒂𑒃𑒨𑒼 𑒯𑒧𑓂𑒧𑒩 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒐𑒹𑒞𑒲 𑒍𑒏𑒩𑒹 𑒦𑒩𑒼𑒮𑒹 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱, 𑒙𑓂𑒩𑒻𑒏𑓂𑒙𑒩 𑒍𑒏𑒩𑒹 𑒪𑒑 𑒁𑒕𑒱, 𑒙𑒏𑒰 𑒍𑒏𑒩𑒹 𑒪𑒑 𑒁𑒕𑒱। 𑒫𑒱𑒡𑒰𑒨𑒏 𑒍𑒏𑒩𑒹 𑒁𑒕𑒱, 𑒮𑒰𑓀𑒮𑒠 𑒍𑒏𑒩𑒹 𑒁𑒕𑒱, 𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩 𑒍𑒏𑒩𑒹 𑒁𑒕𑒱, 𑒍𑒏𑒰𑒃𑒞𑒼 𑒍𑒏𑒩𑒹 𑒪𑒑 𑒁𑒕𑒱, 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒏𑒰𑒖𑒏 𑒪𑒹𑒪 𑒣𑒻𑒩𑒫𑒲 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒿 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒍𑒏𑒩𑒹 𑒪𑒑 𑒖𑒰𑒃 𑒕𑒲, 𑒞𑒏𑒩 𑒥𑒰𑒠𑒼 𑒣𑒻𑒒 𑒪𑒼𑒏 𑒕𑒲 𑒁𑒯𑒰𑒿। 𑒋𑒯𑒢 𑒑𑒪𑒞𑒤𑒯𑒧𑒲 𑒣𑒼𑒮𑒥𑒰𑒏 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒿 𑒣𑒼𑒮𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒴। 𑒯𑒿, 𑒃 𑒖𑒩𑒴𑒩 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒍 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒑𑒰𑒧𑒏 𑒁𑒕𑒱, 𑒣𑒩𑒰𑒨𑒰 𑒁𑒕𑒱, 𑒁𑒡𑒱𑒨𑒰 𑒠𑒹𑒥𑒰𑒏𑒹 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒿 𑒍𑒏𑒩 𑒥𑒠𑒪𑒰 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢𑒏𑒹𑒿 𑒠𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒔𑒰𑒯𑒲 𑒕𑒪। 𑒂𑒥 𑒁𑒯𑒲 𑒥𑒞𑒰𑒥𑒱𑒨𑒾, 𑒏𑒹 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒏𑒩𑒰 𑒠𑒻𑒞𑒱𑒌।

𑒦𑒑𑒫𑒰𑒢 𑒑𑒳𑒧𑓂𑒧 𑒩𑒯𑒱 𑒑𑒹𑒪। 𑒩𑒒𑒳𑒢𑒰𑒟 𑒮𑒦𑒮𑒿 𑒪𑒑𑒏 𑒣𑒛𑓃𑒼𑒮𑒲 𑒕𑒪। 𑒢𑒩𑒹𑒬 𑒍𑒏𑒩𑒹 𑒦𑒰𑒃𑒏 𑒥𑒹𑒙𑒰, 𑒖𑒏𑒩 𑒢𑒖𑒩𑒱 𑒥𑒩𑒰𑒥𑒩 𑒣𑒕𑒳𑒂𑒩𑒥𑒪𑒰 𑒖𑒧𑒲𑒢𑒣𑒩 𑒕𑒻।

𑒏𑒢𑒲 𑒏𑒰𑒪 𑒃𑓀𑒞𑒖𑒰𑒩𑒲𑒏 𑒥𑒰𑒠 𑒩𑒒𑒳𑒢𑒰𑒟 𑒥𑒰𑒖𑒪- 𑒠𑒹𑒐𑒴 𑒦𑒑𑒫𑒰𑒢, 𑒣𑒩𑒰𑒨𑒰𑒧𑒹 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒦𑒹𑒙 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢𑒧𑒹 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒢𑒻 𑒦𑒹𑒙𑒻𑒋। 𑒋𑒯𑒢 𑒢𑒻 𑒕𑒪 𑒖𑒹 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒢𑒻 𑒕𑒪। 𑒕𑒪 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒞𑒐𑒻𑒢 𑒖𑒐𑒻𑒢 𑒮𑒧𑒰𑒖 𑒕𑒪, 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩 𑒕𑒪, 𑒮𑒩-𑒮𑒧𑒰𑒖 𑒕𑒪, 𑒖𑒐𑒢 𑒦𑒰𑒫𑒢𑒰 𑒕𑒪। 𑒦𑒰𑒫𑒢𑒰 𑒋𑒯𑒢 𑒕𑒪 𑒖𑒹 𑒃 𑒦𑒰𑒃 𑒕𑒲, 𑒃 𑒦𑒰𑒞𑒱𑒖 𑒕𑒲, 𑒦𑒞𑒲𑒖𑒲 𑒕𑒲, 𑒃 𑒏𑒏𑓂𑒏𑒰 𑒕𑒲, 𑒃 𑒏𑒰𑒏𑒲 𑒕𑒲, 𑒃 𑒣𑒲𑒮𑒲 𑒕𑒲, 𑒦𑒾𑒖𑒲 𑒕𑒲। 𑒦𑒰𑒫𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒏𑒧𑒲 𑒯𑒼𑒃 𑒕𑒪 𑒞𑒿 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒣𑒴𑒩𑒰 𑒏𑓄 𑒠𑒻𑒞 𑒕𑒪 𑒪𑒼𑒏 𑒪𑒰𑒖𑒏 𑒏𑒰𑒩𑒝𑒹𑒿। 𑒢𑒻 𑒞𑒿 𑒋𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒪𑒼𑒏 𑒏𑒲 𑒏𑒯𑒞। 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒦𑒰𑒫𑒢𑒰 𑒕𑒪, 𑒑𑒰𑒧𑒞𑒱 𑒢𑒻, 𑒪𑒹𑒢-𑒠𑒹𑒢 𑒢𑒻। 𑒌𑒥𑒲𑒔 𑒮𑒞𑓂𑒞𑒴𑒏 𑒒𑒼𑒩 𑒠𑓄 𑒏𑓄 𑒑𑒹𑒪 𑒮𑒢𑒹𑒯𑒲𑒏 𑒮𑓀𑒞𑒞𑒲, 𑒩𑒒𑒳𑒢𑒰𑒟 𑒔𑒳𑒣 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪। 𑒍𑒏𑒩 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒏 𑒥𑒰𑒠 𑒮𑒹𑒩 𑒮𑒳𑒢𑒴 𑒏𑒹𑒪𑒏- 𑒂𑒥 𑒁𑒯𑒲 𑒏𑒯𑒴, 𑒢𑒩𑒹𑒬𑒮𑒿 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒏𑒹 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒕𑒪। 𑒮𑒼𑒔𑒢𑒹 𑒕𑒪, 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒠𑓄 𑒏𑓄 𑒢𑒱𑒬𑓂𑒔𑒱𑒢𑓂𑒞 𑒦𑓄 𑒖𑒰𑒋𑒥। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒍𑒏𑒩 𑒢𑒹𑒞𑒣𑒩 𑒬𑒏 𑒕𑒪, 𑒥𑒛𑓃𑒲 𑒏𑒰𑒪 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹𑒮𑒿। 𑒂 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒢𑒻 𑒠𑓄 𑒏𑓄 𑒢𑒲𑒏 𑒏𑒩𑒪𑒱𑒌। 𑒢𑒻 𑒞𑒿 𑒮𑒹 𑒠𑒱𑒢 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒁𑒥𑒱𑒞𑒱𑒌 𑒖𑒐𑒢 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒐𑒹𑒞 𑒏𑒲, 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒍 𑒒𑒳𑒮𑒻 𑒢𑒻 𑒠𑒻𑒞𑒱𑒌। 𑒂 𑒏𑒯𑒻𑒏 𑒖𑒩𑒴𑒩𑒞 𑒢𑒻 𑒖𑒹 𑒍𑒃 𑒏𑒰𑒪 𑒁𑒯𑒴𑒿 𑒯𑒧𑒩 𑒢𑒻, 𑒍𑒏𑒩 𑒮𑓀𑒑 𑒠𑒻𑒞𑒱𑒌। 𑒯𑒿, 𑒮𑒢𑒹𑒯𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒯𑒧 𑒖𑒰𑒢𑒻 𑒕𑒲। 𑒍 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒏𑒰𑒖𑒮𑒿 𑒏𑒰𑒖 𑒩𑒰𑒐𑒋𑒥𑒪𑒰 𑒪𑒼𑒏 𑒁𑒕𑒱। 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒂𑒩 𑒏𑒏𑒩𑒼 𑒬𑒏𑒱𑒨𑒰𑒃𑒞 𑒯𑒳𑒁𑒋 𑒞𑒿 𑒥𑒞𑒰𑒋𑒥। 𑒧𑒾𑒏𑒹 𑒢𑒻 𑒠𑒹𑒞, 𑒥𑒞𑒰𑒋𑒥 𑒏𑒲?


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

तीन

१

ओ घर, ओकरा गाँधीक प्रोफेसर राजीव सक्सेना रिटायर भेलाक बाद अपना रहै लल बनारसमे बनबैने छल आ ओकरा अप्पन बेटी सोनलक नाम कऽ देने छल, ओ अशोक विहारमे छल।

बनारसमे मोहल्ला छल, विहार आ कॉलोनी नै। एकर निर्माण शुरू भेल १९८०-९० क आसपास ओखैन पूर्वांचल आ बिहारक भू-माफिया आ बाहुबलीक उदय भेल। ओ नगरक दक्षिण, पच्छिम आ उत्तर दिस बसल गामकेँ किनलक आ ओकर प्लाटिंग कऽ बेचब शुरू कऽ देलक। देखैत-देखैत १५-२० बरखक भीतर गामक अस्तित्व खतम भऽ गेल आ ओइ ठाम नव-नव नामक संग नगर, कॉलोनी आ विहार बसि गेल।

ई नव बनारस छल- महानगर सन।

  मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

મોહલ્લામે નહએવલા મોહલ્લેમે નહલા અપ્પન પુનપ્પાક કાળ-યંયા, દોકાન, નોળગાન આ ઘાટક સંગા મુદા એ કૉલોનીમે વસડ્વલા વેસી લોક નવ નાગનકિ છલા

આ વાહનસઁ આએલ છલા અગલ-વગલક ળણિસઁા સૌ-પયાસ કમિ઼ દૂનસઁા હુનકન લગેમે ગામ છલ, થોડ઼-વેસ ળમીન છલ, ખેતી-વાની છલા હુનકા સમએ-સમએપન વનાનસ આવઽ પડૈત છલ-કહિયો કોનટ કચહનીક કાળસઁ, કહિયો અસ્પતાલક કાળસઁ, કહિયો તીર્થ-વત્ત લેલ, કહિયો શાદી-વિયાહક ખનીદાની લેલ, કહિયો નેના સવહક એડમિશન આ પઢ઼ાઇ કનૈક લેલા વેન-વેન આવિ કઽ ઘુનએસઁ નીક છલ ળે એતઽ ડહનૈક આ નુકૈક એકટા સ્થાઇ ડામ હુઅએ, એકટા ડેના હુઅએ

મુદા ઈ ઓકના સભ લેલ સંભવ છલ ળકના લગ અપ્પન કોનો છોટ-મોટ નોકની અછિ, આ ઓકના લેલ ળકન વેટા સભમે સઁ કમસઁ કમ એકટા વાહન કમા નહલ હુઅએ ળકન નેના સભ ગામમે વોન હોઇત હુઅએ આ ઓતઽ નૈ નહએ ચાહૈત હુઅએ, નગનક આદતિ લગિ ગેલ હોઇ આ અપ્પન હિતિ ઉમહને દેખઽ ચાહૈત હુઅએ

મુદા ગામમે ઓઇમે સઁ કછુ પહુઁચિ નહલ છલ કની-કની, ળે નગનમે છલ- વળિળી સેહો, નલ સેહો, શ્રુતિ સેહો, શોન સેહો, ટીવી સેહો, અખ્ખવાન સેહો મુદા આ મળા નૈ છલ ળે નગનમે છલા મળા છલ તઁ ઓકના લેલ ળકના લગ ટ્રૈક્ટન છલ, થ્રેશન છલ, પંપિંગ સેટ છલ, વોલેનો આ સસ્તાની છલ, ળે ખેતીક પેટક લેલ નૈ, વ્યવસાય લેલ કઽ નહલ છલ, ળે એક નૈ, એક્કે સંગ સભ નાળનીતિ પાન્ટીક હિતૈશી આ મદતિ કેનહાન છલા

એહન લોકક કૉલોની સેહો દોસન છલ- નમહન-ચૌડ઼ગાન પ્લાટવલા

મુદા અશોક વહિન હુનકન કૉલોની છલ ળે અધ્યાપક છલ, વાવૂ છલ, દોસન શ્રેણીક સનકાની, ગૈન-સનકાની કનમચાની છલ આ એકનોસઁ ખાસ ગપ ઈ છલૈ ળે યા તઁ નટિયન ભઽ ચુકલ છલ યા નિકટ ભવિષ્યમે નટિયન હોઇવલા છલા

નૈ તઁ અખ્ખવાનમે કોનો વિજ્ઞાપન, નૈ કોનો ચૌકપન એ લઽ કઽ કોનો હોનડિંગ ળે એ કૉલોનીક પ્લાટ હુનકે વેચલ ળાએત ળે પયાસ-પચપનક ઊપન હએત આ ળલ્દિયે નટિયન હએતા મુદા ળાનિ નૈ કોના ભેલ ળે ળખ્ખન કૉલોની તૈયાન ભેલ તઁ ભેલ ળે ઈ વૃદ્ધક કૉલોની છીા એહન વૃદ્ધ-વૃદ્ધીક ળનિકન વેટા-વેટી અપ્પન સ્ત્રી આ નેના સવહક સંગ પનદેસમે નોકની કઽ નહલ અછિ-કિયો કોલકાતામે અછિ, તઁ કિયો દિલ્લી, કિયો મુંવઇ તઁ કિયો વેંગલૌન તઁ કોનો નાસ તઁ વિદેશમે

હુનકન દુખ્ખ અપનમ્પાન છલા ઓ વેટા-વેટી લેલ અપ્પન ગામ છોડ઼િ દેને છલ, અપ્પન ળન્મભૂમિકેઁ ઈ અપના લેલ તઁ ડીક, ચાહે ળના નહિ લિઅએ, મુદા હુનકા લેલ નૈ નહિયે વળિળી, નહિયે પાનિ, નહિયે લખ્ખાઇ-પઢ઼ાઇ, નહિયે આવૈ-ળાઇક સુવિધા ઘન હુઅએ તઁ એહન ડામ ળતઽસઁ ખેતી-વાનીપન સેહો નળનિ નાખ્ખલ ળા સકએ આ વેટા-વેટીકેઁ સેહો અસુવિધા નૈ હુઅએ ઓ અપ્પન ડામ ળમીન, સંવંધ, સંગી-સાથી, વાગ-વગૈયા, ડ્વના-પોખ્ખનિ છોડ઼િ કઽ ળઇ સંતાન લેલ આએલ, વએહ વાહન અછિ એતઽ ચનિ તઁ ડીક છલ, મુદા આવ હલાત ઈ અછિ ળે ળતઽ સન્વાસિ કઽ નહલ



अछि, ओ ओर नगरमे नमगोल अछि आ ओतऽसँ घुमि कऽ एतऽ नै आबऽ चाहैत अछि। जौं ओ आबए चाहैत छल तँ हुनकर बच्चा सभ नै आबए चाहैत अछि।

ठीक, ई नव आस्था।

जकरा लेल घर छोड़लौं ओकरे अप्पन अलग घर।

ई नव आस्था हुनका जखनि नै दऽ रहल अछि, तहियो मनैये दऽ रहल अछि। गामपर दादा-पुरखाक जमीन-जेदाद। बाप-दादाक धरोहर नै देखू तँ कप्पैन दोसर कब्जा कऽ लेत कहब मुश्किल। पुरखा सभ तँ एक-एक कौड़ी बचा कऽ, पेट काटि कऽ, जोड़ि-जोड़ि कऽ जेना-तेना जमीन बढ़ेने छल। चारि कऽ पाँच केने छल, तीन नै हुअए देलक आ तँए ई हाल अछि। कनीटा रहल-उबरल लेल तँ आड़ि गाएब। महिना-दू महिनामे कमसँ कम एक बेर गामक चक्कर लगाबैत छल। देख ठीक लोक, जे नै अछि ध्यान राखए हाल चाल लैत छेम-कुशल-मंगल पुछैत। दुख-सुखमे जाइत, सभसँ बना कऽ राखू। अधिया या बँटाइपर खेती लगने कनू। दियाबाती वा घर दुआरक देख-रेख लेल कोनो नौकर-चाकर राखू लगनो।

हुनकर बेटाक बेनपन गाममे बीतल छल। नगरमे पढ़ैत काल सेहो ओ आइत-जाइत रहल छल गाममे। ओ खेती भले नै केलक हुअए मुदा हुनका ई पता छल जे हुनकर खेत-पथार कोन छै, बाधक, गाछमक, दखिनक। हुनका थोड़-बहुत जानकारी छल। खेत-चूरी वा कौतुहलमे बाप-कक्का संग नहि कऽ ओ अगोर केने छल, रोपनी-कटौनी सेहो देखने छल। लोक सेहो जानैत छल जे ई स्वर्गीक बेटा या नाति अछि। गाम घरसँ माया-मोह लेल एतबे कम नै छल मुदा हुनकर बच्चा। ओ तँ दादा-दादीकेँ छोड़ि कऽ चिन्है ककरा छल? आ दादा-दादीकेँ सेहो चिन्है कतऽ छल। चीत। ओकरा होइ छै जकरासँ मोह होइ छै, प्रेम होइ छै। परिचए आ संबंध नै तकर की चीत। खेत सेहो ओकरे चिन्हैत अछि जे ओकरा संग जमित-मरैत अछि। ओ खेतकेँ की चिन्हत, खेते हुनका चिन्हएसँ मना कऽ दैत अछि।

ई सभटा गप बेटा सबहक नजरिमे बूढ़क बाँसब छल। अहाँ माटिमे पैदा लेलौं आ एक दिन ओइ माटिमे मिलि जाएब। कहियो ओइसँ छूटैक वा ऊपर उठैक वा आगू बढ़ैक गप अहाँक दिमागमे नै आएल, किएक ओइमे गोबर नै माटि छल। की कऽ लेलौं खेती कऽ कए अहाँ। कोन युद्ध जीत लेलौं। खाद महग, बीज महग, नहरमे पानि नै, मौसमक भरोस नै, बड़द नै रहल, भाड़ापर ट्रैक्टर समएपर भेटए नै। हरवाह आ मजूर रहल नै। ककर भरोसे खेती करू आ खेती सेहो तखन करू जखन हाथमे बाहरसँ चारि पैसा आबए। की फाएदा एहन खेतीसँ।

असल चीज पैसा अछि। जौं हाथमे पैसा हुअए तँ ओ सभटा जिनिस बिना किछु केने बजारमे भेट जाइत अछि, जकरा लेल अहाँ राति-दिनि खून-पसीना एक करैत छी। बिना किछु केने, बिना किछु करने।

सभटा गप आ सभटा झगड़ा बेटासँ चलि रहल छल, गामकेँ लऽ कऽ मुदा आब नव आस्था। अशोक बहिनक मकानक की हएत। ओ जतऽ अछि, ओतऽसँ आबऽ नै चाहैत अछि।

અછિ તેઁ ઈ ળે હુનકાસઁ ગામ તેઁ છૂટયિ ન્હ૭ અછિ, અશોક વહિાન સેહો ને છૂટ ળિાએ।

२

અશોક વહિાનક ભેન નંવન ૪ ક ડીૂ મે અમેનકિાસઁ આએ૭ સોનહ સક્સેના નઘુવંશી, તીન વનખ વાદ।

હુનકન ઉડી આએ૭ છ૭ સોનહકેઁ સૈટ્નોસઁ પહુઁચાવૈ આ વસ્વિવદ્યાિલય ળવાઝન કનાવૈ ભ૭। ળાવે ટા નૈ, હસ્તા મનાિ નહિ કિ સમ ચીળ ઠીક-ઠાક કેલક, ઓકના સળેલક-ચળેલક, મોન-સાઁહ્ વેટીકેઁ ચાહ પળિલક, ઓકન દનિયનિયા નાન્યિાનાિ કેલક આ વદિા હોઝસઁ પહનિ ઓકના સભાહ દેલક। સંળૂક મમ્મી-પાપાકેઁ વળા ભશ્રિ, ઓ કાળ આએના ઘન સેહો દેખત આ અહાઁકેઁ મદતાિ સેહો કનત।

ચએહ વાળ૭ છ૭ સંળચ સેહો અમેનકિાસઁ વદિા કનૈત કાભ।

- હમ દુનૂ ભાઁચ વાહને છી, મમ્મી-પાપા ગામમે અસગાને અછિ। એ ઉમેનમે હુનકા સહાનાક ળનૂનત અછિ, હુનકા સંગે નાખવ।

ઈ પહલિુક નાતા છ૭ ળખન ઓ ઘનમે અસગાને છ૭। દેન નાતાિ ધનિ ધનિ આ અપ્પન વેડનૂમમે સંગીત સુનૈત ન્હ૭। એક કૈસેટક વાદ દોસન કૈસેટ। શાસ્ત્નીયસઁ મોન મનાતિ િતેઁ અન્યશાસ્ત્નીય, ઓઝસઁ મોન મનાતિ િતેઁ શ્વમિી ગાના। પઢૈત નહતિ,િ સુનૈત નહતાિ વન્તી મહિા કિ સુનવાક આદતાિ છૈ। વેડનૂમકેઁ છોડ઼િ કિ આન કોઠીક વન્તી વનૈત છોડ઼િ દેલક આ પટા ગેલ।

સુન-સન્નાટાક સેહો આવાળ હોઝત અછિ આ સે નીક કમ, મચૌન વેસી હોઝત અછિ। ળાવે ટા નૈ। ઈ આવાળ સુનાઝયે ટા નૈ, ભખાહ સેહો દિ ન્હ૭ છ૭। હુનકન ઘનક આગૂ પાનક છ૭- વડ઼ પૈઘ। પૂના મોહલ્લા ચા કહચિૌ કૉલોનીક। ળખનસઁ આએ૭ છ૭, તખનેસઁ મોન-સાઁહ્ દેખાિ ન્હ૭ છ૭। ઓ તીન વનખસઁ એહન દુનયિામે નહિ કિ આએ૭ છ૭ ળતિ અન્હાન નૈ હોઝ છ૭। ળતિ વૂઢ નૈ નહૈ છ૭। ળતિ સભટા ચીળ દૌડૈત-ભાગૈત ઉછલૈત-કૂદૈત નળનાિ આવૈત છ૭। ળઝમે પાનાિ છૈ, તેળી છૈ। ળતિ ળવાન આ ળવાની આ તનહ-તનહક નંગ છૈ। ળતિ કોનો ચીળ અપ્પન ઠામ ઠાઢ આ સ્થનિ નૈ ભખાહ દૈ છ૭- આ આવ ઈ પાનક આ ઈ કૉલોની।

વૂઢ, અપંગ આ વકિલાંગ ઈ વહિાન।

શ્વનવનીક એ માસમે ખળિકી આ દનવાળાપન થાપ દૈત વસંતી હવા આ પાનકમે ઘસિચાિઝત, ઉડૈત સૂખલ, હડલ મ્ૃત સન પાતક ચનમન શવ્દ।


मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

માનિ ઉપિયૌ કકની ઘનમે કોની યોન પૈસ ખાણ કકની કી, હમને ઘનમે યોન પૈસ આવણ આ સેહો અસગાએ વનિ કોની સંગીક, ઔખાનક, ડાકૂ પૈસ આવણ વનિ નાઙ્સ્ઠઉ-વંદૂકક અસગાએ નાતિ-વનિાતિ તઁ છોડૂ, વીય દુપહનાયિમે કોની વઉત્કાની પૈસ આવણ દનિમે આ હમના ઉઠ કઽ યઉ ખાણ પાન્કમે, આ હમ યકિડ઼ી ખે વયાઉ-વયાઉ તઁ કે સુનત (વેસી વૂઢ઼ યા તઁ વહીન અછિયા ઊઁચ સુનૈત અછિ)।

કે દૌડ઼ત (વેસી વૂઢ઼ ડેહુન યા ખોડ઼ક દન્દસઁ પનેશાન અછિ)।

કે દેખત (વેસી વૂઢ઼ તઁ મોતિયાિવંદક આપનેશન કના કઽ આઁખ્પિન હનાયિન પટ્ટી વાન્હલે છઉ), ઈ સબ નૈ કઽ સકએ તઁ ઠાઢ઼ બઽ કઽ યકિનએ તઁ સહી (વેસી કઽ ઠાઁડ઼ હુકઉ અછિ આ મુઁહમે દાઁત નૈ, ઓ ઘિઘિઆ તઁ સકૈત અછિ, મુદા યકિડ઼િ નૈ સકૈત અછિ)।

એ સોયસઁ સોનઉક મૌઆ ઠાઢ઼ બઽ ગેલૈ આ કોની અનખાન ડનસઁ સહિનિ ઉઠલ।

સ્ઠેન એકાએક ધ્યાન ગેલૈ કુકુન દસિ। કુકુન વડ઼ નાસ છઉ કૉલોનીમે- સબ સડ઼કપન, સબ ગેટક વાહન વૈસલ યા ઘુમૈત ભ્પાહ દૈત છઉ મુદા એતઽ એકકે ટા 'મુદા' છઉ। એતે દનિસઁ આ કકની જૂકૈત નૈ સુનલે છઉ। ઓકને મકાન ડી-૧ક ગેટપન એકટા જૂના વૈસલ નહૈત છઉ મુદા ખખન ખાઉ, કતૌસઁ ખાઉ- ગેટસઁ ચુપચાપ હટિ ખાઇ છઉ આ દોસન ઠામ કની હટિ કઽ વૈસ ખાઇ છઉ।

કૉલોનીક વશિંદાક અલાવે કનિાએદાન સેહો અછિ- સબ ઘનમે। નીચાઁ માઉકિ, ઊપન કનિાએદાન। કિછુમે દેસી, કિછુમે વિદેશી- ઓઇમે વેસી ખાપાની, કોનિયાઈ વા થાઈ વિદ્યાન્થી વા ટૂનસ્ટિ અપપન કાખસઁ કાખ નાખૈત છઉ। ઓકન અલાવે ઓ કન્મચાની અછિ ખકન કોની સમય વદલી બઽ સકૈત અછિ યાની ઓ ખનિકન દનિાગમે મકાન કવ્ખા કનવાક ગપ નૈ આવણ એહન લોકક મોહલ્લા, લોકસઁ કી લેવ-દેવ, હુનકા સબકેં અપનેસઁ સ્ઠુન્સત નૈ છનિ।

એહન તનહક ખે ઓકને ઘન કી, કૉલોનીક કોની ઘન- એતએ વનિ ખે કૉલોનીક કૉલોની દનિમે જૂટિ કઽ લઽ ખાએ, નોકૈ-ટોકૈવલા કિયો નૈ ભેટત।

સોચૈત-સોચૈત લાગલ ખે ઈ ખાલી એકટા સોચ નૈ અછિ- એકટા હૉનન સ્ઠિમ અછિ, ખે ઓકન આઁખિ દેખિ નહલ અછિ આ પાન્કમે આટૈત, યનિની-ચોથ હોઇત ખા નહલ સાડ઼ી-વ્લાઉખમે ઇમ્હન-ઉમ્હન બાગિ નહલ નહએ- ખોનસઁ ગાનખિ નહલ નહએ, મુદા કિયો અપપન ઘનસઁ નકિલયિ નૈ નહલ અછિ કકની સુનાઇ નૈ દઽ નહલ અછિ તઁ નકિલત કતઽસઁ।

ઉઠિ કઽ હટકિ કઽ આ વત્તી ખનેલક આ સ્ઠિમ પ્પન્મા સાઁસમે સાઁસ એલૈ। કૈસેટ લગેલક। દુન્ભાગ્યસઁ કૈસેટ તેહેન નકિલલૈ ખકના આ નૈ સુનઽ યાહૈત છઉ, નૈ સુનને નહઽ યાહૈત છઉ-

વક્ત ને કિયા, ક્યા હઁસી સતિમ, તુમ નહે ન તુમ, હમ નહે ન હમ।


मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

ઇ કૈસેટ સોનઉકેઁ સમીન દેને છઉ- ગીન વનપ્ય પહિનિ, વયિાહક નસિપ્શનક દિનિ। ગપ્યૈન શ્રોકના નૈ ગઁ એકના દેપ્યૈક પ્યગાગા બેઉૈ શ્રા નહયિ સુનૈક। શ્રોકના સદપ્યિન શ્રપના ઉગા નાપ્યઉક મુદા કહયિો નૈ સુનઉક। શ્રાર ઇ સુનૈગ શ્રોકના ઉગાનિહઉ છઉૈ બે કગ્ગે વદઉગિેઉ શ્રોર ગીગક શ્રન્થ શ્રાર। શ્રો સંબયક કોનો યન્યા નૈ કેઉક શ્રપ્પન ઉેડીસઁ, બાનિ-વૂદ્દિ કિઽ શ્રો હૃદયક મનીબ શ્રછિ, હુનકા ઙેસ ઉગાગિપિ। બૌ વશ્વિવદ્યિાઉયક સન્વસિ નૈ બેટઉ હેગાપિ શ્રા શ્રો શ્રમેનાકિામે નહિ ગેઉ હેગાપિ ગઁ કી હેગાપિ।

ગાઉગી કગઽ બેઉ શ્રા કકનાસઁ બેઉ- શ્રો વુદ્દિ નૈ સકઉ।

શ્રાનગી ગુન્બન શ્રોકન ઉૈડઉાન્ડક વેટી। શ્રોર કૉઉ સેંટનમે કાબ કનૈગ છઉ બરમે સંબય કનૈગ છઉ। સંગ શ્રાએવ-બાએવ શ્રોકને કાનસઁ હોર છઉૈ। દિનિ-નાગકિ સંગ। શ્રાશ્ચર્ય ઇ છઉ બે શ્રાનગીક માએ-વાપ હુનકા એક-દોસનાક કનીવ શ્રાવૈગ દેપ્યિનિહઉ છઉ, ગકન વાદો યુપયાપ છઉ। શ્રાશ્ચર્ય ઇ છઉ બે શ્રોકન સબાક શ્રાઁપ્યિક શ્રાગૂ શ્રો હઁસી કનૈગ છઉ- નિર્ઉબ્બગાક સીમા યનિ શ્રા ટોકઉાપન હઁસઽ ઉાગૈગ છઉ। શ્રા એકનોસઁ પૈઘ શ્રાશ્ચર્ય ઇ છઉ બે શ્રાનગીક પગિબ્પ્યન કહયિો ન્યૂયાન્કસઁ શ્રાવૈ છઉ ગઁ શ્રો શ્રપ્પન પગિસઁ શ્રોકન વ્વાયશ્ફ્રેન્ડકેઁ ઉઽ કઽ ગપ કનૈગ છઉ શ્રા શ્રોકના ડનિનપન ઉઽ બાર છઉ। બાએ ગઁ સંગમે શ્રો સેહો, મુદા શ્રોકના સદપ્યિન ઉાગૈગ છઉૈ બે નૈ બરગાપિ ગઁ વેસી નીક નહગાપિ।

શ્રો એકટા એહન સમાબમે શ્રાવિ ગેઉ છઉ બરમે ડૉઉનકેઁ છોડ઼િ કિઽ કોનો શ્રાન યીબ બના પ્રેમક ઉેઉ ઇર્ષ્યા કનવ પછુએવાક નશિાની છઉ।

શ્રો બપ્યન સંબયસઁ શ્રોકન કનિદાનીક શકિારગ કનૈ છઉ, શ્રો ગમસા બાર છઉ।

- શ્રહાઁ દેશ શ્રા કાઉક હસિાવસઁ શ્રપનાકેઁ વદઉૈઉઽ સીપ્યૂ, યઉૈઉઽ સીપ્યૂ। નૈ યઉિ સિકી ગઁ યુપયાપ વૈસઉ નહૂ વા ઘુનિ બાઉ।

- ઘુનવ ગઁ શ્રસગાને કપિ? શ્રહાઁકેઁ સંગ ઉઽ કઽ।

- હમ ગઁ ડશ્રિન પનદેસકેઁ શ્રપ્પન દેસ વનાવૈક સોયિનહઉ છી। મુસ્કુનારગ શ્રો શ્રાઁપ્યિ માનિ કિઽ વાબઉ- શ્રહાઁ કપિ નૈ પ્યોબિ ઉે છી એકટા વ્વાયશ્ફ્રેન્ડ।

- નીક ઉાગૈગ શ્રહાઁકેઁ? શ્રો સીયા સંબયક શ્રાઁપ્યિ દેપ્યઉક।

- નીક, કી કહૈ છી। નશ્ચિયિગ બઽ બાએવ સન્વદા ઉેઉ। હા, હા, હા।

સોનઉ સંબયક શ્રાઁપ્યિ ગૌનસઁ દેપ્યઉક। શ્રો શ્રાઁપ્યિ છઉ યા દઉિ।

ઇ ગપ શ્રો બવાનસઁ વાબઉ છઉ યા દઉિસઁ। શ્રો કગ્ગૌ સયયેમે સોનઉસઁ મુક્ગિ ગઁ નૈ યાહૈગ છઉ। શ્રો દેપ્યિનિહઉ છઉ બે શ્રમેનાકિા એઉાક વાદ હુનકામે ગેબીસઁ શ્રન્ગન શ્રાએઉ છઉ। એક-દૂ વનપ્યક ભીગન। ઇ શ્રોકન ગેસન નૈકની છઉ। શ્રો એકટા શુરૂ કનૈગ શ્રછિ, દોસનાક પ્યોબમે ઉાગિ બારગ શ્રછિ। પહિનિસઁ નીક, પારકેઁ ઉઽ કઽ હુનકામે રન્ગબાની



नामक चीज नै अछि। ओ जल्दीसँ जल्दी ऊँचसँ ऊँच स्थान छुअ चाहैत छल। जहिना एकटा ऊँच स्थानपर पहुँचै छल, कनी दिनमे से नीचाँ लागऽ लागै छल। एकरा ओ महत्वाकांक्षा कहै छल। जँ ई महत्वाकांक्षा अछि तँ फेर लालच की अछि।

लालच। आरती गुर्जरक संग संजयक दोस्तीक पाछाँ खाली आरती गुर्जर अछि वा ओकर एन.आर.आइ. माए-बाप, जकर गुजराती हस्तशिल्पक चमकैत व्यवसाय अछि। जकर ओ एकमात्र संतान अछि। आरतीसँ संजयक सम्बन्ध ओकरा बुझिसँ बाहर छल।

एतऽ रहि कऽ सोनल सेहो कमा सकैत छल। कोना विश्वविद्यालयमे, कॉलजमे, लाइब्रेरीमे, कतौ सेहो। कंप्यूटरमे सेहो नीक गति छल। मुदा संजय जखैन सोचलक, अपना लऽ कऽ सोचलक। सोनलकेँ लऽ कऽ सोचैक फुरसति नै छलै। ओ सोनलकेँ हाउस वाइफसँ बेसी हइल नै देलक आ ओ सेहो बनारसक रंगजारीमे आइ-काल्हि-परसू करैत रहि गेल।

सोनलक आँखि खुजि गेलै। ओइ काल ओ निर्णय लेलक जे ओ आब एतऽ नै रुकत। ओ बहन्ना ताकि रहल छल जे राँचीसँ पापाक ई-मेल आएल जे तुरंत आबि जाउ। १५ केँ अहाँक इंटरव्यू अछि। ओकर खुशीक सीमा नै रहलै। ई ओकर आत्माक पुकार छल जे विश्वविद्यालय धरि पहुँचल छल।

आइ भोरक प्रकाशमे खिड़कीसँ फेर गरजि रहल छल सोनलक आत्मा।

- संजयकेँ नै, समीरकेँ सुनू आ चलि आउ।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

३

बैसी नै, हप्ता-दस दिन लगै सोनलकेँ ऐ घरक एकान्त आ सुन-सन्नाटक हिसाबसँ अपनाकेँ ढालऽमे। आ जखन ढलि गेल तखन मजा आबऽ लगै। अप्पन 'असगरे' केँ इंज्वाय करऽ लागल।

ओ डेढ़-दू बरिखक नियासतक बात छल- माधकनि। जखन चाहे सुतू, जखन चाहे उठू, जतऽ चाहे बैसू, जत चाहे ओहिना घरमे रहू। वन वा गाछीमे, ढुंगीमे, गामनमे। नंगटे नहायी, कूदी-फांगी। नै कियो देखैबला नै कियो



सुनएबए। जखन चाही, जेहन चाही खेनाइ नान्हि। नै नान्हि, उपास करी, ओकर मोन। जौं संगमे ई सासु-ससुर हुअए तँ ई करू, ऊ करू, एना करू, ओना नै करू। दुनियाँ जनकि हमेशा, टोका-टाकी।

टेपरेकॉर्डर छै, टीवी छै, कंप्यूटर छै, मोबाइल छै, फोन छै जइसँ अपनाकेँ व्यस्त रखबाक चाही। एकर अलावे किताब छै, कएसक तैयारी छै, काज छै। बेसी नै, साँझकेँ फ्रेश भेलाक बाद आध घंटाक ड्राइवरपर बहरा जाउ आ घुरि कऽ डीअरक एकटा पैग आ सिगरेट (ई कैलिफोर्नियाक आदति छल जकरा देर-सबेर छोड़ैये पड़तै, ऐ सभ-गाम नगरमे से ओ जानैत छल)।

- मुदा समीर करऽ अछि ओ पापाकेँ फोन केलक। कोनो खास गप भेल नै, बस ओहिना।

जखन ओ रसिदन्य कऽ रहल छल शाहिसमे, तखने समीरसँ परिचए भेल छलै। एकटा तेज आकर्षक युवक छल। नीक खाइत-पिबैत घरक। ओकरासँ दू बरख सीनियर आ राजनीतिमे रुचि। नौकरी भेटि रहल छल मुदा ओ अपन हितकेँ नै देखि कऽ किसान-मजदूरक हितकेँ देखलक।

ओकरामे देश आ दुनियाँ आ समाजक सभटा मुद्दापर गम्भीर बहस करबाक आ विश्लेषण करबाक दक्षता छलै। ओकरा राजनीतिक ऐक्टिविस्ट हएब पसीन छल। ओइ समएमे बिहारमे एहन कतेक ग्रुप छल आ ओ ओइमे सँ एकटा ग्रुपसँ जुड़ि गेल आ सक्रिय भऽ गेल। ओ हस्तामे एक बेर पटना आबैत छल आ पूरा दिन सोनल संग बितबै छल। ओकर सपना छल जे बियाह करब आ अपन जीवन किसानक खुशहालीक लेल समर्पित कऽ देब संगे-संग। सोनल जखन डैडीकेँ बतौलक तँ ओ बुझाबैत बाजल जे ई आतुर दिमागक सोच अछि। कनियाँक कमाइ आ नोकरिहाराक चंदापर कतेक दिन चलतै? एहन युवकक कमी नै अछि बिहारमे। ओ जदीसँ जलबै आ चाह-पानक भेल दोसराकेँ ताकैत सड़कपर उत्साह पड़ैत रहैत अछि। एहन सनकीमे नै आबू। आ हुनके समझेला-बुझेलापर ओ संजयसँ बियाह तँ कऽ लेलक मुदा समीरकेँ हृदयसँ नै निकालि सकल। एतऽ धरि जे अमेरिकामे जखन संजय ओकरासँ व्यापारिक गप केलक तँ ओ डरि गेल जे कतौ ओकरा समीरक दोस्तीक खबरि तँ नै अछि।

हुनका समीरक बड़ सोच लागल छन्हि, ओकरा एतऽ एलाक बादसँ। ओ जेल कऽ छतपर टहलि रहल छल जे डी-४ क आगू सड़कपर पुलिस बैन लगाइ देलकै।

ओकर नजरि जाइसँ पहिनेसँ गढ़ छलै ओ बैन।

कहियो लोक छल जे भीतर-बाहर आबि जा रहल छल। लोक एकटा कोनपर ओकर डी-१ आ दोसर कोनपर डी-४। ओकर दुइये मकानक बाद। बगल माँजौ आ झाड़ू पोछा करैवाली दाइ ओइ कॉलोनीक छल। जहिना ओ आएल, ओ पुछलक। दाइ गीता जे कहियो बतौलक से मर्दाना छल। ई ओइ कॉलोनीक तेसर घटना छल। ऐ बरखक तेसर।

डी-४ राय साहबक बंगला छल। राय साहब बागवानीक खूब शौकीन। हुनकर लॉनमे मखमल सन घास छल, जेना हरियर रंगक गद्दा। ओइमे जुत्ता-चप्पल पहीर कऽ ने ओ अपने जाइ छल, नहियेँ दोसराकेँ जाए दै छल।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

घासक गद्दाक चारू दिसि स्थल आ रंग-बिरंगक पातबल गमल छल। ओ दिन भरि कैयो संग लॉनमे नजरि आबैत छल- काटैत-छाँटैत। हरियर रंगक पाछाँ एहन बताह जे बंगलापर सेहो हरके डिस्टेंपर। एतऽ हरियरी हुनकर हुर्रीबला मुँहपर रहै छलै सदिखन।

एक दिन एकटा फोन एलै राय साहेबक नामे।

- एत्ते जल्दी की अछि मकान बेचबाक। कनी रुकि जैतिऐ।

राय साहेब हेलो, हेलो करैत रहि गेल, मुदा फोन कटि गेल छलै।

ओइ दिन हुनका आश्चर्य भेलै, हँसी सेहो एलै।

फेर सभ तेसर-चारिम दिन रोज या तँ कोनो ने कोन फोन आबै छलै या कियो ने कियो मकानकेँ लऽ कऽ जानकारी करैक लेल आबै छलै। फोन करऽबला की अछि, कतऽसँ कऽ रहल अछि, मकान बिकेबाक गप के बतौलक, राय साहेबकेँ किछु पता नै चलि सकलै। आबऽबला केँ ओ बिगड़ि कऽ भगा दै छल, फाटकक भीतर पैसऽ लेल नै दै छल। ओ कहैत-कहैत थाकि गेल जे ई खबर गलत अछि, हुनका बेचबाक नै अछि। तकर बादो ई खेरहा खतम नै भेल।

ओ परेशान भऽ गेल। लगैत रहए जे ओ पागल भऽ जाएत। ओ सुतै लेल छटपटा कऽ रहि जाइ छल आ नीन नै आबैत छलै। दोस्त मित्रक सलाहपर ओ पुलिसकेँ रिपोर्ट केलक जे हुनका लग केहन-केहन फोन आबैत अछि, केहन-केहन लफंगा आबैत अछि, आ केहन-केहन गप करैत अछि।

चारिम दिन जे लोक मकानकेँ लऽ कऽ पुछैल एलै, तकर गपसँ राय साहेबकेँ लागि गेलै जे पुलिस रिपोर्टक जानकारी हुनका अछि मुदा एकरा नहिये डर छै, नहिये आतंक।

जइ मानसिक तनाव आ बेचैनीसँ ओ जीबि रहल छल, ओइसँ हुनका ओइ दिन मुक्ति भेटल जइ दिन एकाएक हुनकर नेनाक मित्र राजराम पांडे उर्फ झुटले गुरु आएल। झुटले गुरु आब तँ नगरक प्रसिद्ध रईस छल मुदा छल हुनकर पड़ोसी गामक। हाइस्कूल धरि हुनकर संग गाममे पढ़ि चुकल छल। कतेक मोहल्लामे कतेक रास मकान छलै। ओ इम्हरसँ जा रहल छल तँ हुनका राय साहेब मोन पड़ल आ पुछैत-पाछैत डी-४ मे चलि आएल।

- भजार! बड़ नीक घर अछि सुरेश। ओ गेटमे पैसैत बाजल।

राय साहब बड़ उत्साहसँ हुनका घर देखेलक। ओ पहिल बेर आएल छल। ओ घर-आँगनक प्रशंसा करैत बतेलक जे ओइ समएमे भले ने भेंट भेल हुअए, दुनू बेटीक बियाह आ मालीक स्वर्गवासक खबरि हुनका भेटल छल। ड्राइंग रूममे पैसैत हुनका पुछलक।

- सुरेश! अहाँक बेटा कतऽ अछि आइ-काल्हि जकर इलाज करा रहल छौ।

झुटले गुरु सोफापर बैसल, राय साहेब हुनका आगू बैसि कऽ कुही भऽ कानऽ लागल। झुटले गुरु सेहो सोफासँ नीचाँ आबि गेल आ सुरेश रायकेँ बाँहिमे भरि आगू दीवान दिसि ताकैत रहल। दीवानपर मोटरी जकाँ एकटा छौड़ा पटायल


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

छल। ओ टुकुर-टुकुर उत्सुक भऽ हुनका ताकि रहल छल। दाढ़ी-मोछ बेहिसाब बढ़ल छलै। धाली मुँह धुअल छलै। देह हाँफल छलै। एकटा सुखाएल लकड़ी सन बिछौनपर पड़ल छल। लागै ने छलै जे डाँड़क नीचाँ किछु छै।

ई बाजैत तँ तहियो ने छल। मुदा ई ध्याल ने जे किछु बुझैत अछि वा नै। भुटल गुरु पुछलक।

नायब साहेब बिना किछु बाजने हिचकी लेबए लागल।

भुटल गुरु सांत्वना दैत हुनका उठेलक आ सोफापर अपन बगलमे बैसेलक। करीब काल बाद नायब साहेब आएल आ अंदर चलि गेल। जखन ओ चाहक संग घुरल तँ सामान्य छल। चाह पीबैत ओ बतौलनि जे कोना पेट काटि कऽ, गामक जमीन बेचि कऽ, बैंकसँ कर्ज लऽ कऽ कोन तरहेँ ई घर ठाढ़ केलक, दू बरख पहिने रिटायर भेलाक बाद ओइमे आएल। हम कहियो ने सोचलौं जे केकरा लेल घर। बस ई छल जे अपना लेल एकटा घर हुअए। एकरा ठाढ़ होइ-होइ सन्नी सेहो चलि गेल। मुदा लागल रहलौं बिना सोचने-बुझने जे घर हुअए तँ केकरा लेल। देखि रहल छी ऐ बेटाकेँ। ने चलि सकैत अछि, नहियेँ सुति सकैत अछि, नहियेँ बाजि सकैत अछि। की हएत एकर जखन हम ने रहब। ने जानि कोन जन्मक पापक सजा दऽ रहल अछि भगवान।

- हम छी ने, चिन्ता किए करै छी? - भुटल गुरु हुनकर कान्हपर हाथ राखलक।

- चिन्ता तँ ई अछि भुटल गुरु जे छऽ-सात माससँ सुतल ने छी। ने जानि कतऽसँ केहन-केहन लोकक नाम-बिनाम फोन आबैत रहैत अछि, धमकी दैत। पता ने के उड़ा देलक जे सुरेश नायब अपन घर बेचि रहल अछि। परिणाम रइ अछि जे गुंडा-बदमाश बरा घरक भीतर घुसल चलि आबैत अछि आ सलाह दऽ रहल अछि, जे जतेकमे बेचब ओतबेमे दू टा कमराक फ्लैट आबि सकैत अछि आ बाकी सूदसँ बीस-पच्चीस बरख निश्चिन्तीसँ काटि लेब। पुछलौं जे अहाँ के? तँ बाजैत अछि- प्रापर्टी डीलर, प्रापर्टी डील अहाँ कऽ रहल छी, बिना पुछने जे अहाँ बेचि रहल छी आकि ने? दलाल सार। हिम्मत तँ देखू ओकर। जौं आइ नरेश नीक रहितए तँ ई नौबति ने एतए।

भुटल गुरु गंभीरतासँ ई सभ किछु सुनैत रहल आ सोचै-विचारैक बाद बाजल।

- एना अछि सुरेश। हम दू-तीन दिनमे एकटा दरबान वा लोककेँ भेज देब। बड़ भरोसक लोक। ओ अहाँक सभटा समस्या दूर कऽ देत। ठीक।

तेसर दिन सत्तेमे एक लोक आएल आ नायब साहेबक फिकिरि खतम भऽ गेल। नहियेँ कहियो फोन आएल, नहियेँ गुंडा-बदमाश सभकेँ साहस भेलै जे लगमे कत्तौ उपाह दैतए।

मुदा जे होबाक छल, भऽ कऽ रहल। तीन मास बाद। राति दिन पूरा घरक देखभाल करैबला दरबान राति भरक छुट्टी लऽ कऽ भतीजीक बियाहमे अपन गाम गेल छल आ एम्हर ओइ राति ई दुर्घटना भऽ गेल। ओइ पलंगपर पटायल नायब साहेबक बेटा टुकुर-टुकुर ताकैत रहल आ ओकर हत्या भऽ गेलै।



जुटल गुनु ए दुर्घटनाक दू दिन पहिनेसँ अस्पतालमे छल। रूटीन चेकअप भेल। दरबान हुनका ई खबरि देलक। ओ अस्पतालसँ सोझे अपन गाड़ीमे आएल। दरवज्जापर ठाढ़ भीड़केँ ओतऽसँ हटेलक, बढ़ेलक, डाँटलक, डपटलक आ भीतर जा कऽ पुलिससँ जनतब लेलक। फेर ओइ कमरामे गेल जतऽ बिछौनपर राय साहेब पटायल छल। ओतऽ बगलमे एकटा तख्तापर हुनकर बेटा सेहो छल, जे निश्चल पड़ल छल। मूकदर्शक।

दुर्घटनाकेँ आँखिसँ देखैबला गवाह। ओ पुलिसक संग भीतर गेल, ओकरे संग घुरि आएल।

बाहर अंदाजी गप आ कनफुसकी चलि रहल छल- या तँ मुँह या नाकपर गेनुआ दबा कऽ मारल गेल या गला दबा कऽ। देहपर कतौ चोटक चिन्हासी नै छल। हाथ उठेबाक कोनो चिन्हासी नै। बिछौन मोचड़ाएल नै। गेनुआपर शोणितक छोट-मोट चिन्हासी छल जेना ओ मुँहसँ निकलल हुअए।

लहास जखन पोस्टमार्टम लेल आनल जा रहल छल, सोनल अपन गेटपर ठाढ़ छल। सोनल अपन गेटपर ठाढ़ ओकरा जाइत देखि रहल छल। कॉलोनीमे मकान कब्जा करैक तेसर घटना छल। घरमे ओ सेहो असगरे छल। विश्वविद्यालय आबै-जाइक समए अनिश्चित। कोनो दिन दुपहरियासँ पहिने क्लास, कोनो दिन दुपहरियाक बाद। घरमे कियो नै। दिनमे तँ चोरी भऽ सकैत अछि मुदा रातिमे तँ हत्या धरि संभव अछि। ए कल्पनासँ ओकरा थरथरी छूटि गेलै। आँखिमे उतरैबला सिहरनी सगरे देहमे पसरि गेलै। ओ ए गुनधुनीमे पूरा दिन पड़ल रहल। नोकर नै भेटि रहल छलै, नहियेँ नोकर राखब मुनासिब छल। नोकरनी झाड़ू-पोछासँ आगू लेल तैयार नै छल। बेर-बेर ओकर ध्यान जा रहल छल सासुरपर।

रातिमे ओ पहाड़पुरक कोड खोललक आ फोन केलक- पापा, हम सोनल। आबि रहल छी काल्हि, अहाँ दुनूकेँ लैक लेल। तैयार रहू नै, किछु नै सुनब। मम्मीकेँ फोन दियौ।

४

शीलाकेँ सोनल ओ मान-सम्मान देलक जे कोनो पुतोहु की देत अपन सासुकेँ। भोर-साँझ मम्मी, बीच राति मम्मी, घरमे मम्मी, बाहर मम्मी- बस सभ दिस मम्मीये मम्मी। जखन कि शीला सोनलक संग आएल लोक लाजक कारण, तइसँ जे नै जाएब तँ बेटा की सोचत हुनका लऽ कऽ की जे बेटाक सहारा बुढ़ापा काटै लेल अछि तँ ओकर स्त्रीक कोना नै सुनी? ओ नै सुनत तँ ओ हुनकर कए सुनत? लोक अपन बच्चाक भविष्य कए सचेत अछि। तइसँ कहियो हुनकर भविष्यमे हुनका अपन भविष्य लखाइ दैत अछि। कायदासँ देखल जाए तँ ओ हुनकर नै, अपन भविष्य सचेत अछि। ए सोचल भविष्यमे डेग राखने छल शीला आ प्रसन्न छल। जइ लड़कीसँ कोनो पूर्व परिचय नै, कोनो सम्बन्ध नै, एतऽ धरि जे नहियेँ अपन जाति, नहियेँ अपन कुल। नहियेँ संस्कार।

ओ शीलाक पाछाँ मरल जा रहल छल- मम्मी, चाह पीबा मम्मी जल्दी करब, मम्मी नहा रहलथि। मम्मी खाना खा रहलथि, मम्मी कोनो जरूरत।

एतबे ख्याल त हुनकर बेटी समरा सेहो नै राखैत छल।

सोनल पहिने हुनका घर देखैलक- ड्राइंग रूम, ओकरसँ सटल कोठरी, आँगन, फेर ओ कोठली जकरामे मम्मी-पापा रहत, फेर कचिन आ स्टोर, फेर पछुआरक हीस जकरामे नोकर-चाकर लल टीनक खुजल शेडबला कोठली। फेर ओ ऊपर लऽ गेल, छतपर आ देर धरि मम्मीकेँ टहलाबैत रहल जे लोक देखए आ जानए जे ओ घरमे असगरे नै रहैत अछि। ऐ घरमे ओ सभ किछु छल जकरा लऽ कऽ शीला सोचने नै छल।

हुनका रातिभरि नीन नै आएल- कारण जे हुअए कारण नव ठाम सेहो भऽ सकैत अछि, चौड़गर डबल बेड सेहो, गद्दगर बिछौन सेहो। आ सुख छल जे अनचोक्के हुनकर जीवनमे आबि गेल छल। ओ घरमे आएल नै छल, गृह प्रवेश केने छल। प्रएह करने छल सोनल आ नीकसँ नीक डिश बना कऽ खुएने छल। शीलाक खुशी बेर-बेर ओकर आँखिमे नोरा रहल छल। आ ई नोर आर किछु नै, पहाड़पुरक खपरैलबला घर छल, हुनकर बेटा-बेटी छल आ दुख छल जे ओ अप्पन जीवनक भरि सिहल छल।

एकाएक हुनका मोन पड़ल संजयकेँ लऽ कऽ, नहियेँ ओ किछु पुछलक, नहियेँ सोनल अपनासँ किछु बतौलक। दोसर-दोसर गप होइत रहल आर धरि।

अगला दू-तीन दिनसँ शीला अप्पन दिनचर्या निश्चित कऽ देने छल। खाना बनाबैबाली महराजिनि आर धरि नै भेटल छल आ ओ बैसल-बैसल की करतिऐ दिन भरि।

भोर कऽ चाह, आ बीच रातिके खेनाइ ओ अप्पन जगिमा लऽ लेलक। कष्ट मात्र एतबे छलै जे गप करैबला अप्पन धरि किओ नै भेटल छलै। डी-प्रॉजेक्टक घटनासँ सभ कॉलोनीबला अपनाकेँ घरमे नोकरि राखने छल। ओ सभ डरल छल जे कतौ एहन नै हुअए जे ओ मकान छोड़ए आ घरमे घुसब मुश्किल भऽ जाए। ऐसँ पात्रक सेहो खाली पड़ल छल- नहियेँ कोनो औरत, नहियेँ कोनो मर्द। तीन-चारि दिन धरि किओ अप्पन घरसँ बाहर नै निकलल- सम्बन्धि करैबलाकेँ छोड़ि कऽ।

शीला झाड़ू-पोछा करैबालीक पाछाँ-पाछाँ घुमैत रहैत छल आ गप करैत रहैत छल जे कएटा छौड़ा छै, कएटा छौड़ी छै। कतऽ बियाह भेलै। जमाए की करैत अछि। कएटा पुतोहु अछि। ककरा संग रहै छी। स्वभाव केहन अछि। सेवा करैत अछि आकि नै। बेटा ध्यान दैत अछि कि नै। अप्पन कोनो पोता-पोती अछि कि नै। किछु सुनैत, किछु अप्पन सुनाबैत छली। ओर काल सोनल अप्पन काज करतिऐ, पढ़तिऐ, लिखितिऐ आ नै त कंप्यूटर माउससँ खेलतिऐ या टाइप करतिऐ।



ऐ बीच शीला दू बेर पुतोहुसँ दुखी भेल छल। ओ भोरमे चाह बिना भागा-भाइर छल आ सोनल सुतल रहै छल आठ बजे भोर धरि। ओ ओकरा भागैक एकटा तरीका निकालक। ओ भोर चाह बिना चाह तैयार करैक आ हुनका भगैक। सोनल सुतल रहल आ उठलापर चाह सेकिमे सेक देलक। तेँ अपन अलगसँ नेबोक चाह बनेलक।

शीला देखैत रहल।

दोसर दिन ओ नेबोक चाह बनेलक करी देलीसँ। मारे सात बजे। ओर दिन सेहो यएह भेल।

सोनल बाजल- मम्मी, हमर चाह रहऽ देल करथिन अहाँ। जखन उठब, तखन बना लेब।

हुनका ठीक नै लागल। अपन आदतिक अलग ओ कोनो तरहेँ चुप रहि गेल। एतऽ धरि तँ चलि जाइत मुदा एक दोसर प्रसंगमे तँ जेना हुनकर मन उचटि गेल। होइत ई छल जे शीला भोरमे नाश्ता बनल रोटी वा परोठा आ सब्जी जल्दी करऽ चैत रहथिन। सोनल देखलक तँ बिगड़ल- नै मम्मी, ई नै चलत। अहाँ ऊ खायब जे हम खाएब। टोस्ट बटर, दलिया, दूध, अण्डा ऊ सब नै। ठीक। शीलाक दिमागमे सवाल उठल जे रोज-रोज जे बैसका रोटी या परोठा बचाय भाइत अछि, ओकर की हएत। ओकरा दाइ गीताक ख्याल आएल। ओ सेहो आबैत शीलाकेँ मालिश-मालिश कहैत छली। काज-धंधा खतम कऽ जखन गीता जाइ छल तँ ओकरा नोकरिकऽ खुआ दैत छल। तरकारी नै रहलै मुदा नै रहलापर कखनो चाह दैत छल, कखनो अचार। सोनलकेँ पता चलल। पता की चलल ओ गीताकेँ एक कोनमे बैसल खाइत देखि लेलक।

- मम्मी। -गीताकेँ जाइक बाद सोनल बाजल। -अहाँ करि ओकर आदति बिगाड़ि रहल छी मम्मी।

शीला बुझैक ख्यालसँ पुतोहु दिसि ताकलक।

- ओकर नोकरीक शर्तमे चाह-नाश्ता नै छल। पाँच सौ महीना आ साले दू बेर साड़ी, बस।

- मुदा, हम चाह-नाश्ता करा दै छी। जे किछु बचल-खुचल रहै छै, सेहो दै छी।

- सेकैसँ वा कुक्कुर-बिलाड़केँ खुआबैसँ ठीक अछि जे ककरो स्वास्थ्य सद्धिय होइ।

- यएह तँ। कुक्कुर-बिलाड़केँ जेँ खुआ देथिन, ओकरा नै देथिन- यएह कहब अछि हमर।

- आँए। ई केहन गप कऽ रहल छी अहाँ। आठल आँखिसँ पुतोहु दिसि ताकलक शीला।

- नै, खराप नै मानब। एकरा एना बुझथिन। मानलिऔ काल्हि अहाँ करतौ चल जाइ छी वा एतऽ नै रहब। ओ हमरोसँ आशा करत आ हम नै दऽ सकब तँ खराप लागत, ठीकसँ काज नै करत। छै कि नै।

- सब ठीक। मुदा ई गप हमर गामेमे नै उठल रहल अछि जे कुक्कुर-बिलाड़केँ खुआ देब, मुदा ओकरा नै खुआएब।

मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

-मम्मी, ओ अहाँक परजा नै अछि, नोकरी अछि- प्रोफेशनल। ओकर पेट रोटी-परोठासँ नै, पैसासँ भरत। एतबेटा नै, अहाँ ओकरासँ गप करब आ ओ अहाँक माथ चढ़ि जाएत।

-काल्हि जखन कोनो गपपर ओकरा टोकब त' ओ लड़ऽ लागत। ओकरा अहाँ बुझए रहए दियौ जे ओ छी। आबए, अपन काज करए आ बाट नापए।

शील माथ झुका कऽ चुपचाप सुनैत रहल आ ठाढ़ भऽ गेल।

-मुदा हम अन्नक अपमान नै हुअए देब। ओकरा नै खुआएब त' अपने खाएब।

-अहाँ अचल मानि गेलौं। नै बुझलौं हमर गप।

-बुझि गेलौं, कोनो अनपढ़ नै छी। हमहूँ बीए छी अप्पन कालक।

-ठीक अछि। मुदा हम त' हिनका बैस कऽ खाए लेल नै देब। काल्हि ई कहथिन जे हमरा बैसा कऽ खुआबए छल।

-त' हमरो सुनि लिअ, हम अन्नकेँ एना फेकै लेल नै देब।

ई बहस तखने खतम भऽ सकैत छल जखन ओइ दुनूमे सँ कियो चुप भऽ जाए आ ओतऽ सँ हटि जाए।

आखिरीमे सोनल कोनो काजक बहन्ने ओतऽसँ चलि गेल।

शील किछु काल चर बैसल रहल। ओकरा लागल जे बहू नकचढ़िये टा नै, मथचढ़ी सेहो अछि। पैदा करितए तखन ने अनाजक मोल पता चलितए। माँ-बापक एकेटा औलादि, जातकि लला- खेत-पथारसँ मतलब नै, ओकरा की बुझल छै अप्पन फसलक सुख-दुख।

ओ घरक पछुआरमे गेल जतऽ रघुनाथ बाहरसँ घुमि कऽ आएल छल आ नहाइ लेल जा रहल छल। ओ जहिना शुरू केलक तहिना रघुनाथ टोकलक- सही बाजलक ओ। पुतोहुकेँ सुनै आ हुनका संग रहैक आदत डालू।

-की? अहाँक ई सभ कहब अछि।

-नै। हमर ई कहब नै अछि। हमरा ई कहब अछि जे जकर घरमे रहै छी, खाइ छी, पहिरै छी, ओकर गपपर कान-बात दियौ। बुझए करू, जे ओ चाहैत अछि।

-राशन हम आनलौं, चाह-नास्ता हम बनबै छी, खाना हम पकाबै छी। जे कियो आबैत अछि, हुनका उठाबैत-बैसाबैत छी- आ हमर कोनो पूछि नै।

-अच्छा जाउ अहाँ एतऽसँ। जे करबाक अछि करू। खिसिया कऽ रघुनाथ बाजल आ बाथरूममे चलि गेल।

-हम नै रहब एतऽ। हमरा गाम पहुँचा दिअ आ नै पहुँचाएब त' अपने चलि जाएब।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

बाथरूमक भीतर रघुनाथ हँसैत बाजल- अरे। पुतोहुसँ तँ पुछलथिन। अपने सँ नै एतौ अछि अहाँ, बहुत आनन्द अछि। कोना अछि ओ गीत।

ओ नव फोल दिलक आ गाएब शुरू केलक-

अजी न जाओ छोड़ कर, कि दिल अजी भरा नहि।

अजी अजी तो आई हो, बहार बन के छाई हो

अजी जरा नहा तो लूँ, अजी जरा ऩ नम़ ऩ नू

साँझक चारि बजेक आसपास सरलाक फोन आएल- बड़ दिन बाद। बड़ खुशी आ शिकायतक स्वरमे। उठलक शीला। सोनल कॉलेज गेल छल, घरपर बैसल छल। एकरासँ पहिने दू-तीन बेर ओ गामपर फोन केने छल। ओकर दुर्भाग्य जे रिसीवर उठौने छल रघुनाथ आ ओकर नाम बिनु सुनल, बिनु पुछल आ बिनु बाजल फोन राखि देने छल। एकर चर्चा सेहो शीलासँ नै केल छल।

- माँ आब तँ आबि सकैत छी हमरा कतए।

- एना किए बाजि रहल छी सरला। शीला कननमुँह भऽ उठल।

- हम बियाह नै केने छी माँ, पापाकेँ कहि दिअ। चाहे तँ ओहो आबि सकैत अछि।

- हुनकर हम नै जनैत छी मुदा हम तँ तैयार छी। जखन कहि तखन आबि जाएब।

- ठीक अछि, अगला पंद्रह दिनक भीतर कोनो व्यवस्था करैत छी।

- मुदा अहाँ बियाह किए नै करबौ। हम तँ मानि लेने छलौं जे भऽ गेल हएत।

- माँ, हम सोचि लेने छी। भगवान आ बियाहक बिना जिअल जा सकैत अछि, रहल जा सकैत अछि। कोनो गपक चिन्ता नै करब। ठीक।

सरला रिसीवर राखि देने छल। शीला जतऽ छल ततै ठाढ़ रहल। ओकरा बुझैमे नै एलै जे ई नीक भेल कि अधलाह। ओ रघुनाथकेँ बतौलक। रघुनाथ मात्र एतबे टा कहलक जे ऐसँ नीक हेतइ जे ओ बियाह कऽ लेतइ।



मई २०१६ (वर्ष ९ मास १०१ अंक २०२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

५

शीला सोनलक आग्रहपर नायरा तुरत रहल जायरा पिनाइ वनावैवाली दारुक व्यवस्था कै कऽ गेलै।

जहर दिनि शीला गेल, ओर दिनि सोनल गेल आ घरक चावीक डुप्लीकेट वनवैलक आ ओकरा रघुनाथकें दऽ देलक। दुपहरियाक एक-डेढ़ घंटा छोड़ि कऽ ओ जखैन चाहे तखन, जतऽ चाहे ओतऽ आ-जा सकैत छल, घूमि सकैत छल, भेंट-घाँट कऽ सकैत छल, कियो पूछै-ताकैवला नै छलै।

ओहिना रघुनाथ घरमे रहैत एक तरहें घरक वाहर छल। पछुआरक वाउंडरीवालसँ लागल एक ईंटाक टूटा देवाल छल, जइपर असुवस्टर पड़ल छल। सोचल गेल छल जे जौं नोकर-चाकर वा ड्राइवर केउ तँ ओइमे रहत। रघुनाथक व्यवस्था शीलाक संग ओइ कोठलीमे छलै। ऐसँ वेसी ओ अपन कनियाँ संग सुतलो नै छल। आवै कऽ दिनिसँ हुनका ई ठाम जँचि गेल छल। ओकर वगलमे नल सेहो छल आ शौचालय सेहो। आर की चाही। नाश्ता-खाना घरमे, वाकी सभ वाहर।

शीला संग रघुनाथक संबंध दाम्पत्यक रहलै मुदा प्रेमक नै भऽ सकलै। ईहो कहि सकै छी जे ओ शीला संग सुति जाइ छल मुदा प्रेम नै करै छल। आ मानै छल जे ऐल शीला जमिनदार छथि। ओ एहन स्त्री छल जकरा सभ दिनि प्रेमक प्रमाण चाही। एतवे टा नै, एक वेर या दू वेर या तीन वेर अहाँ हुनका आश्वस्त कऽ देवौ जे अहूँ ककरो आनसँ नै हुनकेसँ प्रेम करै छी तँ ओ मानि जाएत। फेर ओ अगिला दिनि परीक्षा लैत चाहत जे ओ कोनो ओहिना तँ नै छल। एतवे टा नै, ओ अपपन प्रेमकें लऽ कऽ मात्र शंकित[?] कऽ सकै छल। एकर अतिरिक्त ओकरा लग कोनो आन भाषा नै छलै। ई सभ स्थिति रघुनाथमे मात्र खसियैनी टा नै आनलक, ओकरा दसिसँ अवहेलना सेहो आनलक। शीला कहियो हुनकर रुचि आ पसीनक हिसावसँ अपनाकें वदलैक प्रयत्न नै केलक। जेना शीला चाहै छलि जे घरमे कोनो गप हुअए जइसँ ओ खुश हुअए, उल्लसित हुअए, ओकरामे उत्साह आ जोश उत्पाह[?] दखिए, हँसए, गावए, आर किछु करए। मुदा तैयो हुनकर चेहरापर कोनो तरहक कोमल भाव नै आवै छल। एतऽ धरि जे रघुनाथ जखन खुशीसँ मारे कूद-फान करए आ वेचैन हुअए लगैत छल तखनो ओ हुनकर उपहास करैत निर्विकार ठाढ़ रहैत छलि।

खुशी हुनकर चेहरापर अवैत छल तँ जवरदस्तीक दाग सन फेर गाएव भऽ जाइ छल। एकर अलावे हुनकामे खूवीये खूवी छल। ओ अपन पति आ वेटाक पद आ प्रतिष्ठाकें हरदम शीर्ष[?] राखै छलि। दोसरा लग वड़ रास एहन वौस्तु होइ छल जे हुनका लग नै छल मुदा हुनकामे ककरो ईर्ष्या नै होइ छल। समभाव हुनकर स्वभाव छल। ओ



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

तखने व्यथित होइ छल जखन ओ कोनो गरीब गुरबाकेँ लाचार आ विवश देखै छल। ओ सभ किछु सहि सकैत छल मुदा ककरो जबर्दस्ती नै।

शीलाक गेलाक बाद रघुनाथ निसाँस भेलक। ओ हुनकासँ पृथक भऽ कऽ किछु नै बाजै छल, मुदा एकर बादो ओ तनावमे रहैत छल। ऐ तनावसँ ओ आब मुक्त भऽ गेल छल।

सुनू-सुनूमे रघुनाथकेँ अशोक विहार पसीन नै एलै। ओ ततबे उजाड़ आ उदास स्थलक देखने नै छल। देखब तँ दूर, सोचने नै छल। हुनका कहियो बतौने छल जे ई पूरा स्थलक कहियो पूरा श्मशान होइ छल। यएह वजह भऽ सकैए जे हुनका सभ गली आ सभ मकानक सभटा खिड़कीसँ आबैबला हवा मृत्युगंध छोड़ैत लागै छल। मने पूबसँ जाउ वा उत्तरसँ जाउ नाक दबा कऽ वा छोड़ ओइपर रुमाल राखि दिअ।

आँखि बिन्द कऽ देखू तँ पूरा बस्ती ओइ बंदरगाहक सन छल जतऽ सभटा यात्री महाप्रयाण पर निकलै वा ओइ पार जाइक तैयारीमे लागल छल।

मुदा एक भोर- एहन भोर रोज आबै छल- आ ऐ आँखिसँ रघुनाथ देखै छल। ओइ भोर प्रयाण गेलै पार्कक दिसिनसँ आबैत एकटा वृद्ध दिसि- लकबा मारल, मुँह टेढ़, गरदनि हिलैत, बाम हाथ हिलैत, घसिआइत असक्क पएर, दोसर गलीसँ निकलल एकटा दोसर वृद्ध जकर एकटा आँखि फुजल छलै आ दोसरपर हरियरका पट्टी छलै, आ तकर पाछाँ एकटा दोसर वृद्ध जकर गरमे कालर माने स्पांडलाइटिसक पट्टा छलै। तेसर गलीसँ सेहो एकटा वृद्ध आबि रहल छल, पार्कक गेटक दिसि आस्ते-आस्ते। हुनकर एकटा हाथमे बेंत छल आ ट्रैक सूटक भीतर।

सूर्य जना-जना ऊपर उठल जाइ छल, ओना-ओना सभटा कोनासँ खरामा खटखटबैत आबैबला एहन वृद्धक संख्या बढ़ैत जाइत छल।

रघुनाथकेँ लागल जे ई वृद्ध नै अछि- जिनगीक भूख अछि, जीवनक प्यास अछि, स्वयं जीवन अछि- जे डेग-डेग एकटा खयालमे जमा भऽ रहल अछि ओहिना जेना कोनो पहाड़ीक कोनक चारू दिसनसँ पानिक एकटा धारा बहैत अछि आ कोनो आन स्रोतसँ मेटिकऽ कहियो नै सूखैबला, भेल धरि सूखि उड़ाबै बला, शोर मचाबै बला अजस्र धार बनि जाइत अछि।

जीवनक हरना सभ भोर रघुनाथकेँ अपना दिसि खीचैत अछि- रग्घू, आबू, सुनू, भीजू। मुदा रघुनाथ शुरूमे भीड़सँ बराबरि बचैत अछि।

कहि बचैत अछि रघुनाथ- ओकरा ओ बुझि नै सकल छल।

जखन सभ वृद्ध अपन मृत्युक विरोधमे बड़ मन आ जतनसँ बाबा रामदेव बनैत अछि, रघुनाथ मूड़ी निहुरने चुपचाप पार्कसँ बहरा जाइत अछि।

હુનકર પસીનક ડામ ઈ નૈ, નહરિ છલ। અશોક વહિારસઁ ડેઢ કિલોમીટર દૂર। નહરક પાર ઓકરાસઁ સટલ વગેચા છલ આ તકર આગૂ સંળય ક઼ૉલોની। ઈ કહિયો ઘનગર છલ, ળઈમે છલ-ચાતરીમ, વેલ આ લાનક ગાછ। રઘુનાથ નહરક પુલપર તાયરાિ વૈસલ રહૈત છલ ળાયરાિ ગૌદ સહિ સિકે ળોગ રહૈ છલ ઓકર ગાછીમે।

ઐ પુલપર હુનકર ભેંટ ભેલ છલ એલ એન વાપટસઁ। વાપટ વનારસક મહારાષ્ટ્રીયન છલ। એત઼ પઢલક લિપ્પિલક, એતૈસઁ નોકરી શુરૂ કેલક આ ળૌનપુરસઁ ડપ્ટિી ળેલર ભ઼ રટિાયર ભેલ। વડ઼ મસ્તમૌલા આદમી છલ- પુરના શ્વિમી ગાનાક શૌકીન। હુનકર દૂટા શૌક છલ- પીઅવ આ ગીત ગાયવ। ગાવૈ તખ્ખને ટા છલ ળખ્ખન પીવૈ લેલ વૈસૈ છલ। હુનકા કોનો સંતાન નૈ છલન્હિ- નહિયે વેટા, નહિયે વેટી। સ્ત્રી છલ ળકરા સભ વુઢ઼િયા કહૈ ળાઈ છલ। ઓ સંળયનગરમે એકટા છોટ સન શ્વૉટ લેને છલ આ ળઈમે કહિયો-કહિયો ળવર્દસ્તી રઘુનાથકેં લ઼ ળાઈ છલ। આ ળખ્ખન લ઼ ળાઈ છલ, કતિાવી કોડ઼ા ઐ માસ્ટરકેં ગરિયિાવૈત કરી ટા યપ્પિા દૈ છલ।

સૂર્ય હુનકર શત્રુ છલ। ઓ નશ્રિમસઁ પાઁચ વળે સાઁઝ ક઼ પુલાપર આવિ ળાઈ છલ આ હુનકા ગારાિ દૈવ શુરૂ કરૈત છલ- રઘુનાથ, કરી દેખૂ સાઢ઼કેં। ળાતિ-વૃદ્ધિ ક઼ અવેર ક઼ રહલ અછ઼િ। ઓ સાઁઝ હૈક સંગ વૈયૈન હુઅર લાગૈત છલ આ ઘર દસિ એના ભાગૈત છલ ળેના પુલસિક યાંગુરસઁ છુટૈત યોર।

હશ્રુતાસઁ ઊપર ભ઼ ગેલ છલ ળખ્ખન વાપટ રઘુનાથસઁ ભેંટ નૈ કેને છલ- નહિયે પુલપર, નહિયે ઓઈ ગાછીમે। ઓ સભ દસિ ળાઈ છલ આ ઘુરાિ આવૈ છલ।

ઓ ઓઈ દસિ ળલ્દી ઘુરાિ આએલ છલ કિએકિ ગુમાર વડ઼ છલ આ પારિ વરસૈક આસ છલ।

કાલોનીક મુહથરિપર મકાન છલ મન્ના સરદારક। વરિ પલસ્તરક, ઈંટાક। પૈઘ દરવળ્ળા, ળઈમે એક દસિ નમ્હર સન ખ્ખટાલ, ઓત઼ વાન્હલ યારિટા મહીસ, તીનટા ગાય। એત઼ ભોર આ સાઁઝ દૂયક વર્તનક કૃપૂ લગાવૈ છલ વૂઢ઼। ઈ કારોવાર મન્ના સરદારક નૈત દેખૈ છલ, હુનકાસઁ એકર કોનો મતલવ નૈ છલ।

કહૈત અછ઼િ ળે ઈ કાલોની હુનકર ળમીનપર વસલ અછ઼િ।

પયહત્તર-અસ્સી વરખ્ખક મન્ના સરદાર અપ્પન ળમાનાક પહલમાન। કારિ, મોટ, ગસ્સલ શરીર। પેટ કરી નકિલલ। આઈયો લાલ લંગોટ આ છીંટવલ ગમછામે ઉઘાર દેહ રહૈત અછિ઼ આ નશ્રિમસઁ પયછમિ મુઁહ ક઼ કએ પયાસ ડંડ-વૈસકી કરૈત અછ઼િ। હુનકા વસ એક્કેટા શૌક અછ઼િ આ એક્કે ટા રોગ। શૌક અપન હાથસઁ ભાંગ ઘોટવ, ગોલ ળમાએવ, ઊપરસઁ મલાઈ-રવડ઼ી ખ્ખાએવ આ રોગ- ગઠિયા। હુનકાસઁ ડૉક્ટર વાળલ છલ ળે ળૌ યાહૈ છી ગઠિયા ઠીક હુઅએ તઁ ભાંગ છોડ઼ દિઅ। ઓ ળવાવ દેને છલ- ઓ ડૉક્ટર સાહેવ, અહાઁ કહવ તઁ દુનયિા છોડ઼ દૈવ, વાકી ભાંગ નૈ।

ઓ ળવાની યરાિ શહર ળાઈ છલ આ ળે કયિો પકડ઼મિ આવિ ળાઈ છલ ઓકરા ઓઈ દસિક ખ્ખસ્સિા સુનાવૈ છલ।

રઘુનાથ હુનકર પહુઁયમિ આવિ ગેલ છલ ઓઈ દસિ। ઓ ળહિના મુડ઼લ, તહિના સરદાર પુછલક- ળૌ રામળી માસ્ટર સાહેવ। કુમ્હર ક઼ રહૈ વલ છી અહાઁ। કી વતૌને છલૌ ઓઈ દસિ।



- थानापुर साहेबक।

- अरे, अहाँ बतौलि करै नै, ओइ साहेबक तँ गुरु छल।

- गुरु के?

- छक्कन गुरु। अहाँ केना नै हुनका चिन्है छी? ई तँ आश्चर्यक गप अछि। आबू, बैसू तँ। पानि नै बरसत, चिन्ता नै करू। देखू पुरबा शुरू भऽ गेल अछि। पीताम्बरी आ खड़ाम- बस यएह पुआ-चढ़ा छल हुनकर, चाहे जतऽ रहए की नम्हर छथि, की छोटी सन देह। परबा पोसने छल ओ। बस एकटा परबा- सेहो सोन सन। ओ अपन हाथसँ किसमिस, बदाम, छोहाड़ा खुआबै छल। एक बेर ओ गाएब भेल छल, हल्ला भऽ गेल। गुरु चिन्तित। साढ़ बजा बजेल कतऽ चलि गेल। आठम दिन घुरल तँ लाल एकदम लाल। हाँफि रहल छल। गुरु बाजल- सूर्य देवताकेँ डेर मारि कऽ आएल अछि, जीह आ लाल जरि रहल अछि ओकर, उत्साह नै देत अछि। पहिने पानि पिआ। तँ एहन छल गुरु। एक बेर साँझ कऽ भांग घोटि कऽ ओइ पार गेल, साथी पानि देलक, चंदनक तिलकपर टोप लगौलक, गट्टापर गजरा लपेटलक आ दालकि मंडी दालमंडीमे पैसल। मुन्नी बाइ अपन घरसँ देखि रहल छल जे गुरु आबि रहल अछि। जहिना गुरु ओकर कोठा लग पहुँचल ओ अपनाकेँ सम्हारि नै सकल। वाह रे गुरु। गुरु ओकरा अपन कन्हा आ कोहनीक बीचक ठामपर रोकि लेलक। गुरु बाजल- मुन्नी, आइ लेपर मुजरा होएत मुदा ऐ गलीमे नै, चौकपर। अखनेसँ हम ठानि लेलौं, सगर नगर देखत। आ गुरु ओकरा ठीके चौकपर आनि लेलक। आ सेर जे मुजरा भेल से नै पूछू तँ सएह नीक। आ अहाँकेँ पता नै जे गुरु के छल?

जखन ओ उठल तँ अकास साफ भऽ गेल छल आ जतऽ-ततऽ छिरिआएल तारा उत्साह पड़ि रहल छल।



६

रघुनाथ जखैन साँझमे घूमै, टहलै लऽ या मिलि-जुलैऽ बाहर जाइ छल, तँ कोशिश करै छल जे नौ बजे धरि घुरि आबए। रातिक खाना ओ सदखिन सोनल संग खाइ छल। ई सोनलक जिद छल। दुपहरियाकऽ एना तखने संभव भऽ सकै छल जहिया ओकर छुट्टी रहए। नै तँ दाइ खाना पका कऽ चल जाइ छलि आ ओ अपनेसँ खाना निकालि कऽ खा लै छल। नाश्ता हुनिकर अलग छल आ सोनलक अलग। हुनिका अँखुआएल बदाम आ दूधसँ खालि मतलब छल।

शीलाक गलतीसँ ओ बड़ रास गप सिखने छल। ओ अप्पन हिसाबसँ हुनका नै चलबै छल, हुनकर हिसाबसँ ओ अपने चलैत छल। हुनका ससुर बनैक बदला बाप बनि कऽ चलब बेसी सुविधाजनक लागै छल। आ तामसक कोनो गप नै हुएलऽ दियौ आ हेबो करए तँ बर्दाश्त कऽ लिअ आ टारि दियौ। दुनू साँझक खेनाइ आ सुतबासँ मतलब छल- बाकी अहाँ जानू, अहाँक काज जानए। खर्ची गामसँ, तर-तरकारी पेंशनसँ। आ पेंशन एतबे भेट जाइ छल जे अपनेटा नै, दोसरोक छोट-मोट जरूरत पूरा भऽ जाए।

बेटा पुतोहुक संग जीबैक चएह तरीका हेबाक चाही जे सभकेँ एक-दोसराक दोस्त बना देल छल। भऽ सकैए जे एकर पाछाँ कत्तौ ने कत्तौ हुनकर अप्पन असगरुआ प्रवृत्ति हुअए वा हुनकर अकछाएब।

जखन सोनलक आग्रहपर पहिल बेर सरला आएल छल अशोक बहिन तँ ओ सोनलक दीदीक संग ननदि सेहो छल। बिदा करै काल ओ सोनाक चेन आ अउँठी संग दूटा साड़ी हुनका लेल आ दूटा मम्मी लेल देने छल। तकरा बादो



સનલા કતેક વેન આએઉ આ સબ ઘડ઼ી સોનઉ ળે કઽ સકૈ છઉ, કનૈત નહઉ- માને ઘનક ળે યીળ સનલાકેં પસન્નિ આવૈ આ સનલાકા ઈ કહયિો નૈ સોયને છઉ ળે સનલા પૈઘ અછિ- દૈક કન્નવ્ય આકન છૈ।

શીલાકેં સેહો અપ્પન ગલતીક અનુભવ ભઽ ગેઉ છઉ ળે આ અપ્પન પુતોહુકેં વુદ્દેયેમે ગલતી કેને છઉ।

એનવે ટા નૈ, સોનઉ અપના દસિસઁ વાપ આ વેટા- નઘુનાથ આ યનંળય- ક વીયક દૂની સેહો કમ કનૈક કોશશિ કેઉકા ઈ અઉગ ગપ અછિ ળે દૂની ઘટૈક વદલ વઢ઼ન ગેઉ- મુદા એમે આકન દોષ કનઽ છઉ।

આ યનંળયકેં સ્ફોન કઽ કહઉક ળે નૈયા, અહાઁ નઁ ળુલુમ કનૈ છી। અમેનકિાસઁ પૈસા મંગાવૈક હોઇ છઉ નઁ કી-કી નૈ વાળૈ છઉ। કતેક નાસ ગપ કનૈ છઉ ળે ઈ ળનૂનન અછિ, ઊ ળનૂનન અછિ આ એનઽ એતેક દનિસઁ હમ આએઉ છી આ એક વેન દેપ્યૈઉ નૈ એલૌ ળે મૌળી કોના અછિ। પાપાકેં સેહો ઠીકસઁ નૈ માલૂમ અછિ ળે અહાઁ એમ્વોએ કેલૌ કનિ આ કઽ લેલૌ નઁ આવ કી કઽ નહઉ છી। અહાઁક વયિાહ ભઉ લેક આવનિહઉ અછિ। પાપા મમ્મી પનેશાન અછિ। કી યાહૈ છી, વનાઉ નઁ? એક દૂ દનિક લેલે સહી, આવનિ ળાઉ।

એ સ્ફોનક નતીળા છઉ ળે આ આએઉ મુદા નૂકઉ ઘનમે નૈ, ડાયમંડ હોટલમે। નઇસઁ ળે આ અસગમે નૈ છઉ, સંગમે એકટા મહળિા છઉ અપ્પન ટટિહનવીક સંગ।

સોનઉ હુનકા સબકેં નાનમિ પ્પેનાઇક નોન દેને છઉ।

ળપ્પન નઘુનાથકેં ઈ પ્પવન ભેટઉ છઉ નઁ આ ઉઠઉ આ યુપ્પે પહાડ઼પુન યલિ ગેઉ।

યનંળયકેં આવૈમે કની દેન ભઽ ગેઉ છઉ। આ ટૈક્સીસઁ આએઉ છઉ। સંગમે આવૈવાલી સ્નની નૈ, લડ઼કી છઉ- કે વળિયા। સોનઉક ઉમેન કી છઉ। નાકમે હીનાક યમકૈન કીલ, કાનમે દૂલૈન નગિ, ળૂડ઼ામે વેલક ફૂલ। એકદમ દક્ષિણ ભાનનીય મુદા ગોન આ સુન્નના। ગપસઁ પના યલઉ ળે આ દક્પ્પનિ દળિલીમે કોનો કાનપોનેટ કંપનીમે નોકની કનૈત અછિ। આઇ કંપનીમે આકન પનિ સેહો કાળ કનૈત છઉ, પહનિસઁ। આકનાસઁ નીક પદ આ વેનન છઉ। આ વનિ-વયિાહઉ છઉ। દુનૂ વયિાહ કેઉક આ નોએડામે ડૂપ્લેક્સ ફ્લૈટ લેને છઉ। વય્યીક પૈદા હૈક કછિુ દનિ વાદ એકટા સડ઼ક દુનઘટનામે હુનકન મૃત્યુ ભઽ ગેઉ છઉ। ઘન, ગાડ઼ી, નોકની, વયયિા, સબ કછિુ મુદા છઉ વેસહાના। ભાવનાન્મક નૂપસઁ ટૂટિ યુકઉ છઉ આ। એનામે યનંળયસઁ ભેટ ભેઉ છલૈ।

વય્યીક નામ નન્ના ડી છઉ। આ યનંળયકેં પાપા કહૈત છઉ।

સોનઉ સુનનિ કઽ અસમંળસમે પડ઼લ નહઉ, કછિુ કાલ યનિ ફ્લેન એનવે વાળલ- અહાઁ સબકેં સોઢ઼ે ઘન એવાક યાહી।

યનંળય વહન્ના કેઉક ળે વળિયકેં સમએ નૈ છલૈ। આકના વાવા વશ્વિનાથક દન્શન કનૈક છઉ, ગંગા નહાવૈક છલૈ, ઘાટ દેપ્પવાક છલૈ, સાનનાથ ળેવાક છલૈ- સમએ કનઽ અછિ।

ળઇ કાલ અમેનકિાક અલવમ દેપ્પૈ-દેપ્પાવૈક કાન્યક્નમ યલિ નહઉ છઉ, આઇ કાલ ડનિનક નૈયાનીક વહન્ને સોનઉ કયિનમે આએઉ આ સહાયના લેલ યનંળયકેં વળેઉક।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

-નાહૂ, ધ્ગોક પૈઘ ગપા નૈ શ્રહઁ પાપાકેઁ વનેઉઈ, નૈ મમ્મીકેઁ શ્રા નહિયે હ્મના। ૬ કી દેખ્ખિ નિહઉ છી?

-કોન ગપ?

-ઐ, ધ્યહ જે શ્રહઁ વયિાહ ક઼ ઊઉૌ શ્રા કકનો ખ્યવનિ વિનિ નૈ દેઉૌ।

-કે વાજઉ જે હ્મ વયિાહ ક઼ ઊઉૌ।

સોનઉ શ્રાશ્યય્યસઁ યનંજય દસિ તાકઉક- શ્રહઁ દુનૂ એક્કે છાક નીયાઁ નહિ નિહઉ છી નૈ જાનિ કહિયાસઁ, શ્રા વય્યી પાપા કહિ નિહઉ છી શ્રહઁકેઁ શ્રા વયિાહ સેહો નૈ? મામલિ કી શ્રછિ?

યનંજય મુસ્કાઇઉક- મૌજી, મામલિ કિછુ નૈ શ્રછિ। ગપ એતવે ટા શ્રછિ જે શ્રોકના હ્મના જૂનાન શ્રછિ શ્રા હ્મના શ્રોકના- જાયનિ જિૅવ નૈ મેટ જાશ્ત શ્રછિ।

-કી શ્રોકના ઐ ગપક શ્રાભાસ શ્રછિ જે શ્રો શ્રોકના સંગ તાયનિ શ્રછિ જાયનિ જિૅવ નૈ મેટ જાશ્ત શ્રછિ।

-૬ હ્મ નૈ જાનૈત છી।

-શ્રહઁ શ્રોકના સંગ નહિ નિહઉ છી, શ્રોકના ખ્યા નહઉ છી, પી નહઉ છી, પહીન નહઉ છી, શ્રોકના ગાડ઼ી શ્રા પેટ્નોઉસઁ ઘૂમિ નિહઉ છી, શ્રોકના વયયિા શ્રહઁકેઁ પાપા માનૈત શ્રછિ, શ્રહઁક મનોસે ઘન શ્રા વય્યીકેઁ છોડ઼િ નોકની કનૈત શ્રછિ। શ્રહઁ શ્રોકના સંવંયી વા નોકના સેહો નૈ છી- સ્ત્રેન કોન સંવંય શ્રછિ શ્રહઁ શ્રા શ્રોકના વીય।

શ્રપનીવ મ઼ યનંજય વાજઉ- મૌજી, છોડ઼િયૌ ૬ સભા યઉ ખ્યાશ્ છી।

-ઐ, એના કોના છોડ઼િ દિવા શ્રહઁ શ્રોકના યોખ્યા દ઼ નહઉ છી શ્રા વેવકૂસ્ત્ર વના નહઉ છી। શ્રાકિ સ્ત્રેન હ્મનાસઁ દૂઠિ વાજિ નિહઉ છી વા નુકા નહઉ છી।

-દસ્િઉક ઉડ઼કીકેઁ નૈ જાનૈ છી શ્રહઁ। મ઼ સકૈત શ્રછિ, કાઉ઼િ વય્યી સ્કૂઉ જાઇ ઉગઇ તઁ કાન પકડ઼િ ક઼ વાહન ક઼ દશ્રિઇ।

-એકદમ ક઼ દેવાક યાહી, શ્રહઁક યાઉ દિખ્ખિ કઃ સોનઉ શ્રોકના ટોહ ઊત પુછઉક- એકટા ગપ કહૂ, શ્રહઁક નજનિ શ્રોકના ઘન-ઘનાની શ્રા સુખ્ખ-સુવિયા પન તઁ નૈ શ્રછિ?

-શ્રય્છા, નહ઼ દિયૌ। શ્રહૂઁ હદ કનૈ છી।

-હ્મ ઐ દ્વાને કહિ નિહઉ છી, જૌ હુશ્રઇ, શ્રહઁકેઁ ક઼ ઊવાક યાહી। સુન્દન શ્રછિ, વુદ્ધુક શ્રછિ, જૅવમે શ્રછિ, શ્રહઁકેઁ જૅવ નૈ મેટઇ તખ્ખનો કોનો હ્નજ નૈ। હ્મ સંગ છી શ્રહઁકા વુદ્ધૌ। યઉ શ્રાવ।

સોનઉ વજિયકેઁ શ્રાવાજ દેઉક। સભટા કયિનસઁ કટોની, પ્લેટ શ્રા થાડ઼ી ડાશ્નિગિ ટૂમમે ઉ઼ ગેઉ, એક-એક ક઼ કઇ સોનઉ નત્ના ડ઼ી કેઁ કોનામે વૈસેઉક, ખ્યૈઉક શ્રા ખ્યુશ્રઇઉક શ્રા સાઢ઼ે એગાનહ વજે વદિા કેઉક।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

𑒥𑒱𑒠𑒰 𑒯𑒼𑒃𑒮𑒿 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒡𑒢𑓀𑒖𑒨 𑒧𑒾𑒮𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒁𑒮𑒑𑒩𑒹 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪।

- 𑒧𑒾𑒮𑒲, 𑒏𑒲 𑒄 𑒮𑒞𑓂𑒨 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒦𑒻𑒨𑒰 𑒋𑒞𑓄 𑒥𑒱𑒨𑒰𑒯 𑒏𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱?

𑒮𑒼𑒢𑒪 𑒋𑒏𑒩 𑒧𑒳𑒿𑒯 𑒠𑒹𑒐𑓄 𑒪𑒰𑒑𑒪।

- 𑒂𑒩𑒞𑒲 𑒏𑓄 𑒏𑒋 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒕𑒾𑒛𑓃𑒲 𑒁𑒕𑒱 𑒏𑒲 𑒋𑒞𑓄?

𑒮𑒼𑒢𑒪 𑒥𑒱𑒢𑒰 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒥𑒱𑒠𑒰 𑒏𑒹𑒢𑒹 𑒒𑒩 𑒦𑒰𑒑𑒱 𑒑𑒹𑒪।

૭

ર઼ઘુનાથ ગામસઁ ઘુ૧૭ મુદા સ્વા઼ર્થી આ કૃતઘ્ન બેટાક ખાસ્ક વાદ।

ઈ હુનકર વિચાર છ૭, અપ્પન છોટ બેટા ધનંજયકેં ૭ક કજ઼ ઓકરા પતા છઇ જે એ નગરક અશોક વિહારમે ઓકર મૌલીક સંગ બાપ સેહો રહૈત અછિ, મુદા ડેરા૭ હોટ૭મે। માનલિએ જે ઓરત સંગ છઇ- કાશી દર્શન ૭૭ આએલ છ૭ જે ઈ ૭ડ઼કાક ઘર અછિ, આસાન હએત। કરવાક ઈ ચાહી જે હુનકા હોટ૭મે ડેરા કક અહાઁ અપ્પન ઘર આવિ જૈતાએ, એતક નુકતાએ મુદા નૈ। ર઼ઘુનાથ નારાજ હુઅએ, હુનકા દુખ સેહો ભે૭। ઈ ગપ ઓ પુતોહુસઁ નૈ કહિ સકૈત છ૭। દોસર ગપ છ૭ બાપક ઈગો। દેખક ચાહૈ છ૭ જે જે બેટા દિલ્લીસઁ વનારસ આવિ સકૈત અછિ, ઓ બાપસઁ ભેંટ કરૈ ૭૭ વનારસ આવિ સકૈત અછિ, ઓ બાપસઁ ભેંટ કરૈ ૭૭ વનારસસઁ ડેઢ઼ દૂ ઘંટા દૂર પહાડ઼પુર આવિ સકૈત અછિ વા નૈ।

શકિાશ્ત તેં હુનકા અપ્પન વડ઼ બેટા સંજયસઁ સેહો છ૭ મુદા પરદેસક દૂરી આ ઓકર અસગરે પડ઼િ જાસ્ક કલ્પના હુનકર કડ઼ાપનકેં કમ કક કએ રાખને છ૭। ઓ એહન દેશમે છ૭ જાતક માઁ નૈ, બાપ નૈ, સ્ત્રી નૈ। ઓકર ઓતક કી હાલત હેઇત હેતૈ, એનામે જખન ઓકરા ૭૭ હુક ઉઠૈત છ૭। ઓ વિસ્રુર૭ નૈ છ૭ જે અપ્પન વિયાહ કરવાક વાદો ઓ અપ્પન પિતાક જરૂરતક ધ્યાન રાખ્ય૭ક। એતબે ટા નૈ, ઓ જે ડી-૧ અશોક વિહારમે એતે દિનસઁ નિશ્ચિંત અછિ આ ખાટ તોડ઼િ રહલ અછિ- ઓકરે ચલતે। હુનકા ઓકર એક આ એકમાત્ર ઇચ્છાક જાનકારી અછિ- એક તરહે પિતાક અંતિમ ઇચ્છા જે ઓ અપ્પન અન્તિમ સાઁસ પહાડ઼પુરમે વન૭ નવ ઘરમે છોડ઼થ। ઓ ગામક પીસીઓ સઁ સુનૂમે દૂ-ચારિ ફોન કક મોન સેહો પાડ઼ને છ૭ જે કિછુ ભેજૂ, જતબે વનિ સકએ ઓતબયિ ટા, કમસઁ કમ ઢાઁચા તેં અપના રહિતે ઠાઢ઼ કક દૈતાએ। ઓ સુનૂમે ઉત્સાહ દેખ્બો કેલક મુદા આખિરીમે ઓ ખૌહા કક કહ૭ક જે ટકા કાએ વરવાદ કરૈપર લાગલ છી, ઓકર સદુપયોગ કરવા ૭૭ સોચૂ। એકર વાદસઁ ર઼ઘુનાથ નૂસિ ગેલ છ૭। નહિયે ઓ ફેર ફોન કેલક, નહિયે ઓ ગપ્પે કેલક।

સોનલ જરૂર ગપ કરૈત છ૭-કંપ્યૂટરક આગૂ વૈસિ કક, કાનમે ઈયર ફોન લગા કજ઼ માસમે કહિયો એક બેર, કહિયો દૂ બેર। ર઼ઘુનાથસઁ કહૈત છ૭ જે પાપા, આવિ જૈતાએ અહાઁ ગપ કક લિયૌ। મુદા સંજય નૈ કહૈત છ૭ તેં સોનલકેં કહૈ આ ચાહૈસઁ કી। એ તરહેં હુનકર નૂસવ ચલૈત રહ૭- વિરહ બાપક ઈગો। એતબૈ જરૂર છ૭ જે જખન કખનો ફોન આવૈત છ૭, ઓ અપનાકેં વજાવૈક ઇંતજાર કરૈત છ૭, જે કહિયો નૈ ભેલ।

સંજય એક બેર વાજિ ગેલ- અનચોક્કે। તખન ઓકર માઇ ઓકરા સંગ છલ। ઓ નાઁચીમે પઢ઼િ રહલ છલ ઓર કાલ। ર઼ઘુનાથ માસ્ટર- આદમી કોનો પ્રસંગમે કૃતજ્ઞતાક મતલબ વુઝિ રહલ છલ જે કયો અહાઁ ૭૭ કનીયો ટા કિછુ


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

करैत अछि तँ ओकरा बिसरी नै, मोन राखू आ मौका भेटए तँ जे किछु कऽ सकैत छी, करू। ऐ जन्ममे उऋण भऽ जाउ। एकरासँ पैघ सुख दोसर नै। जखन रघुनाथ चुप भऽ गेल तँ संजय बाजल- बाबा, एकर मतलब तँ अहाँ जतऽ रहू, ओतै ठाढ़ रहू। बेर-बेर घुरि कऽ देखब तँ आगू कहियो बढ़ब। अहाँ कऽ तात्पर्य हम बुझल कहि रहल छी आकि पएरमे बेड़ी पहिरे छल। ई गप ऐल-गेल मुदा रघुनाथक दिमागसँ गेल नै छल।

रघुनाथ सेहो चाहै छल जे बेटा आगू बढ़ए ओ खेत आ मकान नै अछि जे अपन ठाम नै छोड़ए मुदा ईहो चाहै छल जे एहनो मौका आबए जखन सभ कियो एक संग रहए, एक ठाम रहए। अपनामे हँसैए, गाबैए, लड़ैए, झगड़ा करैए, हा-हा ही-ही करैए, प्यार पबैए, घरक सुख-सन्तोष टूटैए मुदा कतेक बरख भऽ रहल अछि- कियो कतौ अछि, कियो कतौ। आ बेटा आगू बढ़ैत एतेक आगू बढ़ि गेल छल जे ओतऽ सँ पाछाँ देखए तँ नहियेँ बाप नजरि आबै नहियेँ माँ।

कखनो कखनो हुनका लगै छल जे ओ बापक जगह बनि सन्तान हेतए तँ बेसी नीक होइतए। ओ सेहो हुनके सन दादू छानि कऽ गओतए आ मस्त रहतए।

गामसँ घुरलाक बाद ओ अपन पोतासँ घरजरकैं लऽ कऽ किछु नै पुछलक। पोता अपने उदास आ बेमार लगै रहल छल। ई सोचि कऽ जे ओकरा बहुत रास एहन बीमारी होइत अछि जेर लऽ कऽ पूछब ठीक नै। ओ चुप्पा लगा गेल।

हुनकर बीच गप होइत छल रातिमे, खेनाइक टेबुलपर। रघुनाथ गामक सोचमे जीबैत रहैत छल, ओ बएह गप करैत छल, पोताक विश्वविद्यालयक, अपन विभागक, लड़का-लड़कीक, प्रशासनक। हुनका अनमुनाह सन देखि कऽ रघुनाथ शुरू केलक, पहाड़पुरमे हरबला ग्रामसभा चुनाव कऽ लऽ कऽ- बूढ़, एहन कालपर गेल छी जखन चुनावक माहौल छै। पहाड़पुरक ग्रामसभा अछि आरक्षित कोटाक। लड़ैत अछि दलित आ निर्णायक होइत अछि ठाकुर बोट, जकर संख्या अछि साठि ई साठि बोट जकरा चाहे समापति बना दिअए आ जकरा चाहे प्रधान बना दिअए। ठाढ़ अछि सोमारू राम आ मंगरू राम- हम जेर दिनि पहुँचलौं, ओइ दिनि साँझकैं ठाकुरक सभक बैठकी छल बबन काका करता। तय भेल जे यएह मौका अछि जखन ओ पकड़मे आएल आ यएह मौका अछि बदला लेबाक। जेतबा ऐंठैक अछि, ऐठ लिअ, नै तँ स्तर हाथ नै आबएबला। बयान भेल जे दुनियाँ आ देश एककैसम शताब्दीमे चलि गेल अछि आ पहाड़पुरमे मंदिरि नै, जल चढ़ाबै लेल खाली महादेव स्थान अछि। कहल जाए तँ जे एक लाख देत, बोट ओकरे देल जाएत।

जौं एकरा लेल दुनू तैयार भऽ जाए, तखन? कियो बीचेमे टोकलक।

ऐपर दू टा बयान आगू आएल। एक ग्रुपक कहब छल जे एहन हालतमे बोली बढ़ाबैत रहू। एक कऽ डेढ़, डेढ़ कऽ दू- एना। जे बेसी दिअए, बोट ओकरे देल जाए। दोसर ग्रुपक कहब छल जे नै, ई गोल भाव अछि, नीलामी सन चीज अछि, अपन जबानसँ पलटब अपन प्रतिष्ठाक आ मर्यादाक अनुकूल नै अछि। दुनूसँ एक-एक लाख लऽ लेल जाए आ बोट आध-आध बाँटि लेल जाए। तीस एक कऽ, तीस दोसर कऽ। बनाएल दुनूकैं नै जाए। ओ मानि कऽ चलए जे साठियो हमरे जा रहल अछि।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

नव पीढ़ी ऐ दुनूसँ असहमत छथि। हुनकर कहब छनि जे अहाँ सभ अप्पन मंदिर आ महादेवकेँ लऽ कऽ चाटू, हमरा हमर दारू आ मुर्गा चाही।

रघुनाथकेँ ई सभ सुनाबैत मजा आबि रहल छैक मुदा ओ देखि रहल छथि जे सोनल नहियेँ सुनि रहल छथि आ नहियेँ रस लऽ रहल छथि। हुनकर मन कतौ आन ठाम छनि। खाना खाइ बेरुक बाद जखन ओ हाथ धोइले आएल तँ देखलक जे सोनल अप्पन बिछौनपर चितांग पड़ल छथि आ कानि रहल छथि। रघुनाथ हुनकर कोठरीमे ठाढ़ भऽ कऽ किछु काल धरि बुझाबैक कोशिश करैत रहल- बेटा सोनल, की बात अछि?

सोनल आर कानऽ लागल।

-बेटा, बाजू ने की बात अछि। रघुनाथ अपनाकेँ सम्हारैत पुछलक।

-संजय दोसर बियाह कऽ लेलक। सोनल हिचकीक संग बाजल- हम काल्हि फोनपर बात केलौं। तखन बाजल- कमसँ कम हमरासँ पूछि तँ लैतथि।

८

भ्रम आ भरोस- चएह अछि जिनगीक सपना। ऐ सपनासँ छूटैत अछि जिनगी आ स्रोत बहैत निकलैत अछि- निर्मल-कलकल।

कखनो-कखनो लगैत छनि जे ई अलग-अलग चीज होइत अछि। सपना एक्के होइत अछि-ओकरा भ्रम कहू आकि भरोस। ई नै बुझए तँ जीअब सेहो नै बुझए।

चएह सपना रघुनाथक जिनगी छल। जखन अमेरिकासँ घुरलाक बाद सोनल बाजल छल जे पापा, हमरा लगैत रहल अछि जे संजय ओतऽ बसि जाए चाहैत अछि। रुपैया आएत जरूर मुदा रहै लेल नै, विजिट करै लेल। तँ रघुनाथ हुनकापर व्यंग्यसँ मुस्की देने छल- कतेक जाइ छी संजयकेँ। बाप एतऽ, माँ एतऽ, भाए एतऽ, बहिन एतऽ आर तँ आर स्त्री सेहो एतए ओ कहलक किछु नै, खाली मुस्की देने छल जे ओ अप्पन बापक दीनता आ दरिद्रता देखने अछि। ओ दुखी आ परेशान भऽ कऽ कहियो-कहियो बाजै छल जे चिंता नै करू, एतबे कमाएब-एतबे कमाएब जे घरमे राखैक जगह नै हएत। मुदा कमाबैक ई रहस्य नहियेँ ओ बुझि सकल आ नहियेँ सकलेन। आइ हुनका लगै छल जे ओ सोनलसँ बियाह सोनल लेल नै, अमेरिका जाइ लेल केने छल।

रघुनाथ, तँ जिनगी अहाँकेँ जे जहिना छल, ओ जी चुकलौं। आब अहाँ अप्पन बेरजलती लऽ जीबि रहल छी।

ई कहियो नै कहि रहल छल मुदा हुनकर कान सुनि रहल छल आ ई मूक स्वर हुनकर हृदय धरि पहुँचि रहल छल।

ओइ साँझ ओ भोजन केलाक बाद घरक पछुआरमे अप्पन बेड़ा नै गेल। ड्राइंग रूममे बैसल रहि गेल। ओ पूरा राति ओहिना काटि देलक- बैसल-बैसल। नीन नै एलै। तरह-तरहक आशंका आबि-जा रहल छलै जइमे सभसँ प्रबल छल जे कतौ ई लड़की आवेशमे आबि कऽ किछु कऽ नै लिअए।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ई कहैक जरूरत नै आ एकरामे दू राय नै जे ई समाचारसँ हुनका एक तरहेँ खाली सुख भेटल छल जे ओकरासँ विवाह करैक पहिने की ओ हमरासँ पुछने छल। अहाँक बाप तँ गप करबाक जरूरतो नै बुझलक। एतऽ धरि जे नोत सेहो ऊपर मोने देने छल। आब बूझू। जे केहेन तरहक दंड भेटल। आब कानि कऽ रहल छी। हम आकि कियो आन की करत। मुदा ई सुख कनी काल धरि छल। एना सोचब ओकर निष्ठुरता आ अमानवीयता हेतैक। ओइ हालतमे तँ आनो जखन ओ अप्पन व्यवहारसँ हुनकर हृदय जीत लेने छल। एहन विचार अपनामे नचितार अछि। एहन कालमे सहृदयता आ प्रेम चाही।

बहिनो ड्राइंग रूम सेहो जा रहल छल आ सोनलक कमरा सेहो।

रघुनाथकेँ कनियो टा आहट भेटै तँ आस्तेसँ जाइ छल आ ओकर कोठलीमे हुलकी दै छल जे सभ किछु ठीक-ठाक तँ अछि।

राति डेढ़-दू बजेक आसपास सोनल हँसैत ड्राइंग रूममे आएल- पापा, आत्महत्या नै करब, निश्चिंत रहू। जाउ, सुति जाउ। मम्मीक कोठलीमे वा डेरामे।

रघुनाथ उठि गेलथि। हम ऐ डरसँ थोड़े बैसल छी बाउ। हमरा नीन नै आबि रहल अछि।

सोनलक ध्यान ड्राइंग रूमक ओइ पैघ फोटोपर गेल जे ओकर विवाहक छल। खास रिसेप्शनक छल। संजय-सोनल दुनू ऊँच मञ्चक सोफासँ सटल कुर्सीपर बैसल छल आ दुनूक माथपर हाथ राखने सक्सेना साहेब पाछाँ ठाढ़ छल।

- पापा एकटा प्रार्थना अहाँसँ।

- कहू।

- ई गप घरमे रहए अहाँ, मम्मी आ सरला दीदीक बीच। हमर पापाकेँ नै पता चलए।

- किए?

- ओ बर्दाश्त नै कऽ सकथिन। दू बेर अटैक भऽ चुकल छन्हि।

रघुनाथ किछु कहऽ चाहैत छल मुदा चुप भऽ गेल। ओ सोनलकेँ बाजऽ दै चाहै छल जइसँ जे ओकर मनमे अछि, निकलि कऽ हल्लुक भऽ जाए। ई नीक अछि जे ओ खाली सुनए।

- पापा हम चाही तँ हुनका कोर्टमे घसीटि सकै छी, पेनाल्टी होइत रहत। हम भागि कऽ नै आएल छी, हुनका छोड़ि कऽ नै आएल छी। आएल छी उचित भऽ कऽ। हमही टा नै, ओ सेहो चाहैत रहथिन जे हम हाउस वाइफ बनि कऽ नै रही। नोकरी करी आ सेहो अप्पन देशमे। आर एतऽ एलाक बाद अहाँ मीठ-मीठ गप करैत रही। एक बेर नै बतौलन्हि जे हुनकर मनमे की अछि? एहनो नै जे हमरा बजौलन्हि नै आ हम आबऽ सँ मना कऽ देने होइ।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

-जुलुम अछि सोनल बरि-सवरि होइत बाजल -अहां की बुझै छी हमरा। ऐ, अहाँ डायवोर्सक बात पुछबै तँ रहितहि हमरा, हँ कऽ दैतहि अहाँ नै दैतहि, कहितहि तँ हम दऽ दैतहि। पुछबो टा नै केलक, रुमाना सेहो नै केलक। बिना डाइवोर्स बियाह कऽ रहल छी। अपमानित कऽ कए बिना कोनो गलतीक, कसूरक। आ निर्लज्जता ई अछि जे पुछलापर मुस्कुराबैत कहै छी जे हँ यार, कऽ लेलौं। करऽ पड़ल। मूर्ख बुझै छी हमरा। जेना हम अहाँकेँ जानति नै छी। जेना हमरा अहाँक कनिदानी नै बुझल अछि। हम तँ बाबू अहाँक खाट ठाढ़ कऽ दैतौं, मुदा की बताबी। लोक एएह बुझत जे हम ई सभ गुलाम भेल कऽ रहल छी, जखैन कि हम थूक रहै छी अहाँक कमाइपर। की समय भऽ रहल अछि पापा। चारि, साढ़े चारि लाख, अहाँकेँ चाह पियाबै छी।

ओ उठल आ कनियमे चलि गेल।

ठंढी बेसी छल। रघुनाथ पएरकेँ सीरकमे लपेट कऽ सोफापर पड़ल छल। हुनका नीक लागि रहल छलनि जे सोनलक मूड बदलि गेल छै। मुदा ई नीक नै लागि रहल छलनि जे ओ हुनकासँ ओतेक गप करए जेना ओ संजय अछि। गलती हुनकर बेटा केने छल मुदा अपराधबोधसँ ग्रस्त ओ छल। ओ भीतरसँ डरल आ घबराएल छल।

ओ कहै तँ ककरोसँ नै छल मुदा गाम हुनका लेल सुरक्षित नै रहि गेल छलनि। बेटा सभकेँ गाम गेना कतेक बरख भऽ गेल छल। हुनका कोनो सरोकार नै रहि गेल छलनि गामसँ। घरेलक लोक सनेहीकेँ ठीकसँ काज नै करऽ दै छल। तीनीक पहिने बुक करेलाक बादो जसवंत हुनकर खेत तखैन जोतै छल जखन सबहक जोतार भऽ जाइ छल आ रोकलाक बादो हुनकर नाली बंद कऽ पानि पहिने अपपन खेतमे लऽ जाइ छल लोक सभ। बाहरी लोक सभसँ झगड़ा मोल लऽ कऽ एक दिन टिकब मुश्किल छल। रघुनाथ अपने कहै छल- सभ बेर चुप भऽ जाउ, सहि लिअ, मुदा झंझट नै करू। दियादक नजरि हुनकर खेतपर लागल रहैत छल- ई गप ककरोसँ नुकाएल नै अछि। गाम गेलापर हुनकर सम्मान सभ करितो करै छल मुदा ई सम्मान हुनका रहस्यपूर्ण लगैत छल।

नरेश अपपन घरक आगू हुनकर जमीनपर खुट्टा गाड़ि कऽ महीस बान्हब शुरू कऽ देने छल। रघुनाथ देखियो कऽ अनठा कऽ चलि दै छल। के रोज-रोज किचकिच करए।

ऐ बेर तँ सनेही जे सूचना देने छल, ओइसँ ओ आरो हदैस गेल रहथि। एक दिन हुनकर गाम जाइसँ तीन दिन पहिलुका गप अछि जे मोटरसाइकिलसँ दूटा छौड़ा आएल छल हुनकर दरबज्जापर। पैट-शर्टमे। ओ उतरल आ बरामदापर पड़ल खाटपर पटा रहल। सनेहीकेँ बजौलक, पुछलक जे मास्टर साहबक एएह घर छियै? सेहो पुछलक जे ओ कहिया-कहिया आबै छथि। कतेक दिन रहै छथि। कहिया जाइ छथि। शहरमे कतऽ बसोबास छनि- तरह तरहक प्रश्न। जाइत-जाइत ईहो बाजल जे हुनकर दिमाग ठेकानमे तँ अछि आकि नै। सनेही बाजल जे ओ नीक छौड़ा सभ नै अछि कोनो भरोस नै अछि ऐहन छौड़ा सबहक। जखन दिनोमे एनऽ आबि सकैत अछि तँ नग्न नाच करत दूरे अछि। एकरासँ पहिने कहियो देखने नै छल ओकरा। जे चुपचाप पटायल छल ओकर शर्टक भीतर पेस्तौल वा रिवाल्वर जेहन चीज छल। सनेहीक रिपोर्टक असर ई भेल जे ओ हलसल होइतो घरसँ बाहर निकलब बन्न कऽ देने छल। ओ कारण बुझैक कोशिश करै छल मुदा किछु बुझि नै सकल।



शील सन रघुनाथक सेहो अजीब स्थिति छल। ओ एतऽ रहितहि तँ गामक लेल चिन्तित रहै छल, ओतुक्का गप करै छल आ घुरैक बहन्ना खोजैत रहै छल मुदा ऐबेर जेहन संकेत भेट रहल छलै से ओतऽ घुरैक सोचने डर लागै छलै। ऐबेर ओ तय कऽ लेने छल जे बेसी जरूरी हुअए तँ दोसर गप अछि, मुदा अशोक बहिनक डेरा अछिये। ओ बजल रहए, हुनका आन किछु नै चाही। मुदा एतऽ? एतऽ संजय हुनका आगू दोसर समस्या ठाढ़ कऽ देने छल। आब ओ पूर्ण रूपसँ सोनलक मर्जीपर छल। ओ चाहे तँ रहऽ दथिन्ह, चाहे तँ निकालि कऽ बाहर कऽ दथिन्ह। भार, अहाँ ताधरि हमर ससुर छी जाधरि अहाँक बेटा हमर साँए छल। जखन ओ पति नै, तँ अहाँ ससुर केहन, कोन गपक? ई कोनो सराय आ धर्मशाल अछि नै जे पड़ल-पड़ल रोटी तोड़ि रहल छी, मुश्तकियाक। चलू एतऽसँ, अप्पन बाट नापू।

हुनका नीक गप तरह लागि रहल छलनि जे ओ किछु कहए, ओहिसँ पहिने ओ कहि दथिन्ह, बेटी, बड्ड भऽ गेल, आब आज्ञा दथि।

(ई ओ बुझै छल जे ई कहैसँ लाज हुनका भेटत। भऽ सकैए ओ पघलि जाए आ मना कऽ दथिन्ह।)

सोनल चाह लऽ कऽ आबि गेल- दूटा पैघ मगमे। एकटा मग हुनकर आगू राखैत बाजल-पापा, अहाँ एहन बेटा कहिए जनमेलौं। जे ओ नै देखै छल जे ओकरा लग छै, सदखिन उम्हरे देखैए, जे दोसराक लग छै- लेर बुझबैत। पता अछि, ओ आरती गुर्जरसँ बियाह केने अछि।

रघुनाथ चाह सुड़कलक। ओ कोनो सोचमे डूबल छल।

- ऐ दुआरे जे ओ असगर संतान अछि- करोड़पति एन.आर.आइ. व्यवसायीक। एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट कंपनी आरती इंटरप्राइजेजक मालिक।

- बेटा, हम सभ ई नै सुनऽ चाहै छी। हम खाली एतबे चाहै छी जे अप्पन पापाकेँ जा कहियौ आ आब हमर छुट्टी करू।

- की। की कहलौं अहाँ? कनी फेर तँ सुनी। सोनलक अवाज अनचोक्के ऊँच भऽ गेलै।

रघुनाथ बिना ओकरा दिसि ताकने चाह सुड़कैत रहल। सोनल हुनकर हाथसँ मग छीन लेलक। -एकदम्म नै। कान पकड़ू आ कहू जे एहन गप फेर नै करब।

रघुनाथ असहाय आ निराश आँखिसँ हुनका ताकलक।

ओ कानैत रघुनाथक कोरामे गुरकि गेल- पापा, संजय छोड़ि देलक, कोनो गप नै, अहाँ तँ हमरा नै छोड़ू।



८

रघुनाथ अप्पन जिनगीक समय नापैत छल, अप्पन पएरसँ, ओकर चालि आ तागतिसँ, फेफड़ासँ आबैत जाइत साँससँ। एक समय छल जखन ओ पंद्रह सोलह मील जाइ छल मामागाम। रौदमे। बिनु थाकल, बिनु कतौ बैसल- आ प्रसन्न रहै छल। फेर ई समय घटब शुरू भेल- आठ मील, फेर छऽ मील, फेर चारि मील, फेर एक मील। आ ओ आब डेरामे आबि कऽ घोकचि गेल छल। जौं कतौ निकलबाक होइत अछि तँ आब दूटा पएर बेसी नै होइ छै, एकटा तेसर पएर सेहो लगाबऽ पड़ैत अछि आ ओ तेसर पएर छल- छड़ी।

आब ओ तिपहिया मनुष्य छल।

संतोष ई छैक जे हुनकर सन चौपाया मनुष्यसँ कॉलोनी भरल छल। जीबैक आस एतेक छैक जे ओ असगरे नै अछि। हुनकर सन बड़ रास लोक अछि। कतेक लोक तँ हुनकोसँ खराप स्थितिमे अछि। जे बिस्तरा ओ कनियापर देने अछि आ अपना रहै लेल एकमहला चुनने अछि, ओ ओतै अटकल रहैत अछि। कोनो तरहे बालकनीमे आबैत अछि आ ओतऽ बैसल-बैसल पूरा दिन लोककेँ आबैत-जाइत देखि कऽ अप्पन जीवित होइक अहसास करैत अछि।

रघुनाथ कोनो तरहेँ पार्क आ बहरि तक आबि जाइ छल, गाम नै जा सकै छल। एतऽसँ थ्री-व्हीलर वा टेम्पो लेब, बस अड्डा जाएब, बसमे धक्का-मुक्कीक बीच चारि घंटा बैसल रहब, बहरापर उतरब, फेर ओतऽसँ



पाँच-पैदल डेढ़-दू किलोमीटर गाम जाएब मुश्किल भऽ जाइ छल। जोड़मे दर्द सेहो रहऽ लागल छल। मुदा जेना-जेना गाम जाएब कम होइत गेल, तेना-तेना ओतुक्का जमीन-जालक चिन्ता बढ़ल गेल।

सोनल हुनका डेरासँ हटा कऽ घरक गेस्ट-रूममे राखि देने छल। ओ डँडीसँ बचि गेल छल मुदा खिड़की लग बैस कऽ रातिदिन अप्पन गाम आ खेतमे घुमैत रहैत छल आ सपना देखैत रहै छल। थाकि जाइ छल तँ बाकी समए ऐ सोचमे लगाबै छल जे सोनल हुनकर के अछि ने पुतोहु, ने बेटी- की ओ ओकर घरमे बैसल अछि? जे हुनकर अछि, ओ नै जानि कतऽ-कतऽ अछि। हुनका तँ शकिलो [?] नै छनि। पूरा दियाद-बाद- जकर एक-एकटा परिवार ओ जोड़ने छल- छिड़िया गेल छल। एतऽ धरि जे शीलाकेँ सेहो अप्पन बेटीक घर बैस कऽ बाढ़नि लगाएब आ खेनाइ बनाएब स्वीकार छल, मुदा पुतोहु कतऽ रहब स्वीकार नै। आ आब तँ पुतोहु सेहो कहाँ रहि गेल अछि। शीला या जकरा ककरो परा चलत, दस बात हुनके सुनाएत, उन्टे जे कोन सरोकारसँ ओतऽ छी अहाँ।

ई हलतिऐ [?] एक भोर हुनका कॉलोनीक शर्मा पीसीओ धरि लऽ गेल। हुनका सर्दी-बोखार छलनि। कतेक दिनसँ बाहर नै निकलि रहल छल। सोनल नै निकलऽ दै छल। मुदा अप्पन दुनू बेटासँ शाइनल [?] गप करैक उद्देश्यसँ ससरि आएल- चुपचाप।

समासँ पहिने संजयकेँ फोन केलक- एखन साढ़े आठ बजेक समए होइत अछि, जखन सोनल कंप्यूटरपर बैसै छल।

- हलो, हम बनारससँ रघुनाथ।

- संजय। अपना लग राखू ई धनाढ्य-सम्पत्ति। लाज आबैए अपनाकेँ अहाँक बाप कहैत हमरा। जे नीयत अहाँ देखेने छी अहाँ, ओइसँ हमरा गप नै करबाक चाही, मुदा

- अनर्गल गप बंद करू।

- सुनू, हम अशक्त भऽ गेल छी। जतिगोक कोनो ठेकान नै, कखैन की हुअए आब खेती नै हएत हमरासँ। या तँ आबि कऽ सम्हारू या बताउ की करी। गामक जमीन-जालक। संजय। बंजयसँ तँ पुछबे करब, मुदा अहाँ पैघ छी। मालिक छी। अहाँ की कहै छी?

संजय-००००

- नै, नै, हम एखन सभ करब जे अहाँ कहबा कहियौ तँ। विचार दिअ अपना।

- संजय-००००

- हँ। तँ सभ बेचि दिऔ। ओइ पाइसँ एक-डेढ़ कोठलीक बनारसमे फ्लैट लऽ लिऔ। बाकी जमा कऽ दिऔ आ ओकर सूदसँ दुनू परानी जीबी-खाइ।

- संजय-००००



मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

-હઁ, હઁ। પેશન તઁ નહવે કનાત। મુદા સુનૂ, ઈ કાળ અપ્પન માઁ-વાપક છેઉ અહી કનૂ। ઈ હમનાસઁ નૈ હએત।

- સંળય-૦૦૦૦

- એ દુઆને ળે ઈ પાપ અપના હાથસઁ નૈ કનવ। એ દુઆને ળ઼ે ઓ પુનપ્પા સવહક યોળ છી, હુનકન યનોહન છી। દોસનાક યોળ વેયવાક અયકિાન હમના નૈ અછિ।

- સંળય઼-૦૦૦૦

-નૈ, હમ એકદમ્મે ભાવુક નૈ છી। મુદા હમન પ્પેત નૈ છી। એકના હમ ળનિ્સ આકિમાઉ માનૈ છેઉ તૈયાન નૈ છી। આ સુનૂ, અપ્પન સઉાહ અપના ઉગ નાપ્પૂ। સાઢ઼। ળમકહનામ।

ઓ સ્ઠોન નાપ્પિદેઉક।

કછુ કાઉ યનાસોચૈત નહઉ ળે સ્ઠોન કની આકિ નૈ કની। આપ્પિમે ઉગ દેઉક નંવના

- હઉ, યનંળય઼ અછિ કી?

- મહિઉા સ્વ઼ન-૦૦૦૦

- હમ નઘુનાથ। હુનકન પતિ।

- યનંળય઼-૦૦૦૦

- હઉ નાળૂ। અહાઁ વનાનસ એવૈ મુદા ગામ નૈ એવૈ। હમ ંગળાન કનૈત નહિ ગેઉૈ।

- યનંળય઼-૦૦૦૦

મૌકા નૈ ભેટઉ તઁ નૈ ભેટઉ। ળાએ દયિૌ। એહન અછિ વેટા ળે હમ આવ કોનો કાળક છેઉ નૈ નહઉૈ। કાળ-યાળ નૈ હોઇએ। સમસ્યા અછિ પ્પેતક। ઓકન કી કની?

- યનંળય઼-૦૦૦૦

-નૈ, ઓ તઁ ઠીક અછિ મુદા સનેહી કહયિા યનાદેપ્પત। ઓકના ઉક કનૈએઉ નૈ દૈત અછિ। ઓકન સવહક આઁપ્પિ ઉગઉ અછિ અપ્પન પ્પેતપન।

- યનંળય઼-૦૦૦૦

- તઁ અપ્પૈન નૂકિળાઇ છી। માનિઉિઓ નૂકિળાઇ। મુદા ઓકનાસઁ પહિને હમ યઉિળાઇ તઁ। સંળય સેહો વાહન, અહૂઁ વાહના સ્ઠેન કે?

- યનંળય઼-૦૦૦૦


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

-ઠીક અછિ, વેચ દૈ છી મુદા ઓતવે પાસ્ક કછુ કનાર પડ઼ત નૈ. કી કની ઓકના?

- યનંળય-૦૦૦૦

- આય-આય વાઁટિ દિવ અહાઁ દુનૂ માસ્મૈ. સ્ત્રેના હમના આ અહાઁક માઁક કી હએત? હમ કી પાએવ? અચ્છા સુનૂ, ઈ વતાઉ ળે અહાઁ કી ક઼ઽ નહઓ છી આર-કાઓહિ.

- યનંળય-૦૦૦૦

- આર યનાનૈ મેટઓ અછિ નોકની. કતેક દનિ ઓગત અપ્પના અહી કરિ નૈ આવિ ળાર છી. મૈનેળમેંટક ળ્ઞાનક ઉપયોગ પ્પેતીક વળિનેસમે નૈ મઽ સકૈત અછિ?

યનંળય સ્ત્રોન કાટિ દિઓક.

- હ્લામપ્પોના નઘુનાથ પીસીઓસઁ વાહના આવિ ગેઓ. સાહ, ડોનેશનસઁ પઢ઼વ તઁ પૂછત કે? ને કાવિઓતી અછિ નહયિ પૈનવી- યઓઓ અછિ મૈનેળના વનૈ ઓઞ.

ઓ ઘના નૈ ળા કઽ સોહે પાનક ગેઓ આ ઓકડ઼ીક વૈયપના વૈસિ ગેઓ.

પાનકક વાગઓવઓ ઓતમે ઘના છઓ પાનસનાથ શન્નાક આ તીન-યાનટિ દાર હુનકાસઁ હ્લગડ઼ા કઽ નહઓ છઓ. હસ્ત્રુતામે એક-દૂ વેના કાઓનીક કોનો ને કોનો ઘનાક આગૂ એહન સીન મઽ ળાર છઓ. કરિ હોર છઓ એહન સીન, એકના સમ કયિ ળાનૈ છઓ તરસઁ મહત્વ નૈ દૈ છઓ.

- છઓ ઈ ળે સમ ઘનામે વાંગઓદેશી દાર છઓ. સોઓહ-સત્નહક ઉમેનસઁ પૈતીસ-યાઓસ સાઓક. વૂઢ઼મે સઁ કકનો ને કકનો વુઢ઼યિ અપ્પન વેટા-પુતોહુ ઓગ વાહના યઓિળાર છઓ કછુ માસક ઓઓ. નહૈ છઓ તઁ નાગ-દ્વેષસઁ મુક્ત મઽ આ વુઢ઼વાકૈં એતવે છૂટ દેતૈ. વૂઢ઼મે શાસ્ત્રે કોનો વૂઢ઼ છઓ ળકના અપ્પન ળવાન હેવાક નામ નૈ હએત આ ઓ સમએ-સમએપના પનીક્ષામ નૈ કનઽ યાહૈત ળે હુનકામે કછુ વયઓ અછિ આકિ નૈ. તૃષ્ણાક માનઓ સમ વૂઢ઼ પ્નેમ, દુઓનક નામપના એહન છૂટ ઓઽ વૈ છઓ આ દાર સમ સેહો સાવુન, તેઓ, નેઓપૉઓશિ, ઓપિસ્ટિકિ વા પંદ્નહ-વીસ ટકા વપ્પશીસ પાવિ સંતોષ કઽ વૈ છઓ. ઓ હુનકા કતઽ કાળ કનૈત સુનક્ષતિ અનુભવ કનૈત છઓ. સમસ્યા ઓતઽ ઠાઢ઼ હોર છઓ ળતઽ વૂઢ઼ અપ્પન દારકૈં સેવાક મુતાવકિ વપ્પશીસ દૈમે ના-નુકુડ઼ કનૈ છઓ. ઈ પ્નામય કઓહ ળેહન માનઓ હોસ્ત છઓ ળસ્મે તેસનાક દપ્પઓ દૈક ળનૂનત નૈ પડૈત છઓ. (વેસી ળાનકાની ઓઓ પત્નકાન સુશીઓ ત્નપિઠીક સ્ટોની પઢ઼ૂ- આપ્પિ અશોક વહિનક પ્નવેશ-દ્વાનપના મન્દાના કમળોની આ સસિનોત્થાનક સમસ્યાક નવિાનામક ળડ઼ી-વૂટી વનૌષયસિં શન્તયિ સ્ઓળક પીઅન તમ્વૂ સાઓ મનિ કરિ તનઓ નહૈત અછિ.)

ઐ કઓહ-કોઓહઓસઁ નરિપેક્ષ નઘુનાથ વેયપના યૂપ સેવન કઽ નહઓ છઓ તપ્પને હુનકા તાકૈત પુનના મત્નિ ળીવનાથ વન્મા પહુઁચઓ. ઓ હુનકે સંગ નટિયના મેઓ છઓ આ નસાયન શાસ્ત્નક અધ્યાપક છઓ. નગ્નમે વેટા-પુતોહુક સંગ સાકેત વહિનમે નહૈત છઓ.


मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

कार्यकालक दरिमे किछु लोक हुनका पागल बुझै छल आ किछु जीनियस। चना-चबेनापर जीवति रहैवाली भारतक अस्सी प्रतिशत जनता हुनकर चिंतक विषय छल। ओ सेहो शौकीन छल भूजाक (भुजनाठीसँ भुजल चना, मटर, लाइ, चूड़ा, बाली) का भानी मोश्किल छल सामान्य लोकका कड़ाही जुटाउ, बालु आ नीमकक बंदोबस्त करू, चुल्हा जराउ, ओकर गरम होइक आ धधकैक इंतजार करू, तखन जा कऽ भुज्जा तैयार होइत अछि। एहन नै भऽ सकैत अछि जे ई सभ झंझटि नै पोसऽ पड़ए। कतेक रास बरखक चिंतन मननक बाद ओ एकटा प्रयोग केने छल। किएक तँ ई राष्ट्रीय स्तरक समस्या छल जकर समाधान खोजि कऽ निकालने छल तइसँ हुनकर हार्दिक इच्छा छल जे एकर उद्घाटन वैज्ञानिक ए.पी.जे. अब्दुल कलाम करथि। मुदा हटिको लगोने छल रघुनाथे। ओ कहने छल जे प्रयोग अपन प्रक्रियामे अछि तइसँ आयोजन स्थानीय स्तरपर हुअए।

बड़ खर्च केने छल बरमा। घरक आगू तम्बू लगेलक, तीस अध्यापक लेल कुर्सी मंगवेने छल, कैटररसँ चालीसटा थारी मंगवैलक, माइक लगवैलक। सभ अध्यापकक थारीमे चारटा चना राखलक आ प्रिंसिपल, जकरा उद्घाटन करबाक छलै, हुनकर थारीमे पाँचटा। थपड़ीक गड़गड़ाहटकि बीच प्रिंसिपल मुँहमे पाँचो दाना खसेलक आ दकड़ैत थुकड़ि देलक। माइकपर एक वाक्य बाजल- ई चना लोहाक अछि आ जहर अछि।

सभ अध्यापक चख्खिने बिना प्लेट फेक देलक आ चलि गेल।

हुनका मोताबिक बरमा हुनकर अपमान केलक आ बरमाक मोताबिक ओ बरमाक।

प्रयोग ओना तँ गोपनीय छल, ओकरा लऽ कऽ बताओल सेहो नै जा सकै छल मुदा रघुनाथकेँ जे जानकारी छलै से ई जे बरमा हाड़ पोछि कऽ जमीनपर एक किलो चना पसारलक, ओइपर स्प्रिट छिड़कलक, काठी जरैलक, धधरा उठल आ चना भुजा गेल। (खोइया जड़ि गेल, गुद्दा ओहिना काँचे रहि गेल।)

वएह भुज्जा स्टेमबला बरमा किछु काल हुनका देखैत रहल आ आस्तेसँ कहलक- रघुनाथ। रघुनाथ जखन माथ उठेलक तँ ओ लपकल- ऐं। ई सत्ये अहीं छथि। भजार, की भऽ गेल अहाँकेँ। कल्ला बैसि गेल छै, गाल धँसि गेल छै, दाँत हड़ि गेल छै, आँखि भीतर चलि गेल छै- एना केना भऽ गेल। चिन्हैमे नै आबि रहल छी अहाँ।

रघुनाथ हँसल, ठाढ़ भेल, हुनका बाँहि लेलक आ अपना संग बैसबैत बाजल- कनी इम्हर।

किछु नै भजार, गेल छलौं काल्हि पेंशन ऑफिस। जखन घुरऽ लगलौं तँ बड़ा बाबू पुछलक- रघुनाथ जीवित अछि आकि गुजरि गेल। हम पुछलौं- एना केना बाजि रहल छी। ओ कहलक- फाइल बंद पड़ल अछि हुनकर। मइसँ पेंशन नै चढ़ल अछि किए? ओ बाजल जे लाइफ सर्टिफिकेट नै देने अछि। तँ हम पदा दिखैये लेल एलौं जे मामिला की अछि?

- बड़ नीक केलौं, ऐ बहन्ने अहाँसँ भेँट भऽ गेल। ओकरामे किछु करबाक तँ अछि नै। फारम भरि कऽ रजिस्ट्रारकेँ देबाक अछि। ओ दस टका लेत आ प्रमाणित कऽ देत। फेर बरख भरिक चिन्ता खत्म।

रघुनाथ बड़ महिआएल मोनसँ बाजल- जीवनाथ। हमरा चौअनिया जीवनमे कोनो रुचि नै अछि।



वर्मा बड़ दुखी भऽ कऽ रघुनाथकेँ देखलक- बाजार, की बात अछि अहाँ एहन तँ नै रहिऐ।

चलू घर। जाड़क हुअए तँ साँझकेँ जाएब। रघुनाथ एकटा हाथमे लाठी आ दोसरमे वर्माक कन्हा धेने घुरल।

१०

जीवनाथ वर्मा जाड़-जाड़ एकटा नव आसन ठाढ़ कऽ कए गेल छल, ई कहैत जे अपना समयक लोक बड़ जीतौ रग्घू मुदा अपना लोक जीवू।

परह आे गप छल जे कहियो हुनका अप्पन दमागमे नै आएल। अपनासँ अलग सेहो किछु होइत अछि की? की बेटा अप्पन नै छल? बेटी अप्पन नै छल। स्त्री अप्पन नै छल। पेत-पलहिन अप्पन नै छल। ई जरूर अछि जे सभ कियो अपना लोक जीवन चाहै छल। ककरो ऐ गपक चिन्ता नै छलै जे आे जी रहल अछि आकि मरि रहल अछि। आेकर अप्पन पगता समसँ बेसी रहै छलै आ आे नै चाहै छल जे कियो आेकरापर कोनो सवाल उठावै। अहाँ आेकरा अप्पन बाट जाए दियौ आ जाए दरमे मदति करू तँ अहाँसँ नीक कियो नै।

मुदा की हुनकर जिनिगी रघुनाथक जिनिगी छल।

नै, हेबाक चाहि छलै अप्पन अलगसँ। जे भेलै नै। आ जीवनाथ वर्मा ई सभ तखैन कहि रहल छल जखन कान सुनि नै सकैत छल, आँखि देखि नै सकैत छल। कलम चला नै सकै छलै, डाँड़ सोझ नै भऽ सकै छलै। आ ई सभ किछो अपन परता आ परकि करतव्यक भेँट चढ़ि गेलै। आे ई माने लल एकदम्मे तैयार नै छल जे अप्पनक भोषमे आे दोसर छल। आे कतौसँ खसल नै छल, अनेरुआ नै छल। रघुनाथ स्वयं कृतज्ञ भावसँ शीलकेँ दोसराक घरसँ आनल छल, परह हुनकर हुनका समपर उपकार छल जे हुनका नै जानैत-पहचानैत हुनका संग आएल छल आ एक नव दुनियाँ रचएमे हुनकर संग देने छल।

आखिर कोन उम्मेदसँ रघुनाथ शीलसँ मलि कऽ रचने छल ई दुनियाँ।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

શ્રો એળવે નઃિસ્પૃહ શ્રા નસ્વિાર્થ ત઼ નૈ છલ શ્રા હુનકર શ્રાશા સેહો હુનકાસઁ શ્રળ઼ા નૈ છલ, ળે ગામ-ઘરક છલ। કી ળે શ્રો શ્રશક્ત ભ઼ ળાએ ત઼ વચ્ચે હુનકર શ્રઁાખ઼િ વનત, હુનકર હાથ-પએર વનત। શ્રો દુખ઼િ હએત ત઼ ચએહ વચ્ચા હુનકર સેવા કરત, દવા-દારૂ કરત, શ્રસ્પતાલમે ભર્તી કરાએત। મરઽ લગત ત઼ મુઁહમે ગંગાળલ-તુલસી દેત, શ્રર્થી સળાએત, શ્મશાન લઽ ળાએત, ક્રિયા-કર્મ કરત।

મુદા દેખૂ ત઼ એકરાસઁ વેસી મૂર્ખતા કી ભ઼ સકૈત શ્રછિ શ્રએ, મરલાક વાદ સડ઼ચ-ગલચ, કૌશ્રા-ચીલ ખ઼ાએ વા કુકુર- કી શ્રુરક પડ઼ૈ છૈ।

મુદા ચદિ દુનિચાિક શ્રા દુનિચાિક ચલૈન રહૈક કાચદા ઈ રહૈત શ્રછિ કિ કી પૈદા હુશ્રએ વા ળશ્રિએ। ળીશ્રવ શ્રહાઁક કર્તવ્ય શ્રછિ કર્તવ્ય માને કી? શ્રશક્કા કચિો ઈ નૈ પુછલક શ્રપનાસઁ- કકરા ભેલ ળી રહલ છી? શ્રો ળન્મૈક વાદ ળાચરા ળી રહલ શ્રછિ, ળી રહલ શ્રછિ મરચ કઽ દનિ ચરા। મરચ કઽ દનિ વાપ-વેટાક હાથ શ્રો સભ કછુિ સૌપિ કઽ ળાઇત શ્રછિ ળે શ્રોકરા સંગ રહૈત શ્રછિ લશ્રિ, સમ્હારૂ શ્રાવા હમ ચલલૌ।

રઘુનાથ લગ ગામક ળમીનક શ્રલાવે કછુિ નૈ છલ શ્રા શ્રોઇ ળમીનકેં શ્રો શ્રનમોલ વુહૈત છલ। વેટા હુનકા કૈશ્રમે ભળોખ઼ા દેખ઼ૈત છલ શ્રા કહિ રહલ છલ ળે એકરાસઁ વેસી ત઼ હમર એક માસક ઇરકમ શ્રછિ।

સંળચક ટપ઼િપાણી રઘુનાથક ભીતરક સભટા ળીવનક રસ ચૂસિ ભેને છલ। શ્રો શ્રપ્પન કોઠલીક ખ઼િડ઼કી લગ વૈસલ કદમ્વક પાતક પાર શ્રાસમાન દેખ઼િ રહલ છલ ળે સૂર્યાસ્તક વાદ મલછિૌહ છલ। શ્રોતઽ હુનકર શ્રઁાખ઼કિ શ્રાગૂ એકટા મદ્ધિમ તારા છલ ળે હરિત પાતક શ્રઢ઼મે કખ઼નો નુકા ળાઇ છલ, કખ઼નો હુલકઽ લાગૈ છલ। ઈ તારા નૈ છલ। હુનકર પતિા છલ ળે હુનકાપર હઁસૈત છલ શ્રા નુકા ળાઇ છલ।

- હૌ ળીવનાથ સુનહ। શ્રપ્પન દનિ ત઼ વચલ નૈ ળીવાક ભેલ મુદા ળીશ્રલ છી શ્રપના ભેલ। શ્રો શ્રચાનકે ચકિડ઼િ ઉઠલ ળેના ળીવનાથ સદ્યઃ ગેટક વાહર ઠાઢ઼ શ્રછિ।

તારાક તુકમલિાની લારા। તારા હુનકા લારાક મોન પાડ઼િ દેને છલ, શ્રોઇ લારાક ળે હુનકર નતિાંત શ્રપ્પન ળનિગીક ગુપ્ત હીસ છલ।

ળઇ દનિ રઘુનાથ શ્રપ્પન કશિોરાવસ્થા પાર કઽ રહલ છલ શ્રોઇ કાલ હુનકાસઁ ટક્કર ભેને છલ લારા ચડ઼ઢા। એકટા શ્રલ્હડ઼ શ્રા સોલ્હ સન લડ઼કી। શ્રંડાકાર મુઁહવાળી સુન્દર લડ઼કી। સપનાએલ શ્રઁાખ઼િ નાકક નોકપર વદમાસી। ઠોઢ઼ક કોનપર હઁસી। છઇરીસન દેહ ળના હવામે થરથરાઇત વુલવુલ। કમી છલ ત઼ વસ દૂટા પાઁખ઼કિ, ળકર સહાચતાસઁ શ્રો ળખ઼ૈન ચાહએ તખ઼ન ઉડ઼િ સિકએ।

રઘુનાથ મામક ઘર રહિ કિઽ પઢ઼ાઇ કેને છલ શ્રા શ્રો શ્રાગૂ રહૈ છલ વંગલામે। પૈઘ વહનિ હૉસ્ટલમે છલ શ્રા શ્રો માઁ-વાપક સંગ। રઘુનાથસઁ એક ક્લાસ ઊપર છલ। શ્રો ળખ઼ૈન-તખ઼ૈન સાઁઝક વલ્વક રોશનીમે પાપાક સંગ વૈડમિંટન ખ઼ેલાઇ છલ ત઼ રઘુનાથ શ્રપ્પન દરવાળાપર ઠાઢ઼ ભઽ કઽ દેખ઼ૈત છલ।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

एक दिन जप्पन लाराक माए-बाप कोनो समारोहमे बाहर गेल छल, ओ इशारासँ रघुनाथकेँ बजौने छल। ओ घरक ड्रेसमे छल- स्कर्ट आ ब्लाउजमे। ओ रघुनाथक संग कैरम खेलाइ लेल बैस गेल आ किछु काल धरि खेलाइत रहल। फेर अचानके उठल, दौड़ कऽ लॉनमे गेल, पीअर गुलाबक फूल संग घुरल आ केसमे लगा कऽ ठाढ़ भऽ गेल- आब कहू, केहन लगै छी। अपरतीव भऽ रघुनाथ देखैत रहल आ आस्तेसँ बाजल- नीक।

- ऐँ, खाली नीके? लाराक आँखि फाटल रहि गेलै।

रघुनाथकेँ बुझेमे नै एलै जे आगू की बाजी।

लारा पथरसँ उठल कऽ बोर्डकेँ एक दिस केलक आ हाथ पकड़ि कऽ ठाढ़ कऽ देलक रघुनाथकेँ। ओकर आँखि नोरा गेलै, बाजल- गोबर। मोनेमोन चाहै छी जे नीके-नीक बाजी, अहाँक आँखि ठोढ़, आंगुर, बाँहि आ पूरा देह नीक बाजी। आ ओ एक-एक कऽ ओकर अंगा आ पैंट खोलैत गेल।

- अप्पन सेहो हम खोली आकि अहूँ किछु करब। ओ लजाइत कनखुसकी केलक।

जना-जना वस्त्र ओकर देहसँ अलग होइत गेल, ओना-ओना एकटा अज्ञात, अनदेखल, अकल्पित दुनियाँ खुजैत गेलै ओकरा आगाँ कनी-कनी। मुदा ई कनी-कनी असह्य भऽ गेलै रघुनाथ लेल। ओ बेसब्र आ जंगली भऽ उठल। ओ लाराक संयमपर चकित सेहो छल आ मुग्ध सेहो। ओ हुनका आस्तेसँ बैसैलक आ हुनकेपर रमड़ि गेल- फूलसँ बनल गाछ सन। हुनका भीतर पैसँ पहिने हुनकर कानमे खुसखुसैलक- बुद्धूराम। कहियो मेटाएब नै। आ हुनकर हाँपल जीहक नोकसँ दहिना दिस लिखलक- एलए। जप्पन बाम छातीपर आर लिखि रहल छल ओहि काल कॉलबेल बाजल।

ओ तरपि कऽ ठाढ़ भऽ गेल। बाजल- पहिनू आ भागू पाछाँसँ।

फेर तँ मास भरकि बादे चड्ढा साहेबक बदली भऽ गेल आ ओ चलि गेल।

ऐ गपकेँ या तँ रघुनाथ जनैत छल या लारा- तेसर कियो नै। एहन बहुत रास गप अछि हुनकर जिनगीमे जे वएह टा जनैत अछि। की ई नै छल अपना लेल जीअब।

ककरो नै पता जे शुरूसँ रघुनाथ एकटा चोरक जिनगी जीअल अछि जे हुनका नजरि आबैबला जिनगीसँ बेसी असली आ अप्पन रहल अछि। नहियेँ माँ-बापकेँ पता, नहियेँ स्त्रीकेँ, नहियेँ बेटा-बेटीकेँ। ऐ जिनगीक भीतर एकटा दोसर जिनगी। जकरा लोक देखैत छल आ बुझैत छल ओ दोसराक लेल आ दोसराक काजक लेल भल रहल हुअए- हुनकर अप्पन जिनगी नै छल। मजा आ हमेश ऐ जिनगीमे छलै जे हुनकर नीजी छल आ जे प्रेमक खोजमे गुजरि गेल। जमानासँ बचा कऽ, लोकक आँखिसँ चोरा कऽ, अपना आँखिमे गर्दा झोंकि कऽ, हुनका चोखा दऽ कऽ जे हुनकर अलावे, ओकरा पता छलै, ऐ गपक भनक भले भेटल होइ ककरो, पूर्णम जानकारी ककरो नै।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

पूना जानकारी तँ अहाँक बदमाशीक सेहो नै अछि कक्करो रघुनाथ। ओहो यौवनक जीवन छल अहाँक। अहाँ हॉस्टलमे छलौं ओइ काल। अहाँक भजार श्रीराम तिवारी, भेंट करए लेल आएल छल अहाँसँ। आएल छल तँ असपताल अप्पन माँकेँ लऽ कऽ, हुनका हालत सीरियस छल। माँकेँ अप्पन बाइक जमिमा छोड़ि कऽ अहाँसँ भेंट करऽ लेल आएल छल। जखन ओ जाए लागल तँ ओकरा जेबीसँ खसल ताकसँ बाहर नोट अहाँ देखने छलौं आ चुप रहलौं। बादमे जानलौं तँ एक सए तीन टका छल। माँकेँ देखा कऽ घंटा भरि बाद फेर आएल- चिन्तित, परेशान आ घबड़ाएल। अहाँ ओ जतऽ बैसल छल ओतऽ फेर चौकीक नीचाँ टेबुलपर आ ओकरा नीचाँ कोठलीमे चारू दिसि देखैत रहल। बुझलाक बादो अहाँ ओकरा पुछल छलौं- की भेल अछि? किछु टका छलै दवाइ लेल, नोट नै रहल अछि। आन ठाम कतौ तँ गेलौं नै। अहाँ देखलौं तँ नै। आ अहाँ उत्तर की देलौं- असपतालक भीड़-भाड़मे कतौ सम्हरि कऽ रहबाक छल। ओतऽ जेबक पॉकेटमार आबैत अछि ओहिने चोर आ पाकेटमार सेहो। ई समाजक शिकार अछि। नै भजार। आन कतौ गेल नै छी। खसल हएत तँ एहने कतौ, जेबी कटबाक तँ सवाले नै अछि।

-तँ देखू ने, कतऽ अछि एतऽ अछि कतौ?

-तँ रघुनाथ ईहो अहीं छलौं। बएह अहाँक निजी जिनगी। जौं ई जिनगी लोककेँ पता चलल हेतइ तँ अहाँ की एतेक आदरणीय आ गण्यमान रहि गेल हेतइ या नै, अपने सोचू।

रघुनाथ सोचलक आ वर्माकेँ अपना लेल जविवल सबहपर अविचलित रहल। ऐ दगावाज आदर आ प्रतिष्ठाक बदला आत्माक ई नंगटपनी बेसी नीक छल। अपना लेल सेहो आ समाज लेल सेहो। ई आदमी ठीक नै समाजक विसंगतियो सेहो चेहरा अछि, जे झाँपल-मुनाएल अछि। समाज जानए जे जँ हम बदमाश छी तँ ऐ बदमाशीक कारण असगरे हम नै छी, ओ सेहो अछि। आ सही कहियौ तँ ओकरे कारण हम एहन छी।

-पापा। सोनल दरबाजासँ आवाज देलक। -अहाँ अप्पैन चरि अन्हारमे पड़ायल छी। ओ स्वीच ऑन केलक आ कमरामे रोशनी भऽ गेल।

रघुनाथक आँखि चोन्हेलै, फेर पसरि गेल। पहिल बेर सोनलक संग एकटा युवा। गम्हर, सुन्दर, आँखिपर नै माथपर चश्मा, कन्हापर झोरा, खादीक कुरता आ जीन्सक पैंट। एक हाथमे लपेटल अखबार। रघुनाथ उठि कऽ बिछौनपर आएल।

-पापा। बएह अछि समीर। दैनिक भारतक उप-संपादक।

रघुनाथक पएर छुलक समीर।

-हमर कहानि अछि हम बनौल नहि। ई बिसरि गेल हेथिन। जइ काल हम पटनामे रिसर्च कऽ रहल नहि, ओइ काल ई सेहो ओतै छल। आइ अचानक सेमिनारमे भेंट गेल। लऽ कऽ आबि गेलौं अपना संग।

-कतऽ रहै छी बेटा।

-एतै, लोमे। संजय नगरमे।



- ऐं। ओतऽ तँ हम गेल छी। अप्पन दोस्त बापट कतय।

- हम हुनके फ्लैटक नीचाँ रहै छी। आब तँ हुनकर फ्लैटमे हुनकर बेटा आबि गेल अछि, स्त्री बच्चाक संग।

चौंकल रघुनाथ- हुनकर बेटा? बेटा कहाँ छल हुनका।

समीर सोनलकेँ ताकलक। सोनल बाजलि जे ओइ काल अहाँ गाम गेल छलौं। हुनका किछु नै पता।

समीर बाजल- पापा। की अहाँकेँ खबरि अछि जे बापटक मृत्यु भऽ गेल अछि पछिला दिन। शहरमे हुनकर लाश भेटल छल। आ अहाँ आश्चर्य करब जे एफआइआर अहि बेटाक नामे अछि। पेपरमे आएल छल ई समाचार। अहि बेटाकेँ ओ अनाथालयसँ अडाप्ट केने छल, जखन ओ बच्चा छल। पढ़ेलक, लिखेलक, कोनो नोकरी सेहो दिआ देने छल ओकरा। चालि-चलन नीक नै छै तइसँ निकालि देने छल ओकरा घरसँ। ई चाहै छल जे अपना रहिते फ्लैट ओकरा नाम लिखि दिअए। शायद लिखिवाइओ लेने छल ओ, ऐ शंकापर जे ओ ऐमे रहिये आएत जखन ओ नै रहत। कहब मुश्किल अछि जे की कोना भेल।

रघुनाथ काठ सन बैसल रहल- बनि। हवि-डुल। कनी कालमे चश्मा उतारलक, गरामे लपेटल मफलरसँ पोछलक, फेर लगा लेलक। जना ओ बापटकेँ देखऽ चाहै छल। ऐ शहरमे एलाक बाद जे लोक अराममे हुनकर दोस्त हैत छल हुनकर ओ बापट छल। हुनकर मुँहसँ आश्चर्य सन नै, एकटा आह सन निकलल ई वाक्य- ई की हैत जा रहल अछि लोककेँ। ई केहन हैत जा रहल अछि दुनियाँ। हम बड़ नीक नै रही मुदा एतेक प्रभाव सेहो नै छलौं।

- पापा, समीरसँ कहि रहल छी जे ऐ शहरमे जखन अप्पन घर अछि तँ ओतऽ कहि। उपरो तँ एकटा कमरा खाली पड़ल अछि।

रघुनाथ कातर भऽ कऽ हाथ जोड़लक- जे करबाक अछि करू, हमरा अराममे छोड़ि दिअ। प्लीज।

रघुनाथ बनि खेल-पलि रातिक गुजारि देलक। नीन नै एलै। ओ कोठलीमे बत्ती मिझा कऽ सुतैत छल मुदा आइ जरैत छोड़ि देलक। एक बेर रातिक हुनकर आँखि लागलि बापटक चेहरा घुमैत रहल आ कानमे ओकर गीत- हाए हाए ये जालिम जमाना। मुदा एकर बाद हुनकर हृदयक अवाज कानमे चक-चकक बदला मारलक-मारलक कहि चिड़कब शुरू कऽ देलक। रोशनीक रंग पीअरसँ लाल हुअए लागल। फेर तँ ओ जम्हिर नजरि घुमाबै छल, उम्हरसँ कोदारि, कुड़हरि, हँसू, चक्कू, पघरिया, ईटा, पाथर, पेस्तौल कूदैत-छलाँगैत लफकारा देत लखाह दै छल। कनी कालमे रोशनी नै, जना शोणितक खुही उड़ए लागल आ चारू दिसि देवार लाल भऽ गेल। ओ उठि कऽ बैस गेल आ अपनासँ बाजल- ऐ दुनियाँमे कहियो हरियरका रंग होइत छै बाउ, ओ कतऽ गेलै?


मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

११

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

घरक बाहर कदम्बक बड़ पैघ गाछ छल मुदा ओकरा पता नै चलि रहल छै ऐ अन्हारक कारणेँ, घनघोर बर्खाक कारणेँ। छतक डाउन पाइपसँ जलधारा खसि रहल छल आ ओकर अवाज अलगसँ सुनाइ पड़ि रहल छल।

एहन मौसम, एहन बर्खा आ एहन हवा ओ देखने नै छल। दिमागपर जोर देलाक बाद मोन पड़लै- साठि-बासठि बर्ख पहिने। ओ स्कूल जाए लागल छल- गामसँ दू मील दूर। मौसम खराब देखि कऽ मास्टर साहेब समएसँ पहिने छुट्टी देने छल। ओ सभटा बच्चा संग गाछीमे पहुँचल छल आकि बिहाड़ि, बर्खा आ अन्हार। सभ आमक गाछक अढ़ लैत चाहलक मुदा बिर्रो हुनका घास सन उड़ेलक आ गाछीसँ बाहर धानक खेतमे जा कऽ पटकि देलक। ककरो झोरा-झपटा आ किताब-कापीक पता नै। बर्खाक बुन्नी हुनकर देहपर गोलीक छर्रा सन लागि रहल छल, ओ कानऽ लागऽ लागल। बिर्रो थमलाक बाद जखन बर्खा कनी कम भेल तँ गामक लोक लालटेन आ टॉर्च लऽ कऽ निकलल छल खोज भेल।

ई एकटा दुर्घटना छल आ दुर्घटना नै हुअए तँ जिनगी की?

आ ईहो एकटा दुर्घटने छल जे बाहर एहन मौसम अछि आ ओ कोठलीमे अछि।

कतेक दिन भऽ गेलै बर्खामे भीजल।

कतेक दिन भऽ गेलै लू केर झोकसी झोकेल।

कतेक दिन भऽ गेलै जेठक घाममे डुमल।

कतेक दिन भऽ गेल इजोरियामे नाचि घुमल।

कतेक दिन भऽ गेलै जाड़मे ठिठुरल, दाँत कटकटेल।

की ई डरसँ होइए जे हम एकरासँ बचल नहि। बचि कऽ चली। या डरसँ जे एकरा भोगी, एकरा जीबी, एकरासँ दोस्ती करी, गप करी, माथपर बैसाबी।

हम एकरासँ ओना व्यवहार करै छी जेना ई हमर शत्रु अछि। किए करै छी एना।

इम्हर कतेक दिनसँ रघुनाथकेँ लगै छल जे ओ दिन दूर नै जखन ओ नै रहत आ ई धरती रहि जाएत। ओ चलि जाएत आ ऐ धरतीक वैभव, ऐश्वर्य, सौन्दर्य- ई मेघ, रौद, गाछ-वृक्ष, ससबि, चान-तारा, कछार, जंगल-पहाड़ आ ई सभ किछु एतै छूटि जाएत।

ओ सभ किछु अप्पन आँखिमे बसा लेबऽ चाहै छल जेना ओ भले चलि जाएत, आँखि रहि जेतै, चामपर सभ चीजक छाप सोखऽ चाहैए जेना चाम केँचुली सन एतऽ छूटि जाएत आ ओकर स्पर्श हुनका धरि पहुँचैत रहत।

हुनका लगै छल जे बेसी दिन नै बचल अछि हुनका जाइमे। सम्भव अछि जे ओ दिन काल्हि हुअए जखन हुनका लेल सूर्य नै उगए। उगत जरूर, मुदा ओकरा दोसर देखत- ओ नै। की ई संभव अछि जे ओ सूरजकेँ बान्हि कऽ



અપના સંગ લેને જાए- નહિયે ઓ ૧હए, નહિયે ઉગાए આ નહિયે દેખए। મુદા એકટા સૂનાળ પૂના થનતી તેँ ને, ઓ કોન-કોન ચીજકેં વાન્હત આ કકના-કકના દેખૈસં નોકત।

હુનકન વાँહિ ખેઠક નમ્હન જઽ જાઇए જે ઓ ઓઇમે પૂના થનતી સમેટ લેથિए આ મનए વા જાથિए તેँ સજાક સંગ।

મુદા એકટા કચોટ આન છલૈ નઘુનાથકેં જે ઓકના કચોટ નિહલ છલૈ, કાલ્હિ થિન કિતઽ છલ ઈ પ્રેમ। થનતીસં પ્રેમક। ઈ વ્યગ્નતા। કાલ્હિ સેહો ઈ થનતી છલ। ઈ મેઘ, અકાસ, તાના, સૂન્ય આ ચન્દ્નમા। થાન, હનના, સાગન, જંગલ, પહાડ઼ ઈ ગાછ, મકાન, ચૌવટિયા કતઽ છલ ઈ ઉદ્વેગ। શુન્યસતિ ને છલૈ એકના સજાકેં દેખવાક। આઇ જખન મૃત્યુ વિછિઇ જના આસ્તેસં કોઠલીમે આવિ નિહલ અછિ તેँ વાહનક જાનિગો સુનાઇ દઽ નહલ અછિ।

- સત સત વતાઉ નઘુનાથ, અહાँકેં જેઠલ જકના લઽ કઽ કહિયો સોચને છલૌ। કહિયો સોચને છલૌ જે એકટા છોટ ગામસં લઽ કઽ અમેનિકા થનિ પિસતિ જાएવ। પીઢ્યીપન વૈસિ કિઽ નોટી-પથિઙ્ગુ-નીમક જ્યાઇવલ અહાँ અશોક વૃક્ષિાનમે વૈસ કઽ લચ આ ડનિન કનવ।

મુદા નઘુનાથ ઈ સજા ને સુનિ નિહલ છલ। ઈ અવાજ વાહનક ગડ઼ગડ઼ાહટિ આ વન્પ્યાક અવાજમે દવિ ગેલ છલ। ઓ અપના વૃશમે ને છલ। હુનકન નજનિ ગેલ કોનમે ઠાઢ઼ લાઠી આ છત્તા દસિ। જાડ઼ક ઠંઢી ઓહિનો જયાનક છલ ઉપનસં પાથન આ વન્પ્યા। હિમ્મિત જવાવ દઽ નહલ છલૈ, તકન વાદો ઓ દનવજ્જા ખોલલક। ખોલલક કી, ઓ ઓત્તે ઠાઢ઼ છલ આ અપને-આપ ખુજિ ગેલૈ। નીજલ હવા સનસનાइત અંદન આएલ આ ઓ ડનિ કિઽ પાછાँ હટિ ગેલ। સ્ઠેન સાહસ કેલક આ વાહન નકિલૈક તૈયાની શુરૂ કેલક। પૂના વાँહિમે થન્મોકોટ પહિનલક, ઓઇપન સૂતી અંગા, સ્ઠેન ઓઇપન સ્વેટન, ઉપનસં કોટ। ઊની પૈટ પહિનિ પહીન લેને છલ। ઈ જાડ઼ક મોનમે પહિનિ કઽ ટહલૈક કપડ઼ા છલૈ। છલૈ તેँ મસ્ઠલન સેહો મુદા ઓકનાસં વેસી જરૂની છલૈ- ગામછા।

વન્પ્યાકેં દેખૈત। જના-જના કપડ઼ા જાનિતૈ, ઓ એક-એક કઽ ઉતાનૈત આ સ્ઠેકૈત જાएત આ અંતમે નહિ જેતૈ ઈ ગામછા।

ઓ અપ્પન સાજ-વાજક સંગ અપ્પનો પૂના આશ્વસ્ત ને છલ। ઉઘાન, વનિ કેસક માથકેં લઽ કઽ ઓ દુવિધામે છલ- કનટોપ ઠીક નહત વા ગામછા વાન્હિ લેથિએ।

પાથન જે ખસવાક છલ, શુરૂહેમે ખસિ ગેલ છલ આ આવ ઓકના કોનો અંદેશા સેહો ને છલૈ।

ઓ ગામછાકેં ગાનમે ચારૂ દસિસં લપેટલક આ ઉઘાને માથે વાહન આવિ ગેલ।

આવ નહિયે કહિયો નોકૈવલ આ નહિયે ટોકૈવલ। ઓ વાજલ- હે મના ચલ। ઘુનિ કિઽ એલૌ તેँ વાહ-વાહ ને એલૌ તેँ વાહ-વાહ।

પાથનવલ વન્પ્યાક અન્હાન સુનંગમે ઉતનૈસં પહિનિ ઓ ઈ ને સોચને છલ જે નીજલ કપડ઼ાક જાનક સંગ એક ઠાં વઢ઼વ હુનકા લેલ મુશ્કિલ હએત।



मानुषीमिह संस्कृताम्ISSN 2229-547X VIDEHA

શ્રો શ્રપ્પન કમનાસઁ નકિભ શ્રાએઉ મુદા ગેટક વાહન નૈ ળા સકઉ।

છત્ન પ્પુળૈસઁ પહનિ ળે પહિલુક ડેપ શ્રોકન ઉઘાન, પ્પઉવાટ માથપન પ્પસઉ, શ્રો એોક પઉપ્પનિ નૈ દેઉક ળે શ્રો વુહિ સકએ ળે ૬ વળિભ કડ઼કઉ શ્રછિ શ્રાકિ ભેહાક કભિ શ્રછિ ળે માથમે જૂન કનૈત મીતને-મીતને નડ઼વા યનિ પૈસિ ગેઉ શ્રછિ શ્રોકન પૂના શનીન હનહના ઉઠઉ। શ્રો નનિ઼ાઉ વન્પ્પામે વૈસ ગેઉ મુદા મીળૈસઁ નૈ વયિ સકઉ। ળપ્પન યનિ છિત્ના પ્પુળઉ, નાયનિ શ્રો પૂના મીળ ગેઉ છઉ।

શ્રાવ શ્રો શ્રૃઁસિ ગેઉ છઉ- વન્શ્રવભ હવા શ્રા વન્પ્પાક વીયા હવા ઘાસ સન શ્રોકના ઊપન ઉડ઼ા નહઉ છઉે શ્રા વન્પ્પા ળમીનપન પટકિ નેહઉ છઉે। મીળઉ કપડ઼ાક માન ઉડ઼ૈ નૈ દૈ નહઉ છઉે શ્રા હવા ઘસિયિને ળા નહઉ છઉે। હુનકા એનવે ટા મોન છઉનિ ળે ભેહાક ગેટપન શ્રો કનેક વેન મહના કૈ પ્પસઉ શ્રા ૬ નપ્પન યનિ યિઉઉ ળપ્પન છત્નાક કમાની ટૂટિ ગેઉ શ્રા શ્રો ઉડ઼ૈત ગેટક વાહન ગાએવ મૈ ગેઉ। શ્રાવ હુનકા એહન ભગિ નહઉ છઉ ળે હવા ડામ-ડામસઁ નોયિ નહઉ શ્રછિ શ્રા પાનિ દાગિ નહઉ શ્રછિ- ળનૈત છોઉનીસઁ।

શ્રયેન હૈકૈ પ્પસૈસઁ પહનિ હુનકન દમાગમે ળ્શ્રાનદત્ન યૌવે શ્રાએઉ- હુનકન મત્ના શ્રો દૂ વેન શ્રાત્મહત્યા કનૈક પ્રયાસ કેને છઉ- પહિલુક વેન ભેહના સ્ટેશનક ભગ મેઉ પટનીપન નગનસઁ દૂન નન્ળન સ્થઉપન, ળનૈ કકનો શ્રાએવ-ળાએવ નૈ છઉ। સમય શ્રો પૈસૈળન વા માઉગાડ઼ીક નૈ, એક્સપ્રેસ શ્રાકિ મેઉક યુનને છઉ। ળે હૈક શ્રછિ પ્પટસઁ હુશ્રએ, ળસઁ નકભેશ્ર નૈ હોશ્ર શ્રો પટનીપન સુનઉ છઉ ળે મેઉ શ્રાવૈત દેપ્પઉકા ળાને કી, શ્રોહિ સં ળીવનક મોહ પૈદા મેઉ શ્રા ઉઠિ કેન માગહિ મે મેઉ ળે ઘુટનાક ભગ પસન પ્પયાક।

૬ મનહિ સે વેસી પ્પનાવ મેઉ। વૈસાપ્પીક સહાના શ્રા ઘન વભ કેન ગાસન શ્ર દુત્કાના એક વેન શ્રેન શ્રાત્મહત્યાક ળુનૂન સવાન મેઉ શ્રોહિ પિના શ્રહિ વેન સવિાનક સ્નાના શ્રો વૈસાપ્પી શ્રેક છઉંગ ભળેઉક શ્રા પસન મે છપાક કવિનોહ પકડ઼િ મે શ્રાવિ ગેઉ। નીન દનિ વનિા પ્પાયઉ પયિઉ જૂપ્પઉ યભિવૈત નહઉ સ્નાન મે-શ્રાશ્રોન નકિઉઉ ને દોસન ટૂટઉ પસનક સંગ।

શ્રાસ વએહ ળ્શ્રાનદત્ન વનિા પએનક ળ્શ્રાનદત્ન યૌનાહાપન મીપ્પ માંગૈએ મનૈક શ્રાસ શ્રોકના કનૈકૈ નૈ છોડ઼ઉકે। મુદા ૬ સાઢ઼ ળ્શ્રાનદત્ન શ્રોકન દમાગમે કપિ નૈ શ્રાએઉ। શ્રો મનૈ ભેઉ નકિઉઉ નૈ છઉ। નકિઉઉ છઉ વુન્ની ભેઉ, પાથન ભેઉ, હવા ભેઉ। શ્રો પનાભાાન નકિાઉઉક ળે ળીવનક શ્રનુમવસઁ ળીવન પૈઘ શ્રછિ। ળપ્પન ળીવને નૈ, નઁ શ્રનુમવ કકના ભેઉ।



१२

रघुनाथकेँ कहियो पता नै जे ओ अप्पन कोठलीमे केना पहुँचल। के लऽ गेल। कखैन लऽ गेल। केना लऽ गेल। कपड़ा के उतारलक? देह के पोछलक आ तीस वरखक पुरना खादी आश्रमवला ओ गाउन आ ओवरकोट के पहिरलक



ળકન નોરયાઁ હડ઼િ ગેલ છલ આ ળે ળલશ્ચાઁશ્ચીટા નહિ ગેલ છલ। ઓ નીયાઁસઁ ઉઘાન છલ આ ગન્નમે પડ઼લ નેના સન વુક્કી માનને વછિૌનપન પડ઼લ છલ। હુનકા ઊપન કંવલક સંગ સીનક પડ઼લ છલ ળકન નીયાઁ ઓ દવલ છલ।

હીટનસઁ કમનાકેઁ ગન્મ ક઼ઽ દેલ ગેલ છલ।

હુનકન પલ્નક ૮નવામે સમીન ૯લ નગાડ઼િ નેહલ છલ આ દોસન ૮નવામે સોનલ। ગનમ ૯લસઁ અળમાશ્નક ગંય આવિ નહલ છલ।

નઘુનાથક ગનસઁ નકિલેવલા શ્ચોશ્ચ વ૮ા નહલ છલ ળે યતિાક કોનો ગપ નૈ અછિ। ઓ વેહોશીમે લાગિ નેહલ છલ- નીનમે વેસી, ળાગલમે કમા પનસ્થિતિકેઁ વુહ્વાક લેલ સોનલ હુનકા દૂ-તીન વેન અવાળ દેલક। દેહમે કની હલિઙોલ ભેલ મુદા આઁખિ નૈ ખોલલક।

ના૮ાિઆયસઁ વેસી વીત ગેલ છલ।

વ૮ી મહિા દશ્રિ?- સમીન પુછલક।

સોનલ વાળલ- મહિા દયિૌ।

નઘુનાથક મનમે ભેલ ળે મના ક઼ઽ દપિ।

૮નવા લગા વૈસૈ૮ સમીન પુછલક- કાલ્હિ કિએ વળે અછિ અહાઁક ક્લાસા।

-કાલ્હિ નૈ, આઇ કહૂ। નઽ વળેસઁ। મુદા છુટ્ટી લશ્ચિ પડ઼િ સિકૈ૮ અછિ

-અને નૈ, નીક ભઽ ળાણ૮ ભોન યના ટનાટના ડાન લાગિ ગેલ અછિ ઓ ૮ઁ કહૂ ળે હમ સમએસઁ પહુઁચિ ગેલૌ। ળેના ગેટ લગા કછિુ ખસૈક આવાળ ભેલ, હમ દૌડ઼લૌ આ દેખલૌ ૮ઁ પાપા।

(દેખૂ ઈ હુટડાકેઁ। ક૮ૌ નૈ દૌડ઼લા પોન્ટિકોસઁ ઙંટા કોયિ-કોયિ ક઼ઽ દેખલક। અપને ઙનલ છલ ળે નૈ ળાનિ કો ભેલ। કુકુડ઼, વલિાઇ ળાનિ કઞ)

ઓઇ દુનૂક અવાળ ના૮ળાગી સન છલ- ખસ-ખસ આ શ્ચુસ-શ્ચુસા ઓ આસ્૮ેસઁ શ્ચુસશ્ચુસા નહલ છલ, ૮ઇસઁ નઘુનાથક નીન ઉચટૈ નૈ। ઓ અપન નીયાઁ કંવલ ઓછા ક઼ઽ નાખને છલ આ શાલ ઓઢ઼ને છલ।

-એક ગપ કહૂ ળે પાપા સુનૂસઁ એહન લેક છલ? હક્કી આ ળદિ્દી। અપના મોનકા- સમીન વાળલ।

-પહને ઈ હાથ હટાઉ।

-કેહન હાથ।

-યાન, સેસેશન ભઽ નહલ અછિ ગુદગુદી। વુહૈ નૈ છી કી?



- વગઊમે વૈસૈ છી તઁ કપ્પની સુનૈ છી હમના

(નઘુનાથકેઁ વત઼ી મહિવૈક નહસ્ય શ્રાવ વુહૈમે શ્રાએઊ। શ્રો સીનકક મીતન ઘોકર્યવિંદ શ્રાઁપ્પયિ સમ કછુિ દેપ્પિ-સુનિ નહઊ છઊ શ્રા માએ ઊળક નહયિ કનૌટ ઊશ્રિ સકૈત છઊ, નહયિ હઊિ નહઊ છઊ।)

- સોયૈ છી મમ્મી શ્રા દીદીકેઁ પ્પવન દs દી।

- ળેહન શ્રહાઁ યાહી, શ્રોના ળૂનત નૈ શ્રછિ રિકના

- સોયૂ ળૌ શ્રહાઁ નૈ હેતાિ તઁ કી હેતાિ? શ્રસગએ કી કનતાિ હમ? એસ્રૂ! શ્રનયોક્કે યહીઁકિ ઉઠઊ શ્રો। કી કનૈ છી ઈ? યૈન્યૂ નૈ શ્રછિ?

- કેના હએત? ઙઢી તઁ દેપ્પૂ। સમીન શ્રોકના શ્રાન ઊગ-શ્રાનો ઊગ શ્રાવૈત કાનમે વાળઊ-નોકવાક શ્રછિ તઁ મૌસમકેઁ નોકૂ। સુનિ નહઊ છી- સ્રેન ટપિ ટપિ। ઈ વુન્ની કછુિ કહિ નહઊ છઊ। કી કહિ નહઊ છઊ?

શ્રાવાળ સમીનક ગનમે કત઼ૌ સ્રૂઁસિ ગેઊ છઊ શ્રા ટૂટિ નહઊ છઊ।

- સમ્મી। પ્ઊળા- સોનઊ વેચૈનીમે શ્રપ્પન માથ નઘુનાથક શ્રોર પએનપન નાપ્પઊક ળકન તનવા શ્રોકન તનહત્થોપન છઊૈ। શ્રોકન ગત્મ સાઁસ હુનકન શ્રાંગુનપન હ્વા કs નહઊ છઊ।

- દોસા ઉઠૂ તઁ। પાપા સુતિ ગેઊ શ્રછિ, હુનકા સુતs દિયૌ। સમીન ળના ગિડ઼ગિડ઼િગ વાળઊ।

સોનઊ ડેહુન મને વૈસઊ નહઊ શ્રા નઘુનાથક તનવાપન માથ નપ્પને સોનઊ વીચ-વીચમે સહિનિ ઉઠએ। શ્રો માની ટૂટૈત શ્રવાળમે કહઊક- વુહૈ કએિ નૈ છી? ઐ હાઊમે કોના છોડ઼િ દિશ્રિ હનિકા? કપ્પેન કેકન ળૂનત પડ઼િ ળાએ।

મુદા શ્રોકન એક નૈ સુનઊક સમીના શ્રો વૈસઊ સોનઊકેઁ ઊગમગ શ્રપ્પન કોનામે ઉઠૈઊક શ્રા ઊને-દેને કોઠીસઁ વાહન મs ગેઊ।

નઘુનાથકેઁ પ્પનાપ નૈ ઊગૈ। શ્રોકન તનવામે પડ઼ઊ શ્રોકન માથ ળેના પહિન ક્ષમા માંગિ નહએ છઊ। શ્રપ્પન ઉમેન છેવે કી કનએ નઘુનાથ મન વનૈઊક ળે ળૌ શ્રો સમીનકેઁ પ્નેમ કનૈએ શ્રા શ્રોકના સંગ ઘન વસાવs યાહૈએ તઁ શ્રો પાપાક હૈસયિતસઁ કન્યાદાન કનવામે પાછૂ નૈ હટત।

નઘુનાથકેઁ પૂના તનહેં સ્વસ્થ હેવામે એક સપ્તાહ ઊગિ ગેઊ। શ્રો સીનક શ્રોછા કs ઊૉનમે પટા કs નૌદ સેકિ નહઊ છઊ- દુપહનિયામે। સોનઊ શ્રા સમીન શ્રપ્પન કાળપન યઊિ ગેઊ છઊ। સમ દિનિ સન શ્રપનામે હઁસી મળાક કનૈત। ગાડ઼ીમે સોનઊક વગઊમે વૈસૈત સમીન હાથ હિઊઊક-વાર-વાર પાપા, હૈવ શ્ર ગુડ ઙૈ। ળવાવમે નઘુનાથ સેહો હાથ હિઊઊક- પટાયઊ-પટાયઊ। કે ળાનએ, હાથ હિઊઊ વા નૈ।

ઘંટા મનિ વાદ હુનકન શ્રાઁપ્પિ મિચિમયિાએઊ, શ્રાકાસ દિસિ દેપ્પઊક શ્રા ઉઠિ વૈસઊ। વૈસઊ એહન ઊગિ નહઊ છઊ ળના ઊૉનમે કોની સુપ્પાએઊ વોન્સાર હુશ્રએ।

શ્રાવ ષ્યાઊ દેવ઼ાન છઊ શ્રા શ્રો છઊ શ્રા નૌદ છઊ। કની કાઊ ઊગાઊ હુનકા સામાન્ય હોઙ્ને।

-ગુડ ડે- શ્રો શ્રાસ્તેસઁ વાળઊ।

-ગુડ ડે- શ્રો મુસ્કી દેઊક।

-ગુડ્ડે- હુનકન શ્રઁખ્ય નિના ગેઊ। શ્રો યૌક કિઽ હટપટ શ્રઁખ્ય પોછઊક શ્રા ખુશીસઁ હઁસઊ।

શ્રાવ શ્રો પૂન્મ નૂપેં સુસ્થનિ યનિ છઊ। મુદા કે કહ્ય પૂના ઠનહેં। કખિકિ મિાસ ઞઽ ગેઊ છઊ શ્રા કતૌસઁ કોનો ખ્વનિ નૈ છઊ- નહિયે મનિળાપુનસઁ, નહિયે નોણડાસઁ, નહિયે શ્રમેનાકિાસઁ, નહિયે પહાઙ્પુનસઁ। શ્રાજ સબકેં વૂદ્ઊ ઞઽ ગેઊ છઊ ળે નઘુનાથ હુનકા સદા ઊઊ વસ્તિુનિ ગેઊ શ્રછિ, વસ્તિુનિ ગેઊ, મનઊ માનિ ઊિને શ્રછિ મયા-મોહ ત્યાગ કિઽ।

કૉઊેની શ્રોહનિા નનિળન શ્રા ઉદાસ શ્રપ્પન ઘનમે પૈસઊ છઊ। શ્રહનિમે હુનકન દનવ઼ાળાપન એકટા વોઊેનો ળીપ ઠાઢ઼ ઞઽ ગેઊ શ્રા શ્રોઙસઁ દૂટા યુવ઼ા વહાન મેઊ। શ્રો વ઼ણ્હ છઊ ળકન યન્યા કેને છઊ ગામક સમેહિ। શ્રપ્પને કછુ દનિ પહનિ।

શ્રો પણન છૂવ કિઽ હુનકન શ્રગાઊ-વગાઊમે વૈસ ગેઊ। નઘુનાથ ધ્યાનસઁ દેખઊક- શ્રો વ઼શ્વિવ઼દ્યાિઊયક ઊડ઼કા સન ળીન્સ શ્રા સ્વ઼ેટન પહનિને છઊ। એકદમ ટીપ-ટૉપ। મઊ શ્રા સભ્ય઼ ઘનક। પુછઊાપન નામ નૈ વતૌઊક શ્રો। શ્રો સભ યૌકન્ના છઊ શ્રા હડ઼વડ઼ીમે ઊગાિહઊ છઊ। નઘુનાથ યાહ પાનિ ઊિઊ પુછઊક મુદા શ્રોકના સબકેં એતે શુન્સતિ નૈ છઊે।

-સન, ઐપન સગ્નિેયન કઽ દયિૌ। એક ગોટે એકટા કાગળ વઢ઼ૌઊક ળઙ્પન પહનિસઁ કછુ ઊખ્યિઊ છઊ।

નઘુનાથ યશ્મા ઊગા કઽ પઢ઼વ શુનૂ કેને છઊ ળે દોસન છીન ઊેઊક- હમનાસઁ પૂછૂ ને। હમ વતા દૈ છી। પહનિ સગ્નિેયન કનૂ।

નઘુનાથ શ્રોકના નીક ળકઁ દેખઊક।

શ્રો નવ઼િાઙ્વ઼ન નકિાઊ કિઽ દનીપન હુનકન શ્રાગૂ નાખ્ય દેઊક।

-કતેક દેને શ્રછિ નિમેશ। શ્રસ્સી હળાન। એક ઊાખ્ય। ઐસઁ વેસી દામ તઁ નૈ શ્રછિ ળમીનક।- પુછઊક નઘુનાથ।

-સગ્નિેયન કનૈ છી શ્રાક નૈ।

-શ્રો તઁ કઽ દેવ મુદા હમ દૂ ઊાખ્ય દશ્રિાએ દી તઁ?

-દૂ ઊાખ્ય? કતઽસઁ દશ્રિાએવ?

-એકનાસઁ શ્રહાઁકેં મતઊવ। દશ્રિાએ દી તઁ?



દુનૂ એક-દોસના દસિ ΓાકΘક- Γઁ ળે કહી સે કઽ દેવ।

- માના દિવ નએશકેઁ?

- સેહો કઽ દેવ।

- મુદા હમ ઓકના મારૈ છΘ નૈ કહવ। કાળ વ઼રહ કની ળઽમે ખΓના કમ હુઅએ, પાર એટએ ળΓોક મામૂΘ નકમ છΘ અહાઁ દૌડ઼Θ આએΘ છો ઓΓેપન Γઁ Θગહો કરૈΓ અછિ હમન એકટા વેટા।

- Γરસઁ એΓોક ગણ્ય માના નિહΘ છો, ઓરમે નહાવૈ છો કો। નમ્હનવΘ Θડ઼કા હઁસી કેΘક।

- કો કહΘૌ? નઘુનાથ અપ્પન હાથ કાનપન Θઽ ગેΘ-કની ઊઁચ વાળૂ।

- કછુ નૈ, વΓાઉ Γઁ કો કનવાક અછિ?

પહિનિ પેસ્Γૌઢ ળેવીમે નાખૂ આ ઓ કાગળ હમના દશિ વા આડ઼િ દિશિ।

- હઁ, કહૂ- નવિાઢવ઼ન ળેવીમે નાખૈΓ દોસન વાળΘ।

- હમના છેએ ચΘૂ। અપહનાહ્મ કનૂ હમન આ માંગૂ દૂ Θખ્ખ।

- કે દેΓ અહાઁ સબ સડ઼Θ-ગΘΘ વુઢ઼વાકેઁ દૂ Θખ્ખ।

- ખાΘિ દૂ Θખ્ખ, Γરસઁ ળે ૬ પાર દૈમે કનયિો નૈ અપ્પનૌ। એટ ળાએΓ આ હન્યાસઁ સેહો વચા ળાએવ।

- અને કે દેΓ એ સડ઼Θ-ગΘΘ કેન।

- સડ઼Θ ગΘΘ છો અહાઁ છΘ, વેટા છΘ Γઁ નૈ, વેટી છΘ Γઁ નૈ।

- માળ Θિશિ એકનામે સઁ કશિ પાર દૈ છΘ નૈ આએΓ, Γખન?

- સે દેખવાક અછિ ળે કયિો આવૈએ કો નૈ?

- હમહૂઁ Γઁ સૈહ કહિ નહΘ છો ળે કયિો નૈ આવએ Γખન?

નઘુનાથ ક્ષાહ્મ એના સોચΘક- Γૈચો ચાિΓ નૈ। એΓોક ગેΘ-ગુળનΘ હમ નૈ છો। એΓોક Γઁ હમના Θગ અછિ ળે અપનાકેઁ છોડ઼ા છેવ।

- વૈસΘ નહૂ હિΘવ નૈ। દુનૂ ઉઠΘ, કની દૂન ળા કઽ આપસમે ખુસુન-ફુસુન કેΘક, ફેન ઓΓનૈસઁ આવાળ દેΘક- ઠીક અછિ ચΘૂ।

- Γઁ આઉ, સમેટૂ સીનક। નઘુનાથ ઠેહુનપન હાથ નાખિ કિઽ ઉઠિ કિઽ ઠાઢ઼ ભઽ ગેΘ।



દુનૂ યકતિ ભऽ દેખ્યઉક- સીનકક કી કનવ?

- ઓઢવ, ઓછાએવ, સનિમા વનાએવ- ળૂનન પઙત ત઼ઁ ઉગી વના ઉવ આન કી?

નવિાઉવ઼નવઉ ઉઙકા સીનક સમેટૈત પુછઉક- કછુ ખાસ અછ઼િ એ સીનકમે?

- અછ઼િ તેિ વેટા પઙેને અછ઼િ કૈઉશ્રિેાન઼્નયિાસઁ।

મુદા ई સીનક સવ ત઼ઁ તૈ ઉાગૈએ- દોસન સંદેહ કેઉક।

- ઉાગએ તૈ ઉાગએ, હમ ત઼ઁ સે કહૈ છી।- કહૈત નઘુનાથ વદિ઼ા ભેઉ।

- તૌ વૂઢ, ળાએ કતऽ છી? કમસઁ કમ પૈસા ત઼ઁ નાખ્યિ ઉિશ્રિ। દસ દનિક શ્રોન-શ્રાન, નાશન-પાની, પેટ્નોઉ સભકા ખાએવ કી?

- સભ હમહી કનવ ત઼ઁ અહાઁ સભ કી કનવ? વૈસ કऽ તોટ ગાતવ કી? નઘુનાથક ભૌહ તની ગેઉ। હુનકન ભીતનક માસ્ટન શ્રુનશ્રુના ઉઠઉ- આ સુનૂ, અહાઁ સવ ઉૈઙાકેઁ પઢાવૈત ઉમન ગુળાનઉ અછ઼િ હમન, તઽસઁ આદનસઁ ગપ કનૂ। હમન ળૂનન અહાઁકેઁ અછ઼િ, હમના કોતો ળૂનત તૈ અછ઼િ અહાઁકા વુઙ્ઉૌ।

નવિાઉવ઼નવઉ ઉઙકા આસ્તેસઁ વાળઉ- આસ્તેસઁ-યઉ ત઼ઁ પહનિ। આતૌ વતવૈ છી ળે કકના કકન ળૂનન છૈ।

- કછુ કહઉૌ?- નઘુનાથ થકમકા ગેઉ।

- કછુ તૈ, યઉ।

નઘુનાથ ળખન ઙટાક સહાને વાહન આએઉ તખન ઓકન મુઁહ વાતનટોપીક ભીતન છઉ આ સીનક ઉઙકાક કન્હાપના ઓ આગૂ ળા નહઉ છઉ, દૂનૂ અપહ્નતા ઉઙકા પાછાઁ-પાછાઁ- ળેના ઓ વેટાક સંગ મગન તીન્થપન ળા નહઉ છઉ।

“𑒣𑒹𑒯𑒢𑒣𑒩 𑒢𑒰𑒑𑒠𑒴”- 𑒬𑓂𑒩𑒲 𑒏𑒰𑒬𑒲𑒢𑒰𑒟 𑒮𑒱𑓀𑒯 (𑒯𑒱𑒢𑓂𑒠𑒲𑒮𑒿 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒁𑒢𑒳𑒫𑒰𑒠

𑒬𑓂𑒩𑒲 𑒫𑒱𑒢𑒲𑒞 𑒅𑒞𑓂𑒣𑒪)

𑒬𑓂𑒩𑒲 𑒏𑒰𑒬𑒲𑒢𑒰𑒟 𑒮𑒱𑓀𑒯

જન્મ: ૧ જનવરી, ૧૯૩૭, વનારસક જીયનપુર ગામમે કાશી વિશ્વવિદ્યાલય સં હિન્દી મે એમ.એ આ઼ આર પી-એચ.ડી. આરિય અધ્યાપન આ પ્રોફેસર આ અધ્યક્ષ પદસં સેવાનુક્ત કૃતિ: લેગ વસ્તિર પર, સુવહ કા ડર, આદમીનામા, નઈ તારીખ, સદી કા સવસે વડા આદમી, કલ કી શ્રેષ્ઠ કહાનિયાં, કહની ઉપખાન (કહાની સંગ્રહ), ઘોઆસ (નાટક), હિન્દી મે સંયુક્ત ક્રિયાએઁ (શોધ), આલોચના ભી રચના હૈ (સમીક્ષા), અપના મોર્ચા, કાશી કા અસ્સી (ઉપન્યાસ), યાદ હો કિ ન યાદ હો, આછે દિન પાછે ગએ (સંસ્મરણ) સમ્માન: કથા સમ્માન, સમુચ્ચય સમ્માન, શરદ જોશી સમ્માન, સાહિત્ય ભૂષણ સમ્માન, સાહિત્ય અકાદેમી સમ્માન

વિનીત ઉત્પલ

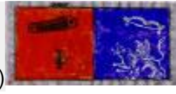
જન્મ : ૭ અપ્રૈલ, ૧૯૭૮ મધેપુરા, વહિન્ એક દશકસે વેસી અવધિ ધરિ રાષ્ટ્રીય સહારા, હિન્દુસ્તાન જેહન અખવારમે પત્રકારિતા વાદ આય કાલ્હિ અધ્યાપન સમ્પ્રતિ જામિયા મલ્લિયા ઇસ્લામિયા, નઈ દિલ્લીક મે શોધરત અહૉક પ્રકાશિત કૃતિ સિનમે હમ પુછૈત છી (મૈથિલી કાવ્ય-સંગ્રહ), નએ સમય મે મીડિયા (સંપાદન), સાહિત્ય અકાદેમી સં પુરસ્કૃત હિન્દીક વરિષ્ઠ કથાકાર ઉદય પ્રકાશક કથા 'મોહનદાસ'ક મૈથિલી અનુવાદ

ऐ रचनापर अपन मंतव्य ggajendra@videha.com पर पठाउ।



પૃથ્વી મામ્લ

૬□ષ્ટકોમ



ઐ દુનિયાઁમે પ્નાક□ત દ્વાના નિર્મિત

સબ ચીજ઼ સુન્દન છૈ

ઓ ચાહે મનુષ્ય હો વા અન્ય જીવ-જન્તુ

પન્યાવનણ આકાશ આબાનામ્ઙ૭

ધનતી આકાશ આસમાન

સબ સુન્દન છઽ!

સુન્દનતા નિર્ભન કનૈ઼

અપન- અપન દ□ષ્ટિકોણપન

માને દેખૈક અપન નજૈનપન

ઐમે આશા-નિનાશા સેહો અછિ

મુદા દ□ષ્ટિકોણ ત઼ઁ દ□ષ્ટિએક સમાવેશ છી

જે અપ્પન-અપ્પન નહને

સબકેં અદ્વિતીય બનવૈ઼

સબ અછિ સુન્દન ઐ ગપ્પક પુષ્ટિ કિનવૈ઼

અહો દુઆમે દ□ષ્ટિ વદલૂ

અપનહિ સ□ષ્ટિ વદૈલ જાએત

આ લાખ કમી નહિતો અહાઁકેં

સબ કિછુ સુન્દન બુઝાએત! ! □

ઐ નચનાપન અપન મંતવ્ય <u>ગગાજેન્દનાઽવિદેહ઼ાચોમ</u> પન પઠાઉ।



विदेह



मैथिली साहित्य आन्दोलन



सिद्धिरस्तु